

सं० 43]

मई विस्मी, शनिवार, अक्तूबर 24, 1981 (कार्तिक 2, 1903)

PUBLISHED BY AUTHORITY

No 43] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 24, 1981 (KARTIKA 2, 1903)

इस मांग में भिन्न पृष्ठ तंक्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation)

# माग 111-खण्ड 1

# [PART III—SECTION 1]

उच्च म्यायालयों, नियम्ब्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नर्इ विल्ली-110011, दिनांक 23 सितम्बर 1981

सं पी. / 1782-प्रशा. ।।—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिस्चना दिनीक 18-12-1980 के अनुक्रम में अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद्द्वारा महालेखाकार का कार्यालय, हरियाणा, चंडीगढ़ के लेखा अधिकारी श्री एल. आर. सरीन को 1-6-81 में 30-11-1981 तक, की अग्रेतर अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में वित्त एवं बजट अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं। श्री सरीन इस अधिस्चना द्वारा निर्धारित अवधि के दौरान कोई प्रतिनियुक्ति (इयूटी) भत्ता प्राप्त करने के हकदार नहीं होंगे।

- 2. यह अधिसूचना कार्मिक और प्रशासनिक सूधार विभाग के अनुमोदन से जारी की गई हैं; बॉबिए उनका पत्र सं. 39017/12/81-स्था. (स) विनाक 10-6-81 तथा इसे जारी करने के लिए महालेखाकार हरियाणा ने भी अनुमित दी हैं; बॉबिए उनका पत्र सं. प्रशा. 1/जी. ओ./सी. एफ./एल. आर. एस./12839 दिनांक 4-9-1981।
- 3 इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनाक 23-6-1981 का अधिकमण किया गया है।

पी. एस. राणा अनुभाग अधिकारी कृते अध्यक्ष संघ लोक सेवा आयोग गृष्ठ मंत्रालय

कार्मिक और प्रशासनिक सधार विभाग

लाल बहाबुर गास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी

मसूरी, दिनांक 1 अक्सूबर 1981

सं. 2/6/81-ई. एस. टी.—श्री आर. एस. बाहती, स्थाई अधीक्षक को पूर्णतः अस्थाई तथा तदर्थ रूप से दिनाक 1-10-81 (पूर्वाह्न) से छः माह के लिये या इस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहिले हो, लाल बहाद्दर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर, वेतनमान रू. 650-30-740-35-880-ई. बी.-40-960 में नियुक्त किया जाता है।

एस. एस. रिजवी. उप निदोशक (वरिष्ठ)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई विल्ली, दिनांक 29 सितम्बर 1981

मं ए -19021/7/81-प्रशासन-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री गुरबचन जगत, भारतीय पृलिस सेवा (पंजाब-1966) को दिनांक 21-9-1981 के पूर्वाहन से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पृलिस स्थापना में प्रतिनिय्क्ति पर प्लिस अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

# दिनांक 30 सितम्बर 1981

सं. 19021/6/81-प्रशासन-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री पी. के बी. चक्रवर्ती, भारतीय प्रतिस सेवा (महाराष्ट्र 1971) को दिनाक 19 सितम्बर, 1981 के प्रीहन में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों, विश्लेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियक्ति एर पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

को. ला. ग्रोवर प्रशासनिक अधिकारी (स्था.) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

# महानिद्धालय केन्द्रीय रिजर्व प्लिम बल नई दिख्ली, दिनांक 28 सितम्बर 1981

सं. को दो -1445/79-स्थापना—महानिद्शेक, केन्द्रीय रिजर्व प्लिय बल ने डाक्टर (श्रीमती) ज्योत्सना त्रिवदी को 4-9-81 के पर्वाह्न से केवल तीन महीने के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियमित होने तक इनमें जो एहले हो उस तारीख तक, केन्द्रीय रिजर्व प्लिम बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में निय्कत किया है।

## दिनांक 30 सितम्बर 1981

स. ओ दो -1578/81-स्थापना—महानिद्येक केन्द्रीय रिजर्व पृलिस बल ने डा सुरेन्द्र सिंह को 17-8-81 के प्रविह्न से 1-9-81 तक केन्द्रीय रिजर्व पृलिस वल मे किनष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियक्त किया है।

ए. के. सूरी सहायक निदशक (स्थापना)

भारत के महायंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनाक 28 सितम्बर 1981

सं 11/36/79-प्रज्ञा -।—इस कार्यालय की तारीख 6-10-1980 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम मे

राष्ट्रपित, नई दिल्ली में दिल्ली शाखा के केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों के कार्यालय अधीक्षक श्री एम एल ग्लाटी की नई दिल्ली में भारत के महापजीकार के वार्यालय में उप-निदेशक के पद पर पितिनिय्क्ति पर स्थानान्तरण द्वारा तदर्थ नियुक्ति की अपिध को तारीख । मार्च, 1981 से 31 दिसम्बर, 1981 तक या जल तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जा भी अवधि पहने हो, सहर्ष और वढाते हैं।

2 श्री ग्लाटी का म्ख्यालय नई दिल्ली मे होगा।

पी. पद्मनाभ भारत के महापजीकार

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय, निद्शेक लेखा परीक्षा, डाऊ तार

दिल्ली-110054, दिलांक 26 सितम्बर 1981

स का आ पर सन-।।।/330/23(ए) (2) अधिसूचनाए—निद्धां अलंखगरीश्य डाक-तार में सहर्ष, डाक-तार शासा
लेखापरीक्षा कार्यालय हैंदरावाद के अनुभाग अधिकारी श्री वीसाप्रमद्धा करियादा नरिसम्हा राज की पदान्ति कर उनको स्थानापन्त
लेखापरीक्षा अधिकारी के पद पर दिनांक 14-7-81 पूर्वाह्न से
नियक्त किया है तथा उन्हों अगले आदेशों तक टाक-तार शासा
तेखापरीक्षा कार्यालय अहमदाबाद में तैनान किया है। उनकी
पदोन्तित नदर्थ आधार पर है और यशोधनाधीन है।

कोवल थापई महायक निदेशक लेखा परीक्षा

नर्ड दिल्ली, दिनांक 28 सितम्बर 1981

स प्रशासन-।।।/312/23(ए) (2) अधिसचनाए--डाक-तार लेखापरीक्षा कार्यालय कलकत्य के स्थानपन्न लेखापरीक्षा अधिकारी श्री एस आर चक्रवर्ती दिनांक 31-7-1981 अपराहन से निर्मान पर मेबा निवन हो गये हैं।

> एस . कप्पुस्वामी लेखा परीक्षा अधिकारी

# रक्षा मंत्रालय श्राडेंनेन्स फैक्टरी बोर्ड.

कलकत्ता, दिनांक 26 सितम्बर 1981

ें सं० 8/81/ए/एम०—राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित सहायक चिकित्सा स्रधिकारियों / किनिष्ठ चिकित्सा स्रधिकारियों (तदर्थ) का सैवा से त्याग पत्न/बर्खास्तगी मंजूर करते हैं । तदनसार. प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीख से, उनके नाम, ध्रार्डनेन्स फैक्टरियों संगठन की नफरी से काट दिए जाते हैं :—

क्रम सं०	नाम े	फैक्टरी का नाम जिसमें तैनाती थी	दिनांक	के िक्सियत
	o के० रामामूर्ति, सहायक चिकित्सा धिकारी			
	विकारा ७ सरोज कान्त साह, सहायक	गन कैरिज फैक्टरी, जबलपुर	7-2-81 (ग्रपराह्न)	त्याग पत्न दिया
चि	कित्सा ग्रधिकारी	मेटल एण्ड स्टील फैक्टरी, ईशापुर	1-5-81 (ग्रपराह्न)	त्याग पत्न दिया ।
भ्र	ं वीरेन्द्र सिंह, सहायक चिकित्सा धकारी	क्लोदिंग फैक्टरी, शाहजहांपुर	22-6-81 (ग्रपराह्न)	बर्खास्त किया गया
चि	, ,	गन कैरिज फैक्टरी, जबलपुर	20-8-81 (ग्रपराह्न)	बर्खास्त किया गया
	० टी० एस० चड्ढा, कनिष्ठ कित्सा ग्रधिकारी, (तद्दर्थ)	गन कैरिज फैक्टरी जबलपुर	26-8-80 (ऋपराह्न)	बर्खास्त किया गया

मं०  $9/81/\sqrt{\psi}$ म—स्राब्द्रपति महोदय, निम्नलिखित सहायक चिकित्सा श्रिधिकारियों को श्रार्डनेन्स फैक्टरियों मे प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तारीख से श्रार्गीमी श्रादेश न होने तक नियुक्त करते हैं :—

सं०	नाम व पद	नियुक्ति स्थान	दिनांक		
1.	. डा० हरिणंकर जाटव (एस० सी०) महायक चिकित्सा ग्रिधकारी	ा हैवी वेहिकल फैक्टरी 'धवादी'	27-5-81 (पूर्वीह्न)		
2	. डा० (कुमारी) शकुन्तला देवी, सहायक चिकित्सा		(4 %)		
	ग्रधिकारी	श्रार्डनेन्स फ <del>ैंक</del> ्टरी, मुरादनगर	28-5-81 (पूर्वीह्न)		
	डा० विजय के० साह, सहायक चिकित्सा र्याधकारी		01-6-81 (पूर्वाह्न)		
	डा॰ एम॰ एन॰ नुकार, सतार ह चिकित्सा अधिकारी		02-6-81 (पूर्वाह्न)		
	डा० के० परघा सारघी, सहायक चिक्तिता प्रधिकारी	क्लोदिग फैक्टरी, शाहजहांपुर	02-6-81 (पूर्वाह्न)		
6.	डा० श्रमलन्दु भडल (एस० सी०) सहायक चिकित्सा ग्रधिकारी		3-6-81 (पूर्वीह्न)		
7.	श्राधकारा		5-6-81 (पूर्वाह्म)		
	डा० गिबेन्द्र नारायण राय, सहायक चिकित्सा	-	\$ \$ 62 (8.1.4)		
-	र्प्राधकारी	राइफल फैक्टरी, ईशापुर	9-6-81 (पूर्वाह्न)		
	डा० प्रमोद कुमार गुप्ता, नहायक चिकित्सा भ्रधिकारी	क्लोदिंग फैक्टरी, शाहजहापुर	11-6-81 (पूर्वाह्म)		
	डा० वीरेन्द्र कुमार, सहायक चिकित्पा श्रधिकारी .		01-7-81 (पूर्वाह्न)		
	डा० एम० एम० प्रसाद, सहाधक विकित्सा ग्रा		19-7-81 (पूर्वाह्म)		
	डा० रमश चन्द्र साह, सहायक चिकित्सा प्रधिकारी .	•	23-7-81 (पूर्वाह्न)		
13.	डा० निलन बिहारी कानूनगा, सहायक चिकित्सा				
	म्रधिकारी	<b>~</b>	30-7-81 (पूर्वाह्म)		
14.	डा० मनोज क० भोमिक, सहायक चिकित्सा ग्रधिकारा	गन एण्ड गोल फैंक्टरी, काणीपुर	27-7-81 (पूर्वाह्न)		
		श्रपर महानिदेशक, झ	भ्रार० जी० देवलालिक इंनेन्स फैनटरियों/सदस्य (कार्मिक		
	कलकत्ता, दि मं० 34/जी/81—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखिन श्र तर-III) के पद पर, उनके सामने दर्शाई गई तारीख	 नांक 22 सितम्बर 1981 फिसरों को स्थानापन्न महाप्रबन्धक (से के	ा <mark>र्क</mark> नेन्स फैनटरियों/सदस्य (कार्मिक		
फ० ( <b>स</b>	मं० 34/जी/81—'राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित श्र सर-III) के पद पर, उनके सामने दर्शाई गई तारीख	 नांक 22 सितम्बर 1981 फिसरों को स्थानापन्न महाप्रबन्धक (से के	ाईनेन्स फैनटरियों/सदस्य (कार्मिक क्शन ग्रेड) डी०डी०जी० ग्रो		
कं० (स 1.	पंo 34/जी/81—'राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित <mark>श्र</mark>	 नांक 22 सितम्बर 1981 फिसरों को स्थानापन्न महाप्रबन्धक (से के	ा <mark>र्क</mark> नेन्स फैनटरियों/सदस्य (कार्मिक		
1. 2. 3.	मं० 34/जी/81—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित श्र तर-III) के पद पर, उनके सामने दर्शाई गई तारीख श्री के० द्वारकानाय, स्थानापन्न उप-पी० श्रो० श्री वाई० एस० न्नि वेदी, स्थानापन्न वरिष्ठ उप-निदेशक श्री एस० थीयागराजन, स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-1	 नांक 22 सितम्बर 1981 फिसरों को स्थानापन्न महाप्रबन्धक (से के	ाईनेन्स फैनटरियों/सदस्य (कार्मिक क्यान ग्रेड) डी०डी०जी० ग्रो . पहली, भ्रगस्त, 1981		
1. · 2. · 3. · 4. ·	भं० 34/जी/81—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित श्र तर-III) के पद पर, उनके सामने दर्शाई गई तारीख श्री के० द्वारकानाय, स्थानापन्न उप-पी० श्रो० श्री वाई० ०.स० द्वि गेदी, स्थानापन्न वरिष्ठ उप-निदेशक श्री एस० थीयागराजन, स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-1 श्री एस० पी० रामामूर्ती, स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-1	 नांक 22 सितम्बर 1981 फिसरों को स्थानापन्न महाप्रबन्धक (से के	ाईनेन्स फैनटरियों/सदस्य (कार्मिक क्यान ग्रेड) डी० डी० जी० ग्री . पहली, भ्रगस्त, 1981 . पहली भ्रगस्त, 1981 . पहली भ्रगस्त, 1981		
1. 2. 3. 4. 5. 4.	मं० 34/जी/81—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित श्र तर-III) के पद पर, उनके सामने दर्शाई गई तारीख श्री के० द्वारकानाय, स्थानापन्न उप-पी० श्रो० श्री वाई० ०.स० न्नि नेदी, स्वानापन्न वरिष्ठ उप-निदेशक श्री एस० थीयागराजन, स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-1 श्री एम० पी० रामामूर्ती, स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-1	 नांक 22 सितम्बर 1981 फिसरों को स्थानापन्न महाप्रबन्धक (से के	ाईनेन्स फैक्टरियों/सदस्य (कार्मिक क्यान ग्रेड) डी० डी० जी० ग्रो . पहली, ग्रगस्त, 1981 . पहली ग्रगस्त, 1981 . पहली ग्रगस्त, 1981 . पहली ग्रगस्त, 1981		
1. 2. 3. 4. 5. 4.	भं० 34/जी/81—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित श्र तर-III) के पद पर, उनके सामने दर्शाई गई तारीख श्री के० द्वारकानाय, स्थानापन्न उप-पी० श्रो० श्री वाई० ०.स० द्वि गेदी, स्थानापन्न वरिष्ठ उप-निदेशक श्री एस० थीयागराजन, स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-1 श्री एस० पी० रामामूर्ती, स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-1	 नांक 22 सितम्बर 1981 फिसरों को स्थानापन्न महाप्रबन्धक (से के	ाईनेन्स फैनटरियों/सदस्य (कार्मिक क्यान ग्रेड) डी० डी० जी० ग्री . पहली, भ्रगस्त, 1981 . पहली भ्रगस्त, 1981 . पहली भ्रगस्त, 1981		
1. 2. 3. 4. 5. 6. 4	मं० 34/जी/81—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित श्र तर-III) के पद पर, उनके सामने दर्शाई गई तारीख श्री के० द्वारकानाय, स्थानापन्न उप-पी० श्रो० श्री वाई० ०.स० न्नि नेदी, स्वानापन्न वरिष्ठ उप-निदेशक श्री एस० थीयागराजन, स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-1 श्री एम० पी० रामामूर्ती, स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-1		कंनेत्स फैनटरियों/सदस्य (कार्मिक क्यान ग्रेड) डी० डी० जी० ग्री . पहली, भ्रगस्त, 1981 . पहली भ्रगस्त, 1981 . पहली भ्रगस्त, 1981 . पहली भ्रगस्त, 1981 . पहली भ्रगस्त, 1981		
1. 2. 3 4. 3 5. 4 4. 4	भं० 34/जी/81—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित श्र तर-III) के पद पर, उनके सामने दर्शाई गई तारीख श्री के० द्वारकानाय, स्थानापन्न उप-पी० श्रो० श्री वाई० ०.स० द्वि देवी, स्वानापन्न वरिष्ठ उप-निदेशक श्री एस० थीयागराजन, स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-1 श्री एम० पी० रामामूर्ती, स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-1 श्री बी० के० घाई, स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-1 श्री श्रार० के० मजुमदार, स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-1		कंनेत्स फैनटरियों/सदस्य (कार्मिक क्यान ग्रेड) डी० डी० जी० ग्री . पहली, भ्रगस्त, 1981 . पहली भ्रगस्त, 1981 . पहली भ्रगस्त, 1981 . पहली भ्रगस्त, 1981 . पहली भ्रगस्त, 1981		
1 2 3 4 4 4 4 4 4 4	मं० 34/जी/81—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित श्र तर-III) के पद पर, उनके सामने दर्शाई गई तारीख श्री के० द्वारकानाथ, स्थानापन्न उप-पी० श्रो० श्री वाई० एस० वि गेदी, स्थानापन्न वरिष्ठ उम-निदेशक श्री एस० थीयागराजन, स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-1 श्री एस० पी० रामामूर्ती, स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-1 श्री बी० के० घाई, स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-1 श्री श्रार० के० मजुम्दार, स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-1		किनेत्स फैक्टरियों/सदस्य (कार्मिक क्यान ग्रेड) डी० डी० जी० ग्री . पहली ग्रगस्त, 1981 . पहली ग्रगस्त, 1981		
1 2 3 4 4 5 4 4 4 4 4	मं० 34/जी/81—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित श्र तर-III) के पद पर, उनके सामने दर्शाई गई तारीख श्री के० द्वारकानाय, स्थानापन्न उप-पी० श्रो० श्री वाई० ०.स० वि गेदी, स्थानापन्न वरिष्ठ उप-निदेशक श्री एस० थीयागराजन, स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-1 श्री एस० पी० रामामूर्ती, स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-1 श्री बी० के० घाई, स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-1 श्री श्रार० के० मजुम्दार, स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-1 वि 35/जी/81—राष्ट्र पति महोदय, निम्नलिखित श्रक्स नके सामन दर्शाई गई तारीख से नियुक्त करते हैं:—		क्निन्स फैनटरियों/सदस्य (कार्मिक क्यान ग्रेड) डी० डी० जी० ग्रो . पहली, ग्रगस्त, 1981 . पहली ग्रगस्त, 1981		
1 2 3 4 5 3 4 4 4 4 4 4 4	मं० 34/जी/81—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित श्र तर-III) के पद पर, उनके सामने दर्शाई गई तारीख श्री के० द्वारकानाय, स्थानापन्न उप-पी० श्रो० श्री वाई० ०.५० हि रेदी, स्वानापन्न वरिष्ठ उप-निदेशक श्री एस० थीयागराजन, स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-1 श्री एम० पी० रामामूर्ती, स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-1 श्री बी० के० घाई, स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-1 श्री श्रार० के० मजुमदार, स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-1 वि 35/जी/81—राष्ट्र पति महोदय, निम्नलिखित श्रक्त नके सामन दर्शाई गई तागिख से नियुक्त करते हैं:— श्री प्रवल सिंह, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक श्री सी० पी० सेठी, स्थानापन्न सहायक प्रयन्धक		किनेत्स फैक्टरियों/सदस्य (कार्मिक क्यान ग्रेड) डी० डी० जी० ग्रो . पहली, ग्रमस्त, 1981 . पहली ग्रमस्त, 1981 . उन्नी ग्रमस्त, 1981		
1 2 3. 4. 4. 5. 8 4. 2. 8 4. 2. 8 4. 2. 8 5. 8	मं० 34/जी/81—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित श्र तर-III) के पद पर, उनके सामने दर्शाई गई तारीख श्री के० द्वारकानाय, स्थानापन्न उप-पी० श्रो० श्री वाई० ०.स० द्वि देवी, स्थानापन्न वरिष्ठ उप-निदेशक श्री एस० थीयागराजन, स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-1 श्री एम० पी० रामामूर्ती, स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-1 श्री श्रीर० के० घाई, स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-1 श्री श्रार० के० मजुम्दार, स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-1 वि 35/जी/81—राष्ट्र पति महोदय, निम्नलिखित श्रक्त नके सामन दर्शाई गई तारीख से नियुक्त करते हैं:— श्री प्रवल सिंह, स्थानापन्न महायक प्रबन्धक श्री सी० पी० सेठी, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक		क्नेन्स फैनटरियों/सदस्य (कार्मिक क्यान ग्रेड) डी० डी० जी० ग्रो पहली ग्रगस्त, 1981 पहली ग्रगस्त, 1981 पहली ग्रगस्त, 1981 पहली ग्रगस्त, 1981 पहली ग्रगस्त, 1981 डी० जी० ग्रो० एफ० के 31 जुलाई, 1981 31 जुलाई, 1981		

कम्	स० नामव	पद					नियुक्ति दिनांक
7.	. श्री सी० वाई० जगन्नाथन, सस्थानापन्न स	हायक प्रबन्धक					31 जुलाई, 1981
8	3. श्री पी० एस० नारायणस् <mark>वामी, स्यानापन्न</mark> ः	सहायक प्रबन्धक					31 जुलाई, 1 981
9.	. श्री एन० के० दे, भस्थायी सहायक प्रबन्धक	•			•		31 जुलाई, 1981
10	. श्री के० के० तनेजा, स्थानापन सहायक प्रव	ान्धक .					31 जुलाई, 1981
11	श्री के० जे० जे० रतन्म, सहायक प्रबन्धक	(परखावधि)					31 जुलाई, 1981
12	ट. श्री वी० एन० भावाती, सहायक प्र <del>य</del> न्धक	(परखाविध ) ———————————		•			31 जुलाई, 1981
ारीख	सं० 36/जी/81राष्ट्रपति महोदय, निम् से नियुक्त करते हैं:	नलिखित भ्रफसरों	को स्थानापन्न	िएस० ₹	मो० के प	द पर,	उनके सामने दर्शायी गई
1.	. श्री विभूति भूषण चौधरी, स्थानापन्न ए०	एस० भ्रो० .					पहली ध्रगस्त, 1981
2.	. श्री कालिका <mark>प्रसाद सुकुल, स्थानापश्र ए०</mark> ए	स० ग्रो०					पहली ग्रगस्त, 1981
3.	. श्री निर्माल्य भूषण चऋवर्ती, स्थानापन्न ए०	एस० म्रो० .		•			पहली भगस्त, 1981
4.	श्री सविताग्सु प्रकाश गोस्वामी, स्थानापन्न ः	ए० एस० ग्रो०		•			पहुली ग्रगस्त, 1981
	श्री विनय भूषण चौधरी, स्थानापन्न ए० एस०			,			पहली भ्रगस्त, 1981
	्र श्री धीरेन्द्र नाथ सोहा, स्थानापन्न ए० एस० इ						पहली धगस्त, 1981
	श्री दिलीप कुमार मित्रा (II) स्थानापन्न ए		·	·	·	·	पहली भ्रग <del>स्</del> त, 1981
, ,	14.01.1 2.0.7 (1.10) (-x) / 10.01.10 2	च दुराच आचि ।	•	•		-	1641 34442 1201
	श्री ब्रारीन्द्र नाथ घोष, स्थानापन्न ए० एस० ब्र 		ो स्थानापन्न	सहायक	प्रबन्धक	/टी०	पहली भ्रगस्त, 1981 एस० भ्रो० के पद पर, उ
<del>ं</del>		नखित भ्रफसरों <b>क</b>	े स्थानापन्न	सहायक	प्रबन्धक	<i> </i> टी०	<u> </u>
सं० मने	> 37/जी/81—राष्ट्रपति महोदय, निम्नरि	नखित भ्रफसरों <b>क</b>	े स्थानापन्न	सहायक	प्रबन्धक	<u>.</u> . /टी०	एस० श्रो० के पद प <b>र</b> , र
सं० मने ः 1.	> 37/जी/81—-राष्ट्रपति महोदय, निम्निरि दर्शाई गई तारीखों से नियुक्त करते हैं:-	नखित भ्रफसरों <b>क</b>	े स्थानापन्न	सहायक	प्रबन्धक	/टी॰	<u> </u>
सं० मने 1. 2.	<ul> <li>37/जी/81—राष्ट्रपति महोदय, निम्निरि</li> <li>वर्षाई गई तारीखों से नियुक्त करते हैं:-</li> <li>श्री एस० एन० सरकार, स्थानापन्न फोरमैन</li> </ul>	नखित श्रफसरों <b>क</b>	े स्थानापन्न	सहायक	प्रबन्धक	 /दी०	एस० भ्रो० के पद पर, इ पहली जून, 1981
सं० मने 1. 2. 3.	37/जी/81—राष्ट्रपति महोदय, निम्निरि दर्शाई गई तारीखों से नियुक्त करते हैं:- श्री एस० एन० सरकार, स्थानापन्न फोरमैन श्री एच० के० कपूर, स्थानापन्न फोरमैन,	नखित श्रफसरों <b>क</b>	ो स्थानापन्न	सहायक	प्रबन्धक 	<i> </i> टी॰ 	एस० ग्रो० के पद पर, र पहली जून, 1981 10 जुलाई, 1981
सं० मने 1. 2. 3. 4.	37/जी/81—राष्ट्रपति महोदय, निम्निहि दर्शाई गई तारीखों से नियुक्त करते हैं:- श्री एस० एन० सरकार, स्थानापन्न फोरमैन श्री एच० के० कपूर, स्थानापन्न फोरमैन, श्री बी० एल० मलहोन्ना, स्थानापन्न फोरमैन	नखित श्रफसरों <b>क</b>	े स्थानापन्न	सहायक - - - -	प्रबन्धक	/टी॰	एस० श्रो० के पद पर, र पहुली जून, 1981 10 जुलाई, 1981 10 जुलाई, 1981 30 जून, 1981 पहुली जून, 1981 (तथ्यें भाषांर पर)
सं० मने : 2. 3. 4. 5.	े 37/जी/81—-राष्ट्रपति महोदय, निम्निर्दे दर्शाई गई तारीखों से नियुक्त करते हैं:- श्री एस० एन० सरकार, स्थानापन्न फोरमैन श्री एच० के० कपूर, स्थानापन्न फोरमैन, श्री बी० एल० मलहोत्ना, स्थानापन्न फोरमैन श्री पी० पद्मनाभन, स्थायी फोरमैन	नखित श्रफसरों <b>क</b>	े स्थानापन्न	सहायक	प्र <b>ब</b> न्ध्रक	<i> </i> दी o	एस० ग्रो० के पद पर, र पहली जून, 1981 10 जुलाई, 1981 10 जुलाई, 1981 30 जून, 1981 पहली जून, 1981
सं° मने : 2. 3. 4. 5.	त्र 37/जी/81—राष्ट्रपति महोदय, निम्निर्दिष् वर्षाई गई तारीखों से नियुक्त करते हैं:— श्री एस० एन० सरकार, स्थानापन्न फोरमैन श्री एच० के० कपूर, स्थानापन्न फोरमैन, श्री बी० एल० मलहोता, स्थानापन्न फोरमैन श्री पी० पद्मनाभन, स्थायी फोरमैन श्री प्यारा सिंह पादन्, स्थानापन्न फोरमैन	नखित श्रफसरों <b>क</b>	े स्थानापन्न	सहायक	प्र <b>बन्धक</b>	 /दी o	एस० भ्रो० के पद पर, र पहली जून, 1981 10 जुलाई, 1981 10 जुलाई, 1981 30 जून, 1981 पहली जून, 1981 (तवर्थं भाषार पर) पहली जून, 1981
सं० मने : 2. 3. 4. 5.	37/जी/81—राष्ट्रपति महोदय, निम्निर्दे वर्गाई गई तारीखों से नियुक्त करते हैं:— श्री एस० एन० सरकार, स्थानापन्न फोरमैन श्री एच० के० कपूर, स्थानापन्न फोरमैन, श्री बी० एल० मलहोन्ना, स्थानापन्न फोरमैन श्री पी० पद्मनाभन्, स्थायी फोरमैन श्री प्यारा सिंह पादन, स्थानापन्न फोरमैन	नखित श्रफसरों <b>क</b>	ो स्थानापन्न	सहायक	प्रवन्भक	<i> </i> दी ॰	एस० भ्रो० के पद पर, र पहली जून, 1981 10 जुलाई, 1981 10 जुलाई, 1981 30 जून, 1981 पहली जून, 1981 (तवर्थ भाधार पर) पहली जून, 1981 (तवर्थ भाधार पर) पहली जून, 1981
सं० मने 1. 2. 3. 4. 5. 6.	े 37/जी/81—-राष्ट्रपति महोदय, निम्निर्देष वर्षाई गई तारीखों से नियुक्त करते हैं:- श्री एस० एन० सरकार, स्थानापन्न फोरमैन श्री एच० के० कपूर, स्थानापन्न फोरमैन, श्री बी० एल० मलहोत्ना, स्थानापन्न फोरमैन श्री पी० पद्मनाभन, स्थायी फोरमैन श्री प्यारा सिंह पादन, स्थानापन्न फोरमैन श्री वी० पी० सेट, स्थानापन्न फोरमैन	नखित श्रफसरों <b>क</b>	ो स्थानापन्न	सहायक	प्रबन्धक	/टी॰	पहली जून, 1981 10 जुलाई, 1981 10 जुलाई, 1981 30 जून, 1981 पहली जून, 1981 (तवर्थं माधार पर)
सं० मने 1. 2. 3. 4. 5. 6. 7.	े 37/जी/81—राष्ट्रपति महोदय, निम्निर्दे वर्गाई गई तारीखों से नियुक्त करते हैं:— श्री एस॰ एन॰ सरकार, स्थानापन्न फोरमैन श्री एच॰ के॰ कपूर, स्थानापन्न फोरमैन, श्री बी॰ एल॰ मलहोला, स्थानापन्न फोरमैन श्री पी॰ पमनाभन, स्थायी फोरमैन श्री प्यारा सिंह पादन, स्थानापन्न फोरमैन श्री वी॰ पी॰ सेट, स्थानापन्न फोरमैन श्री वी॰ पी॰ सेट, स्थानापन्न फोरमैन श्री वेबो प्रसाद मुखर्जी, स्थानापन्न फोरमैन	नखित श्रफसरों <b>क</b>	े स्थानापन्न	सहायक	प्रबन्धक	/ <b>टी</b> ॰	एस० ग्रो० के पद पर, र पहली जून, 1981 10 जुलाई, 1981 10 जुलाई, 1981 30 जून, 1981 पहली जून, 1981 (तक्ष्य माघार पर) पहली जून, 1981 (तक्ष्य माघार पर) पहली जून, 1981 (तक्ष्य माघार पर) पहली जून, 1981 (तक्ष्य माघार पर) पहली जून, 1991 (तक्ष्य माघार पर) पहली जून, 1991 (तक्ष्य माघार पर) पहली जून, 1981 (तक्ष्य माघार पर)
सं० मने : 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9.	त्र 37/जी/81—राष्ट्रपति महोदय, निम्निर्दे वर्षाई गई तारीखों से नियुक्त करते हैं:— श्री एस॰ एन॰ सरकार, स्थानापन्न फोरमैन श्री एच॰ के॰ कपूर, स्थानापन्न फोरमैन, श्री बी॰ एल॰ मलहोता, स्थानापन्न फोरमैन श्री प्यारा सिंह पादन, स्थानापन्न फोरमैन श्री वी॰ पी॰ सेट, स्थानापन्न फोरमैन श्री वी॰ पी॰ सेट, स्थानापन्न फोरमैन श्री वेबो प्रसाद मुखर्जी, स्थानापन्न फोरमैन श्री सिंत प्रसन्न वास, स्थानापन्न एस॰ ए॰ श्री के॰ के॰ भाटिया, स्थानापन्न फोरमैन	नखित श्रफसरों <b>क</b>	ो स्थानापन्न	सहायक	प्रवन्ध्रक	<i> </i> दी॰	एस० भ्रो० के पद पर, र पहली जून, 1981 10 जुलाई, 1981 10 जुलाई, 1981 30 जून, 1981 पहली जून, 1981 (तक्यें भाषार पर) पहली जून, 1991 (तक्यें भाषार पर) पहली जून, 1981

वी० के० मेहता, सङ्गयक महामिबेजक, झाउँनेन्स फैक्टरियां

## श्रम मंत्रालय

कारंखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र, महानिद शालय

बम्बई, दिनांक 26 सितम्बर 1981

सं 3/1/81-स्थापन—महानिद्शाक, कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र महानिद्शालय बम्बई ने श्री टी. वी. रामचन्द्रन को अवर निरक्षिक (गांदी सुरक्षा) के पद पर दिनांक 25 मई 1981 से इस कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र महानिद्शालय बम्बई में स्थानापन्न की है सियत मे अगले बादेश आने तक नियुक्त किया है।

ए. के. चक्रवर्ती महानिद्शक

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 23 सितम्बर 1981 आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं .6/1026/74-प्रशा 'राज .'/5624—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, श्री एस . पी . कपूर, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के वर्ग 4 के स्थायी अधिकारी और जो उसी सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग में स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे थे, ने 31 अगस्त 1981 के दोपहर बाद से इस कार्यालय में नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड दिया।

ए. एन. काँल उप-मुख्य नियत्रक, आयात-निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

# वस्त्र विभाग

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 25 सितम्बर 1981

सं. 10(2)/77-81/सी. एल. बी. ।।—कपास नियंत्रण आदेश, 1955 के खण्ड 5(1) में प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्दवारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं. 10 (1)/73-74/सी. एल.बी.-।। दिनांक 19 दिसम्बर, 1974 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूं, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में स्पष्टिकरण (चार) के स्थान पर निम्न-लिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

"(चार) इस अधिसूचना के उद्देश्य कै लिए भारतीय कपास में भारतीय कपास की सभी किस्मे शामिल होगी। लेकिन कपास सन्न सितम्बर, 1981 से अगस्त, 1982 तक सुचिन कपास इस अधिसूचना की सीमा से बाहर होगी।"

सुरेश कुमार अतिरिक्त वस्त्र आयुक्त

पूर्ति तथा निपटान महानिद शालय (प्रशासन अनुभाग-।)

नई दिल्ली, दिनांक 30 सितम्बर 1981

सं. प्र.-1/1 (884)——इस महानिद्शालय में स्थाई अवर प्रगति अधिकारी तथा स्थानापन्न सहायक निद्शक (ग्रेड-11) श्री डी. डी. भारद्वाज निवृतमान आयु होंने पर दिनांक 30-9-81 (अपराह्न) से सेवा निवृत हो गए।

एस . एल . कपूर उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर 1981

सं. प्र-6/247 (369)——िनरीक्षण निदंशक, कलकत्ता के कार्यालय में स्थायी उप निदंशक निरीक्षण (वस्त्र) भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप।, वस्त्र शासा के ग्रेड ।। श्री ए. आर. हलदर का दिनांक 6-8-1981 को दहान्त हो गया। तद्नुसार उनका नाम दिनांक 6-8-1981 (पूर्वाह्न) से सूची से हटा दिया गया है।

पी. डी. सेठ उप-निदंशक (प्रशासन)

विज्ञापन और दश्य प्रचार निद्शालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर 1981

सं. ए-12025/2/80-स्थापना—विज्ञापन और दश्य प्रचार निदंशक, श्री दलीप भट्टाचार्या को सीनियर आर्टिस्ट के पद पर अस्थायी रूप से 17 सितम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदंश तक नियुक्त करते हैं।

> जनकराज लिखी उप निद्येशक (प्रशासन) कृते विज्ञापन और दश्य प्रचार निद्येशक

## स्वास्थ्य सेवा महानिद शालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर 1981

सं. ए. 12025/22/80-प्रकासन-।—स्वास्थ्य सेवा महा-निदशक ने श्री एम. हरी को 24 अगस्त, 1981 के पूर्वांहन से आगामी आदेशों तक बी. सी. वैक्सीन प्रयोगशाला गिण्डी मद्रास मे पशुचिकित्सक के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

> शाम लाल कुठियासा उप निद्शेक प्रशासन

नइ दिल्ली, दिनांक 30 सितम्बर 1981

सं. ए. 19012/7/81-एस. आईं.—स्वास्थ्य सेवा महा-निद्देशक ने श्री पी. ए. सावंत को 4 सितम्बर, 1981 पूर्वीहन से अगले आदेशों तक सरकारी चिकित्सा भंडार डिपो बम्बई में तदर्थ आधार पर सहायक डिपो मैनेजर के पद पर नियुक्त कर दिया है।

> शिवदयाल उप निद्येशक प्रशासन (भंडार)

ग्रामीण पुनिमाण मंत्रालय

विष्णा एवं निरीक्षण निदंशालय

फरीदाबाद, विनांक 30 सितम्बर 1981

मं. ए. 19023/12/81-प्र.त् — संघ लोक सेवा आयोग की संस्त्तियों के अनुसार श्री ए. एम. श्रीवास्तव को इस निदे-शालय के अधीन गुन्टूर में दिनांक 7-9-81 (पूर्वाहन) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न विपणन अधिकारी (श्रर्ग।) नियुक्त किया जाता है।

> बी. एन : प्रतिहार निद्योक प्रशासन करो कृषि विषणन सलाहकार

परमाण् उर्जा विभाग नरौरा परमाण् विद्युत परियोजना

संयंत्र स्थल

डाक-न. प. वि. प कालोनी बुलन्दशहर-202 389, दिनाक

क. न. प वि. प./प्रशा/26(1)/81/एस/11719— नरौरा परमाण विव्धयत परियोजना के मृख्य परियोजना अभियन्ता, राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के अधिस्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सहायक लखाधिकारी श्री गांविन्द सिष्ठ का दिनांक सितम्बर 10, 1981 के पूर्वान्ह से अग्निम आदेशों . तक के लिए नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में स्थानापन्न महायक लेखाधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

अ. दे. भाटिया प्रशासन अधिकारी कृते स्ख्य परियोजना अभियन्ता

## महानिद्शेक नागर विमानन का कार्यालय

नर्ह विल्ली, दिनांक 29 सितम्बर 1981

मं. ए. 32014/4/81-ई.एम.—महानिद्शेक नागर विमानन ने सर्वश्री के. के. जी. भलना और केंदार नाथ, भंडार सहा-यकों को दिनांक 19 सितम्बर, 1981 (प्रान्ह) से अन्य आवशे होने तक कमशः नियंत्रक, केन्द्रीय रोडिया भंडार डिपा, नई दिल्ली और क्षेत्रीय निद्शेषक, मद्राग क्षेत्र, मद्रास एयरपोर्ट के कार्यालय भं भंडार अधिकारी (समूह 'व' पद) के पद पर नियमित आधार पर नियकत किया है।

जगदीश धन्द्र गर्ग सहायक निद्याक प्रशासन कृते महानिद्याक नागर विमानन

# नई दिल्ली, विनांक 1 अक्नूबर 1981

मं० ए० 32013/4/80-ई० मी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित दो विरध्ठ तकनीकी अधिकारियों का, प्रत्येक के नाम क साभने दी गई तारीख से छः मास की अवधि के लिए प्रथवा ग्रेड में रिक्तियां उपलब्ध होने तक तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक मंचार के ग्रेड में नियुक्त किया है । उन्हें महानिदेशक नागर विमानन के कार्येलय में सैनात किया गया है :—

ऋम सं०	नाम		वर्तमान तैनाती स्टेशन	कार्य ग्रहण करने की तारीख				
1	2				3	4		
1. श्री एस 2. श्री सुर	ा० के० सरस्वती ग्रील कुमार		,		रेडियो निर्माण श्रीर विकास एकक, नई दिल्ली महानिदेशक नागर विमानन (मृख्यालय)	31-8-81 16-9-81	(ग्रपराह्न) (पूर्वाह्न)	

प्रेम चन्द, सहायक निदेशक प्रशासन

# केन्द्रीय वि<mark>ष्</mark>युत प्राधिकरण नर्द्ग दिल्ली-110022, दिनांक 16 सितम्बर 1981

सं. 22/1/81-प्रशासन-। (बी)—-अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्द्वारा, श्री विक्रमजीत सिंह, पर्यवेक्षक, को केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में, केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरों (ग्रूप बी) सेवा के अतिरिक्त सहायक निर्वेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में, स्थानापन्न क्षमता में, 3-9-1981 पूर्वान्ह से आगामी आदोश होने तक नियक्त करते हैं।

मन्तोष विश्वास, अवर सचिव विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी ला बोर्ड कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मोसर्स कमाणी इन्डस्ट्रीयल कार-पोरंशन लिभिटोड, जयपुर के विषय में

जयपुर, दिनांक 28 सितबर 1981

सं. सांख्यिकी/11281--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा मूचना

दी जाती है कि मैसर्स कमाणी इन्डस्ट्रीयल कारपोरेशन लिमिटेड जयपूर का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और जवत कम्पनी विधटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैंसर्स दिको मेन टामानी प्राइविट लिमिटोड के विषय में

जयपुर, दिनांक 28 सितम्बर 1981

सं. सांख्यिकी/1372—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के दवसान पर मैसर्स बिका मेच कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशा नहीं किये गये तो रिजिस्टर से काट दिया जायेगा और कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्म नाम मेटल्स एडं केमिकल्स प्रार्डवेट लिफिटोड जयम्र के विषय मे

जयपर, दिनांक 28 सिनम्बर 1981

सं. सांख्यिकी/1376 कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एदद्द्वारा सूचना दी जाती हैं कि मैसर्स नाम मेटल्स एंड केमिकल्स प्राईवेट लि. जयपुर का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और यह कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्म महोन्द्रा सेविंग्स एण्ड जनरल फाइनेन्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय मे

जयपुर, दिनांक 28 सितम्बर 1981

सं. सांस्थिकी 1599—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतदद्वारा मूचना दी जाती है कि मैसर्स महोन्द्र सोविंग्स एण्ड जनरल फाईनेन्स प्राईवेट लि. का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैंसर्स आबू रोड रोलवे को-आपरोटिव एकोशियशेन लि. (समाएन में) के विषय में

जयप्र, दिनांक 28 सितम्बर 1981

सं. सांच्यिंकी/लिक्बे/22—कम्मी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) को अनुसरफ में एउद दूवाड़ा सचना दी जाती है कि मैसर्स आबू रोड रोलवे को-ओपरेटिव एशोसिय-शन लि., (समापन में) का नाम आज रिजम्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस . पी . दीक्षित कम्पनियो का रजिस्ट्रार राजस्थान, जयपुर करूनी अधिनियम, 1956 और श्री वीनायक मील्स लिमिटोड को विषय में।

वगलूर, दिनांक 29 सितम्बर-1981

रः. 650/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीक्ष से तीन मास के अवसान पर श्री वीनायक मील्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्ट्र से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सिवरूदरसेवर केमिकल्स इन्डस्टीज प्राईविट लिमिटडे के विषय में।

सं 1972/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सिवरूदरेसवर कीमकल्स इन्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड का इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उकत कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी टी गजवानी, कम्पनियो का रजिस्ट्रार

कार्यालय आयकर आयुक्त

इलाहाबाद, दिनांक 2 सितम्बर 1981

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 125 के अधीन निरीक्षी महायक आयकर आयुक्त, निर्धारण र ज, वाराणसी का क्षेत्राधिकार

सं. 77—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 125 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत शिक्तयों का प्रयोग करते हुए एवं इस विषयक विद्यमान दिनांक 13-12-1979 की अधिसूचना के साथ आदेश संख्या 3 को आशिधित करते हुए मैं आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, विशेष जांच वृत्त वाराणसी, सर्व/श्री राजकमार शाह एण्ड संस, पिसाच मोचन, वाराणसी सर्व/श्री राज कमार शाह संस, पिसाच मोचन, वाराणसी (स्था. लेखा सं. 10-012-एफ वी-5834) (जिसे दिनांक 13-12-1979 की उक्त अधिसूचना सं. 3 के साथ संलग्न सूची में कम सं 32 पर लिखा गया था) के किस में निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त निर्णरण, वाराणसी (भृतपूर्व निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, राजन।। वाराणसी) के बदले क्षेत्राधिकार रखेंगे।

यह आदेश दिनांक : 7-9-1981 से लागू होगा।

हीरा सिंह आयकर आयुक्त, इलाहाबाद प्ररूप आइ. टी. एन. एस.----

(1) श्रीमती मनि

(अन्तरक)

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अभीन सुचना (2) श्रीमती गीता

(श्रन्तरिती)

भारत सरकार

म्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 ग्रक्तूबर, 1981

निदेश सं० 16352—यतः मुझे, राधा बासकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं आर एस 4274/21, प्लाट है तथा जो ग्रीनवेज रोड, मब्रास-28 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भिक्षकारी का के क्यार्यालय, शुलापुर (डाक्यूमेंट सं 681/81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन श्रोल 81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिघत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बानत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी अख्लेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अञ्चिष बाद में समस्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध के किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकोंगे।

स्मष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुसूची

भूमि ग्रार० एस० सं० 4274/21, प्लाट, ग्रीमवेज रोड मन्नास-28

(डाक्यमेंट सं० 681/81)

राधा बालक्रुष्णन <sub>.</sub> सक्षम प्राधिकारी स**हा**थक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-<sup>II</sup>; मद्रास।

दिनांक: 17-9-1981

मोहर:

प्ररूप आई टी एन एस.----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 श्रक्तूबर, 1981

ं निदेश स० 11299—ग्रंत मुझे, राधा वैद्यालकृष्ण, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सपान्त जिसका अचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी स० स्वेंस० 465, 473, है, जो सीरापालम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कोयम्बत्तूर (डाक्यूमेट स० 44/87) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1980 (1908 का 16) के ग्रियीन, जनवरी, 81 को पूर्वोंक्त सपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे, दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरित से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरित से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरित से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरित से अधिक उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

जत. अब, उक्त अधिनियम, को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- 2—296GI/8I

(1) श्री सोम सुन्दरम

(अन्तरक)

(2) भारत ब्लोकस्मिथ कम्पनी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेण ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन जो जों के समस्त की तारीख से 45 की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में में किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपन्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के गुरु किसर मा किए जा सकन

स्पष्टीकरण:---इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित हाँ जह असे आप जा का गया है।

#### अनुसूची

भूमि सर्वे <sup>'</sup>465, 473, सीरापालयम (डाक्यूमेट स० 44/81)

> राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II, मद्रास।

दिनाक: 17-9-1981

मोहरः

प्ररूप आई। टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर् अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 17 श्रक्तूबर, 1981

निदेश सं० 11300—यतः मुझे, राधारा बालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० टी० एस० 17/77/2, 12/74/1,है, जो ग्रलगेसन रोड, कोयम्बतूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रमुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर (डाक्यूमेट सं० 73/81), में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अग्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अग्तरकों) और अग्तरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य उक्त अग्तरण लिखित में वास्तविश छप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उसते बचने में सुविभा के लिए; अहर/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-गृ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् 2-- (1) डाफ्टर झार० बेल्लि

(अन्तरक)

(2) श्री ललित ऋष्ण खन्नावीनकन्ना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्मृतित नो नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

### अनुसूची

भूमि टी० एस० 12/71/2, 12/74/1, भ्रालगेसन रोड, कोयम्बट्र (डाक्य्मेंट सं० 73/81)

राधा बाल क्रुष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मब्रास ।

दिनांफ: 17-9-1981

मोहर :

प्रकृषु **वाह**ै, ट<u>ी</u>, **एन्. एस<sub>.</sub>------**

भागक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

## भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

पर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 17 श्रक्तूबर, 1981

निदेश सं० 11321--- प्रतः मृझे, राधा बालकृष्णन *भायकर अ*धिनियम, 1961 (1961 का 43) **जि**से **इ**सर्मे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कृहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 2.5,000 ∕ − रु. से अधिक **है** 

श्रौर जिसकी सं० है, तथा जो सिखडासमपालयम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप ंसे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय. कोग्रप्मब-भूर (डाक्युमेंट सं० 277/81) में भारतीय भारतीय रजिस्ट्री। करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उत्सके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाँया गया प्रति-फल, निम्नलिश्वित उद्देषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 🕵 –

- ·(क) अन्तरण से हुई किसी अाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक की वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का *2*7) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आप या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ---

(1) श्री ग्रार० वासुकि

(अन्सरक)

(2) श्री धार

(बन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षोप ः ---

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीका 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इ.स.स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी **के पास** लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्ट्रीकरण:-इ.समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

# अनुसूची

भूमि---सिखडासमपालयम (डाक्युमेंट सं० 277/81)

राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त धर्जन रेज-II, मद्रास

दिनांक: 17-9-1981

मोहरः

अअप आई टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा क्र-म (+) के अधीन मचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आदकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनाक 17 श्रक्तूबर 1981

निदेश सं० 11332—श्रत मुझे, राधा बालकृष्णन स्नायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इपके पश्चान् 'उक्त प्रस्नित्यम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन पश्चम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर पम्यति जिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपय र प्रधिक है

श्रीर जिनकी स० है, तथा जो सामकुलम मे स्थित है (श्रोग इससे उपाबद्ध श्रन्सूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीवर्ता श्रधिवारी के वार्यालय पेरिमनायषन-पालयम (डाक्युमेट स० 138/81) मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जनवरी, 1981

को पूर्वीवन उम्पत्ति के उचित बाजार मून्य ने कम के दृश्यमान प्रति-फल के न्वए प्रत्नरित की गई है श्रार नुझे पह विश्वास अन्ते का जरण है कि ग्यापूर्वीकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल है, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिति के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पत्या गया प्रतिकल, कि स्वश्वा उद्देश्य से उचन यन्तरण लिखिन में शहा-विक रूप से क्षान नरी किया गया है --

- (क प्रस्तरण स हुई किसो आप की बाबत उक्त आध-नियम क ग्रंभीन कर देने के अन्तरक क दापिस्व में कमी करने या उससे अचने म सुविधा के लिए; और पा
- (ख) ऐसी किसो भ्राय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय उपपडण अधित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रांजनियम, या पनजण अधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया भाषा य किया जाना चानिए था, डिपाो में पुत्रिक्ष के लिए

अतः अत, उतन धांपनियम का धारा 26% ग क अनुसरण में, में, उतन अधिनियम को धारा 26% में उपधारा (1) के स्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थातः :--- (1) श्री रगनायक ग्रौर ग्रदर्स

(अन्तरक)

(2) श्री घुनसेकरन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अवंत के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उस्त सम्पत्ति के प्रजेन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचता के राजरत में प्रकाश- की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूंचना की नामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो वत व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वता के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे

स्पदशेषरण:-- इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो उनन अधिनियम के भड़्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा जो उस लड़्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि—सामकुलम, कोयम्बट्र (डाक्युमेट स० 138/81)

> राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II, मद्रास

दिनांक: 17-9 1981

मोहर 🕄

# प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 सितम्बर, 1981

सं० 16171 : यत: मुझे राधा बालकृष्णन, प्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 33) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात् 'उइन् ग्रिधिनियम' हो एकः हैं), की धारा 269-ख़ के ग्रिधीन पक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्षण् से ग्रिधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० 156 ग्रीर 157, है जो नुगंमप्रारवम रोड, मद्रास 34 में स्थित हैं (ग्रीर इसगे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय मद्रास नारथ (डाक्सेंट सं० 26/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधियम, 1908 (1908 का 16 के ग्रिधीन 16 जनवरी 1981

का पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार म्ल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास कर् का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी अथ या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनिष्म, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, टा धनकर अधिनियम, टा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थीत् प--

(1) श्रीमती महालक्ष्मी ग्रौर प्रिया।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भ्रोबुल रेडी ग्रौर ग्रदरम

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचन सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

• उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या निस्मित्रकों न्योक्त्यों पर सूचना की तामिल में 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होंती हो, वे भीतर पविकत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त में दितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जनहरताक्ष्यों के पास लिखित में विष्णु राजस्कों।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्स्ची

भूमि श्रौर निर्माण 156 श्रौर 157, नुगंमपारवम है रोड, मप्रास-34 (डाक्मेंट सं० 26/81)

एस. गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास।

तारांख: 17-9-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एत.एस.------

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1)-के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकेर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज मदास

मद्रास, दिनांक 16 सितम्बर, 1981

सं० 9309--यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पात, जिसका जीचत बाजार मृल्य 25,000/ रत. से अधिक **ह**ै त्रीर जसकी सं० सर्वे 402/2 स/583 है, जो तामबरम में स्थिन है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, तामबरम (डाकू-मेंट सं० 244/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 जनवरी 1981 को प्रवामित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करभ का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मल्य छसके दुष्यमान प्रतिफल से ऐसे दुष्यमान प्रतिफल के पन्यह पतिशत से अधिक है और अन्तरक अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उँक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स्व) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिश्वित व्यक्तियाँ अर्थातः--

(1) श्री कृष्णनम्माल ग्रौर ग्रदरस ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इन्द्रा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त तम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि सरवे 402/2 रा, 583, तामबरम  $\cdot$  (डाकूमेंट सं० 244/81)

राधा बालकृष्णन, सक्षम प्राधिकारी ्सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज मद्रास ।

दिनांक : 16-9-1981

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 सितम्बर, 1981

सं० 9289:—यतः, म्⊈मे राधा बालकृष्णन, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख क अथीन अक्षम प्राधिकारो ये एहा पश्चास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक है **ग्रौ**र जिसकी सं० 50 ए, है, जो कोपडाचेरी मे स्थित है भौर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कृथानल्लूर (जाकुमेंट सं० 1/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जनवरी, 1981। को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मुभ्नेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, एसे इध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दर्य सं उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तीकक रूप में कथित नहीं किया ग्या है ---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोनेको अन्तरक को दायित्य में कमी करनेया उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधाके लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :--

(1) श्री गोपाल म्रय्यर म्रौर म्रदरस।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शेरबुद्दीन ग्रीर ग्रदरस।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्यांक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्येवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जैन के सम्बन्ध में कोई भी। भाक्षेप:---

- (क) इस सूचनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रवधि या तस्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना के राजगत मंत्रकाशन का नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समानि में हित-बद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा भक्तभा

स्पष्टीकरण -- इसमे प्रयक्त पहले भार एक जा जा एकत भूषि-निक्य के ब्रध्याय 20-5 म परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उन अन्यत्य में दिया गया है।

# अनुस्ची

भूमि भ्रौर निर्माण—50 ए, कोरडाचेरी (डाक्मेंट सं० 1/81)

> राधा बालकृष्णन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज. मद्रास ।

**धिनांक** 17-9-1981 मोहर:

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनाक 17 सितम्बर, 1981

सं० 9289 ---यतः मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उदन अधि। नयम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत्पए से अधिक हैं। ग्रौर जिसकी सं० 52 है, जो कोरडाचेरी में स्थित है (ग्रौर इसमे उपावद से ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, कुथानल्लूर (डाक्र्मेट स० 2/81) मे भारताय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जनवरी, 1981 को पूर्वाक्त सम्पान्त है उचित वाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के। ए बना कर को गई है और स्क यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वाकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरमान पनिकत से एसे दरयमान प्रतिकर का पन्द्रह प्रिक्षा र ० ००, ई. और अन्तरका (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से काथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनका अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 296-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री वैद्यनात ग्रय्यर ग्रीर ग्रदरस।

(ग्रन्तरक)

-(2) श्री शेरबुद्दीन ग्रौर ग्रदरस।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध फिसी अन्य -याक्त द्वारा, अधोह स्तक्षरी के एम विखित में किए जा सकरेंगे।

स्पर्धकरण --इर्स गुक्त शब्दों आर पदों का जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्स्ची

भूमि ग्रौर निर्माण 52, कोरडाचेरी (डाक्मेंट सं० 2/81)

राधा बालकृष्णन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज', मद्रास

दिनांक 17-9-1981 मोहरः प्रकप् बाह्रे. टॉ. एन्. एस.--

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 49) की धारा 269-व् (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-11, मदास

मद्रास, विनांक 17 सितम्बर 1981

निदोश सं. 9302--अतः मुभ्ते, राधा बालकृष्नं, आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात (उक्त अभिनियम) कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी क्ये, यह विश्वास करने का कारण  $e^{\dagger}$  कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रत. से अधिक हैं और जिसकी सं 76, 76ए हैं, तथा जो राम जी रांड, पाठि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पाठि (डाक्रमेंट सं -155/81) मे , रजिस्द्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1981 की पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मन्य, उसके इध्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और अंतरिती (अन्सरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्देश्य से, उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक **इ**प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधि-मियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अग, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निणिसित व्यक्तियों अर्थीन -- 3—296GI/81

(1) श्री जान . राम . क\_म्रोसन।

(अन्तरक)

(2) श्री सनठमल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवृष्टियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्थध्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्द अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

#### away A

भूमि और निर्माण—-76, 76ए, राम जी. रोड, पाठि। (डाक्मेट सं. 155/81)।

राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-।।, मद्रास

तारीख : 17-9-1981 मोहर . प्रारूप आई.टी.एव.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

(1) श्री धनपति ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भ्रप्पावृ ।

(धन्तरिती)

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, मद्रास मद्रास, दिनांक 15 सितम्बर, 1981

सं 11335, यतः म्भे राधा बालकुष्नं, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार सूल्य 25,000 / रु में अधिक **हैं औ**र जिसकी सं. संखे 17, 18, 19 ही, जो तील रोड उठ मनमेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध मे और पूर्ण रूप से वर्णित हो), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, उठ मलपेट (ठाक में इ सं. 259/81) में भारतीय रिजस्ट्रीक रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 फरवरी 1981 को पर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापृवर्षिकत संपत्ति का उचित बाजार मृल्थ, उसके इत्यमान प्रतिशत से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-

फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक

रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाों अर्थातः-- को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकित सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्वों का, औ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अपुस्ची

भूमि सरवे 17, 18, 19 तिल्ल रोड डवलपमेंट (डाकू मेंट सं॰ 259/81)।

> राधा ,बालकृष्टं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, मद्रास ।

दिनोक 15-9-1981 मोहर: प्ररूप आहर्.टी.एन.एस.-----

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व(1) के प्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, विनांक 17 सितम्बर 1981

्सं० 9302.—्यतः मुझे, राधा बालकृष्णन, ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्न अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सन्नम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यक्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपत् से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 76, 76-ए हैं, जो एम० जी० रोड, पांडिचेरी में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, पांडिचेरी (डाक् मेंट सं० 154/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जनवरी 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्त्रविक कप से जिल्ला नहीं किया का है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबस, सक्त अधिनियम के धनीन कर देने के सन्तरक के बाबिश्य में कमी करने या उससे बचने में सुविज्ञा के लिए और/या;
- (त) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अध्य भास्त्यों की, जिन्हें भारतीय भायकर भिभित्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिभित्यम, या भन-कर भिभित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा, कियाने में सुविधा के लिए;

भतः अव, उनत प्रधिनियम की धारा 269-न के धनुसरण में, में, छनत प्रधिनियम की धारा 269-न की छपधारा (1) के धनीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अंति :--- (1) श्री सवरिमुथ्राजन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री\_ंसनवमल्ली।

(मन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राब्धेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो का अविधि बाद में समाप्त होती हो, के मीलर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- ५(च) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीचा 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, प्रधाहस्ताक्षरी - पास सिधात में किए जा सकेंगे।

स्पब्बीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदो का, जो उच्हा प्रधिनियम के शह्माय 20-क में परिभाषित है, बही अर्च होगा जो उस ग्रध्याय में टिया ृगया है।

# मन्त्रची

भूमि भौर निर्माण 76, 76-ए, एम० जी० रोड, पांडि-चेरी (डाक्मेंट 154/81)।

> रीधा बालकृष्णन सक्षत्र प्राधिकारी सहायक आयुक्त (किरीक्षण) मर्जे रेंज, मदास

विनोक 17-9-1981 मोहर्

# प्रसप प्राई० खी० एन० एस०---

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 सितम्बर 1981

सं० 9306, यतः मुझे, ाधा बालकृष्णन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), भी धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000/-स्मए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० टी० एस० 36/3 (पार्ट) है, जो डिंडीगुल रोड विची में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय विची (डाक्सेंट सं० 238/81) में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जनवरी

को पूर्वोक्त सम्यक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफंल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमुद्ध प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त प्रिष्ठि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिक में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के लिए; शीर/मा.
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

अतः, अव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपस्रादा (1) के ध्रधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, धर्यात :-- (1) श्री पदमननभा अन्यर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विनकारमा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करका हुं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थक्ती करण :-- इसमें प्रयुक्त मध्यों श्रीर पर्धों का, जो उक्त अधि-नियम के भ्रष्टमाय 20-क में परिभाषित है, बही भर्ष होगा, जो उंस श्रष्टमाय में दिया गया है।

## नगर्भ

भूमि मौर निर्माण टी॰ एस॰ 35/3 (पार्ट) डिंडीगुल रोड, निर्मी (डाक्मेंट सं॰ 238/81)।

> राधा धालकृष्णन, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्णन रेंज मद्रास।

विमांक 17-9-1981 मोहर 🛭 प्ररूप मार्च. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 सितम्बर 1981

निवेश सं० 11/जनवरी/81:—यतः, मुझे, श्रार० रविचन्द्रन, बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० एस० सं० 1032 भौर 1033 है, जो इलन्जी गांव, तेन्कासी तालूक में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार०-1 तेन्कासी (डाक् मेट स 0 16/81) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन 15-1-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उणित बाजार मूल्य से कम के खरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्निलखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त जीध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तर्ध बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धम या बन्य कास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ण के अमृसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के विधीन, निम्निचित व्यक्तियों, वर्षात् है——

- (1) श्रीमती ग्रन्नम्मा मरकास।
- (ग्रन्तरक)
- (2) मिस लिस्सी जोसफ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तःशील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचनः की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर मंपित्त में हित-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पट्टीकरणः ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(पुज्जातोप---एस० सं० 1032 ग्रौर 1033, इलन्जी गांथ, तेन्कासी तालूक डाक्मेंट सं० 16/81)।

> श्चार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण) श्चर्णन रेंज, मद्रास

विनांक : 7-9-1981

मोहर 🛭

प्रकृष आहुँ. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ(1) के अभीन सुचना

## भा<u>रत</u> सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष्ण)

श्चर्णन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनाक 17 सिसम्बर, 1981

सं० 64/जनवरी/81:—यतः, मुझे, श्रार० रिवचन्द्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 42/2 श्रीर 42/3 पार्ट्स है जो, परियक्डल गांव, श्रन्ता नगर, मदास-40 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्ष्प से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पेरियमेट, मद्रास में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 21-1-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के खिए; आहर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) क अधीन निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री के० पी० एस० मेनन।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० मस्था पिल्ले भौर भन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतृर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्ट्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्तु अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# नगुजुची

भूमि मौर निर्माण ग्रट 42/2 ग्रौर 42/3 पार्ट्स, पेरायक्डल गांव, ग्रन्ना नगर, मब्रास-40 डाक् मेंट सं० 48/1981 ।

> भार० रिवचन्द्रन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-I, मद्रास

दि**नौक** 17--9--1981 मोहर:

# प्रकृप धाई। टी। एन। एस।

# आंयकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 घ(1) के अधीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

## श्रर्जैन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 सितम्बर 1981

सं० 65/जनवरी/81'—यत', मुझे, आर० रामचन्द्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने मा कारण है कि स्वावर संपन्ति, जिसका उकित वाशार मृह्य 25,000/- ६० से अधिक है

भीर जिसकी सं० ए०-6, प्लाट सं० 90, श्रक्षा नगर, मद्रास-40 है, जो में स्थित है, (श्रीर इससे उपायं अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय पेरायमेंट, मद्रास (डाकुमेट सं० 87/1981) में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्राधीन दिनांक 31-1-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान इतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसें अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं क्या नथा है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबन उकत अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अक्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्तत ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग क श्रनुसर्ण में, में, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के हुन्नभीन निम्निसित स्पन्तियों, ग्रामीत्:--- (1) पी० मसद पिरुलै।

(ग्रन्तर

(2) श्री वी० टी० वी० शर्मा ग्रीर ग्रन्य। (अन्त्ररिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर एकत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो और पर्दो का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

(भूमि और निर्माण ए० 6, प्लाट स. 90, भ्रान्ना नगर, मद्रास-40 (डाक्सेट स० 87/1981)।

श्चार० रविचन्द्रन • सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्चर्णन रेंज, मद्रास

तारीख: 17-9-1981

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### मारत सरकार

काय्लिय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

म्राजैन रेंज, मद्रास मद्रास, विनोक 14 सितम्बर 1981

सं० 16219 :---यतः मुझे, राधा बालकृष्णनं, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 239-छ के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट सं० 77, है, जो ग्रार० एस० सं० 626 नुगंमपाखम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाक्सेंट सं० 111/81) में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16 के ग्रिधीन दिनांक जनवरी, 1981

को पूर्वोकत सम्यक्ति के उण्यत काजार मूल्य से कम के वृत्यमान प्रति-फक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्यक्ति का उजित बाजार मूल्य, उमके वृत्यमान प्रतिकल से ऐसे वृत्यमान प्रतिफन का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और भन्तरक (सन्तरकों) और अन्तरिती (भन्ति विविधेत से बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निक्तित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्रिक्त नहीं किया गया है !--

- (स) अस्तरण सेहु ई किसी आय की बाबत छक्त आधि। नियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; पीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रस्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती ग्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में नुविधा के लिए;

श्रतः, ग्रव, उक्त श्रवितियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण मे, मैं, उक्त ग्रवितियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के ग्रवीन, निम्मसिवित स्पक्तियों, अवित :—

- (1) श्री कृष्ण श्रय्यर श्रीर कम्पनी।
  - (श्रन्तरक)
- (2) श्री एम॰ महालक्ष्मी श्रम्माल । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के सर्वेष के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवित, जो भी भवित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
  हितवद किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, घडींहरूताकारी
  के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो छस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि प्लाट सं० 77, भार० एस० सं० 626, नुगंम-पाखम (डाक्मेंट सं० 111/81)।

> राधा बालकृष्णनं सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, मद्रास ।

विनांक 14-9-1981 मोहरु प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

आथकर श्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-ष (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निर्भिण)

ग्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 सितम्बर 1981

मं० 73/जनवरी/81:—यतः, मुझे, आर० रविचन्द्रन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रा. से अधिक है।

योर जिसकी सं प्लाट सं 3410, ए० ए० नगर, मद्रास40 है, जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय
सेम्बियम, मद्रास (डाक्मेंट सं 0 174/81) में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 31-1-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है घौर मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है घौर
अन्तरक (अन्तरकों) घौर अन्तरिती (ग्रन्तरितयों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
छहेश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में वास्तविक स्थ से कथित
नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--4—296GI/81

(1) श्रीमनी बी० सरस्वती बाई।

(भ्रन्तरक)

(2) मरीय श्रन्टायिन जोसफ श्रौर श्रन्य । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(प्लाट सं० 3410, ब्रांच IV स्कीम, ए० ए० नगर, मद्रास, डाक्मेंट सं० 174/1981)।

> ग्रार∙ रविचन्त्रन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास ।

दिनांक 14-9-1981 मोहरु: प्ररूप आई • टी • एन • एस • -----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा की 269-व (1) के ध्रधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

# म्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 सितम्बर 1981

सं० 62/जनवरी/81:—यतः, मुझे, ग्रार० रविचन्द्रन, अन्नयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसको उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 55, ग्रारमेनियन स्ट्रीट मद्रास-1 है, जो में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार०- II मद्रास नार्थ में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 31-1-81

को पूर्वेवित सम्पित के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिति में) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, से निम्नति खित उद्देश में उक्त अन्तरण लिखित में जास्तिक छन म कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण में हुई किसी आप की बाबन, उक्त ग्रिधिनियम के आधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री एम० हासन खलीलियन ग्रौर ग्रन्य। (ग्रन्तरक)
- (2) जोहर एस्टेट एण्ड पारटनरस। (ग्रन्तरिती)

कों यह यूवना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की घविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की लामील से 30 दिन की घविध, जो भी
  घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब खिक्सी धन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त जब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, बही भैंबे होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(भिम श्रौर निर्माण ग्रट 55, ग्रारमेनियन स्ट्रीट, मद्रास डाकूमेंट सं० 269/81) ।

> ग्रार० रविचन्द्रतः, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्रास ।

दिनांक 14-9-1981 मोहर: प्रकृष भाई० टी॰ एन॰ एस॰—— ग्रायकर ग्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की ग्राप 269-म (1) के नधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजीन रेंज, जालन्बर

जालन्धर, दिनांक 8 सितम्बर 1981

सं० ए० पी० 2714:—यतः मुझे, श्रार० गिरधर, अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपये से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जैतो में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय जैतो में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एग्ड्र प्रतिणत से प्रधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरक निखन में वास्तविक रूप में कथिए नहीं किशा न्या है:——

- (क) खन्तरण में हुई किसी भाष की बाबत उपत प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वथने में सुविधा के लिए, और/या
- (६) ऐसी किसी आय या किसी धन या धम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अयकर श्रिष्ठिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रिष्ठिनयम, या धन-कर श्रिष्ठिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया पाया किया जाना चाहिए वा, कियाने में सुविधा के लिए;

अभः अ**ब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण** में, में, उस्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो. अर्थात्:--- (1) श्रीमती रणजीत कौर विधवा तथा प्रीतमोहिन्द्र सिंह, रीतमोहिन्द्र सिंह पुत्र करनैल सिंह गाव जैतो जिला फरीवकोट।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री तोता सिंह सुखदेव सिंह पुत्र सन्ता सिंह गाव जैतो जिला फरीदकोट।

(भ्रन्तरिती)

जैसा कि उपर नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता हो)। (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी गामेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की जविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसो अस्य व्यक्ति द्वारा, भाषाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जी उनत अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित है, बही धर्य होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1341 दिनांक जनवरी 1981 से रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी जैतो में लिखा है।

> म्रार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, (सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख : 8-9-1981

मोहर 🛭

प्रकथ भाई • टी • एन • एस • ----

याय कर ब्रिजिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल

भ्रजीन रेंज, जालन्धर कार्यालय,

जालन्धर, दिनांक 14 सितम्बर 1981

सं० ए० पी० 2771—यतः मुझे श्रार० गिरधर, आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन प्रभम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो गांव खुरला में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1981 को पूर्वे कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गैं है किया गया है क्या

- (क) अन्तरम नं हुई किसो प्राय को बाबत, उक्त आध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिख मैं कमी करने या उमसे बनने में सुविधा के लिए; धीर/या
  - (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मतः मन, उन्त भिष्ठिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के पश्चीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् '--- (1) श्री करतार सन्धु पत्नी कुन्दन सिंह वासी 265 श्रार० माडल टाउन, जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री करनैल सिंह पुत्र साधु सिंह वासी गांव कोर कला, तहिं जिला जालन्धर:

(भ्रन्तरिती)

3 जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है) 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखना हो। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रिधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता है :

उक्त सम्मति के प्रजंग के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेण :---

- (क) इस सूचना के राजाब में प्रकाशन की तारीख में 5 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उकत श्रिः तिरम के अध्यार 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो छस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6358, दिनांक जनवरी 1981 की रजिस्ट्री कर्त्ता ग्रिधिकारी जालन्धर में लिखा है।

ग्रार० गिरधर सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 14-9-1981

मोहर:

# प्रक्रम पाई० टी० एन० एस०---

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 प(1) के ग्राधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेज, जालन्धर कार्यालय
जालन्धर, दिनाक 14 सितम्बर 1981

स० ए० पी० 2772 — यत मुझे, ग्राप्त० गिरधर, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

श्रौर जिसकी में जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो खुरला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त सपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह पतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्त में वास्तविक रूप से किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग को बाधन, उक्त आधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या खससे अक्ने में सुविधा के लिए; और/या
  - (ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की खपेबारा (1) के प्रधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, प्रणीत्:— 1 श्रीमती करतार सन्धु पत्नी कुन्दन सिंह वासी 265, ग्रार माडल टाउन, जालन्धर।

(ग्रन्तरक)

2 श्री जसिवन्द्र सिंह पुत्र करनैल सिंह वासी गांव कोट कला, तिह- जिला जालन्धर।

(श्रन्तरिती)

3 जैसा कि ऊपर न० 2, में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिमोग में सम्पत्ति है)

4 जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रूचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करक प्राक्रित सम्पति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हु।

उनत सपलि के अर्जन के सबध में कोई भी ग्राक्षेप ।--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तस्त्रें भी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रयंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशीम व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में दितवद्ध किसी अस्य व्यक्ति दारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सर्कोंगे

स्पष्टिकरण:—इनमे प्रयुक्त शब्दो ओर पदो का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### न्तृस्पी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 6410, दिनांक जनवरी, 1981 को, रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी जालन्धर् मे लिखा है।

> ग्रार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** श्रजंन रेज, जालन्धर।

तारीख: 14-9-1981

मोहर :

प्रक्प आइ. दी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, जालन्धर कार्यालय जालन्धर, दिनाक 14 सितम्बर 1981 स० ऐ० पी० 2773—यत मुझे, श्रार० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो गांव मकसुंद पुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रिधंकार के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधंनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जनवरी, 1981। को पूर्वोंक्त सपिता के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रिकंक के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अतरिती (अन्तरितयों) के श्रीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उच्चेंद्रय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है.---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उनत अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मुभीन निम्निलिचित व्यक्तियाँ, व्यक्ति :—

श्रीमती बलदेव कौर पत्नी हरभजन सिंह मुख्तार ग्राम हरभजन सिंह उर्फ भजन सिंह पुत्र सुहेल सिंह, वासी हेलर तिह. जिला जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

2 श्री गुरवयाल सिंह पुत्र सागर सिंह गाव मोहिम तिहसील नकोदर जिला जालन्धर श्रौर को श्राप-मारकीर्टिंग सोसाइटी मार्फत सागर श्राईस मिल्ज जी० टी० रोड मकसुद पुर (जालन्धर) मैसर्ज चमल लाल जनकराज मार्फत

(भ्रन्तरिती)

3 जैसा कि ऊपर न० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके श्रिष्टिभोग में सम्पत्ति है)

4 जो व्यक्ति सम्पति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त 'अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6237 दिनांक जनवरी, 1981 को रजिस्ट्री कर्त्ता ग्रधिकारी जालन्बर ने लिखा है।

> ग्नार० गिरघर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर क्षायुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेज, जालन्धर

तारी**ख**ं 14-9-1981 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर कार्यालय

जालन्धर, तारीख 14 सितम्बर 1981

सं० ए० पी० 2774:—यतः मुझे, ग्रार० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मकसूद पुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में अमुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जनवरी, 1981। को पूर्वोंक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर क (अंतर कों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की टायन, कि अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्रीमती बलदेव कौर पत्नी हरभजन सिंह मुख्तार ग्राम बिकर सिंह पुत्र सुहेल सिंह, वासी गांव हैलर तिह व जिला जालन्धर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री खुशपाल सिंह उर्फ खुशाल सिंह पुत्र सागर सिंह वासी मोहेम तिंहि नकोदर, जिला जालन्धर श्रौर को ग्राप मार्केटिंग सोसायटी मार्फत सागर ग्राईस मिल्ज, जी० टी० रोड, मकसुद पुर (जालन्धर) मैसर्ज चमलन लाल जनक राज मार्फत

(ग्रन्तरिती)

- जैसा कि पर नं० 2 में लिखा है।
   (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है।
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता हो।
   (वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितक्छ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचनन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखंसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>8</sup>।

### वन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख 6239, दिनांक जनवरी 1981 को रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> ग्रार० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख 16-9-81 मो**हर** : प्ररूप आई. टी. एन., एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

काय लिय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज जालन्धर कार्यालय

जालन्धर, दिनांक 14 सितम्बर, 1981

सं० ए० पी० 2775:—यतः मुझे, श्रार० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान्यर संपरित जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रः. से अधिक है

श्रीर जिमकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिख है तथा हजो गांव मकसूद पुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जनवरी, 1981। को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

 श्रीमती बलदेव कौर पत्नी हरभजन सिंह मुख्तार ग्राम ग्रजीत सिंह उर्फ जीत सिंह पुत्र सुहेल सिंह, गांव हेलर तिह व जिला जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री गुरपाल सिंहै पुत्र सागर सिंह वासी गांव मोहेंम तिहः नकोदर जिला जालन्धर। को-श्राप मार्केटिंग सोसायटी मार्फत सागर श्राईल मिल्स, जी० टी० रोड, मकसूद पुर (जालन्धर) मैंसर्ज चमन लाल जनक राज मार्फत।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ओ व्यक्ति मार्फत में रूचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियी पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकरें।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्क्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति तथा गिक्ति जैसा कि विलेख नं० 6240, दिनांक जनवरी 1981, को रजिस्ट्री कर्त्ता ग्रिधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> श्रार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख 14-9-1981 मोहरः प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आमकर जीभीनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सङ्ख्याक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, जालन्धर कार्यालय जालन्धर, दिनांक 14 सितम्बर, 1981 सं० ए० पी० 2776, :---यतः मुझे, श्रार० गिरधर, मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-फ. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है। तथा जो गांव मकसूद पुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रनु-सुची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जनवरी, 1981।

को पूर्विकत संपरित को उपित बाजार मूल्य से कम को रूपमान प्रिक्तिल के लिए अन्तरिती की गई है और मुक्ते विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा क्ल संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल. निम्नसिसित उदयोग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर धीने के अन्तरक की दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- 👣) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अगस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्रत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 2**7**) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती प्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने सें सुविधा के लिए

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखिल व्यक्तियाँ अर्थातः :--

5-296 JI/81

1. श्रीमती बलदेव कौर पत्नी हरभजन सिंह मुख्तार श्राम चरन सिं पूज स्हेल सिंह वासी हेलर तहि जिला जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री गुरपाल सिंह पुत्र सागर सिंह बासी मोहेम नकोदर, जिला जालन्धर श्रौर की-ग्राग-मार्कीटिंग सोसायटी मार्फत सागर भ्राईल मिल्ज, जी० टी० रोड, (जालन्धर) श्रीर चमन लाल जनक राज मार्फत

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में मम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी कर के पूर्वीक्स संपत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

- (क) इ.स. स्थाना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति चुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकृशिन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्टी 🚾 🕶 :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6241, दिनांक जनवरी, 1981 को रजिस्ट्री कर्त्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> भ्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहारक आयकार आय्टन (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 14-9-1981

मोहर:

## प्ररूप आई० टी• एन० एस•---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर कार्यालय

जालन्धर, दिनांक 14-9-1981

सं० ए० टी० 2777:--यत० मझे, ग्रार० गिरधर, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उच्छि बाजार मृत्य 25,000/ रु से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रन्सूची में लिखा है तथा जो गांव मकसूद पुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में ग्रन् सची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1981। को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास कर कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, रश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और श्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अ।तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए. बीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिन्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने से सविक के लिए:

1 श्रीमती बलदेव कौर पत्नी हरभजन सिंह मुख्तार ग्राम करन सिंह पुत्र सुहेल सिंह गांव हैलर तिह व जिला जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री खुशपाल सिंह उर्फ खुशाल सिंह पुत्र सागर सिंह गांव मोहेम तहि नकोदर जिला श्रौर को ग्राप ग्राकींटिंग सोसायटी मार्फत मिलस जी० टी० रोड नजदीक मकसूद पुर (जालन्धर मैसर्ज चमन लाल जनक राम मार्फत जैसे ऊपर। (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता हो। (वह ज्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक गे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं ० 6242, दिनांक जनवरी 1981 को रजिस्ट्री कर्त्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

मोयर :

ग्रार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, जालन्धर

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

तारीख: 14-9-1981

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सञ्चयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजंन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 सितम्बर, 1981 सं० ए० पी० 2778--यतः मुझे ग्रार० गिरधर, **आयकर अधि**नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जो गांव मकसूद पुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1981 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का डिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल हा पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; भौर/या

ऐसे ग्रन्तरण के निए तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित

उद्देश्य से उनत प्रन्तरण निश्चित में नास्तविक रूप से कथित

नहीं किया गया है:--

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त श्रष्टिनियम की घारा 269-ग के श्रमुसरण में, में, उक्त श्रष्टिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के के अधीन, किन्नीकृतिकृत व्यक्तियों, मुर्थात्ः— शिमती बलदेव कौर पत्नी हरभजन सिंह मुख्तार-ग्राम सुरिन्द्र सिंह पुत्र सुहैल सिंह गांव हैलर तह० जिला जालन्धर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री खुशहाल सिंह उर्फ खुशपाल सिंह पुत सागर सिंह वासी गांव मोहिम, तहि० नकोदर, जिला जालन्धर, को ग्राप मारकीटिंग सोसायटी मार्फत सागर ग्राईल मिल्ज जी० टी रोड मकसूद पुर (जालन्धर) ग्रीर मैसर्ज चमन लाल जनक राज मार्फत जैसे ऊपर

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्यत्ति के अर्जन के तम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन को अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिध-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है वही ग्रर्थ होका जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6243, दिनांक जनवरी 1981 को रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> ग्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायुक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख 14-9-1981 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 सितम्बर 1981

सं० ए० पी० 2779—यतः मुझे, श्रार० गिरधर, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीर सक्ष्म ग्राधिनार। तो यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्त, जिसका उन्चित बाजार मूल्य 25,000/रा. स अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर मे रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उिचत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उिचत बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाउँ की अखत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निजिति व्यक्तियों अर्थातः--

- 1. श्री सुभाष पुत्र तथा श्रीमती दया वन्ती विधवा श्री ब्रह्मानन्द एन० एन० 443, गोपाल नगर, जालन्धर (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती देश गोयल पत्नी ग्रमरजीत गोयल वासी एन० के०-221, चरनजीत पुरा, जालन्धर। (ग्रन्तरिती)
- उ. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है तथा डा० ग्रमरजीत गोयल सन्तलाल, बलदेव राज, व मलिक सिंह वासी एन० के० 246, चरन जीत पुरा, जालन्धर।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन को अर्घाध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इक्कें प्रयुक्त शब्दों और पद्धों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6429, दिनांक जनवरी, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> श्चार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्णन रेंज, जालन्धर

तारीख: 16-9-1981

मोहर:

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालंधर

जालन्धर, दिनांक 16 सितम्बर 1981

निदेश सं० ए० पी० 2780—यतः मझे, आर० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थागर रास्पति, जिसका रास्त बाजार मूल्य 25,000/ उ. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन निम्न लिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण निम्न में वास्तिवक कृप में क्रीश्य न्त्रा है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (11) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री दया नन्द पुत्न जसा राम उर्फ जसवन्त राय, वासी मकान नं• 368, गोपाल नगर, जालन्धर। (अन्तरक)
- (2) श्री बलदेव राज पुत्र परस राम वासी 114, गोपाल नगर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है तथा डा० ग्रमरजीत गोयल, संत लाल, बलदेव राज व. मिलक सिंह वासी एन० के० 246, चरणजीत पुरा, जालन्धर।

(वह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में संपत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे मे ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति मे हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति क अजन के सम्बन्ध मा काइ भी जाक्षप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की ताशिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित किए जा सकरे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6430 दिनांक जनवरी 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> ग्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक: 16-9-1981

प्ररूप आह . दी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 सितम्बर, 1981

निदेश सं० ए० पी० 2781—यतः मुझे, आर० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो गांव बुरज खाल सिंह वाला में स्थित है (ग्रौर इससे उपा-बद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारों के कार्यालय, नथाना में रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के शश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गवा है:--

- (क) अन्तर्भ म हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा-के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित स्थिनतयों, अर्थास् :---

- (1) श्री चानम सिंह पुत्र भोला सिंह गांव बुरज खान सिंह वाला, तह० नथाना जिला भाटिण्डा। (अन्तरक)
- (2) श्री अमरनाथ पुत्र रोनक राम मार्फत मैसर्ज रौनक राम, श्रोम प्रकाश, कमीशन एजेट्स, बूचो मण्डी, जिला भाटिण्डा तथा हरवेत्र सिंह पुत्र लाल सिंह, नाजर सिंह पुत्र सुन्दर सिंह तथा परमजीत सिंह पुत्र जाल सिंह वासी बुरज खान सिंह वाला सहु० नथाना जिला भटिण्डा (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं॰ 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
  में हितबक्क है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करी 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथों क्तु व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

# **अमृस्**ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1225, दिनांक जनवरी, 1981 को रजिस्ट्री कर्ता प्रधिकारी नथाना में लिखा है।

> ग्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

दिनांक: 16-9-1981

भोहर:

प्रकृप वार्इं.टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 सितम्बर, 1981

निदेश सं० ए० पी० 2782—यत मुझे, श्रार० गिरधर, आयकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है। तथा जो फगवाडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय फगवाडा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त मंपित के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एमे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक ह और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के त्बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाण गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरणा लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य शास्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्ति व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) श्री हरी सिंह पुत्र भीम सैन वासी खलवाटा गेटः फगवाडा ।

(अन्तरक)

(2) श्री वीना रानी पत्नी मनोहर लाल वासी खलवाटा गेट, फगवाडा ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
   (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखता है।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे प्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
  में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्सूची

- सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2552, दिनांक जनवरी, 1981 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फगवाडा में लिखा है।

> श्रार० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 16-9-1981

मोह्नर 🐦

प्ररूप आई. टी एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 सितम्बर, 1981

निदेश सं० ए० पी० 2783—यतः मुझे, स्रार० गिरधर, आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पक्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु में अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जनवरी, 1981

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का एचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृजिया के लिख; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय अप- मा निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या स्टबर प्रीपिन्यम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिपाने में स्टिश्य के लिए

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री हरीपाल सिंह पुत्र भीम सैन वासी खलवाटा गेट. फगवाडा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सनेह लता पत्नी निरन्द्र पाल (2) विनोद कुमारी पत्नी हरबन्स लाल, वासी खलवाटा गेट, फगवाडा।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखता हो।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
  में हितबद्ध है)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः—इसमें प्रयंक्त शब्दों और पदों का, जो उन्केत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ह<sup>5</sup>, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2553, दिनांक जनवरी, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> न्नार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक: 16-9-1981

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

नालन्धर, दिनांक 16 सितम्बर 1981

निर्देश म० ए० पी० 2784—यन मुझे, श्रार० गिरधर आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/— छपए से श्रधिक है

भीर जिसकी संव जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो ालन्धर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ने कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक उनवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः श्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थात् :— 6—296GI/81 (1) श्रीमती सुवर्शन धीर पहिन एम० के० धीर, 71, लाजपत नगर, जालंधर।

(श्रन्तरिती)

(2) श्री पवन कुमार पुत्र गाधी राम वासी ग्रजीत नगर पटियाला

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं॰ 2 में लिखा है। (वह न्यिक्त, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में युचि रखता है।
  (वह न्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
  में हितबदा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपब्बीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो छक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही भ्रयें होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6527, दिनांक जनवरो, 1981 को रजिस्ट्रो कर्ता श्रधिकारी जालंधर में जिखा है।

> श्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजीन रेंज, जालन्धर ।

दिनाक: 16-9-1981

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

## भागांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 सितम्बर, 1981

निकेण स० ए० पो० 2785—यतः मुझे, श्रार० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है ), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

25,000/ रक. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संज जैसा कि प्रमुखी में लिखा है तथा

जो चक हुसैना लमा पिण्ड में स्थित हैं(ग्रीर इसमें उपाबद्ध
प्रमुखी में ग्रीर पूर्ण क्य में बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता
श्रिधकार। के कार्यालय राजन्धर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम
1908 (1908 का 16) के ग्रीर्थन, दिनांक जनवरि, 1981
को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रिक्षिक के सिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विस्वास
क्से का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपरित का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिक्त से, एसे इस्यमान प्रतिक्त का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तरिक
रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अब, अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्री शाम सिंह पुत्र मिश्रा सिंह वार्स। गाव चक हुसैना लम्मा पिण्ड, तह० िला शालन्वर (श्रन्तरक)
- (2) श्रामती सरला देवा पतिन तथा सतीक कुमार, श्रतिल कुमार पुत्र अद्धा नन्द, वासी होणियारपुर रोड, जालन्धर शहर। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिष्टिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो न्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहम्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-बद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास सिसित में किए जा सकींगे।

स्वव्यक्तिरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा औं उस अध्याय में दिया गया हैं।

# **अ**मृस्**चीं**

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5967, दिनांक (नवर), 1981 को रिस्ट्रीयर्ता ग्रिधिकारी जालन्धर में लिखा है।

न्नार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जालन्धर

**निर्नाक**: 17-9-1981

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

# भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के घंधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

यर्जन रेंड, जालन्धर

जालन्धर, दिना ए 17 सितम्बर, 1981

निर्देश सं० ए० पी० 278 ह—यतः मुझे, प्रार० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की घारा 239-चा के प्रधीत सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिमका छचित बाजार मृख्य 25,000/- द॰ से अधिक है

श्रौर जिसकी सं जिमा कि अनुसूचा में किखा है तथा जो चम हुमैन लमा पिण्ड में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूचा में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्टिकारी के नायिलय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांक जनवरी, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य में कम के कृष्यमान प्रतिकृत के लिए अनारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पण्डह प्रतिशत से प्रश्रिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निश्वाक्ति जहें क्या गया है:—-

- (क) अन्तःण से हुई किसी आय की बाबत अवत श्राधिक नियम, के प्रश्नित कर होने के प्रकारक के वावित्व में कमी करने या छबसे बचने में बृविषा के लिए। और/या
  - (ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त विधिनियन की धारा 269ना के **अनु** भरण में, में, उन्त अधिनियन की धारा 269न्थुंकी उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों,अर्थास । —

- (1) श्राः शाम सिंह पुत्र मीग्नां सिंह वासी गांव चक हुसैना लम्मा पिण्ड, तह० व जिला जालन्धर । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रांमती सरला देवा पत्ति तथा सर्ताण कुमार, श्रांनल कुमार पुत्र बद्धा नन्द, वार्सा होणियारपुर रोड, जालन्धर णहर। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पक्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, िनके बारे म अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबक्क है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोमत सम्बत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- हैं(क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन की अविधि या तक्संबंधी व्यक्तियों पर मूधना की तामी स में 30 दिन की श्रविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उन्त स्थावर संपक्षि में धन- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरूनाक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्धोकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उकत अधिनियम के ग्रडमाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैमा कि विलेख नं० 5990 दिनांक जनवरी, 1981 को गिल्स्ट्राक्ती प्रधिकारी जलन्धर में लिखा है।

> ग्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निर्दक्षण) ग्रर्जन रेंज, :ालन्धर

दिनांक: 17-9-1981

मोहर 🖫

# प्रकप आई • टी • एन • एस • — — • जायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ग्रारा 269-व (1) के ग्रिधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 21 मितम्बर 1981

निर्देश ए० पी० नं० 2787---यत मुझे, ग्रार० गिरधर भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित 25,000/-**ब**पए से मधिक **है** मुल्य भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोटकपुरा में स्थित है (स्रोर इसमें उपाबद्ध धनुसूर्च। मे स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्या-लय, कोटकपुरा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक जनवरी, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल ने लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से भिधक है भीर पन्तरक (धन्तरकों) भौर भन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।--

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिष्ट-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के खिए। भौर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उक्त प्रिष्ठिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं उक्त प्रिष्ठिनियम की घारा 269-म की उपचारा (1) के साधीन निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थाक्:— (1) श्री रूर चन्द्र पुत्र श्रा मिन्बू राम नासा कोट कपूरा जिला फरांटकोट

(भ्रन्तरक)

- (2) श्रा केवल कृष्ण व होरा लाल सुपुत्र गगा राम वासा कोट कपूरा , जिला फरीवकोट। (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर न० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रंधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
  (वह न्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ता-क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति म हितबद्ध है)।

को यह सूचना प्रारी अरके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त तमाति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राजेर .--

- (क) इस सूचना के राजरत में प्रकाणन की नारीख ने 45 विन की प्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्धं किसी भ्रम्थ क्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दी हरगः चन्द्रनमें प्रयुक्त जन्दों स्रोर त्वों हा, जो उक्त स्रक्षि-नियम के स्रह्माय 20 क में परिभाषित है, कही सर्वे होगा, जो उस स्रष्ट्याय में विया गया है।

### अनुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 3586 दिनाक जनवरी, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधियारी फरीट-कोट मे लिखा है।

> न्नार० गिरधर मक्षम श्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रजीन रेज, जालन्धर।

विनाम: 21-9-1981

मोहर

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. ------

आप्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 सितम्बर, 1981

निवेश सं० ए० गी० 2745—यतः मुझे, आर० गिरधर, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, ज़िसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी हं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो माडल टाउन जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर मे रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक जनवरी, 1981 ।

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रिटिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त जिथिनियम, के जुधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिमाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भा, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- (1) श्री गुरनाम सिंह पुत्र परसा सिंह खुद व मुक्तयार सरवजीत सिंह और बलराज सिंह, जगजीत सिंह पुद्रा परमा सिंह, गांव कालरा तह० व जिला जालन्धर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुशीला सुदन विधवा प्रेम प्रकाश 239-माइल टाऊन जालन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर न० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ता-क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स सं 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीरूर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6456, दिनांक जनवरी, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> श्रार० गिरधर सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

दिनांक: 8-9-1981

प्ररूप आहुर. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्तत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 8 सित्मबर 1981
निदेश ए० पी० 2746—मतः मुझे, श्रार० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क से अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-र. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो टीउना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय भाटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी, 1981

को प्रांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य में कम के रूपमान प्रिटफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन निम्नितिश्वन उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निश्वित में बास्त्रिक रूप से कथित न/ी किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन वा अन्य वास्तियों था, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-गुको अनुसरण भौ, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री भगवन्त दास चेला श्री पूरन दास गांव टीउना तह० व जिला भाटिण्डा ।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री बलबिन्दर सिंह, मोहिन्दर सिंह, पुत्र गुरदेव सिंह तथा लाभ सिंह, बोहर सिंह, गुरतेज सिंह पुत्र सुखदेव सिंह, गांव व डाकखाना चुगा कर्ला, तह० व जिला भाटिण्डा।
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में एचि रखता हो।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपव ने प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर प्रशत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, अओहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4986, दिनांक जनवरी, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी भाटिण्डा ने लिखा है।

भ्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, जालन्धर ।

दिनांक: 8-9-1981

मोहरः

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.------

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

#### पारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 8 सितम्बर 1981

निदेश सं० ए० पी० 2747—यतः मुझे, ग्रार० गिरधर, आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रिक है

ग्रीर जिसकी स० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो टीऊना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्कत निम्तलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक का मे कथित नहीं किया गार है :---

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्सरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में श्रीकथा के लिए;

अतः प्रव, उनतं प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ॥— (1) श्री भगवन्त दास चेला श्री पूरन दास गांव टीऊना, तह० व जिला भटिण्डा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बलविन्दर सिंह, मोहिन्दर सिंह पुत्र गुरुदेव सिंह तथा लाभ सिंह, बोहर सिंह, गुरनेज सिंह पुत्र मुखदेव सिंह, गांव व डाकखाना चुग कलां, तह० व जिला भटिण्डा।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सपत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधीहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितंबद्ध
है)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध म कोई भी प्राक्षेत्र .---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कियो व्यक्ति के इत्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पवतीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो धक्त ग्रिधिनियम के श्रष्ठयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा जो उस श्रष्ठ्याय में विया गया है।

# वनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख मं० 5002, दिनांक जनवरी, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

> न्नार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, जालन्धर

दिनांक: 8-9-1981

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 8 सितम्बर 1981

निदेश सं० ए० पी० 2748—यतः मुझे, श्रार० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० जैसा कि भनुसूची में लिखा है तथा को गांव टीऊना में स्थित है (भीर इससे उपावस भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से. वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रमृप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-**ग की उपधारा (1)** के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, मुर्मात् क्ष— (1) श्री भगवन्त दास चेला श्री पूरन दास गांव टीऊना तह० व जिला भटिण्डा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बलिबन्दर सिंह, मोहिन्द्र सिंह पुत्र गुरदेव सिंह व लाभ सिंह, बोहर सिंह, गुरतेज सिंह पुत्र सुखदेव सिंह. गांव व डाकखाना चुगा कलां तह व जिला भटिण्डा।

(भन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्तिं सम्पत्ति में इचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उत्कता अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनसची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 5077, दिनांक फरवरी, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

> म्रार० गिरघर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक: 8-9-1981

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

आयकर मिनियम, 1961 (1661 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 8 सितम्बर 1981

निर्देश सं० ए० पी० 2749--यतः मुझे, श्रार० गिरधर, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात 'उन्त प्रधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका ∙ उचित बाजार मूल्य 25,000/- हार्य से ग्राधिक हैं। श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची मे लिखा है तथा जो गांव टीऊना मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में, श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक फरवरी, 1981 को पुर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमात प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अण्नरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उबन ग्रन्तरण निखित में बास्तविक रूप में किश्वन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण मे हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिष्ठि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया. गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुखिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :--7-296GI/81

- (1) श्री भगवन्त दास चेला श्री पूरन दास गांव टोऊना, तहरु च जियार भाटिग्डा । (श्रन्तरक)
- (2) श्री बलविन्दर सिंह, माहिन्दर सिंह पुत्र गुरदेव सिंह लाभ सिंह, बोहर सिंह, गुरतेज सिंह पुत्र सुख-देव सिंह गाव व डाकखाना चुगा कलां, तह० व जिला भटिण्डा ।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैंसा कि ऊपर न० 2 में निखा है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बारे मे श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

क्ये यह सूचना जारी करके पृषाकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तासील से '30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य क्वाबित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दी करण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर गढ़ों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाधित हैं, वहीं श्रथं होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5146, दिनांक फरवरी, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकौरी भटिण्डा ने लिखा है ।

> श्रार**० गिरधर** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर शायक्क (<sup>निरा</sup>क्षण) श्रजंन रेज, जालन्धर

दिनाक: 8-9-1981

प्ररूप आई टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ,ररा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कायालय, महायक आयजर जायका (निरीक्षण)

## भ्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 सितम्बर 1981

निर्देश न०ए०पी० न० 2750—यत: मुझे, भ्रार० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० जैसा कि स्रनुसूची में लिखा है तथा जो बस्ती शेख जालन्धर में स्थित हैं (स्रौर इससे उपाबद्ध झनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधि-कारी के कार्यालय जालन्धर के रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनाक जनवरी, 1981

को पृथां कत सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के रूर्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, एसे रूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशक्ष से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक प्रयं से अधित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आग्राणी बाबत, अस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुमरण में, भें उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधात् ——

(1) श्रीमती मेल कौर पिल श्री बखगीग मिंह ग्रौर केहर सिंह काबिल सिंह, पुत्रान मखन सिंह वासी बस्ती शेख जालन्धर

(भ्रन्तरक)

- (2) श्रीमती गुरबचन कौर पत्नि श्री रोशन सिंह वासी डब्ल्यू० एस० 352 बस्ती शेख जालन्धर। (भ्रन्तरिती)
- (3) कि जैसा ऊपर नं० 2 मे लिखा है। (वह व्यंक्ति, जिसके ग्रिधिभोग मे सपत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखता हो। (बह व्यक्ति, जिनके बारे मे भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इंस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्थव्दिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6052 दिनांक जनवरी, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी जालन्खर में लिखा है।

> ग्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक: 8-9-1981

प्ररूप आह्र .टी .एन .एस . -----

**स्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा** 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 मितम्बर, 1981

ं निदेश नं ० ए० पी० नं ० 2751—यतः मुझे, आर० गिरधर भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० जैसा कि भ्रानुसूची में लिखा है तथा जो गांव लिछड़ां में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रानुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्या-लय, जालंधर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं आधिक है और अन्तरक (जन्ताका) कार अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पादा गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तृबिक क्ष्म से कृथित मृही किया ग्या है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की नावत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के कायित्व में कमी करने या उससे यचने में सूबिधा के लिए, और या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः — (1) श्रीमती हरजिन्दर कौर, रेशम कौर पुत्रीयां श्री केसर सिंह, मारफत मुख्तयार श्रीमती रसन कौर विधवा श्री केंसर सिंह वासी लिधड़ां तहसील व जिला जालधर

(अन्तरक)

- (2) डा॰ टी॰ भ्रार॰ जौसफ पुत्र श्री तुलसी राम भ्रौर श्रीमती रोजी जोसफ पत्नी श्री टी॰ भ्रार॰ जोसफ वासी सूरानूसी तहसील व जिला जालंधर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके ग्राधिभोग में सम्पत्ति हैं)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि 'खता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रयोहस्ता-क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर
  सूचना की तामील से 30 दिन को अविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोध सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति माहितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस् अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6553, विनांक जनवरी 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> भार० गिरधर सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 8-9-1981

प्ररूप आ**र**ै.टी..एन..एस.,----

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय मंहायक आयकार आयुक्त (निर्राक्षण) स्रर्जन रेज, जालण्धर

जालन्धर, दिनांक 8 सितम्बर, 1981

निदेश सं ए पी 2752—यत: मुझे, श्रार शिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैंसा कि अनुसूची में लिखा है?। तथा जो गांव मकसूद पुर में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रतीन, दिसाक जनवरी, 1981

को पूर्वेक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अस्तरण से हुई किसी जाय की बाबत न उक्त बाधिनयम के अधीम कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के लिए? बाँट/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था छिपाने में सुनुष्ता के रिष्णुः

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थातः— (1) श्री गरीब दास पुत्र श्री हाकू राम वासी रिव दास नगर, जालन्धर

(अन्तरक)

(2) श्री शिव दर्शन लाला श्रानन्द पुत्र गिरधारी लाल मारफत मृ० एवरवेयर मेन्यूफैकचरिंग कम्पनी श्रानन्द नगर, जी० टी० रोड, जालन्धर।

(अन्सरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग मे सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रंधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींख से 45 विन् की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वाराध
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर जक्त स्थानर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यास अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्युब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गृया हैं।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5958 दिनांक जनवरी, 1981 को रिजस्ट्रीकर्सा ग्राधिकारी में लिखा है।

> न्नार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 8-9-1981

मोह्रर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय्, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, आलन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 सितम्बर, 1981

निषेश नं ० ए० पी० नं ० 2753—यत: मुझे, आर० गिरधर पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के घधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- अपए से प्रिष्ठिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो गांव मकमूद पुर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबत ग्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी, 1981

ता पृत्रों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रस् प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) धौर
प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया
गश प्रतिफन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण विखित में
वान्तविक क्ष्य से कथिन तही किया गया है:---

- (क) अन्तरक ने हुई किसी स्राय की बाबत, उस्त स्रिध-नियम के स्रिधीन कर देने के सुरूतक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, स्रीर/या;
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या खण्य ग्रास्तियों को जिन्हों भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए बा, छिपाने में सुविधा के लिए;

आतः मन, उक्त प्रधिनियम की आरा 269-ग के मनुसरण में मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:— (1) श्री गरीब सास पुन्न श्री हाकू राम वासी रिववास नगर जालंधर

(भ्रन्तरक)
(2) श्री प्रेमलाल श्रानंद पुत्र श्री गिरधारी लाल
मारफत मैं० एवटवेश्वर मृनूफीक्चरिंग कं० जी०टी रोड,
जालंग्वर

(अन्तरिती)

जैसा कि उपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके भ्राधिभोग में
सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितकद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्यिवसों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा ध्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्यब्झे करण: ---इसमें प्रयुक्त जब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रीध-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में विया गया है।

# **अनुसूची**

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5959 विनांक जनवरी, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी में लिखा है।

> ग्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्तर आयुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज, जासंघर

तारी**ख** :8 :9 :81

प्रकर आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-व (1) के सधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यांनय, सहायक धायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज जालंधर

ंजालंधर दिनांक 8 सितम्बर, 1981

निर्देश नं० ए०पी० नं० 2754—श्रत: मुझे म्नार० गिरधर

आयकर प्रविभियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इन के रन्तात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षण पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क से प्रविक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जमणेर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1981 ।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
असके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह
प्रतिशत से मिश्रक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) बौर अन्तरिती
(अन्तरितिमों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित चहुंदिय से उच्त भन्तरण लिखित में
वास्त्रविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उपत अवि-नियम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में पुविधा के निए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर घिष्टियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

जत अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीगृ विक्तृतिखितु क्यक्तियाँ सुवृत् स्—— (1) श्री कुलदीप सिंह मुख्यमोरग्राम श्रीमती सुरजीत कौर विद्यवा नाजर सिंह तथा कुपाली कौर पत्नी नाजर सिंह तथा सन्तोख सिंह पुत्र नाजरसिंह वासी अमशेर जिला जालंधर ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री मोहिन्दर सिंह, सन्तोख सिंह धारा सिंह दलजीतसिंह दविन्द्र सिंह पुतान प्रकाशसिह वासी जमग्रेर खेड़ातान जिला जालंधर ।

(भ्रन्तरिकी)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजान के सम्बन्ध में कोई प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अ्वक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, ओ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में में किसी, व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य श्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त अधि-नियम के सम्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6119 दिनांक जनवरी, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जासंघर में लिखा है।

आर॰ गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर आयुक्त (निरीक्षण) क्यांजन र्रेज जालंघर

तारीख:8-9-81

मो**इ**रः

## प्रकप धाई॰ डी॰ एन॰ एस॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-क (1) के सबीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

## प्रजीन रेंज जालंघर

जालंधर दिनांक 14 सितम्बर 81

निर्वेश नं० ए०पी० 2767—यत: मुझे ग्रार० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृश्य 25,000/- द० से अधिक है

- ुं और जिसकी सं० जैसा कि धनुसूची में लिखा है जो जालंधर में स्थित है (बौर इससे से उपावद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण ध्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन, तारीख जनवरी, 1981
  - की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्ति बाजार मूल्य, असके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिजत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तर्क के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखन उद्देश्य से उच्त अन्तरक लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।——
    - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्राधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रकारक के दायित्व में कमी करने था उससे अचने में सुविचा के लिए; श्रीर/या
    - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए चा, फिपाने में सुविधा के लिए;

अत:, अव, उक्त अधिनियम की बारा 269-व के धनुकरण में, मैं उक्त घिकनियम की घारा 289-व की उक्कारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्कात्:—

- (1) श्री जगदीश मिश्र पुत्न सरणदास श्रीमती पुष्पा देवी पत्नी कुलभूषण श्रीमती देवकी देवीं विधवा नन्दलाल माफित श्री कलभूषण पुत्न नन्दलाल श्रीर धर्मवीर पुत्न सरनदास वासी लक्ष्मीपुरा जालंधर (अन्तरक)
- (2) श्री सुरेन्द्र सिंह पुत्र सतपाल सिंह श्रीर सतपाल सिंह पुत्र जीवन सिंह वासी नीला महल, जालंधर। मार्फत प्रीमयर रबर इंडस्ट्रीज इंडस्ट्रियल एरिया, जालधर।

(अन्तरिति)

- (3) जो ऊपर नं० 2 में हैं
  इन्डस्द्वयल एरया जालंधर
  (वह व्यक्ति जिसके श्रिधयोग में
  सम्पत्ति हैं )
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकातन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्त्रमण्डी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवित्र, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया ग्या है।

## वन्स्ची

सम्पत्ति और व्यक्ति जो कि विलेख नं० 6384 दिनां जनवरी 1981 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालंधर में लिखा है। ग्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रजन रेंज, जालंधर

तारीख:14:9:81 मोहर: प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालंघर

जालंघर, दिनांक 14 मितम्बर, 1981

निर्देश नं ० ए०पी० नं ० २ 7 68--- श्रत : मुझे श्रार० गिर-

धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है जो निवासहर में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नवाशहर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी 1981

को पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कभी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिंखुत व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्रीमती हरजिन्दर कौर पत्नी जगजीत सिंह वासी गांव मूसा पुर तहसील नवाणहर जिला जालन्धर

(अन्तरक)

(2) श्री तिलोक चन्द ग्रीर निर्मल कुमार पुत्र हस राज और श्रीमती ग्रयरत रानी पत्नी तिलोक चन्द और श्रीमति विजय कुमारी पत्नी निर्मल कुमार गांव राही तहसील नवाशहर जिला जालन्घर।

(अन्तरिती)

(3) जो व्यक्ति सम्पत्ति में विच रखता है। (जो व्यक्ति, जिसके श्रधयोग में सम्पत्ति है)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त मम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यथाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थल्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिजालित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

## अन्स्ची

सम्पत्ति ग्रौर व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3537 दिनांक जनवरी 8i रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी नवागहर ने लिखा है।

ग्नार० गिरघर सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्णन रेंज, जालंधर

दिनांक: 14:9:1981

मोहर 🛚

प्ररूप आहु . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 सितम्बर 1981

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2769----यतः मुझे ग्रार० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उमित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुस्ची में लिखा है। तथा जो नवाशहर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध में ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नवाशहर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जनवरी 1981

को पूर्वों क्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपर्तित को उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः बद्द, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर निम्निसिखत व्यक्तियों, अंधित्:——
8—296GI/81

- (1) श्रीमती हर्जनदर कौर पत्नी जगजीत सिंह वासों गांव मूसा पुर तहसील नवाशहर जिला जालन्धर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री तरलोक चन्द श्रौर निर्मल कुमार पुत हंसराज श्रौर श्रीमित श्रमंत रानी पतनी तरललोक चन्द श्रौर श्रीमित विजय कुमारी पत्नी निर्मल कुमार गांव राहीं तह्मील नवाशहर जिला जालन्धर । (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पति में सूचि रखता है।
  (वह व्यक्ति, जिमके बारे में भ्रधो
  हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में
  हितबथ है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्स सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बदुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुस्ची

सम्पति श्रौर ध्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3559 दिनांक जनवरी 1981 रजिस्ट्रीकर्चा श्रधिकारी नवांशहर में लिखा है।

> श्रार गिरधर सक्षम ग्रधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज जालन्धर

तारीख: 14-9-1981

#### भारतं सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
प्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 सितम्बर 1981

निदेश सं० ए.० पी० 2770—यतः मुझे, ग्रार० गिरघर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो नवांगहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय नवांशहर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख फरवरी 1981

(1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1981 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रिएफर्ल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पायां गया प्रतिक फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिभित्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग को, अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) को जभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--

- (1) श्रीमती हरजिन्दर कौर पत्नी जगजीत सिंह बासी गांव मूसापुर तहसील नवांशहर जिला जालन्धर। (श्रन्सरक)
- (2) श्री तरलोक चन्द श्रीर निर्मेल श्रमार पुत्र हंसराज श्रीर श्रीमित श्रमृतरानी पत्नी तरलोक चन्द श्रीर श्रीमती विजय कुमारी पत्नी निर्मेल कुमार गांव राहों तहसील नवांशहर जिला जालन्घर है (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर नं० 2 में है। (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्वना जारी करके पृवाँकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अषोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अभूस्ची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 310 दिनौक फरवरी 1981 रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी नवाणहर में लिखा है।

> श्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय<del>ूक</del> (निरक्षिण) <del>शर्जेन</del> रेंज, जालन्धर

तारीख: 14-9-1981

प्रकप ग्राई॰ टी० एत० एम•~~---

आप्रतर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 10 सितम्बर 1981

निदेश सं० ए० पी० 2755—यतः मुझे, श्रार० गिरधर, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करमें का कारग है कि स्थावर सन्तित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ॰ से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है। तथा जो गांव रामीवी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय हिलवा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख फरवरी 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन बाजार मूल्य से कम के बृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत धिक है धौर भन्तरक (अन्तरकों) ग्रोर अन्तरिती (भग्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से छक्त अन्तरक लिखित में वास्तिवक रूप से किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आब या किसी घन या अन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ता प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-भ की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचातः---

- (1) श्री निरनल सिंह बल पुत्र राम सिंह गांव रामीदी तह० ढिलनां मुखतार श्राम हरनेक सिंह उर्फ गुरमेल सिंह पुत्र बारा सिंह बासी रामीदी तह० ढिलवां। (श्रन्तरक)
- (2) श्री जसबीर सिंह सुरजीत सिंह पुत्र संतोख सिंह गांव रामीदी तहसील ढिलवां जिला कपूरथला। (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त पम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उपन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी अपित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास जिख्या में किए जा सकेंगे।

स्पब्ही तरग -- इसमें प्रयुवन शब्दों श्रौर पदौं का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थं होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

## अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1170 दिनांक फरवरी 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ढिलवां ने लिखा है।

> भार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 19-9-1081,

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जालंधर

जालधर, दिनांक 10 सितम्बर 1981

निर्वेश सं० ए० पी० 2756—यतः मुझे, ग्रार० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ष्ठीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो गांव रामीदी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कायलिय ढिलवां में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उसित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्द श्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबन, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुंख्या के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्तः श्रवः, जनत अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- (1) श्री गुरमेल सिंह उर्फ हरनेक सिंह, गांव रामीदी तह० ढिलवां, जिला कपूरथला।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री जमबीर सिंह, सुरजीत सिंह पुत्र संतोख सिंह गांव रामीदी, तह० ढिलवां जिला कपूरथला। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर न० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिमोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में क्ष्ति रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ब्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को ग्रह स्थना जारी करके पूर्वों क्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उनत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो कोई भी जाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

व्यक्ति तथा संस्पत्ति जैसा कि विलेख ने० 1201 दिनांक मार्च 1981 को रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी ढिलवां ने लिखा है।

> न्नार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज जालंधर

ता**रीखा** : 10-9-1981

मोहरः

प्रकृष् आइ. टी. एन्. एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

भ्रजीन रेज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 10 सितम्बर 1981

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2757—यतः मुझे श्रार० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिस्का उपित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फिरोजपुर में स्थित है (भ्रौर इसमें उपाबद्ध भ्रन्सूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी 1981

की पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से शुरू किसी वाय की बाबत, उक्तु विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कुरने या उससे ब्यूने में सुविधा के लिए; वीर/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धनु या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना जाहिए था छिपाने में स्रिया के दिस्ए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) को अधीन निम्निलिशित व्यक्तियों अर्थात्:— (1) श्रीमती राज कुमारी विधवा किशन लाल वासी वगददी गेट, फिरोजपूर ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री गुरदेव सिंह सुखदेव सिंह श्रीर श्रीमती रिजन्द्र कौर पत्नी श्री जवसन्त सिंह वासी इन्तसाईड दिल्ली गेट, फिरोजपुर ।

(म्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर न० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रुखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रश्लोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सार्रींचु से, 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्तु व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 वित के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति क्वारा ख्धाहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकरि।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त, अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरि-भाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति तथा ध्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5699 दिनांक जनवरी 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी फिरोजपुर में लिखा है।

> म्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 10-9-1981

## प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

फ्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 सितम्बर 1981

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2758:-यतः मुझे, श्रार० ेगिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं० जैसा कि प्रानुसूची में लिखा है तथा जो बीर कलोनी सुन्दर नगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनूसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय श्रबोहर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख जनवरी 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित वाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क निम्नलिसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तिबक रूप से कि थित नहीं किया गया है:——

- (क) ध्रस्तरण से हुई किसी ध्राय की बाबत, उक्त प्रधितियम के ध्रधीन कर देने के ध्रम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उपत श्रधिनियम की बारा 269-व के अनुसरण मे, में, एक्त ग्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्।—

- (1) श्री कृशनलाल सागर पुत्र श्री तुलसीदास वासी मकान नं० 5838/2, बीर कलोनी (सुन्दर नगर) ग्रबोहर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री प्रेम कुमार सचदेवा पुत्र श्री सोहन लाल वासी गांव धरागवाला तह० फाजिलका जिला फिरोजपुर। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो ब्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### नन्स्यी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति सेवा कि विलेख नं० 3304 दिनांक जनवरी 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रबोहर में लिखा है।

श्चार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्वर्णन रेंज, जालन्धर

तारीख: 10-9-1981

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आभकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 मितम्बर 1981

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2759—यतः मुझे, ब्रार० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स व्हें अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण विः स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा है तथा. जो बीर कलौनी (सुन्दर नगर) में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय भ्रबोहर में रजिस्ट्रीकरण श्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख फरवरी 1981

प्रतिक्षत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्न सिखित व्यक्तियों अधित्:---

- (1) श्री कृणन लाल सागर पुत्र श्री तुलसीदास वासी मकान नं० 5838/2 वीर कलीनी (सुन्धर नगर) श्रबोहर (श्रन्सरक)
  - (2) श्री प्रेम कुंमार सचदेवा पुत्र श्री सोहन लाल वासी गांव धरांग वाला, तिह० फाजिलका जिला फिरोजपुर

(भ्रन्तरिती)

- (3) जेसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पित में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पित में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्फन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्थाव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्योका, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3635 दिनांक फरवरी 81 को रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी श्रबोहर में लिखा है।

> (ग्रार० गिरधर) सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 10-9-1981

प्ररूप आइ⁴.टी.एन.एस.------

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4:3) की धारण 269-घ (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 सितम्बर 1981 निर्देशश सं० ए० पी० 2760—यतः मुझे श्रार० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269- का को अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- र. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो ग्रबोहर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में ग्रनूसूधी में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय ग्रबोहर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी 1981

को पूर्विक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दहयमान प्रतिफल से, ऐसे दहयमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्रीमती मनजीत कौर पुत्री श्री रतन सिंह पत्नी हरदयाल सिंह बासी श्रांव गुरहेह तहसील जगरापी जिला लुधियाना

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मृहिन्द्र सिंह, कुलजीत सिंह सुपुत्र श्री गुरबचन सिंह वासी गाव हौजे खास तिह्० फाजिलका जिला फिरोजपुर (ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह ब्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है )

(4) जो व्यक्ति सम्मति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो कोई भी आक्षंप.--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बढ्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्थव्हीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाजित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2920 दिनोक जनवरी 1981 को रजिस्ट्रीकर्त्ती श्रधिकारी श्रबोहर में लिखा है।

> श्रार० गिरधर सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 10-9-1981

प्ररूप आर्हे.टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

**श्रर्जन** रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 सितम्बर 1981 निर्देश सं० ए० पी० नं० 2761—यतः मुझे श्रार० गिरधर्,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संज जैसा कि श्रनुसूची में खिखा है तथा जो श्रबोहर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वणित है), रिन्द्र क्ला श्रधिवारी के कार्यालय श्रबोहर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1981

का पृथा कित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित, व्यक्तियों अर्थात्:-- 9—296GI/81

- (1) श्रीमती कुणिया देवी विधरा श्री लाजपतराये वामी गली नं० 8, भन्डी श्रबोहर
  - (भ्रन्तर्क)
- (2) श्रं वेद प्रकाण पुत्र तिलोक चन्द वार्स, गर्ली नं० 10, मन्द्री श्रवोहर।

(भ्रन्तिरती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह न्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पति में इचि एखता है (वह व्यक्ति, जिससे बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पारत में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पक्षिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरै पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्ची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3254 दिनांक जनवरी 1981, को रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी ग्रैबोहर में लिखा है।

> श्रार० गिरधर, **सक्षम प्राध्यिकारी** स**हा**यक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंच, जालन्धर

तारीख: 10-9-1981

मोहर ः

## त्ररूप आई० टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंल, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 10 सितम्बर 1981

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2762—यतः मुझे धार० गिर्धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

ग्रौर िसकी मं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो मंडी ग्राबोहर में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिस्ट्रोक्स्ती श्रीधकारी के कार्यालय ग्राबोहर में रिक्ट्रिकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन तारीख जनवरी 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान एतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वाँक्त संपत्ति का उपित बाजार भृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अध्यक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितियोंत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निसित में वास्तविक स्थ से अधित नहीं किया गया है ——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आब की बाबत उक्त अधि-निवम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में समी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य झास्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

उप्त श्रव, उयत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कैं, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः——

(1) श्रो सन पाल पुत्र अपृज लाल वासी गांव दतरानधाली तहसील फाजिलका

(भ्रन्तरक)

(2) श्री: जै कृष्ण पुत्र चानन लाल वासी गली नं० 14-15, मन्डी ग्राबोहर

(श्रन्तिरर्तः)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (बह व्यक्ति, जिसके स्रधिभोग में सम्पत्ति है।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितब**स** है)

को यह सूचना जारी करके प्वेक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्थवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को राघील पे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्थळीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पति तथा ध्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3131 दिनांक ंनवरीः 1981 को रिक्स्ट्रिं वर्त्ता श्रिधिकारीः श्रबोहर में जिल्ला है।

> आर० गिरधर, सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालत्स्यर

तारीख: 10-9-1981

# प्ररूप बाई .टी.पन्.एस .----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### तारत सरकार

# कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देक्षण)

ग्रर्जन रेंल, जालन्धर

जालन्धरं, दिनाक 10 सितम्बर 1981

निर्दोश सं० ए० पो० नं० 2763—यतः मुझे आर० गिरधर,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उन्तित बाजार मूल्य 25,000 रु. से अधिक है

ग्रौर िसकी सं० जैमा कि ग्रनुस्ची में लिखा है तथा जो कपूर थला में स्थित है (ग्रौर इगंस उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिस्ट्रीकर्ता ग्रिधितर के कार्यालय कपूरथला में रिस्ट्रिकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तार ख जनवर, 1981।

की पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिश्वत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्तं अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सें हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी नाय या किसी भून या नन्य नारित्यों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया न्या था वा किया जाना आहिए था डियाने में सुन्या के स्पित्

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण् में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिश्चित व्यक्तियों मुर्थातः— (1) श्रा बरजिन्द्रा सिंह पुत्र राजी हरिमन्दा सिंह वासी कपूरथला मुख्यातियार श्राम श्राफ श्रीमित डान सिंह उर्फ देविका पत्नी वर जिन्द्रा सिंह वासी कपूरथला

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्रमजीत कौर पत्नी मनर्जात सिंह बासी कपूरथला, प्रितम देई विधवा श्री ज्ञान चत्द, रानी बाजार, मुहल्ला, सराफपुरा ग्रमृतसर, श्री लाला वन्ता पत्नी असर नाथ और वरणा रानी पत्नी जोगिनद्रपाल वासी मुहल्ला जानकी दास कपूरथला

(अन्तरितीः)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, ज़िसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जामता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पृष्टीक रुणः — इसमें प्रयुक्त कव्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं मुर्थ होना जो उस मध्याय में दिया स्था हैं।

# अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3153 दिनांक जनवरी 1981 को रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी वपूरथला में लिखा है।

> ग्रार० गिरधर, सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 10-9-1981 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 10 मितम्बर 1981

निर्वेण सं० ए० पी० 2764—यतः मझे श्रार० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसको सं० जैसा कि अनुसूचों में लिखा है तथा जो क्षूरथला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्धमें अनुसूची में -श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी 1981

करे पूर्वा क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित मे वास्तिवक स्प सं की धत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रा बरजिन्द्रा सिंह पुत्र राजा हरमिन्दरा सिंह वासी कपूरथला मुख्तार श्राम श्रीमित धनसिंह उर्फ देविका पत्नी बरजिन्द्रा सिंह।

(ग्रन्तरिक)

(2) श्री कैलाण कुमार पुत्र शरत चन्द, वासी, जे० जे० कलब कपूरथला, शकुन्तला गुलेरीया पत्ना जी० एस० गुलरीया, वासी मोहला सतनाम पुरा फगवाडी, हरबन्स लाल पुत्र शिव राम वासी मो० कसाबा कपूरथला, जागारीलाल पुत्र मलुक सिंह वासी नजदीक जे० जे० क्लब कपूरथला, वेवलराम मादान पुत्र मनोहर लाल मन्दिर सुदौजिला कपूरथला तरिष्टा मलचेदा पत्नी सतपाल, वासी लोहारी गेट करिशना गली, कपूरथला, प्रेम दत पुत्र मोहन्द्र दत्त वासी कपूरथला

(भ्रतरितः)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह क्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बार में अधोहस्ताक्षरः जानता है कि वह पम्पति में हितबद्ध है)

कां यह सूचना जारी करके. पृवां क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर प्रविक्तयों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्मध्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### **अन्स्**षी

व्यक्ति तथा सम्पति जैसा कि विलेख नं० 3192 विनांक जनवरी 1981 को रजिस्ट्री कर्त्ता ग्रिधिकारी कपूरथला ने लिखा है।

न्नार० गिरधर.

सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रीजन रैंज, जालन्धर

तारीख : 10-9-1981

मोहरः

## प्रकप आई० टी० एन० एस०----

अरायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 प (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्तत (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 सितम्बर 1981

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2675—यतः मुझे म्नार० गिरधर

आयकर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उंक्त प्रिविनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- क से अधिक के

भौर जिसकी स० जैसा कि अनुसूची मैं लिखा है। तथा जो कपूरथला मैं स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध मैं अनुसूची मैं भ्रौर पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 क्य. 16) के श्रधीन तादीख जनवरी 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उच्चित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मे अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अनुसारण से हुन्द किसी आय की वाबत, सक्त अधि-नियम के घन्नीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविज्ञा के जिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो-जनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

सतः सब, उन्त प्रधिनियम भी धारा 268-ग ने प्रमुखरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्रीमती ऊषा देवी पत्नी राजा हरमिन्द्रा सिंह वासी कपूरथला द्वारा वरजिन्द्रा सिंह पुत्र राजा हर्मिन्द्रा सिंह मुख्तियार ग्राम वासी कपूरथला (ग्रन्तरक)
- (2) श्री बखगीश सिंह पुत्र श्री सीतल सिंह गांव डाक खाना मुखपुर जिला कपूरथला (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह विवनत जिसके श्रिधभोग में सम्पति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पति में धिच रखना है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 4.5 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशनं की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हितं-अब किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्बीकरण :--इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रिवियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।.

# **यन्**स्ची

सम्मति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3198 दिनांक जनवरी 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी कपूरथला में लिखा है।

> श्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 10-9-1981

मोहरः

## प्रक्ष आई.टी.एन.एस.------

# आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की बहुदा 2699(1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहा्यक आयकर आयुक्तत (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 सितम्बर 1981

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2766—यतः मुझे श्रार० गरिधर

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (भिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अभिन बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो कपूरथला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन नारीख जनवरी 1981

को पूर्वा कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान ब्रातिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिशत से, एसे दश्यमान प्रतिशत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नेलिखित उद्वेश्य मे उक्त अन्तरण निम्ति मे वास्तिवक रूप से किशा नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियमों, 1922 (1922 का 14). या उक्त अधिनियमों, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- (1) श्री धान सिंह उर्फ देविका पत्नी श्री वर-जिन्दा सिंह द्वारा श्री वरजिन्द्रा सिंह पुत्र राजा हरमिन्द्रा सिंह वासी कपूरधला मुख्तियारे श्राम (श्रन्तरक)
- (2) श्री जज कुमार ग्रानन्द, प्रेम पाल ग्रानन्द जयशपाल ग्रानन्द सुपुत्र श्री नवल किशोर ग्रानन्द वासी शेखुदुरा जिली कपूरथला

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पति भें रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितवदा है)

को यह सूचना जासी करका प्रकारित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामिल से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वागः;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पद्धीकरण --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस. अध्याय में विधा गया हैं।

# अंनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3210 दिनांक जनवरी 1981 को रजिस्ट्रीकत्ता ग्रधिकारी कपूरथला में लिखा है।

> ग्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीचा: 10-9-1981

माहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज बंगलोर बंगलोर दिनांक 27 भ्रगस्त 1981

निर्देश सं० 354/81-82—यातः मुझी डा० वि० एन∙ लिस्तिकुमार राव

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थानर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० चलता नंम्बर 15 है जो बास्कोन्डा-गामा, गोवा, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मांर्मुगोवा गोवा श्रंडर डाक्युमेंट नंम्बर 8/81 दिनांक 7-1-1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिशत उव्वच्य से उसत अन्तरण लिशत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ह) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत ः——

(1) श्री जोस मारिया गेराल्डो सांचेस गीतांजली इमारत के पास, वास्कीन्डा-गामा, गोवा

(भ्रन्तरक)

(2) सप्ले भ्रौर श्रसोसिबेटस लोटस श्रपार्टमेंन्ट, एफ एल गोम्स रोड वास्कोन्डा-गामा, गोना । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45. विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पटिकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

वास्कोन्डा-गामा, गोवा में स्थित खुला जगह जिसका नाम है "टेरेनो मीयमुंकुडेलम" श्रीर जिसका चल्ता नम्बर है 15

> डा० वि० एन० लिलतकुमार राव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर वाय्कत (निरीक्षण) प्रजीन रेंज बंगलोर ।

तारीख: 27-8-1981

मोहर 🦠

प्रकथ आही. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांक्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेज, पूना 411004

पूना 411004, दिनांक 8 सितम्बर 1981 -

निर्देश सं० सी० ए० 5/एस० श्रार० कल्याण जानेवारी/ 530/81-82—यत. मुझे णशिकान्त कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या नं० 264 हिस्सा नं० 6 है तथा जो ठाकुरानी गांव, विष्णुनगर गोखले रोड, डोंनिवली में स्थित है (श्रौर इससे 'उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय दुथ्यम निबंधक कल्याण में रजिस्ट्री करण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 30 जनवरी 1981।

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

(1) रावजी लालजी एंड कंपनी 3, उमीया निवास, मानेकलाल इस्टेट श्रेग्रा रोड, भाटकोपर, नाम्बे-400086

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रार० वाय० भालोदकर चिटनीस शिवसदन सहकारी गृहरचना संस्था गोखले पथ, विष्णुनगर, डोनिवली 421202।

(अन्तरिती)

को यष्ट्रसूचना जारी करकेपूर्वोक्त संपत्ति के अर्जनके लिए कार्यवाष्ट्रियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (स) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीसं से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

खुली जमीन धौर इमारत जो स० न० 264, हिस्सा नं० 6, ठाकुरली गांव ता० कल्याण, डोंबिवली म्युन्सिपल एरिया में, विष्णुनगर, गोखले पथ, डोंनिवली (वेस्ट) में स्थित है।

(जैसा की रजिस्ट्रीकृत विलेख ऋ० 228 जो 30-1-80 ं गो बुय्यम निबंधक कल्याण के दफ्तर मैं लिखा है।)

> शशिकान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, पूना

तारीख: 8-9-1981

मोहरः

प्रस्प आईं ०टी० एन० प्रायस्य अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रेष्टीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, पटना

पटना, विनांक 17 सितम्बर 1981 निर्देश सं० 516/म्रर्जन/81-82---म्रतः मुझ हृवय नारायण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (श्रिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/रु से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० ५लैट मंख्या 186, 185 खाता संख्या 176, 181 मुर्वे थाना संख्या 7, फुलवारी तौज़ी सं० 391 तथा जो ढकनपुरा जोबोरोंग रोड पटना मे जाना जाता है में स्थित है (ग्रौर इसमे उपलब्ध ग्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप मे 'वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 13 जनवरी 1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान-प्रतिकल के जिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्थ, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रश्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक कप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कर्ने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :--- 10—296GI/81

(1) श्री प्रभात कुमार सिह्ना (2) श्री पंकज कुमार सिन्हा (3) श्री विनोद कुमार सिन्हा (4) श्री प्रेम कुमार सिह्ना सभी बल्द श्री गनेण लाल निवासी बोरींग रोड थाना कोतवाली, जिला पटना ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जय नारायण तिवारी बन्व श्री किशोरी तिवारी ग्रीर (2) श्री अमुना पाठक बल्द स्व० सुखराम पटक दोंनो निवाबी बोरींग रोड, पटना (ग्रन्सरक

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अबोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---६समें प्रयुक्त गम्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं मर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

## भनसची

श्ररारी जमीन तो मौजा ढकनपुरा श्रव जोरींग रोड, पटना से जाना जाता है में स्थित है एवं वह पूर्ण रूप से वसिका संख्या 164 दिनांक 13-1-81 में वर्णित है तथा जिसका पंजीकरण जिला श्रवर निबन्धक पवाधि-कारी पटना द्वारा संस्पन्न हुआ है।

हृदय नारायण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त अयुक्त (निरक्षिण) ध्रजीन परिकात, बिहार, पटमा

ता**रीज** 17-9-81 मोहार प्ररूप आइ<sup>2</sup>. ृटी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

#### भारत संरकार

कायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन गर्ज, कानपूर बंगलुर, दिनांक 5 सितम्बर 1981

निर्देश सं० सि० म्रार० 62/29450/80-81/एसिक्यू० बी----यतः मझ डा० वी० एन० ललितकुमारराव,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विदेवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित भाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,000/- र. स बावक हु

श्रीर जिसकी मं० 40/7, है, तथा जो मिल्लर्स रोड, सिविल
स्टेशन, बंगलूर, में स्थित हैं (श्रीर इस से उपाबद्ध अनूसूची
में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी
के कार्यालय, शिवाजीनगर बंगलूर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ना० 8 जनवरी 1981।
को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास
करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित आजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित जबदिश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक
कृप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या छन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसर्थ में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों सर्थोतः— (1) (1) वसंता वेंकटेणुलु, (2) श्रीमित, वरलक्ष्मा विजयकुमार (3) श्रामित वनजा रविचंद्रा,
 (4) श्रीमिती, वा० वालाजीराव, सं० 47/7, मिल्लर्स रोड, बंगलर ।

(बन्तरक)

(2) मेसर्स, एस० और वे० प्रापर्टीस प्रायिवेट लिमिटड, श्रहलान्टा बिल्डीग, नारीमन पोयिट, बंबई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति भे हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थव्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्त विश्वतिवृक्ष, को बच्चाय 20-क में पीरभाषित हैं, नुक्की वृच्ची होगा को उस बच्चाय में दिया ग्या है।

#### अनसची

(दस्तावेज सं॰ 3621/80-81 ता॰ 8-1-1981) संणत्ति जिसका सं॰ 40/7 है, तथा जो मिल्लर्स रोड, सिविल स्टेशन बंगलूर में स्थित है।

चकबन्दा है:---

उ-में प्रायिवेट संपति।

द-में प्राइवेट संम्पति।

प्—में प्राइवेट संम्पति ।

प—में स्रप्रोच रोड।

डा० बो० एन० लिलिसकुमार राज सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, ग्रंगलूर -

विनांन 5-9-1981

प्ररूप भाई० टी॰ एन० एस०---

म्रायकर मिम्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मेम्रीन सूचना

भारत सरकार

कार्या<mark>लय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 सितम्बर 1981

ानदेश सं वण्डा | 313 | 80-81 — श्रतः मुझे सुखदेव चन्ध्र प्रायकर श्रीव्यतियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रीव्यतियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिवीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वांस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/रु० से श्रीविक है,

श्रौर जिसका सं प्लाट नं 3073, है तथा जो सैक्टर, 35, डो, चण्डीगढ़ में हिथत है (श्रौर इससे उपाबद श्रनूसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 1 जनवरी 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पम्बद्ध प्रतिगत से श्रिक है श्रौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) भीर अन्तरित (श्रन्तरितयों) के बीच एमे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य में उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तिक है मौर का नहीं किया गया है :---

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी आय की बाबत, एक्स प्रक्षित्यम, के प्रजीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रीर/या
- (सा) ऐसी किसी भाय या सिसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिश्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिश्रिनियम, या धन-कर मिश्रिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा भकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लि।;

कतः धव, उक्त अधिकियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम शिधारा 269-व की उपघारा (1) के ध्रधीन, निम्नलि खा 44 कियों, प्रचित:— (1) कप्तान जोग्निद सिंह सपुत्र स्वर्गीय श्री डा॰ सावन सिंह निवासी मिलिटरी फार्म कानपुर उ० प्र॰ माध्यम श्री दीना नाथ खन्ना सपुत्र श्री नन्द लाल खन्ना निवासी एस॰ सी॰ एफ॰ न॰ 89, सैक्टर चण्डीगढ़।

(अन्सरक)

(2) श्रीमती श्ररुण दत्ती पत्नी श्री हरी सिंह निवासी मकान नं० 3211, सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजंन क लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर . सम्पत्ति में हितयब किसी अन्य व्यक्ति बारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जां सर्कोंगे।

स्पक्तिकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो खबत श्रिष्ठितियम के श्रष्ठयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा, जो खस श्रष्ठयाय में दिया गया है।

नन्स्जी

प्लाट नं० 3073, सक्टर, 35 डो, चण्डोगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय विलेख संख्या 1792 जनवरी, 1981 में दर्ज है )

> सुखदेव चन्द स**क्षम अभिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 सितम्बर 1981

मोहर

## प्रकप माई॰ ही॰ एव॰ एस॰---

# ब्रायकर संविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के सवीन सुचना

### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, सुधियाना लुधियाना, विनांक 19 सितम्बर 1981

निर्देश सं० चण्डी०/308/80-81--यतः मुझे सुखदेव चन्द मायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उका भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका धरित बाजार मूल्य 25,000/-रुपमें से मधिक ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1373, है तथा जो सैक्टर 34-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनु-सूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा भ्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुक्ब से कम के बुक्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यमापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृहय, उसके बुश्यमान प्रतिषक से, ऐसे बुश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशाय से **प्रविक है और भन्तर**क (घन्तरकों) धौर मस्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण क लिए तय पाया गया प्रतिष्ठन, निम्नलिखित उद्देश्य से जनतः पन्तरण निबित में बास्तविक कर से ऋषित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रम्तरण में हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीत कर देते के प्रस्तरक के वायिस्थ में कभी करने या उससे बचने में सुन्ति ! के क्रिए; धीर/वा
- (ख) एसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रव्धिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त ग्रव्धिनियम, या धन-कर ग्रिश्चित्यम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ श्रम्यारिती द्वारा प्रकट महीं किया नेमा का या किया जाना चोहिए था, कियाने में सुनिधा के लिए।

चतः अन, उन्त प्रविनियम की बारा 269-म के धनुसरण में में, उन्त प्रविनियम की बारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात् :-- (1) मेजर जरनैल सिंह धन्सल सपुत्र श्री एस० एस० धन्तल निवासी मकान नं० 3828, सक्टर 19-डी, चण्डीगढ़।

(अन्सरक)

(2) श्रीमती जगदीश भमबारी पत्नी श्री सतपाल भमबारी श्रीर श्री सतपाल भमबारी सपुत्र श्री किरपाल राम निवासो 3087, सैक्टर 23-डी, चण्डीगढ।

(अन्सरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सिए कार्यवाहियां करता है।

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविष, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष. जो भी भविष बाद मैं समाप्त होती हो, के भीतर पूजीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी ग्रन्थ श्यक्ति द्वारा घड़ोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पढडीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदो का, जो उकत घिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही घर्ष होगा जो उन प्रध्याय में दिया गया है।

## मनुसूची

प्लाट नं० 1373, सक्टर 35-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जोिक रजिस्ट्री कर्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1765 जनवरी, 1982 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

नारीखः : 19 सितम्बर 1981 भोहर. अक्य नाइ . टी. एन. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 76 सी है तथा जो फेज़-II-बी, 1, म० हा० ली०, जिला रोपड़ में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची श्रौर पूर्ण रूप से बणित है, रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, खरड़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1/81

को पूर्वेक्सि संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पर्तित को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्ष्ट्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्वेश्य से उस्त अन्तरण लिसित में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उक्त . अभिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के यायित्व में कभी करने या उससे क्यने में सृविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय लाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, कियाने में सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृतरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर जिल्लिशिस व्यक्तियों, अर्थाज् क्-- (1) श्री टिकम चन्द बली ग्रीर ग्रमुता बली निवासी 2866 सैक्टर 22, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री हरदी सिंह दिलों सपुत्र श्री तेजा सिंह मिनासी गांव बलोगी, तहसील खरड़।

(अन्ता'रती)

को यह सूचना चारी करके पृवाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनस सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पारभाषि। हैं, कहीं कर्भ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## नन्स्वी

प्लाट नं० 76, सी, फोज-II बी०-1, मोहली, जिला रोपड । (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खरड़ के कार्यालय के विलेख संख्या 4983 जनवरी 81 में दर्ज है)।

सुखावेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

नारीख: 19 सितम्बर 1981

# प्ररूप बाईं वटी० एन० एस •→

जायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 209-व(1) के प्रधीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 19 सितम्बर 1981

निर्देश सं० चण्डी/314/80-81---ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्व,

जायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उस्त प्रविनियम' चहा नया है), की घारा 269-च के प्रवीत सक्षम प्राविकारी को यह विश्वास करने का कारन है जिस्सावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- के से प्रविक है

श्रीर जिसकी सं कप्लाट नं 3015 है तथा जो सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1/81

की पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूह्य से कम के बृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पम्द्र प्रतिगत से प्रधित है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नवा प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक इप से कियत नहीं किया नया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के घष्टीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने वा उसते बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिथम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए वा क्रियाने में सविश्वा के किए;

कतः सद, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरम में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-म की उपभारा (1) के प्रधीन, निस्तकिकात स्पक्तिकों, सर्वात् (1) श्री मंहगा सिंह मार्फत राये सिंह निवासी मकान नं० 1191 सैक्टर 8-सी, चण्डीगढ ।

(अन्सरक)

(2) श्री जोगिन्द्र सिंह सपुत्र श्री दसौदा सिंह, निवासी मक्गान नं० 242, सक्टर 22-ए, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारीकरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिएकार्यवाहियां चरता हूं।

डबत सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी आ से 45 विन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना जी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पवतीकरण:→-इसमें प्रयुक्त शब्दों और गरां हा, जो 'छक्त अधि-नियम', के अख्याय 20-क में प्रिभावित हैं; वहीं मर्च होगा, जो छस अख्याय में दिया गया है।

## मम्स्ची

प्लाट नं० 3015 मैंक्टर 35-डी, चण्डीगढ़। (जायदाद जो कि ६ रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1793 जनवरी, 1981 में दर्ज है )।

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, लुधियानी

तारीख: 19 सिनम्बर 1981

मोहर .

प्रकृष भाई • टी • एन • एस • ----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के मंत्रीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ण)
ग्रर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 19 सितम्बर 1981

निर्वेश सं० चण्डी/310/80-81—-प्रतः, मुझे, मुखयेव चन्द,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्न धिवियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ॰ से प्रधिक है

भूगीर जिसकी सं प्लाट नं 3330-पी है तथा जो सैक्टर 32-डी, चण्डीगढ़, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक्कं श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1981

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तिति की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रधापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिषत से पश्चिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथ पाया गया प्रति-फन निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निष्टित में वास्तिक का में का में का स्वार्थ के लिए निष्टा में वास्तिक का में का स्वार्थ के लिए निष्टा में वास्तिक

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रवि-नियम के भधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या घर्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर घिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिष्ठिनियम, या घन-कर धिर्मियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, धव, धवत प्रविनियम की घारा 26 क्र-म के प्रमुतरण में, पें, उदत प्रधिनियम की घारा 26 क्र-म की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्री जय राम दसुग्रर, मकान नं० 898/10, ब्लाक मं० 23 शिवा जी नगर, समराला रोड़ लुधियाना (अन्तरक)
  - (2) श्रीमती श्रमरजीत कौर पत्नी श्री पूर्ण सिह, नं० 182/23 इन्डस्ट्रीयल ऐरिया, चण्डीगढ़।

(अन्सरिती)

को यह पूजना जारी करके पूजीरत सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उपन सम्पत्ति के प्रार्णन के सम्बन्ध में कीई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (क) इस सूबता के राजपत्र में प्रकासन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बद्धि में हितबब किसी घरप व्यक्ति बारा, मधोइस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे गं

स्पष्टी करण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उन्त प्रधितियम के सम्याय 20-क में यथा परिचाषित है, वहीं सर्थं होगा, को उस सम्याय में विया गया है।

# यमृतुची

प्लाट नं० 3330 पी० सैक्टर 32-डी चण्डीगढ़। (जायदाव जो कि रिजस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1778 जनवरी 1981 में दर्ज है)।

> मुखदेव सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) स्रर्जन रेंज लुधियाना

तारीख: 19 सिनम्बर 1981

मोह्रू :

प्रकृप आई टी एन.एस ------

आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 सितम्बर 1981 निर्देश सं० लुधियाना /412/80-81—ग्रतः मुझे, सुचारेव चन्द,

आयकर प्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ख के प्रधीन मलम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ४० से प्रधिक है

ग्नीर जिसकी सं० प्लाट तं० 38-एल० है तथा जो भाई रणधीर सिंह नगर, फिरोजपुर रोड़ लुधियाना में स्थित है (ग्नीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 1/81

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से , कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारफ है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्द्रह अनिशान से प्रधिक है और अन्तरक (प्रश्नरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलियिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक क्य से किया नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त पिट-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत्त बद, उक्त विभिनियम की भारा 269-व के बनुसरण में, में, उक्त विभियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के बभीन निम्नतिबिद व्यक्तियों, व्यक्ति :—

- (1) श्री नयाध्र सिंह मपुत्र श्री भान सिंह निवासी भुर्ज हमेरा तहसील सोगा, जिला फरीदकोट?
- (2) श्री सुरिन्द्र सिंह चीमा सपुत्र श्री रघुनाथ चीमा निवासी तलवाड़ा जिला होशियारपुर।

(अन्तरिती)

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं<sup>के</sup>
  45 दिन के भीतर उक्का स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध
  किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  तिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विदा गया है।

## अनुसुची

प्लाट नं० 38-एल० भाई रणधीर सिंह नगर, फिरोज-पुर रोड़ लुधियाना पर स्थित है।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकरी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 5622 जनवरी, 1981 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 सितम्बर 1981

मोहुर

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) की अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 19 सितम्बर 1981 निर्देश सं० चण्डी०/320-80-81—ग्रनः मुझे, सुखदैव चन्द,

आयटार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 655, है तथा जो सैक्टर 33-बी, चण्डीगढ में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1981

को प्वोंकित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्हयमान प्रिष्फल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथा गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निगनसिसिन व्यक्तियों अर्थात् :--- 11—296GI/8I

(1) श्री कर्मपाल सिंह सपुत्र श्री करतार सिंह सिधू निवासी चकशेरांबाला, तहसील मुक्तसर- जिला फिरोजपुर श्रव निवासी 62 कवालरी मार्फत 56 ए०पी'० श्रो० माध्यम श्री गजिन्द्र सिंह सपुत्र श्री किशान सिंह निवासी मकान नं० 216 सैक्टर 9-सी चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री दलजीत सिंह श्रवरोई सपृत्न श्री श्रजुंन सिंह श्रौर श्रीमती सुषमा श्रवरोई पत्नी श्री दलजीत सिंह श्रवरोई निवासी 53, निपयर रोड श्रम्बाला कैंट।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क). इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 655 सैक्टर, 33-बी, चण्डीगढ में स्थित हैं।

(जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकृत्ती श्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1842 जनवरी, 1981 में दर्ज है)।

> मु**खदेव चन्द** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 सितम्बर 1981

प्ररूप आहं. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय . सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

म्रार्जन रेंज, म्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 19 सितम्बर 1981

निर्देश सं० पटियाला/113/80-81—-प्रतः मुझे, सुखदेव चन्दः

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 2132 है तथा जो मोहाली कोठी जुल्मगढ़ पराना थाना सदर पटियाला में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुमूची म श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके शृश्यामान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियमं की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित अधिकताओं अर्थात् :---

- (1) श्री सिलिन्दर कुमार, 26 भूपिन्द्र नगर, पटियाला, । (ग्रंतरक)
- (2) श्री सुधीर कुमार, पुज्पीन्द्र कुमार श्रीर सुणील कुमार सपुत्र श्री हरबन्म लाल श्रीर श्री हरबन्स लाल सपुत्र कांश्मीरी लास, निवासी मकान नं० 2313/1, सथ घड़ी गली, पटियाला।

(श्रंतरिती)

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ;
- (स) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

# अनुसूची

मकान नं 2132, मोहाली कोठी जुल्मगढ़ पुराना थाना, सदर, पटियाला।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख मं० 7069 जनवरी 1981 में दर्ज है )।

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 सितम्बर 1981

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रायुकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 19 सितम्बर 1981 निर्देश सं० चण्डीगढ़/317/80-81—ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- के संअधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1155 है तथा जो सैक्टर 34-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपापद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जनवरी 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अत अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती चरणजीत कौर पत्नी श्री मुखवन सिंह माध्यम श्री मनजीत सिंह सपुत श्री मदन सिह निवासी 55, सैक्टर, 15-ए चण्डीगढ़।

(ग्रंतरक)

(2) श्रीमती सुनेना रानी श्रनन्द पन्नी श्री बी० डी० अनन्द निवासी .1030, सैक्टर 27-बी, चण्डीगढ़। (ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ंह<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट नं॰ 1155 सैंक्टर 34-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1822 जनवरी, 1981 में दर्ज है )।

> सुखदेव वन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 सितम्बर 1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ए (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 19 सितम्बर 1981

निर्वेश सं॰ चण्डी/319/80-81---ग्रतः मुझे, सुखदेव भन्दः

आयंकर अधिनियम 1961 (1961 कां, 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उन्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269- के प्रधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 1120 है तथा जो सैक्टर 33-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावड अनूसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जनवरी 1981 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए पन्तरित की गई है और मुक्षे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधील, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत् १-- (1) श्री गुरचरण सिंह संपुत श्री हजूर सिंह, 48, सैंक्टर 15-ए चण्डीगढ़।

(श्रंतरक)

(2) डा॰ सुझील चन्द्रा गुप्ता, बी-38, स्त्रामी नगर, नई दिल्ली।

(ग्रंतरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम को अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं० 1120 सक्टर 33-सी, चण्डीगढ़ में है। (जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1839 जनवरी, 1981 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 सितम्बर 1981

प्रकप माई० टी० एत० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्तः (निरक्षिण) श्रर्जन रेज, श्रायकर भवन लुधियाना लुधियाना, दिनाक 19 सितम्बर 1981

निर्देश सं० चण्डीगद्/305/80-81—-श्रतः मुझे, सुखदेव चन्दः

भायकर श्रिष्ठितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चान् 'उक्त श्रिष्ठितयम' कहा गया है), की भारा 269-ख के श्रिष्ठीत सक्षम श्रिष्ठकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० ो श्रिष्ठिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1348 है तथा जो सैक्टर 33-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची: में श्रौर प्र्ण ९प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी 1981

को पूर्वोक्त नम्पत्ति के अधित नाजार मून्य से कम के पृथमान प्रतिफल के लिए प्रस्तिरत की गई है भीर मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के मिन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है भीर अस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे एक्तरण के निर्नुतय गया गया प्रतिफल, निम्नलितित उद्देश्य से उन्त प्रमाण निक्तित में वास्तरिक कप में कथित नहीं किया गया है '—

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी भाग को बागत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वाधिरव में कमी । रने था उससे वजने में सुविधा के लिए; धौर/था
- ाक) ऐसा किसो आय या किसा उन या अध्य आस्तियो की, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अनत अधिनियम, या धन-कर प्रिश्वनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, जियाने में सुविधा के सिए;

भ्रतः भव उन्त भ्रष्टिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त भ्रष्टिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) श्री श्रमर सिंह सपुत्र श्री किंगन सिंह, श्री देवीन्द्र सिंह सपुत्र श्रमर सिंह ग्रीर श्रीमती हरिन्द्र पाल कौर पत्नी श्री ग्रमर सिंह सभी निवासी, ई-37 सराभा नगर, लुधियाना।

(ग्रंतरक)

(2) श्री गुलजार सिंह सपुत्र श्री रुलिया सिंह गिल, नियासी 4, ट्रान्सपोर्ट ऐरिया, चण्डीगढ़। (ग्रंतरिती)

को यह सूचतः जारा करके प्यॉक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियों करलाहु।

उक्त सम्पत्ति क अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अक्षिनियम अंग्रह्माय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थे होगा, जो उन प्रष्टगण में वियागया है।

# अमृत्जी

ज्लाट नं० 1348, सैक्टर 33-मी, चण्डीगढ़ में है। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रश्लिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख मंख्या 1750 जनवरी, 1981 में दर्ज है)।

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 सितम्बर 1981

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.\_----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, म्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनाक 19 सिनम्बर 1981

निर्देश स० चण्डी/315/80-81—-ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सणीत जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० प्लाट न० 411 है तथा जा सैक्टर, 30-ए, चण्डीगढ में स्थिन है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण हप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ म, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीक्ष जनवरी 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तंत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अह कत, तरत अभिनियम की धारा 269-ग के अनमरण भें, भी, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, मुर्थातक-- (1) श्री जसपाल सिंह मथाणू सपुत्र श्री सर्वन सिंह मथाडू निवासी 189 बी, इन्डस्ट्रीयल एरिया, चन्ण्डीगढ ।

(भ्रतरक)

(2) श्रीमती हरमन्दर माथाडु पत्नी श्री सतपाल सिह निवासी 13, एम० डब्ल्यू० इन्डम्ट्रीयल ऐरिया, चण्डीगढ़।

(अतरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति क अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधाहस्ताक्षरी के पास खिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अन्स्वी

प्लाट न० 411 सैक्टर 30-ए चण्डीगढ़ में स्थित है। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ के कार्यालय के विलेख सख्या 1809 जनवरी, 1981 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, लुधियाना

तारीख 19 सितम्बर 1981 मोहर : प्ररूप आहर . टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लिधयाना लुधियाना, दिनांक 19 गितम्बर 1981

निर्देश मं चण्डी/304/80-81—अत. मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक कै

श्रीर जिसकी स० मकान नं० 2243 है तथा जो सैक्टर 21-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पृणे रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख जनवरी 1981

को प्यांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिबित उब्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिबत में वास्तिक हम में किया गया है —

- (ंक) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्त्र में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (ख) एंगी किसी आय ए किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए:

अतः अधः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निक्रमितिबित व्यक्तियों अर्थात :-- (1) श्रीमती सर्वण कोर पत्नी श्री चत्रका सिंह निर्वासी 6827, टोशाज क्यू एग० डाल्गृ० टैक्सोमा (वास)— 98498, यु० एस० ए० ।

(ग्रतरक)

(2) श्रीमती जलबीर कौर तिबर पत्नी र्स्वर्गाण श्री बलदेव सिंह लिबर में बिला, रामर हिल, शिमला। (ग्रंनरिती)

कां यह सूचना जारी फरन्ड प्वेंक्ति संस्थित है अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आध्या ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किसी वाक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उटन स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरा। अर्ग के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क मा परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

# अनुस्ची

मकानं नं ९ 2243 सैक्टर 21-सी० चण्डीगढ में स्थित है।

(जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1747 जनवरी, 1981 में दर्ज है),

> सृखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, लुधियाना

तारीख ' 19 सि**ब**म्बर 1981 मोहर :

भारत सरकार

कार्याक्य, महायक श्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज. श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 19 सितम्बर 1981

निर्देश सं० खरड़ 44/80-81—प्रतः मुझे, सुखदेव चन्द प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सजम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर समानि, नियमा उनित वाचार मूच्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं प्लाट नं 1764 है तथा जो फेज III बी-2, मोहाली, जिला रोपड़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जनवरी 1981 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशान ग्रिधिक है ग्रीर ग्रम्तरक (श्रन्तरकों) ग्रीर ग्रम्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रम्तरण के लिए तय पापा गा। पि 67, निम्तिवित उन्हेण्य से उक्त ग्रन्तरण लिखन में वास्तिक रूप ने कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) प्रत्नरण ने हुई किसो आय की बाबत, एकत श्रिधिनयम के श्रिधीन कर देने के श्रम्लरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; श्रीर/धा
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन वा ग्रन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धानितिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्ति व्यक्तियां अर्थातु:--

- (1) श्री रणजीत सिंह श्रीर गुरमीत सिंह सपुत्र श्री बलदेव सिंह निवासी 329, सैक्टर 35 ए० चण्डीगढ़।
  - (ग्रंतरक)
- (2) लैंफि कर्नल दलीप मिह मपुत्र श्री किणन सिंह, निवासी 1607-III -बी. 2 मोहाली, जिला रोपड़ ।

(भ्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो
  भी श्रविध बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।
- (खा) इत मूचना के राजपत्र में प्रकागन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

हपडटीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्धों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रिश्चित्यम', के ग्रष्टयाय 20-क्में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# वनसूची

प्लाट नं० 1764, फेज-III, बी०, 2 मोहाली, जिला रोपड ।

(जायदाद जो रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी खरड़ के कार्यालय के विलेख संख्या 5085 जनवरी 1981 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 मितम्बर 1981

प्ररूप मार्ड. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 19 सितम्बर 1981

निर्देश म० खरड/43/80-81—प्रत मुझे, सुखदेव चन्द नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उन्क्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 259-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट न० 10 सी है तथा जो फेज-III ए०, एस० ए० एस० नगर (मोहाली) जिला रोपड में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय खरड में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जनवरी 1981

को पूर्वाक्त सपित के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरक्यें) और अन्तरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति विक रूप से किथा गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दुने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस्त व्यक्तियों अधीत -----

(1) श्री के० एल० नय्यर माध्यम श्री रमेश चन्त्र निवासी 627, फेज-1, मोहाली।

(अतरक)

(2) श्रीमती सनेह प्रभा परनी श्री एम० के० वर्मा निवासी 627 फेज-1, मोहाली, जिला रोपड़। (ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति को अर्जन के लिए । कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति व्याग, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पध्योकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट नं० 10 सी फेज-III-ए०, एस० ए० एस० नगर (मोहाली) जिला रोपड़ ।

(जायदाद जो रिजस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी खरड़ के कार्यालय के विलेख संख्या 5055 जनवरी 1981 में दर्ज हैं)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, लधियाना

तारीखा: 19 सितम्बर 1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (१) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भ्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 19 मितम्बर 1981

निर्देण सं० चण्डीगढ़/318/80-81—-श्रतः म्झे, सुखदेव चंद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, सिका उचित आजार मूल्य 25,000/ रु. में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं०-1676, सैक्टर 35 डी० है तथा जो चंण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ला ग्रिधिकारी के कार्याक्षय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख जनवरी 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृष्टिया के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया की, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म स्विधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन निम्मलिसिन व्यक्तियों अर्थात --- (1) श्री एन० के० परमात्मा सिंह, पुत्र श्री रूप सिंह, ' एम० टी० कम्पनी (यू० ग्रार० ग्रो०) इनफेंटरी स्कूल, महाऊ (म० प०)

(भ्रांतरक)

(2) श्री सुच्चा सिंह, पुन्न श्री बाबू सिंह तथा श्रीमती चरंजीत कौर पत्नी श्री सुच्चा सिंह, निवासी 3397 सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ।

(श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (स) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी गे।

स्वच्छीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमसची

प्लाट नम्बर 1676, सेक्टर 35 डी. चण्डीगढ़। (जायदाद जो रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख (डीड) संख्या 1829 जनवरी 1981 म दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी महाएक आफ्रांक श्रायक्त (चिरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखा: 19 सितम्बर 1981

भोहर

प्ररूप आई.टी.एन.ऐस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सृष्ना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, ग्रहमदाबाद

ग्रह्मदाबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1981 सर्गं पी० ग्रार्गं ने 1406 ग्रजंन रेज 23-1/81-82---श्रत. मुझे, जी० सी० गर्गं,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से बिधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एस० न० 1 प्लान नं० 2 प्लाट न० 17 शीट नं० 4 "जी" है लथा जो पेलस रोड, जामनगर में स्थित है (श्रीर दसते उपाबद्ध श्रनुसूचि में श्रीर पूर्ण रूप से वेणित है), रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 15-1-81 को पूर्वों क्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्र का निम्नलिखित उद्देष्ण से अक्त अन्तरण निखत में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य बास्सियों का, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) छोटालाल नाथालाल शार एण्ड अन्य की श्रोर से श्री मकतलाल मगनलाल न्यू सूपर मारकेट, जामनगर (अन्तरक)
- (2) श्री णान्तीलाल फबराभार्र महेता ध्रौर ग्रन्थ "फिण्नकुंज" टाउन हाल के नजदीक जामनगर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स सं 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पछ्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

खुली जमीन जिसकी सर्वे नं० 1, प्लान नं० 2 प्लाट नं० 17, शीट नं० 4 "जी" जिसका फुल क्षेत्रफल 14750 वर्ग फीट है तथा पेलेस रोड जामनगर में स्थित है तथा जो जामनगर में रिजस्ट्री बिऋत खत नं० 126/15-1-1981 में पूर्ण वर्णन दिया गया है।

जी०सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, श्रहमदाबाद

दिनांक े 10-9-81 मोहरः प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस.-----

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-I, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1981 रेफ नं० पी० श्रार० नं० 1407 श्रजीन रेज 23-I/81-82 —-श्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

भौर जिसक सं० सर्वे नं० 1021-जमीन है तथा जो वेंजलपुर जिला-ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 27-1-81,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐमे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखन उद्देश्य से उन्तृ प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उबत अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्चित व्यक्तियों, अधीर क्ष्मि

(1) श्री प्रियकान्त अफोरलाल मनमा न्यु शारदा मदिर रोड, ऐलिस बिज, महमधाबाद

(भ्रन्तरक)

(2) रमनलाल मनसुखलाल परीख "ग्राहिरबाद" बगला नं० 16, इन्कलाब मोसायटी, गुलबर्ट टेफरा, ऐलिस-क्रिज श्रहमदाबाद

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की श्रविध सा तस्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जा भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भी तर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख-में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास स्विखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्टीकर गः :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पटो का, ओ उक्त छि-नियम, के श्रध्याय 20क म परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 1 एकड़ 34 गुंठा है सर्वे न० 1021 है, तथा जो वेजलपुर जिला ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन ग्रहमदाबाद रिजस्ट्री बिकी खाता नं० 1019/ 27-1-81 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज I, श्रहमदाबाद ।

दिनांक 10-9-81 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निराक्षण)
श्रजन रेज-ा, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाक 11 सितम्बर 1981

रॅफ० नं० पी० श्रार० नं० 1409 श्रर्जन रेंज 23-1/81-82 --अन. मुझे, जी*०* सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० टी० पी० ऐस० 3 सर्वे पी० 605 नं० 1/ए/2 एण्ड 1/ए/3 है तथा जो 1/ग्र/1 कोचरब ग्रहमदाबाद में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबब ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 27-1-81 का पूर्वोंक्स सपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण शिवत में वास्तिक रूप से किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः थव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) की अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ■—

- (1) श्री कन्हेयालाल जेसींगभाई चीनाई श्रौर भ्रन्य चीनाई बाग, ऐलिसक्रिज श्रहमदाबाद । (श्रन्तरक)
- (2) श्री जसीन जयन्तीलाल शाह मुख्य कर्ता चैत्रलया को० श्रो० हां० सो० ग्रहमदाबाद एच० के० हाउस, श्राश्रम रोड, ग्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्य-वाहियां कारता हुं।

उक्व सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण :----इसमं प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उसं अध्याय में दिया गया है।

# ममुस्ची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 1070 वर्गमीटर है 1507.63 वर्ग मीटर ग्रौर 618.37 वर्ग मीटर है । एफ० पी० नं 6 605, टी०पी० एस० 3, सब प्लाट नं० 1/ए/1, 2 ग्रौर 3 तथा जो कोचरब ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पुरण विर्णन ग्रहमदाबांद र्रास्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 1136/27-1-1981 में दिया गया है ।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद ।

दिनांक : 11-9-81

मोहर 🤃

प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-I, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 11 सितम्बर, 1981

एफ० नं० पी० म्रार० नं० 1408 म्रर्जन रेंज 23-I/81- 82— म्रत: मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सपरित जिसका उच्चित्र बाजार मूल्य 25,000/- रा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 14-1 थैफी है.। तथा जो जूनगाढ़ जिला राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), राजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जूनागढ़ में राज-स्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 6-1-81, को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण मूं हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अनुसरण में, मी, एक्ट अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. (1) श्री जाडेजा सुजान सिंह जी गोविद सिंह जी कर्ता एफ० एच० यू० एफ० विलेज—गनोल, तालुका—उपलेटा, जिला राजकोट
  - (2) जाडेजा बलभद्र सिंह जी गोविंद सिंह जी कर्ता एफ० एच० यू० एफ० विलेज गनोल तालुका-उपलेटा, जिला राजकोट (अन्तरक)
- 2. (1) बा श्री देवकुंवर वा हेमन मिंह जी गोहिल, वेजलका श्री मुरेशचन्द्र म्नीलाल संधवी गांव—वडाल दोनों के/ग्राफ सी० एन० दफ्तरी छाया बजार, जनागढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करत्य हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस एकना र राज्य के प्रकार ने टा तारीख र-45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित के किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन जिंसका कुल क्षेत्रफल 7 एकड़ +7 एकड़ है जिसका सर्वे नं 0.14-1 थैफी जो जूनागढ़ सीम जूनागढ़ में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन बिकी दस्तावेज नं 0.57 और 0.580-1-81 में दिया गया है 0.581

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद।

दिनांक : 11 9-81

मोहर 🎏

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आगकर अ**धिनियम, 1**961 (1961 का 43) की भारा 269 थ (1) के अभीन अचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, <mark>रोहत</mark>क

रोहतक, दिनांक 16 सितम्बर 1981

निर्देश संख्या श्रम्बाला/131/80-81—प्रतः मुझे, गो० सि० गोपान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा १69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का परण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं मकान नं सी ०-७, नया नं ० 625-बी - १, है तथा जो माडल टाउन, श्रम्बाला णहर में स्थित है (श्रौर इमसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रम्बाला में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रभीन तारीख जनवरी, 1981

को पूर्वाक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापृत्रों कि संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:——.

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रवट नहीं किया गया था या किया नाना नाटिए था लिएन में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अभिनियमं की धारा 269-ए के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर भिक्तिविका स्विकारों. पर्धान्

- 1 श्रीमित विपता शर्मा पत्नी श्री अनिल कुमार ४० नं ० 6-7, कैलाण नगर, माडल टाउन, ग्रम्बाला शहर। (ग्रन्तरक)
- 2 (1) श्री रणबीर सिंह कोहली पुत श्री कर्ण सिंह
  - (2) श्रीमित जोगिन्दर कौर पत्नी श्री रणधीर सिंह नि० 430-ए, माष्टल टाउन, श्रम्बाला सहर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्में बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोह्म्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुसुची

सम्पत्ति मकान नं सी-7 नया नं 625-बी-9, कैलाश नगर, माजल टाउन, श्रम्बाला शहर में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय श्रम्बाला में रजिस्ट्री संख्या 4611 दिनाक 13-1-1981 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रैंज, रोहतकः।

तारीख : 16-9-1981

मोहर

प्ररूप आह्रैं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहसक, दिनांक 16 सितम्बर 1981

निर्देश सं० रितया/1/80-81—ग्रस: मुझे, गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी भूमि 12 कनाल 8 मरले है तथा जो रितया में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, रितया मे, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख जनवरी; 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रिक्षण के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफाल से, एसे ख्रयमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक हप में किथत गहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थान्:--

 सर्वश्री राधा राम, पदम कुमार, पुष्प कुमार, सोहन लाल, मूल चन्द पुत्रान श्री प्रकाश चन्द नि० र्रातया जि० हिसार।

(ग्रन्तरकः)

2. मैं० मॉडर्न पेंपर बोर्ड मिल्ज, रतिया जिला हिमार। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पख्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

सम्पत्ति 12 कनाल 8 मरले रितया में स्थित हैं जिसका श्रिष्ठिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय रितया में रिजस्ट्री संख्या 2063 दिनांक 7-1-81 पर दिया है।

> गों० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रॅज, रोहतक

तारीख: 16-9-1981

'मोहरः

प्रकप आई० टी॰ एन० एस० -----

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की । धारा 269-घ (1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 सितम्बर 1981

निर्देश सं० गुड़गांवा/137/80-81---श्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल,

ष्ठायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कपए से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० तिमंजिली रिहायशी इमारत 56.80 वर्ग गज भूमि के साथ है तथा जो सिविल लाईन्ज, गुड़गांवा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रिधिकारी के कार्यालय, गुड़गांवा में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रिधीन, तारीख फंरवरी 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक का ये किया नहीं किया गया है:—5

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए, भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1). के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्रीमित सुगीला रानी पत्नी राजा रती राम माफत श्री देवेन्द्र कुमार बजाज, 2ई-45, गोपीनाथ बिर्ल्डिंग, कुनाट प्लेस, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. श्रीमित भ्रानन्दी देवी पत्नी श्री चेलू राम, नि० नन्द गर्म, जि० बुन्दी।
  - 2. श्री चेलूराम पुत्र तोता राम, बखेन जि॰ बून्दी (राजस्थान) ।
  - श्री महाबीर सिंह पुत्र चेतू राम नि० निकारास जि० ब्नी
  - 4. ले० कर्नल कृष्ण लाल पुत्र राम सिंह नि० ईशापुर जि० बुलन्द
  - 5. श्री बलवान सिंह पुत्र श्री टीला राम नि० हक्जी जिला बुलन्द
  - 6. श्रीमित बिमला यादव पत्नी बलबीर सिंह नि० 117/ग्राई० एन० ब्लैंक, कानपुर (उ०प्र०)
  - श्री भजनलाल पुत्र श्री राम सिंह नि० ईगापुर जि० बुलन्व
  - 8. श्री दयाराम पुत्र गिरधारी यादव नि० हरथ जि० सहारनपुर (उ० प्र०)
  - श्री मदनलाल पुत्र कर्नल राम सिंह नि० ईशापुर जि०, बुलन्द

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धास्त्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्सियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी अविधि बाद में समाण्य होती हो, के भीतर पूर्वोंकत क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोत्तस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पर्यों का, जो उक्त श्रीध-नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रयं होगा, जो उस श्रव्याय में विया गया है।

### अनुसूर्या

सम्पत्ति तिमंजिल रिहायणी बिल्डिंग, 5680 व० ग० भूमि के साथ सिविल लाइन्ज, गुड़गांवा में स्थित है जिसका श्रिधक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांवा में, रिजस्ट्री संख्या 5172 दिनांक 26-2-1981 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज, रोहतक ।

तारीख: 16-9-1981

मोहर:

13-296G I/81

# प्रकृप काइ. ही. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर अप्यक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 16 सितम्बर 1981

निर्देश स० सोनीपत/91/80-81--श्रत मुझे, गो०सि० गोपाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269- से के अधीन सक्षम प्रााधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर स्पत्ति जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रा से अधिक है

धौर जिसकी सं० भूमि 4300 व० ग० (7. कनाल 2 मरला) है तथा जो कुन्डली में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख जनवरी, 1981

को प्वेंक्ति सम्पन्ति के उचित काजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में में अक्त अधिनियम की भारा 269-य की उण्भारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- 1 श्री जिले सिंह पुत्र ग्रमन सिंह गांव कुन्डली (ग्रन्तरक)
- 2 श्री श्रनिल पाह्मा एवम् सजय पाह्या पुतान श्रो मोहन लाल पाह्वा नि० 61/3, राम जस रोड, करोल बाग, नर्ष दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांक्त सक्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी असे 45 विन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यवितयों पर म्यना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दत्राराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के याम लिखित में किए जा सकीये।

स्यष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त व्याधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

# अनुसूची

सम्पत्ति 4300 व० ग० (7 कताल 2 मरले) कुन्डली मे स्थित है जिसका श्रिधिक विवरण रजिट्रीस्कर्ता के कार्याः लय सोनीपत मे रजिस्ट्री सख्या 3647 दिनांक जनवरी, 1981 पर दिया है ।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्वर्णन रेंज, रोहसक

तारीख : 16-9-1981

प्रस्थ बार्ड.टी.एन्.एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सृचना

## श्रारत घरकाऱ

# क्रविष्य, सहावंक बाय्क र भागुक्त (निरक्षिण)

भ्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 16 सितम्बर 1981

निर्देश संबं सोनीपत/90/80-81-श्रतः मुझे, गोव सिव गोपाल,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000 रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 4390 वर्ण श्र० (7 क 7 म) है तथा जो कुन्डली में स्थित है (श्रांग इसमें उपावद्ध अनुसूर्वी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में, रजिस्ट्रोक्षरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख, जनवरी 81

को पूर्णेक्त संपत्ति के उचित माजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई हैं और मुक्त यह विश्वास कियों का कारण है कि यथापूर्णेक्त संपर्ति का उचित बाजार कृष्य उसके ख्यमान प्रतिफल को एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक का से किया नहीं किया नहीं किया नहीं किया नहीं किया नहीं

- (क) व्यवस्थ से हुई किसी आव की बावत के उपस् कथि निवस के अभीन कर वंशे के अन्तरक के दासित्व से कभी करने कर कार्य क्ष्यों में दुविशा के बिहु श्रु और न
- (क) एसी किसी आव वा किसी अब वा कव्य आस्तिकों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तः अधिनियम, या भ्वकर अधिनियम, या भ्वकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था कियाने में स्थित के दिवा

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपवारा (1) के क्यीन निम्मविश्वक क्षितवाँ कुर्याक्त-

- श्री अमन सिंह पुत्र किशन चन्द गांव कुन्डलों (भ्रन्तरक)
- श्री पृथ्वीराज पुत्र श्री मेला राम नि० 3/सी, न्यू रोहसक रोड, देहली ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ॥

## चनतु सम्परित् के अर्चन के सम्बन्ध् में कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी क्येक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासु सिश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क मो यथापरिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हो।

# यन्स्ची

सम्पत्ति भूमि 4390 व० ग० (7 क 5 म) कुन्छली में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय सोनीपत में रजिस्ट्री संख्या 3646 दिनांक जनवरी 1981 पर दिया है ।

गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीखा: 16-9-1981

प्रकप आई०टो•एत०एस•-

जानकर विविध्यम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याचन, तहानक भागकर मामुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 16 सितम्बर 1981

निर्देश सं० सोनीपत/92/80--81---ग्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल,

जावकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इलमें इसके वरवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 268-ख के अधीन बक्तम प्राधिकारी को, बहु निष्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपंक्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से खिक है

मौर जिसकी सं० भूमि 4300 व० ग० (7 क० 2 म०) है तथा जो कुन्डली में स्थित है (भौर इससे उपायद्ध धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वृणित है), रजिट्रीकर्तां धिकारी के कार्यालय, सोनीपत में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के चित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान् प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति को जीवत बाजार मूख्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पखह प्रतिकत से धिष्ण है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐके अन्तरण के लिए, तम पाया गया प्रतिफल निम्मिश्वित छक्ष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक स्था से नाथित नहीं किया गया है :--

- (क) धन्तरण से हुई निसी भाग की बाबत उक्त श्रीध-निसम के श्रीम कर देने के भन्तरना के वायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसा धन या प्रत्य प्रास्तियों की, जिम्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन कर प्रक्रिनियम, 1957 (1957 का 27) के अथोजनार्च धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था जा किया जाना चाहिए था, शिपाने में सुविधा के सिए;

वता जब, उबत श्रविनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, चक्त ग्रविनियम की धारा 269-म की उपश्रारा (1) के अधीन निम्मक्षितित स्वक्तियों, अवित् ः

- 1. श्री धमवीर पुत श्री श्रमन सिंह नि० गांव कुन्ड ी (अन्तरक)
- श्री मित रुबी पाहवा पत्नी श्री मुकेश पाहवा नि० 61/8, रामजस रोड, करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तिरिती)

को यह मूचना जारी भरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्वन के सिएकार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रार्वन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वासे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपल ने प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किनी प्रत्य क्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पवधीकरण: -- असमें प्रयुक्त लब्दों और पटा का, जो खक्त श्रीव्यासम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 4300 व० ग० (7 क० 2म०) कुन्डली में स्थित है जिसका प्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय सोनीपत में रिजस्ट्रीकरण संख्या 3648 दिनांक जनवरी, 1981 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 16-9-1981

मोइरः∄

प्ररूप आइ. टी. एन्. एस्. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 क 43) की भारा 269-ण (1) के मुभीन सुनना

भारत सरकार सहायक आयुक्तर आयुक्त (निर्देशिय)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहसक, दिनांक 16 सिसम्बर 1981

निर्देश सं० पानीपर्त/91/80—81—ऋतः मुझे, गो०- सि० गोपाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक हैं

भौर जिसका मकान नं० 317/भार० एम० टी० है तथा जो पानीपत में स्थित में (भौर इससे उपाबदा भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में, रजिस्ट्रीकरण भिधिनियम, 1908 (1908 का 16), के भधीन, तारीख जनवरी, 1981

को पूर्विक्तं सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करणे का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्म्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्म्यमान प्रतिफल का बन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्निलिखित उद्देश्य से उक्तु अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से काथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनिश्म के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अभने में सुन्तिभा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविभा के लिए;

 श्री श्रोमप्रकाश पुत्र श्री हुशंकी राम मकान नं० 317/ग्रार, माडल टाउन, पानीपत ।

(अन्तरक)

2. श्री शुशील कुंमार एवम् रिवन्द्र कुमार पुद्रान श्री लक्ष्मीनारायण, मकान नं० 317/भार, मांडल टाउन, पानीपत।

(अन्सरिती)

को यह सुखना जारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करला हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेपु :--

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की सारी ब ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की सामील से 30 दिन की बबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्तोकरणः -- इसमें प्रयुक्त खब्बों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 317/ग्रार, माङल टाउन, पानीपत में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण, रजिस्ट्रीकर्ता के कार्या-लय, पानीपत में, रजिस्ट्री संख्या 4669, दिनांक 20-1-81 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल, स्क्रम् अधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज, रोहतक

खतः अ्क, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के, अनुतरण कों, भीं, उक्त विधिनियम् की धारा 269-म की उपवारा (1) को अभीन निम्बिलिखिल व्यक्तियों अर्थात्:--

तारीख: 16-9-1981

माहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 सितम्बर 1981

निर्देश सं० बल्लभगढ़/223/80—81—ंश्रत. मुझे, गो० सि० गोपाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/रु से विधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० 63/15 है तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बल्लभगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिकी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तुरुण निसित् में बास्तिवृक्त रूप से किशित नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्तु अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तरे वजने में सुविधा के कुए; आर्/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

जतः अथ, उक्त अधिनियम्, की धारा 269 न्य के अनुसरण् में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 - घृकी उपधारा (1) क्रो सुभीन्, निम्नुलिचित स्युक्तियों सुभृति:—— 1. श्रीमती इतारसी देवी पत्नी श्री एस० के० सचदेवा, नि० 63/15, फरीवाबाद ।

(अन्सरक)

2. श्री मोहन लाल गुप्ता पुत्र श्री हरी राम गुप्ता नि॰ मकान नं० 63, सेक्टर-15, फरीदाबाद ।

(अन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पुत्रों क्य सम्पत्ति के वर्षन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंगे।

स्थव्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नपुषुची

सम्पत्ति मकान नं० 63/15 (क्षे० 350 व० ग०) फरीदाबाब में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बल्लभगढ़ में रिजस्ट्री संख्या 1001, विनांक 8-1-1981 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल सक्षम् प्राधिकारी सहायक आयकपुर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, रोहतक

तारीब: 16-9-1981

मोहर 🛭

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

भायक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, विनांक 16 सितम्बर 1981

निर्देश सं० रोहसक/57/80-81—ग्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल,

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के क्षितिन स्थाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से भिधक है

भौर जिसकी सं० दुकानें 34 एवम् 35, वेहली रोड है तथा जो रोहतक में स्थित है (भौर इससे उपाधक अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भधिकारी के कार्यालय, रोहतक में, रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख मार्च, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाधार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की वाबत उपत ग्रीमिनियम के ग्रिप्तीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (बा) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री राम किशन शर्मा पुत्र श्री रती राम नि० कोठी नं ० 227-ए, माडल टाउन, रोहतक ।

(अन्तरक)

 श्री देश राज पुत्र श्री बोध राज पुत्र श्री सोहना राम नि॰ 759/20, शक्ति नगर, ग्रीन रोड, रोहतक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजीन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उस्त पम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्रोप:

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख रे 45 विन की अविश्व या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविष्ठ, तो भी अविश्व वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवड़ किसी झस्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास विजित में किए जा सर्केंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों घीर पर्यो का, को उक्त प्रश्वितियम के घड़माय 20 क में यथापरिधाणित हैं, वहीं धर्ष होगा, जो उस घड़माय में दिया गया है।

# अभृस्ची

सम्पत्ति दुकानें 34 एवम् 35, वार्ड नं० 28, देहली रोड, मांडल टाउन, रोहतक में स्थित हैं जिसका प्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, रोहतक में रजिस्ट्री संख्या 5179 दिनांक 3-3-81 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिक) प्रर्जन रेंज, रोहतक

भतः, भव, उक्त भिवित्यम की धास 269-ग के धनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्नुलिखित स्थित्यमों, अर्थात् १:---

नारीखा: 16-9-1981

प्रकृप साई॰ टी० एन॰ एत॰----

आप्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की जारा 269-थ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 सितम्बर 1981

निर्देश सं० श्रम्बाला/132/80—81—श्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रवीत सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/-रुपये से स्थानक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० 4, कैलाश नगर है तथा जो ग्रम्बाला छावनी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबन ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्योलय, ग्रम्बाला में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी, 1981

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्र हु प्रतिगत से प्रिक्त है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितिमों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए, स्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कृषित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दाविस्य में कमी करने या उससे अचने में सुविचा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसा बाप या किभी बन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अखिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, पा धनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व गन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृथिक्षा के निए।

अतः, अा, उन्ते अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म-की लप्रधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित क्यन्तियों, धर्मात् :---

- श्रीमती राजेन्द्र कौर विधवा श्री जयमल सिंह श्रम्बाला शहर ।
  - (अन्तरक)
- 2. श्री श्रमस कुलतास सिंह पुत्र श्री कुलदीप सिंह मार्फेत पंजाब एण्ड सिंध बैंक, मेक्टर-17, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्प**्ति के धर्ज**न के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्णन के सम्बन्ध में कोई भी धासीप।---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की डारी से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीण से 45 दिन के भीतर उक्त क्वावर सम्पत्ति में दितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रशाहस्ताक्ररी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ब्रध्याय में दिया गया है।

## अनुस्ची

सम्पत्ति मकान नं० 4, कैलाश नगर, श्रम्बाला छावनी में स्थित है जिसका श्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय श्रम्बाला में रिजस्ट्री संख्या 4562, दिनांक 9-1-81 पर दिया है ।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्तर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोह**तक**

तारीख: 16-9-1981

प्रकप् वाइ. टी. एन. एस.----

भ्रायकर मश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्राय्क्त (निरीक्षण)

# प्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 सितम्बर 1981

निर्देश सं० पानीपत/116/80-81—अतः मुझे, गो० सि० गोपाल.

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व्यप् से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 320—322, वार्ड नं० 5, मुख्य बाजार, पानीपत है तथा जो पानीपत में स्थित है (श्रीर इससे उपाधद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीकारी के कार्यालय, पानीपत में, रिजस्ट्रीकरण श्रीक्षित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन तारीख जनवरी 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से श्रीप्रक है और अन्तरक (धन्तरकों) भीर अन्तरिती (श्रम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया क्या प्रतिफल निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त श्रनरण लिखित में बास्तविक कप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण स हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रीध-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिल्हें भारतीय भाग-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री मंगत राम पुत्र गोबिन्द राम म० नं० 2, वार्ड न० 3, पानीपत ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती लालावती पत्नी श्री श्रीमप्रकाश नि० म० नं० 264, वार्ड नं० 1, पानीपत।

(अन्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितब के
  किसी मन्य व्यक्ति द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के पास
  लिखिन में किये जा सर्केंगे।

स्वब्दीकरण !--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचाचित है, वही अयें होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति दुकान नं० 320 से 322, वार्ड नं० 5, मुख्य बाजार, पानीपत में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्री-कर्ता के कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्री संख्या 4638, दिनांक 20-1-81 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी स**हायक आ**यक**र आयुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, रोहतक

असः व्यव, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्निन्छित व्यक्तियों, अर्थात् :---14—296GI/81

तारीखः 16-9-1981

मोहर 🕹

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनाक 16 सितम्बर 1981

निर्देश सं० बल्लभगढ़/238/80-81—-भ्रत मुझे,गो० सि० गोपाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट न० 10, ब्लाक-ए, सेक्टर 11 है तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, बल्लभगढ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी 1981 को पूर्विक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बोर्/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

 श्री मथुरा लाल पुत्र श्री रूप राम श्री रग लाल पुत्र सावालिया माडल टाउन फरीधाबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री गुलगन लाल वोहरा पुत्र श्री बाल मुकन्द एवम् श्रीमती मीना वोहरा पत्नी श्री गुलगन लाल वोहरा नि॰ 1848, सेक्टर 22 बी, चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचनाजारीकरके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के किए कार्यवाहियांकरताहुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शन्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्ची

सम्पत्ति प्लाट न० 10, ब्लाक-ए, सेक्टर 11, क्षे० 1000 व० ग० फरीदाबाद में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बल्लभगढ़ में रजिस्ट्री संख्या 10288 दिनाक 15-1-1981 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज, रोहक्षक

तारीख: 16-9-1981

# 

### भारत सरकार

कार्यालय महायक आयक र आयुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 सितम्बर 1981

निर्देश मं० घल्लभगढ़/233/80-81---श्रत. मुझे, गो० सि० गोपाल,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000∮क्षये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्रौद्योगिक प्लाट नं० 92, क्षेत्र 1741 व० ग०, डी०एल०एफ० श्रौद्योगिक इस्टेट नं० 1 है तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, बल्लभगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी, 1981

की पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह त्रिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से धिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छद्यय से उक्त अन्तरग लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी न्नाय की बाबत चंकत मंत्रि-नियम के मधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राप या किसी धन या अग्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय ब्रायकर श्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या खिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, प्रव, उक्त ग्रधिनियमं की धारा 269-ग के धनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथितः —

- श्री शिवलाल ग्रधलखा पुत्र श्री गंगा राम प्रो० मै० टैक्स-टाइल हाउस, ग्रजमलखा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. म० महाजन एण्ड कम्पनी, द्वारा श्री एन० के० महाजन नि० 181, सेक्टर 15, फरीवाबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्णन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राज गैन में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्मत्ति में दित बद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहरू ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्रव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा,जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनसची

सम्पत्ति श्रौद्योगिक प्लाट नं० 92, क्षे० 1741 व० ग०, श्रौद्योगिक इस्टेट नं० 1, फरीधाबाद में स्थित है जिसका श्रिष्ठिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बल्लभगढ़ में रिजस्ट्री संख्या 10176, दिनांक 14-1-1981 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 16-9-1981

प्ररूप आई. टो. एन. एस. ----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, विनांक 16 सितम्बर 1981

निर्देश सं० बल्लभगढ़/20/81-82—श्रतः मुझे, गी० सि० गोपाल,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

अौर जिसको सं० दुकान मुख्य बाजार मे है तथा जो फरोदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बल्लभ-गढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख श्रप्रैल, 1981

का पूर्वा कर संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रिक्तिल के लिए अन्तरित की गई है और मूमें यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वो कर संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उव्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्नत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में स्विधा के लिए;

अतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधीरा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु----  श्री राजकुमार गुप्ता पुत्र श्री रामा नन्द नि० पुराना फरीवाबाद ।

(अन्तरक)

 श्री बत्ता राम पुत्र श्री बधू राम हंस नि० मकान नं 104, सेक्टर 18-ए, पुराना फरीदाबाद (हरियाणा) ।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्परित के अर्जन, के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, धो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति दुकान मुख्य बाजार पुराना फरीदाबाद में स्थित है जिसका प्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बल्लभ-गढ़ में रिजस्ट्री संख्या 1292, दिनांक 28-4-1981 पर दिया है ।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 16-9-1981

मोहर 🛭

अरूप बार्ड . टी . एन . एस . -------

(1 श्री सुन्दररामन

(जन्त्रक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के अधीन सूचना

(2) कृष्णस्वामी

(अन्तरिती)

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निराक्षण) श्रर्जनरेंज-, भद्रास

मद्वास, विनांक 17 अन्त्वर, 1981

निदंग सं० 11324—-ग्रतः मुझे, राधा बालकृष्णन आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ए का अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/ रु. से अधिक हैं

कारण है कि स्थावर सम्पात, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक हैं और जिसकी संव टीव एसव 12/186/1, है तथा जो सनगबर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत, है, रिजस्ट्रीकरर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्ब-टूर (डाक्युमट संव 90/81 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 का 16 1908 के श्रधीन जनवरी 81 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नांनांबत उद्दर्श म उअत अन्तरण निविषत में वास्निवक

रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --- को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्मृत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रमुक्त शब्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

# अनुसूची

भूमि श्रीर निर्माण-15, धार्रत पारक रोड, कोयम्बतूर (डाक्युमेंट सर्व 90/81)

राधा बालक्कष्णनः में स्वयम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-II, महास।

दिनांक: 17-9-1981

मोहर 🌣

# संघ लोक सेवा प्रायोग

#### नोटिस

# सम्मिलित रका सेवा परीका--मई, 1982

नई बिल्ली, दिनांकः 24 भ्रम्तूबर, 1981

सं $_{2}$  एक  $_{2}$  $_{4}$  $_{1}$ -प $_{2}$  $_{3}$  $_{4}$  $_{5}$  $_{1}$ -प $_{5}$  $_{5}$  $_{7}$ निम्नांकित पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु 9 मई, 1982 से एक सम्मिलत रका सेवा परीका भायोजित की जायेगी:---

पाठ्यभम का नाम

रिक्तियों की संभावित सं०

(1) मारतीय सेना प्रकादमी, बेहरादून 120 एन॰ सी॰ सी॰ 'सी' बाला 74यां पाठयकम)

(जनवरी, 1983 में प्रारम्भ होने प्रमाणपक्ष (सेना स्कंध) प्राप्त उम्मीदवारों के लिये ब्रारिकत 32 रिक्तिया सम्मिलित हैं।]

- (2) नी सेना अकादमी, फोचीन (जनवरी, 1983 में प्रारम्भ होने बाला पार्यक्म)
- (नी सेना विमानन के लिये 20 भीर सामान्य सेवाधों के लिये 35 रिक्तियों में एन०सी०सी० 'सी' प्रमाण-पन्न धारियों के लिये ग्रारिक्षत 6 रिक्तियां सम्मिलित है।)
- (3) बायु सेना श्रकादमी ए० एफ० ए० सी०, कोइम्बतूर [जनवरी, 1983 में प्रारम्भ होते वाले 133वें एफ० (पी०) के लिये उड़ात-पूर्व प्रशिक्षण कोसं] ...50

[एन० सी० मी० (बायु सेना स्कंघ) प्रमाण-पन्न घारियों के लिये 15 ब्रार(क्षम रिवितयां सम्मिलित हैं]

- (4) प्रधिकारी प्रशिक्षण शाला, महास (मई, 1983 में प्रारम्भ होने वाला 37वां कोसं)...268
  - s राम वें:--(i) जम्मीववार को धावेवन-पक्ष के कालम 8 (ख) में यह स्पट रूप से भतलाना होगा कि वह किन सेवाओं के लिये वरीयता कम में विचार किये जाने का इच्छूक है। उसे यह भी सलाह दी जाती है कि वह प्रपनी इच्छाम्सार जिसना चाहे उतनी वरीयतामो का उल्लेख करे ताकि योग्यता कम में उसके रैंक को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति करते समय उसकी वरीयताओं पर भन्नी-भांति विचार किया जा सके।
  - विशेष ध्यान :--(ii) स्थायी कभीशन प्रदान करने के लिये इस परीक्षा के भा० सैन्य भ्रकादमी कोर्स के बचे हुए उम्मीदवार यदि बाद में इस कोर्स के लिये विचार किये जाने के इच्छक हैं, निम्नलिखित शतौं के द्यधीन घल्पकालीन सेवा कमीयान (गैर-तकनीकी) प्रदान करने के लिये विचारण योध्य हो सकते हैं बाहे उन्होंने भ्रपने भ्रावेदन-पक्षों में इस कोर्स के लिये घपनी पसंद नहीं बताई **8** :--
    - (i) ग्रत्यकालीन सेवा कमीयन (गैर-तकर्मीकी) कोर्स वेः लिये प्रतियोगी सभी अम्मीदवारों को लेने के बाद भी कमी है, भौर
    - (ii) जो उम्मीववार ग्रस्पकालीन सेवा कमीशन (गैर-तकनीकी) हेत वरीयता व्यक्त न करने पर भी प्रशिक्षण के लिये भेजें जाते हैं, उन्हें योग्यता सूची के कम में उस श्रंतिम उम्मीववार के बाद रखा जाएगा जिसने ६स कोर्स के लिये विकल्प सूचित

किया है क्योंकि ये उम्मीदवार उस कोर्स में प्रवेश पा जार्येंगे जिसके वे व्यक्त वरीयता के धनुसार हरूपार नहीं हैं।

नोट I--एन० सी॰ सी॰ 'सी' प्रमाण-पन्न (सेना स्कंब)/(बायु सेना स्कंघ का वरिष्ठ प्रमाग) प्राप्त उम्मीदवार नौसेना अकावमी तथा अस्पकालिक सेवा कमीशन (गैर-तकनीकी) पाठ्यक्रमों की रिक्तियों के लिये भी प्रतियोगिता में बैठ सकते हैं। चूंकि अभी तक उनके लिये ६न पाठ्य-कमों में कोई भारक्षण नहीं है श्रतः पाठ्यक्रमों में रिक्तियों को भरने के लिये उन्हें सामान्य उम्मीदवारों की तरह समझा आएगा। जिन उम्मीदवारों की श्रमी भी एन० सी॰ सी॰ 'सी' प्रमाण-पन्न (सेना-स्कंध)/ (नायु सेना स्कध का वरिष्ठ प्रभाग) की परीका श्रमी उत्तीर्ण करनी है, किन्तु मन्यथा वे श्रारिखत रिक्तियों के लिये प्रतियोगिता में बैठने के पाल हों, तो वे भी ग्रावेदन कर सकते हैं किन्तु उन्हें एन० सी० सी० 'सी०' प्रमाण-पन्न (सेना स्कंध)/(बायु सेना स्कंध का वरिष्ठ प्रमाग) की परीक्षा उन्हीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा को कि धाई० एम० ए०/ एस० एस० सी० (एन० टी०) प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में सेना मुख्यालय भर्ती 6(एस॰ पी॰) (ग) नई दिल्ली-110022 तथा भौ-सेमा के प्रथम विकल्प वाले उम्मीववारी के मामले में गौ-सेना मस्मालय/भार० एण्ड भार०, सेना भवन, नई विल्ली-110011 को घौर वायु सेना के प्रथम विकल्प वाले जम्मीववारों के मामले में बायु सेना मुख्यालय पी० मो०-3, वायु सेना भवन, नई विल्लो-110011 को 31 दिसम्बर, 1982 तक पहुंच जाए।

प्रारक्षित रिक्तियों के लिये प्रतियोगिता की पानता के लिये उम्मीद-बार को राष्ट्रीय कैक्ट कोर के सेना स्कंब के वरिष्ठ प्रभाग में सेवा के कम से कम 2 शैक्षणिक वर्षी/वायु सेना स्कंध के वरिष्ठ प्रभाग में कम से कम 3 बौक्षणिक वर्षों का अनुभव होना चाहिए और आयोग के कार्यालय में भावेदन-पत्न स्थीकार करने की मंतिम तारीख को उम्भीव-बार को राष्ट्रीय कैंडेट कोर से मुक्त हुए 12 महीने से प्रधिक न हुए हों ।

नोट II--भारतीय सेना मकावमी/वाय सेना मकावमी पाट्यकमों मे आरक्षित रिक्तियों को भरने के लियं परीक्षा परिणाम के माधार महैता प्राप्त एन० सी० सी० 'सी' वरिष्ठ प्रभाग प्रमाण-पत्न यस सेना स्कंब/बायु सेना स्कंध वरिष्ठ प्रभाग प्राप्त उम्मीदवारों के पर्याप्त संख्या में न मिलने के कारण न भरी गई आरक्षित रिक्तियों को प्रनारक्षित समझा जाएगा भौर जिन्हें सामान्य उम्मीदवारों से भरा जाएगा।

मायोग द्वारा मायोजित होने वाली लिखित परीक्षा तया उसके बाद सेवा वयन बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा में योग्यता प्राप्त उम्मीदवारी के लिये आयोजित बौद्धिक और व्यक्तिस्व परीक्षण के परिणाम के प्राधार पर उपर्युक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश विया जाएगा। (क) परीक्षा की योजना, स्तर भोर पाठ्यचर्या, (ख) प्रकावमी/शाला में प्रवेम हेतु शारीरिक क्षमता स्तर तथा (ग) भारतीय सेना प्रकावमी, भी सेना प्रकावमी भ्रधिकारी प्रसिक्षण शाला धौर वायु सेना अकादमी में प्रवेश पाने वाने उम्मीदवारों की सेवा मादि की संक्षिप्त सूचना के सम्बन्ध में क्रमणः परिभाष्ट I,II भीर III में विस्तार से समझाया गया है।

मोट: परीक्षा के समस्त विधयों के प्रश्न पत्नों में केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछे आर्थेंगे । नमूने के प्रश्नों सहित विस्पृत विधरण कृपया परिणिष्ट V पर "उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका" में देखिए।

2. परीका के केन्द्र:--ग्रगरतला, ग्रहमवाश्राय, ऐखल, इलाहाबाद, बंगलीर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, ६म्फाल, ईटानगर, जयपुर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटना, पोर्टक्नेयर, शिलांग, शिमला, श्रीनगर भीर विवेग्द्रम ।

भायोग यवि चाहे तो उक्त परीक्षा के उपर्यंक्त केन्त्रों तथा तारीखों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिये उनकी पसन्द के केन्द्र देने के सभी प्रयास किये जायेंग तो भी भायोग परिस्थितिवश किसी उम्मीदवार को अपनी विवक्षा पर भावग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्भीदवारों को उक्त परीक्षा में प्रवेश दे विया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे वी जाएगी (नीच परा II देखिए)।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से शब्द धमुरोध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया आएगा। किन्तु जब कोई उम्मीदवार प्रपने उस केन्द्र में परिवर्तन वाहता है जो उसने उक्त परीका हेतु अपने प्रावेदन में निर्दिष्ट किया था हो उसे सचिव, संघ लोक सेवा प्रायोग को इस बात का पूरा प्रौचित्य बताते हुए एक पन रिजस्टर्ब बाक से धवष्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे धनुरोधों पर गुणवता के धाबार पर विचार किया आएगा किन्तु 1 सप्रैल, 1982 के बाद प्राप्त धनुरोधों को किसी भी स्थित में स्वीकार नहीं किया आएगा।

# 3. पात्रता की शर्ते

# (क) र<u>ाष्ट्रिकताः</u>

उम्भीवबार या हो

- (i) भारत का नागरिक हो, या
- (ii) मृटान की प्रजा हो, या
- (iii) नेपाल की प्रजा हो, या
- (iv) तिब्बती गरणार्थी, जो स्थायी रूप से भारत में रहने के इरावे से 1 जनवरी, 1962 से पहले भा गया हो, या
- (v) भारतीय भूल का व्यक्ति हो जो भारत में स्थायी कप से रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, बौर पूर्वी सफीकी देश जैसे की ध्या, उगोडा तथा तंजानिया का संयुक्त गणराज्य या जाम्बिया, मालावी, जैरे घौर इथियोपिया घोर वियतनाम से प्रकलन कर धाया हो।

परम्तु उपर्युक्त वर्गे (iii), (iv) ग्रीर (v) के ग्रन्तरंत भाने काला उम्मीदवार ऐसा व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पान्नता प्रमाण-पन्न प्रदान किया हो?

पर नेपाल के गोरखा उम्मीदवारों के लिये यह पान्नता प्रमाण-पक्ष सावष्यक नहीं होगा।

जिस उम्मीदवार के लिये यह पालता-प्रमाण-पत भावश्यक होगा, उसको इस मर्त पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है और प्रकावमी या शाला में भी, जैंगी भी स्थिति हो, प्रवेश दिया जा सकता है कि बाद में भारत सरकार द्वारा वह उक्त प्रमाण-पक्ष प्राप्त करे।

- (का) भायु-सीमार्थे, स्नी या पुरुष या वैवाहिक <u>स्थिति</u>:---
- (i) भा० से० प्रकावसी, नी सेना प्रकादमी ग्रीर वायु सेना के लिये: केवल श्रविवाहित पुरुष उम्मीदवार पाक्ष 🕻 जिनका

- जन्म 2 जनवरी, 1961 से बाद भीर 1 जनवरी, 1964 के पहले हुआ हो।
- (ii) अधिकारी प्रशिक्षण शाला के लिये: केवल थही पुरुष उभ्मीद-वार (विवाहित या अविवाहित) पाल हे जिनका जन्म 2 जनवरी, 1960 ने बाद भीर 1 जनवरी, 1964 के पहले न हुआ हो।

नोट: जन्म की तारीख केवल बही मान्य होगी जो मैट्रिकुनेशन/हायर सेकेन्डरी या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पन्न में लिखी गई हो। जिन उम्मीदवारों ने भा० से० धकादमी/नौ सेना और वायु सेना के लिये पहली पसंब बताई है, उन्हें खयन स्टाफ द्वारा मत्यापन के प्रयोजन हेतु सेवा चयन बोर्ड के समक्ष माझात्कार के लिये उपस्थित होते समय श्रायु का प्रमाण (मूलकप में) प्रस्तुत करना है।

- (ग) शैक्षिक योग्यतार्थः ---
- (i) भारतीय सेना प्रकादमी, नौ सेना प्रकादमी ग्रीर थिषकारी प्रशिक्षण गाला के लिये किसी मान्यनापाप्न विश्वविद्यालय की किसी या समकक्ष योग्यता,
- (ii) वायु सेना भ्रकादमी के लिये भौतिकी भौर/या गणित विषयों के ताथ किसी माग्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की किसी या सम-कक्ष योग्यता।

नौसेना/नायुसेना की पहली पसंद वाले स्नातकों को ग्रंजुएशन के प्रमाण के स्था में श्रीविजनल सर्टीभिकेट सेवा चयन बोर्ड पूरा होने के दो सप्ताहों के भ्रन्दर कमशः सेना मुक्यालय (रिक्ट्रिंग) (6 एस० पी०) (६)/नौसेना मुख्यालय (भ्रार० एण्ड ग्रार० सेक्शन)/नायुसेना मुख्यालय— डाकथर 3 (ए) को प्रस्तुत हैं।

जो उम्मीवबार सभी बिगी, परीक्षा में उलीण होने वाले हैं, वे भी भावेवन कर सकते हैं, परन्तु उनकी बिगी परीक्षा में उत्तीण होने का प्रमाण भावि एम॰ ए॰/एस॰ एस॰ सी॰ (एन॰टी॰) एथम विकल्प वाले उम्मीववारों के मामले में सेना मुख्यालय भर्तों 6 (एस॰ पी॰) (ग) नई विल्ली-110022 तथा नौ-मेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीववारों के मामले में नौ सेना मुख्यालय/आर॰ एण्ड आर॰, सेना भवन, नई विल्ली-110011 को भीर वायु सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीववारों के मामले में वायु सेना मुख्यालय/आर॰ एण्ड आर॰, सेना भवन, नई विल्ली-110011 को भीर वायु सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीववारों के मामले में वायु सेना मुख्यालय पी॰ ओ॰-3, वायु सेना भजन, नई दिल्ली-110011 को निम्नलिखिन तारीख तक पहुंच जाए जिसके न पहुंचने पर उनकी उम्मीववारी रहे हो जाएगी।

- (i) भा० से० धकावमी, नौ सेना तथा वायु सेना धकावमी में अवेश के लिये 31 विसम्बर, 1982 तक या उससे पहले। जिन उम्मीद-वारों के डिग्री परीका के परिणाम इस तारीख तक घोषित महीं होते हैं अनको विशेष मामले के कप में धपने प्रमाण-पक संबद्ध मुख्यालयों को 10 जनवरी, 1983 तक प्रस्तुत करने की धनुमति होती।
- (ii) प्रिक्षिकारी प्रणिक्षणणाला, महाम में प्रवेश के लिये 30 श्रप्रैल, 1983 तक या उससे पहले। जिन उम्मीदवारों के दिशी परीक्षा के परिणाम इस तारीख तक घोषित नहीं होते हैं उनको विशेष मामले के रूप में प्रपने प्रमाण-पत्न सेना मुख्यालयों को 15 मई, 1983 तक प्रस्तुत करने की प्रनुमति होगी।

जित अम्मीदवारों के पास व्यावसायिक ग्रीर सकतीकी योग्यतार्ये हों, जो सरकार द्वारा व्यावसायिक ग्रीर तकतीकी बिग्नी के समकक्ष सामान्यता प्राप्त हों वे भी परीक्षा में प्रवेश के लिये पात होंगे। धपवाव की परिस्थितियों में प्रायोग किसी ऐसे उम्मीववार को इस नियम में निर्धारित योग्यताधों में से लिसी से युक्त न होने पर भी, शीक्षक रूप से योग्य मान सकता है जिसके पास ऐसी योग्यतायें हों निजका कर, घायोग के विचार में, इस परीक्षा में प्रवेश पाने योग्य ही।

नोट I --- ऐसे खम्मीवबार जिन्हें बिग्नी परीक्षा में क्षभी महंता प्राप्त करती है भीर जितको संघ लोक सेवा बायोग की परीक्षा में बैध्ने की अनुमति वे दी है, उन्हें कोट कर लेना चाहिए कि उनको वी गई यह विशेष छूट हैं। उन्हें बिग्नी परीक्षा उसीर्ण करने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्पुत करना है भीर बुनियावी शहक विश्वविद्यालय परीक्षा के वेर मे श्रायीजित किये जाने, परिणाम की घोषणा में विलम्ब या मध्य किसी कारण से इस तारीख को स्थीकार महीं किया जाएगा।

नोट II — ओ उम्मीदबार रक्षा मंद्रालय द्वारा रक्षा सेवाधों में किसी प्रकार के कमीशन से सपर्याजत है, वे कस परीका में प्रवेश के पात नहीं होंगे। सगर प्रवेश दिया गया ही उनकी उम्मीदबारी रह की जाएगी।

कोट III - विशेष सेवा नाविकों को छोड़कर आकी नाविक (जिनमें किशोर और कारीगर, प्रशिक्षु सम्मिलित हैं), जिनकी सपने नियत कार्य पूरा करने में छह महीने से कम समय आकी है, इस परीक्षा में बँटने के पाछ नहीं होंगे। जिन विशेष सेवा नाविकों को ध्रपने नियत कार्य पूरे करने में छह महीने से कम समय आकी है, उनके ध्रावेषम पक्ष तभी जिये जायेंगे अब वे उनके कमांडिंग ध्रफ्तरों के द्वारा निर्धारित श्रुक्मसित हो।

4. प्रावेशन के साथ देय शुरुक: २०, 28.00 (प्रद्वाईस रुपए) [प्रमुख्यित जातियों/प्रमुख्यित जन-जातियों) के लिये र० 7.00 (सात रुपए) जिन प्रावेशन-पक्षों के साथ यह निर्धारित शृक्क नहीं भेजा आयेश जनकी एकदम प्रस्वीकार कर विया जाएगा।

5. मुक्क से छूट: धायोग, यव चाहे तो, निर्धारित मुक्क से छूट है सकता है जब उनकी इस बात का धाश्वासन ही कि धायेदक मूटान, पूर्वी पाकिस्तान (ध्रव बंगला देश) से वस्तुत: विस्थापित व्यक्ति है जो 1-1-1964 और 25-3-1971 के बीच की धवधि में मारत में प्रवजन कर धाया है या वह धर्मा से वस्सुत: प्रत्यावित धारतीय भूल का व्यक्ति है जो 1-6-1963 की या उसके बाद भारत में प्रवजन कर धाया है या वह श्रीलंका से बस्तुत: प्रत्यावित भारतीय मृलत: व्यक्ति है जो धन्तुवर, 1964 के धारत-श्रीलंका समझौत के धन्तुमंत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद धारत धाया है या धाने वाला है और निर्धारित शुक्क दे सकते की स्थित में मही है।

6. प्रावेदन केसे किया जाए: केबल सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा मई, 1982 के लिये निर्धारित पत्न में छपे हुए, प्रावेदन-पत्न ही लिये जारीयों को कम परीक्षा के नोटिम के साथ लगे हुए हैं। प्रावेदन-पत्न भर कर सिवा, संब लोक सेवा प्रायोग, ठीलपुर हाउस, नई दिल्लो-110011 को ग्रेजे जाने बाहिए। प्रावेदन प्रपन्न और परीक्षा के पूरे विवरण निम्नांकित स्थामी से प्राप्त किये जा सकते हैं:---

- (i) दो चपये का मभीआकर या संघ लोक सेवा आयोग के सचिव को नई दिल्ली प्रधान बाकभर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर ग्रेज कर सचिव, संब लोक सेवा आयोग, धालपृर क्षाउस, नई विल्ली-110011 के यहां से बाक बारा,।
- (ii) को अपये नकद वेकर मामीग के कार्याक्षय के काउंटर पर।
- (iii) निकटतम भर्ती कार्यालय, मिलिटरी एरिया/सब-एरिया मुख्या-लय, एन० सी० भी० भिनदेशालय, श्री सेना तथा वायु सेना प्रतिच्ठानों के यहां से मुनिःशुरुक।

आवेदन प्रपत्न तथा पावती काई उम्मीदवार के हाथों द्वारा स्याही वाली कलम या बालपेन से ही भरे जाने चाहिए। सभी प्रविध्ययां शब्दों में होनी चाहिए, रेखाओं या जिन्तुकों में नहीं। झध्रा या गलन भरा कुमा आवेदन पत्न रही कर दिया जाएगा।

जम्मीदवार यह स्थान रखें कि आवेदन-पक्षों को भरते समय भारतीय संकों के अन्तर्राष्ट्रीय रूप का ही प्रयोग किया जाता है। वे इस बात का विशेष स्थान रखें कि आवेदन-पत्र में को गई प्रविष्टियां स्पष्ट भीर सुपाठ्य हों। यदि प्रविष्टियां अपार्य या जामक होगी तो उनके निर्वचन में शेने वाले आम तथा संविष्टता के लिये उम्मीदवार उसश्दायी होंगे।

जम्भीववारों को ध्यान रखना आहिए कि प्रायोग द्वारा धावेदन-पक्ष में उनके द्वारा की गई प्रविष्टियों को बदलने के लिये कोई पत्न धादि स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसलिये उन्हें धावेवन-पक्ष सही रूप में भरने के लिये विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

सभी अम्मीववारों को, आहे वे पहले से ही सरकारी नौकरी में हों, या सरकारी स्वामिश्व वाले धौद्योगिक उपत्रमों या इसी प्रकार के धंगरकों में काम कर रहे हों या गैर सरकारी सस्थाओं में नियुक्त हों, प्रायोगको सीघे प्रावेदन-पक्ष भेजने चाहिए। प्रगर किसी उम्मीववार ने प्रपत्ता प्रावेदन-पद प्रभने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो भीर वह संघ लोक सेवा धायोग में देर मे पहुल जाए हो उम खावेदन पक्ष पर विचार महीं किया जाएगा, भने ही वह नियोक्ता को ग्राखिरी तारीख के पहुले प्रस्तुत किया गया हो।

जो ध्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में धाकिस्मिक या वैभिक दर कर्मचारी से इतर स्थायी या धस्थायी हैसियत से या कार्यभारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं या ऐसे जो कर्मचारी जो लोक उक्तमों में कार्यरत हैं। उन्हें यह परिवचन (ध्रस्थरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से ध्रपने कार्यलय/विभाग के ध्रध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के सिये धावेदन किया है।

सभस्त्र सेमा में काम कर रहे उम्मीदवार धर्मने प्रावेदन-पत्न धपने कर्माष्टिंग प्रफसर के माध्यम से प्रस्तुत करें जो पुरुशकन (देखिए प्रावेदन प्रपक्त के माग "त्र") को सर करके ग्रायोग को भेत्रेंगे।

7. मशा हुमा धावेदन पक शावश्यक प्रलेखों के साथ संचिव, संथ लीक सेवा मायोग, श्रीलपुर हाऊस, मई दिल्ली-110011 को 21 दिसम्बर, 1981 से पहले की किसी नारीख से मसम, मेशलय, प्रदेश ज्वा प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागार्त्र के लिपुरा, सिकिनम, जम्मू धीर काश्मीर राज्य के लक्षाख प्रभाग, प्रज्ञमान और निकोशार द्वीप समूह या अअदीप धौर विदेशों में रहने वाले अम्मीदवारों के धौर जिन उम्मीदवारों के घावेदन उपर्युक्त में से किसी एक इलाके से डाक द्वारा प्राप्त होने हैं, उनके मामजे में 4 जनवरी, 1982 तक या उससे पहले डाक द्वारा प्रवश्य भिजवा दिया जाए या स्वयं घायोग के काउंटर पर धाकर जमा करा दिया जाए। निश्चरित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी मी मावेदन पक पर विचार महीं किया जाएगा।

धसम, मेषालय, धरुणाचल प्रवेश, मिजोरम, सणिपुर, नागालण्ड, विपुरा, सिनिकम, जम्मू धौर कश्मीर राज्य के लहाख प्रभाग, धंडमान धौर निकोबार द्वीप समृह या लकाद्वीप धौर विवेशो में रहने वाले उम्मीव-वारों से धायोग यवि चाहे तो ६स बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिये कह सकता है कि वह 21 विषम्बर, 1981 से पहले की किसी तारीख से धसम, मेषालय, घरुणाचल प्रवेश, मिजोरम, मिणिपुर, मागालण्ड, विपुरा, सिनिकम, जम्मू धौर कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, धंडमान धौर निकोबार द्वीपसमृह या लकाद्वीप या विवेशों में रह रहा था।

टिप्पणी (i):---ओ उम्मीदवार ऐसे क्षेत्रों के ह जहां के रहने वाले धावेदन की प्रस्तुति देतु समय के हकवार हैं उन्हें धावेदन पत्र के संगत कालम में धपने पतों में ध्रतिरिक्त समय के हकवार इलाके या क्षेत्र का नाम (धर्यात ध्रसम मेवालय, जम्मृतथा कश्मीर राज्य का लहाखप्रभाग) स्पच्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए सन्यथा हो सकता है कि उन्हें स्रतिरिक्त समय का लाभ न मिल।

टिप्पणी (ii): -- उम्भीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे भपने झावेदन पत्न को स्वयं सं० लो० से० झा० के काउंटर पर जमा कराएं झयवा रिजस्टकं डाक द्वारा भेजें। झायोग के किसी झन्य कर्मचारी को दिये गये झावेदन-पत्नों के लिये झायोग अत्तरवायी नहीं होगा।

# 8 प्रलेख जो धावेदन के साथ भेजें जाएं।

- (क) सभी उम्मीदवारों द्वारा:
- (i) द० 28.00 (घट्ठाईस रुपये) [धनुसूचित जातियों/जन जातियों के उम्भीवनारों के लिये द० 7.00 (सात रुपये)] का गुल्क को सचिन, संघ लोक सेवा मायोग को नई बिल्ली प्रमान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल मार्डर के रूप में हो या सचिन, संघ लोक सेवा मायोग के नाम मारतीय स्टेड बैंक, मुख्य गाखा, नई विल्ली पर देय भारतीय स्टेड बैंक की किसी भी गाखा से जारी किये गये रेखांकित बैंक इपट के रूप में हो।

हिन्पणी:--- उम्मीदवारों को भ्रपने भावेदन-पत्न प्रस्तुत करते समय वैंक ब्राफ्ट की पिछली भ्रोर सिरे पर भ्रपना नाम तथा पता लिखना चाहिए। पोस्टल भावेरों के मामले में उम्मीद-बार गोस्टल भावेर के पिछली भ्रोर इस प्रयोजन के लिये निर्भारित स्थान पर भ्रपना नाम तथा पता लिखें।

बिदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए
कि वे मपने यहां के मारत के उम्बामुक्त या राजवूत
या विदेशी प्रतिनिधि के कार्यालय में निर्धारित शुल्क
जमा करें जिससे वह "051 लोक सेवा मायोग"
परीक्षा भुल्क के खाते में जमा हो जाए मौर उसकी
रसीद भावेवन-पत्न के साथ भैज वें।

धायु के संबंध में कोई घन्य दस्तावेज जैसे जन्मकुंबली, क्राप्यपक्र, नगर निगम के सेवा धमिलेख से प्राप्त जन्म संबंधी उद्धरण, तथा धन्य ऐसे ही प्रमाण स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

धन्देगों के इस भाग में भ्राये हुए "मैद्रिकुलेशन/उज्जातर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न" वाक्यांश के भन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत सम्मिलित हैं।

क्की-कमी मिट्टिकुनेशन/उच्चतर माध्यमिक परीका प्रमाण-पक्ष में अन्म की तारीख नहीं होती या प्रायु के केवल पूरे वर्ष या वर्ष धौर महीने ही विए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीववारों को मैट्टिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पक्ष की प्रमिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के प्रतिरिक्त उस संस्था के हैडमास्टर प्रिमिपल से लिये गये प्रमाण-पत्न की एक प्रमिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि केजनी चाहिए जहां से उसने मैट्टिकुनेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्न में उस संस्था के बाब्रिला रजिस्टर में वर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक धायु लिखी होनी चाहिए। उम्मीववारों को बेताबनी दी जाती है कि 15—296 (1/8)

यवि आवेदन पत्र के साथ ६न अनुदेशों में यथा निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन पत्र शस्त्रीकार किया जा सकता है।

- टिल्पणी (I): जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राप्त

  माध्यमिक विश्वालय प्रमाण-पत्न हो, उसे केवल भायु

  से सम्बद्ध प्रविधिट पुष्ठ की अधिप्रमाणित/प्रमाणित

  प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।
- दिव्यणी (II) उम्मीदवार यह घ्यान में रखे कि भ्रायोग उम्मीदवार की जन्म की उसी तारीख को स्थीकार करेगा जो कि भ्रावेदन पन्न प्रस्तुत करने की तारीख को मट्रिकुलेशन/ उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाणपत्न या समकक परीक्षा के प्रमाण-पत्न में दर्ज है भीर इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी भ्रमुरोध पर न तो विचार किया जाएगा भीर न उसे स्वीकार किया जाएगा।
- किपणी (III) जम्मीववार यह भी नोट कर लें कि उनके द्वारा किसी
  परीक्षा में प्रवेश के लिये जन्म की तारीख एक बार
  भीवित कर देने भीर आयोग द्वारा उसे अपने समिन्नीक में दर्ज कर लेने के बाद उसमें बाद में या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- (iii) णैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की प्राधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति

उम्मीदवार को इस धाशय के प्रमाणपत्र की एक प्रशिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति अवश्य प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसके पास पैरा 3(क) में विहित योग्यताओं में एक योग्यता है या उम्मीदवार द्वारा इसके इस प्रकार अजित कर लेने की संमाजना है कि पैरा 3(ग) में बिहित तारीख तक इसको उत्तीण करने का प्रमाण दिया जा सके। जो प्रमाण-पत्र-प्रस्तुत किया जाए वह वही हो जो योग्यता विशेष को देने वाले प्राधिकरण (अर्थात् विश्वविद्यालय या अन्य परीक्षा निकाय) द्वारा जारी किया गया हो। यदि ऐसे प्रमाणपत्र की अभिश्रमाणिन/प्रमाणिन प्रति प्रस्तुत नहीं की जाती है तो उम्मीदवार को उसके प्रस्तुत न करने की वजह धतानी चाहिए और ऐसे अन्य प्रमाण प्रस्तुत करने चाहिए जो वह अपेकित योग्यता रखने के दावे के समर्थन में प्रस्तुत कर सकता है। धायोग इस प्रमाण पर गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा पर इसे पर्याप्त मानने के लिये बाध्य नहीं होगा।

यवि वायुसेना प्रकावमी के लिये प्रतियोगिता में बैठे रहे किसी उम्मीदवार द्वारा प्रपनी गैक्षिक योग्यताओं के समर्थन में प्रस्तुत कियी या समकक परीक्षा उत्तीणं करने के विश्वविद्यालय के प्रमाणपत्न की प्रकारणत/प्रमाणित प्रति में परीक्षा-विषय नहीं वर्शाए गए हैं तो उसे विश्वविद्यालय के प्रमाणपत्न की प्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति के साय-साथ प्रिसिपल/विभागाध्यक्ष से इस आश्राय के प्रमाणपत्न की एक प्रिम्प्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रवण्य प्रस्तृत करनी वाहिए कि उसने पैरा 3(ग) (ii) में विनिर्विष्ट एक या इससे प्रधिक विषय लेकर अर्हक परीक्षा पास कर ली है।

- (iv) उपस्थिति पत्नक (ग्रावेदन-प्रयत्र के साथ संस्नग्न) विधिवस् भरा क्षमा।
- (v) उम्मीववार के हाल ही के पामपोर्ट ग्राकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की एक जैसी दो प्रतियां जिनके ऊपरी हिस्से पर उम्मीववार के हस्ताक्षर विधिवल् ग्रीकित हों।

फोटो की एक प्रति द्यावेदन-प्रपक्त के पहले पृथ्ठ पर सौर दूसरी प्रति उपस्थित पत्रक में दिये निर्दारित स्थान पर चिपका देनी काहिए।

- (vi) लगभग 11.5 र्स० मी० × 27.5 र्से० मी० भाकार के बिन। टिकट लगे दी लिफाके, जिन पर भापका पता लिखा हो।
- (क) अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के अम्भीववारों द्वारा—- अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के होने के वावे के समर्थन में, जहां उम्मीववार या उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर पर रहते हों, उस जिन्ने के (किसी प्रमाण-पन्न के नीचे उल्लिख्त) सक्षम- प्राधिकांश्री से परिशिष्ट IV में विय गए प्रपन्न में लिए एए प्रमाण-पन्न की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
  - (ग) शुल्क से छट चाहने वाले उम्मीयवारों के द्वारा:
    - (i) किसी जिला प्रधिकारी या राजपिकत प्रधिकारी या संघ या राज्य विद्यान मण्डल के सदस्य से लिए गए प्रमाण-पक्ष की प्रशिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि उम्मीदवार निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में महीं है।
  - (ii) वस्तुतः विस्थापित/प्रत्थावितित व्यक्ति होने के दावे के समर्थन
    में निम्निक्षित प्राधिकारियों से लिए गए प्रमाण-पन्न की प्रक्षिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि:
  - (क) भृतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्तिः
  - (i) वण्डकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों या विधिक्त राज्यों के राहत शिविरों का शिविर संचालक ।

#### ग्रयका

(ii) उस इलाके का जिला भिजस्ट्रेट जहां पर वह, फिलहाल, रह रहा हो।

#### धयवा

(iii) धपने जिले के शरणार्थी पुनवीस का प्रभारी भतिरिक्त जिला मिजिस्ट्रेट।

#### धयवा

(iv) सब-विधीजनल ग्रफसर् मपने घाषीनस्य सब-विधीजनल की सीमा तक।

# भ्रयका

- (v) शरणार्थी पुनर्वास जपायुक्त, पश्चिमी बंगाल/निदेशक (पुनर्वासन), कलकत्ता।
  - (ख) श्री लंका से प्रत्यावर्तितः --श्री लंका में भारत का उच्चायकतः
  - (ग) धर्मा से प्रध्यावर्तित: --

भारतीय दूतावास, रंपून या जहां का वह रहने वालाहो, उस क्षेत्र का जिला मिजिस्ट्रेट।

(घ) भा० से० भ० भौर वायु सेना भकावसी पाठ्यकम में भ्रतिरिक्त
रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता में भाग लेने वाले एन० सी०
सी० (सी०) प्रसाण-पत्र (सेना स्कन्ध) (वायु सेना स्कन्ध
का वरिष्ठ प्रभाग) प्राप्त उम्मीदवारों द्वारा:

यह दिखाने के लिए कि उनके पास एन० सी० सी० 'सी०' प्रमाण-पक्ष (सेना स्कंघ) (वायू सेना स्कन्ध का वरिष्ठ प्रभाग) है भणवा वह एन० सी० सी० 'सी०' प्रमाण-पन्न (सेना स्कन्ध) वायू सेना स्कंध का वरिष्ठ प्रभाग परीक्षा में प्रवेश के रहा है/प्रवेश के चुका है, इस भागय के प्रमाण-पन्न की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

हिन्पणी:-- उम्मीदवारों को स्रावेदन-पत्न के साथ भेजेगण सभी प्रमाण-पत्नों की स्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों पर हस्ताक्षर करके सारीख खिखानी है ।

- 9. शुल्क की वापसी:--धावेवन के साथ धायोग को ध्रदा किया गया शुल्क वापस करने के किसी धानुरोध पर नीचे की परिस्थितियों को छोड़कर विचार नहीं किया जा सकता धौर न वह किसी बूसरी परीका था चयन के लिए सुरक्षित रखा जा सकता है:--
  - (i) जिस उम्मीदवार ने निर्धारित मुल्क वे विया है, पर जिसको मायोग ने परीक्षा में बैठने नहीं विया उसको छ० 15.00 (पत्रह रुपये) [मनुसूचित जातियां/मनुसूचित जनजातियां के उम्मीदवारों के मामले में रु० 4.00 (चार रुपये)] वापस कर विया जाएगा। परन्तु यदि कोई मावेदन यह सूचना प्राप्त होने पर भस्वीकार कर विया गया हो कि उम्मीदवार किमी परीक्षा में उसीण होने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत नहीं कर पाएगा तो उस उम्मीदवार को मुहक नापस नहीं किया जाएगा।
  - (ii) जो उम्मीववार नवस्त्रर, 1981 को सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा में बैठा हो धीर उस परीक्षा के परिणाम के घाघार पर किसी पाठ्यकम के लिये उसका नाम धनुशंसित हुआ हो तो उसके मामले में र० 28.00 (धहाईस रुपये) [धनु-सूचित जातियों/धनुसूचित जनजातियों के मामले में र० 7.00 (सात रुपये)] का शृहक वापस किया जा सकता है, पर यह जरूरी है कि मई, 1982 की सम्मिलित रक्षा सेवा परीका के लिये घरनी उम्मीदवारी रह कराने धीर शृहक वापस पाने के लिये उस उम्मीदवार का धनुरोध धायोग के कार्यालय में 15 मन्तूवर, 1982 को या उससे पहले पहुंच आए।
- 10. प्रावेदन पत्न की पावती: प्रायोग से कार्यालय में वेर से प्राप्त प्रावेदन-पत्न की सादित प्रत्येक प्रावेदन-पत्न की पावती वी जाती है तथा प्रावेदन-पत्न की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को प्रावेदन पत्न की रिजर्ट्रणन संश्वेदन पत्न की रिजर्ट्रणन संश्वेदन पत्न की उक्त परीक्षा के प्रावेदन-पत्न प्राप्त करने के लिए निर्धारित पंतिम तारीख से एक मास के प्रत्येदन-पत्न प्राप्त करने के लिए निर्धारित पंतिम तारीख से एक मास के प्रत्येदन-पत्न प्राप्त करने हैं तो उसे तश्काल प्रायोग से पावती हेतु संपर्क करना चाहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीववार को मावेदन-पत्न की रिजस्ट्रेशन संक्ष्या जारी कर दी गई है मपने माप यह मर्थ नहीं है कि भावेदन-पत्न सभी प्रकारपूर्ण है भीर मायोग द्वारा स्वीकार् कर लिया गया है।

- 11. मार्वेवन का परिणाम:--मगर किसी उम्मीवबार को धपने धावेवन के परिणाम की सूचना परीक्षा मुक होने की सारीच से एक महीने पहले तक धायोग से प्राप्त न हुई सो उसे परिणाम की जानकारी के लिए धायोग से तत्काल सम्पर्क करना चीहिए। धगर कस बात का पालन नहीं हुआ तो उम्मीवबार धपने मामने में विचार किए जाने के धिक्षकार से बंचित हो जाएगा।
- 12. परीका में प्रवेश: --किसी उम्मीक्वार की पावता या बपावता के संबंध में संब लोक सेवा भायोग का निणय मंतिम होगा। भायोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पन्न के बिना किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया आएगा।
- 13. कवाचार के वीषी उम्मीदवारों के खिलाफ कार्रवाई:--उम्मीद-बारों को चेतावनी दी जाती है कि वे भावेदन-पक्ष भरते समय कोई गलत विवरण न वें भौर न किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाएं। उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि उनके बारा प्रस्तुत किसी भी प्रलेख या उसकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति में किसी भी हालत में वे किसी तरह का संशोधन या परिवर्तन या कीई फेर-खबल न करें भौर नहीं फेर-खबल किए गए/बढ़े हुए प्रलेख को वे प्रस्तुत करें। धगर इस प्रकार के वो प्रधिक प्रलेखों में या उनकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों में कोई अश्वाद्ध या असंयति हो तो इस ध्रसगित के बारे में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना चाहिए

जो उम्मीदकार भ्रायोग द्वारा निम्नांकित कवाचार का दोषी मोकित होता है या हो चुका है~~

- (i) किसी प्रकार से भपनी उम्मीदवारीं का समर्थन प्राप्त करना; या
- (ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना; या
- (iii) ग्रपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत करना; या
- (iv) जाली प्रलेख या फैर-बदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना;
- (v) श्रयुद्ध या श्रसस्य वक्तन्य देना या महत्वपूर्ण सूचना की छिपा कर रखना; या
- (vi) परीक्षा के लिए प्रपनी उम्मीदवारी के संबंध में; किसी प्रिनयत या प्रमुचित लाम उठाने का प्रयास करना; या
- (vii) परीक्षा के समय अनुजित तरीके अपनाए हों; या
- (viii) उत्तर पुस्तिका(घों) पर ग्रसंगत वार्ते लिखी हीं जो ग्रश्लील माधा या ग्रमष्ट ग्रागय की हों; या
- (ix) परीक्षा भवन में कोर किसी प्रकार का दुर्थ्यवहार किया हो; या
- (x) परीक्षा चलाने के लिए ग्रायोग द्वारा नियुक्त कर्मवारियों को परेशान किया हो या ग्रन्थ प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो; या
- (xi) अपर के खण्डों में जिल्लिखित सभी या फिसी कवाचार की भीर प्रवृत्त होना या ऐसा करने के लिए किसी को उत्तेजित कराना। यह भ्रपने को वण्ड भ्रमियोजन का शिकार बनाने के भ्रतिरिक्त~-
  - (क) वह जिस परीका का उम्मीदवार है उसके लिए मायोग द्वारा प्रयोग्य टहराया जा सकता है मचवा
  - (च) (i) मायोग द्वारा उनकी किसी भी परीक्षाका चयन के लिए।
    - (ii) केन्द्र सरकार द्वारा उनके अधीन किसी नियुक्ति के स्थायी रूप से या कुछ निर्दिश्ट घवछि के लिए अपवर्णित किथा जा सकता है; लिए धीर
  - (ग) अगर बह पहले से सरकारी मौकरी में हो या उचित्त मिय-भावकी के अभुसार अनुशासनिककारवाई का पान्न होगा। किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब सक नहीं थी जाएगी जब तक-----
  - (i) अम्मीदवार को क्षस सम्बन्ध में लिखित अध्यावेदन जो वहुँ देशा चाहे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और
  - (ii) उम्मीदवार धारा घनुमत समय में प्रस्तुत घम्यावेदन पर, यांद कोई हो, विकार न कर लिया गया हो ।

14. भूल प्रमाण-पत्नों का प्रम्तुनीकरण—सेवा चयन बोर्ड के साक्षारकार में सहंता प्राप्त करने वाले उम्मीववारों में से, बाई० एम० ए०/एस० एस० सी० (एम० टी०) प्रथम विकल्प वाले उम्मीववारों के मामले में सेवा मुख्यालय/भर्टी 6 (एस० पी०) (ग), नई विल्ली-110022 को तथा नी सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीववारों के मामले में नौसेना मुख्या-लय/बार० एक बार० सेना मधन, नई विल्ली-110011 को या बाय सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीववारों के मामले में वामु सेना मुख्यालय/पी० बो०-3, वामु सेना भवन, नई विल्ली-110011 को बपली मैंबा-णिक-योग्यतायों बादि के समर्थन में अपने मूल प्रभाण-पत्न सेवा चयन कोई के साक्षारकार के पूरा होने के वो सप्ताहों के बन्दर बोर 31 विसम्बर, 1982 तक प्रस्तुत करने होंगे । उन्त प्रमाण-पत्नों की सत्य प्रधिप्रवाणित प्रतिलिपियों या फोटोस्टेट परियां किसी भी स्थिति में स्थोकार वहीं की काएंगे ।

- 15 'पावेषन के सम्बन्ध में तब-म्यवहार" -- भावेषन के सम्बन्ध में सभी पक्ष-म्यवहार सचिव, संब लोक सेवा भायोग, श्रीलपुर हाऊस, नई विस्त्री-110011.के पते पर करना चाहिए भीर उसमें निम्नोकित विवरण भवक्म होना चाहिए ---
  - (1) <u>परीका का नाम ।</u>
  - (३) परीक्षाकावर्षं भौर महीना।
  - (3) पावेदन-पन्न की रिमस्ट्रेगन संख्या, रोल नम्बर या जन्म की तारीख (भगर रोल नवर नहीं मिला हो ।)
  - (4) उम्मीदवारों का नाम (पूरा भीर साक लिखा हुआ। )।
  - (5) पत्न-व्यवहार का पता भैसा ग्रावेदन-पत्न में दिया है।
- स्थान वें—(i) जिन पत्नों के साथ ऊपर का स्थीरा नहीं होगा हो सकता है, उस पर कोई कार्रवाई न हो ।
  - (ii) यदि किसी परीक्षा की समाप्ति के बाद किसी उम्मीवबार से पत्न/पत्नादि प्रांत होता है तथा इसमें उसका पूरा नाम और अमुक्तभांक नहीं दिया गया है तो उस पर न्यान नहीं दिया जाएगा । भीर उस पर कोई कारवाई नहीं की जाएगी ।

16. पते में परिवर्तनं :-- उम्मीववार को ६स जात की न्यवस्था कर लेमी चाहिए कि उसके मावेदन-पश्च म दिए पते पर भेज जान वालें पत्न भावि मावश्यक होने पर उनके नए पते पर भिजवा दिए जाए। पते में जो भी परिवर्तन हो उसे उत्तर के देरा 15 में उन्लिकित विवरण के साथ आयोग को यथाशीक सूचित कर देना चाहिए।

सेवा चयन श्रेष के साक्षान्कार के लिए झायोग द्वारा अपूर्णांगत उम्मीद-बारों ने झगर परीक्षा के लिए झावेबन करने के बाद अपना पता यदल लिया हो हो उन्हें परीक्षा के लिकित भाग के परिणाम घोषित हो जाते ही अपना नाम पता तत्काल सेना मुख्यालय, ए० औ० श्रांच रिकूटिंग 6(एस० पी०) (६०) (II) वेस्ट स्थाक 3, विंग 1, रामाकृष्णमपुरम, नई दिन्छी-110022 और बायू सेना मुख्यालय (पी० भी०-3) नई दिल्ली-110011 को सूचिन कर देना चाहिए। ओ उम्मीदवार इन झावेशों का पालन नहीं करेंगा यह सेवा चयन बौर्य के साक्षात्कार के लिए सम्मन-पत्न न मिलन पर अपने मामले में विचाद किए जाने के बाब से बंचित हो जाएगा।

यश्चिप प्राधिकारी क्षस प्रकार के परिवर्तनों पर पूरा-पूरा व्यान वेते हैं किर भी इस सवन्ध में वह अपने उपर कोई जिम्मेवारी नहीं ले सकते ।

17. लिखित परोक्षा में योग्य अभ्मीववारों के साक्षात्कार के सम्बन्ध में पूछताछ — - जिन उम्भीववारों के नाम सेवा वयन होई के साक्षात्कार के लिए अनुशासित हैं उनको अपने साक्षात्कार के सम्बन्ध में सभी पूछताछ और अनुरोध सीचे सेना मुख्यालय, ए० औ० औच रिकृष्टिंग 6 (एस० पी०) (१०) (11) वेस्ट ब्लाक 3, विग 1, रामाक्षण्णमधुरम, नई विल्ली-110022 भीर वायु सेना उम्मीववारों के लिए वाय सेना मुख्यालय (थी० औ०) नई विल्ली-110011 के पते पर लिखने चाहिए।

उम्मिथवारों को साक्षांकार के लिए धेजे गए मन्मन-पक धारा सूचित की गई लाशेक को सेवा जयन कोई के समक्ष साक्षांकार हेतु स्पितेड करनी है। साक्षांकार को स्थिमित करने से सम्बद्ध भनुशेध पर केवल यथार्थ परिस्थितियों में भीर प्रशासिनक सुविधा को ध्यान में रश्चकर ही विचार किया जाएगा जिसके लिए निर्णायक प्राधिकरण सेना मुख्यालय/ थायु मेनो मच्यालय होगा।

विभिन्न सेवा चयन केन्द्रों पर मेवा चयन क्षोर्ड के समक्ष साक्षास्काच हेतु कुलाए गरु उम्मीववार प्रयने साक निस्तिस्थित वस्तुएं लाएंगे : .--

- (क) सफेव कमीज में पासपोर्ट ग्राकार फोटो की 6 प्रतिया।
- (क) जिस्तर श्रीर कन्यस (मौसम के भनुसार)।
- (ग) सक्तेव कमीकों सीर द्वाफ पैटों के वो जोड़े।

- (म) एक जोड़ी पी० टी० के सफोद जूने भीर*दो* जोड़े सफोद मीजे।
- (क) पैंठों कीर कमीजों के दो ओड़े।
- (च) फाउम्टेन पेत स्याही ग्रीर नेंसिल ।
- (छ) सूट पालिश और सफेव स्लैंकों।
- (ज) एक मच्छरवानी ।

18 लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा योग्यनाप्राप्त उम्मीव-बारों का साक्षात्कार प्रस्तिम परिणाम की घोषणा ग्रौर प्रस्तिम रूप से योग्य पाए गए उम्मीदवारों का प्रशिक्षण पार्यक्रम में प्रकेण :--

संय लोक सेवा प्रायोग प्रपनी विवक्षा से लिखित परीक्षा के लिए निर्धारित न्यूनतम शंक प्राप्त करने वाले उम्मीववारों की एक सूची सैयार करेगा । वे उम्मीववार उन सभी प्रविष्टियों के लिए जिनके लिए उन्होंने झहुँता भारत की है बौदिक तथा व्यक्तित्व परीक्षझों के लिए सेवा चयम बोर्ड के सामने हाजिर हो<sup>रे</sup>

जो उन्मीवृदार भाई० एम० ए० (हो० ई०) कोर्स भौर/या नौसेना (एस० ई०) भीर या वायु सेना भ्रभादमी कोर्स की लिखित परीक्षा में भ्रहेंता आप्त करने हैं, चाहे वे एस० एस० सी० (एन० टी०) कोर्स के लिये महंता प्राप्त कर या नहीं उनको सितम्बर 1982/मन्तूबर 1992 में सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों के लिए भेजा जाएगा भीर जो उम्मीववार केवल एस० एस० सी० (एल० टी०) कोर्स के लिए प्रहेंता प्राप्त करते हैं, उनको विपम्बर 1982/जनवरी 1983 सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों के लिए भेजा जायेगा।

उम्मीदबार सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होकर अपनी ही जोिखम पर वहां के परीक्षणों में मामिल होंगे और मेवा बोर्ड में उनका जो परीक्षण होता है उनके बौरान या उसके फलस्वरूप अगर उनको कोई बोट पहुंचती है तो उसके लिये सरकार की मोर से कोई अतिपूर्ति या सहायता पाने के वे हकवार नहीं होंगे, चाहे वह किसी 'व्यक्ति की लापरवाही से हो या दूसरे किसी कारण से हों। उम्मीदवारों को आवेदम पन्न के साथ संलग्न अपन्न में बस आयाय के एक प्रमाण-पक्ष पर हिस्ताक्षर करने होंगे।

स्वीकृति हुत् उप्मीदवारों को (i) लिखित परीक्षा तथा (ii) सेवा लयन बोर्ब के परीक्षणों में अलग-अलग न्यूनतम अहंक अंक अपन करने होगे जो कि आयोग हारा उनके निर्णय के अनुसार निश्चित किए जाएंगे। लिखित परीक्षा तथा से उच्च बोर्ब के परीक्षणों में प्राप्त हुल अंकों के आधार पर उपमीदवारों को योणता कम में रखा आएगा। अलग-अलग उपमीदवारों को परीक्षा किस अप में भीर किस प्रकार सुचित किये जाए इस बात का निर्णय आयोग अपने आप करेगा और परिणाम के सम्बन्ध में उपमीदवारों से कोई पक्ष अथवहार नहीं करेगा।

परीक्षा में सक्त होने भाज से भारतीय सेना श्रकावमी, नौसेना श्रकावमी, नामु सेना श्रकावमी या श्रविकारी श्रिशिक्षणणाला में जैसी स्थिति हो प्रवेश का कोई श्रविकार नहीं मिलेगा । श्रत्तिम चयन शारीरिक क्षमता श्रीर श्रन्य सभी बातों में उपभुक्तता के श्रतिरिक्त उपलब्ध रिक्तियों की संख्या को वृष्टि में रखते हुए योग्यता के कम से किया जाएगा ।

18 प्रशिक्षण पाठ्यकम में प्रवेश के लिए धनहैताएं—-को उम्मीद्यार राष्ट्रीय रक्षा धकावमी, भारतीय सेना धकावमी, वायु सेना उद्ह्यम महा विकालय, की सेना धकावमी कोचीन घीर प्रधिकारी प्रशिक्षणशाला महास में पश्चे प्रवेश पा कुने हैं पर धम्मासनिक घाधार पर बहां से निकास विए गए हैं उनको भारतीय सेना धकावमी, की सेना धकावमी, बायु सेना धकावमी या ध्लसेना में प्रस्पकालिक सेना कमीणन में प्रवेश देश की बात पर विचार नहीं किया आएगा।

जिन उम्मीदवारों को एक पश्चिकारी में अपेक्षित लक्षणों के प्रभाव के कारण पश्चि भारतीय सेना अकावमी में नापन लिया गया हो उनको भारतीय सेना अकावभी में प्रवेश सहीं दिया आएगा।

जिन उम्मीववारों को स्पेमल एल्ट्री नेवल कैडेटस के रूप में पहले चुन लिया गया हो पर बाद में एक मिश्रकारी में मपेक्षित लक्षणों के ममाव के कारण राष्ट्रीय रक्षा मकावनी या नौसेना प्रशिक्षण प्रतिब्दानों से बायस लिया गया हो वे भारतीय नौसेना में प्रवेश के पाल नहीं होंगे।

जिन उम्मीदनारों को एक प्रधिकारी में प्रपेक्षित लक्षणों के प्रभाव के कारण भारतीय सेना प्रकादमी, प्रधिकारी प्रशिक्षणशाला, एन० सी० सी० तथा स्थातक पाठ्यक्रम से वापस लिया गया हो उनके बारे में थल सेना में अस्पकालिक सेवा कमीशन देने की बात परिवचार नहीं किया जाएगा।

जिन उम्मीवनारों को एक मधिकारी में मपेक्षित लक्षाणों के ममान कारण, एन० सी० सी० तथा स्नातक पाठ्यकम से पहले नापस लिया गया हो, उनको भारतीय सेना मकावसी में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

20. भारतीय सेना प्रकावभी या भी सेना प्रकावभी या बायू सेना प्रकावमी में प्रशिक्षण के समय विवाह पर प्रतिबन्ध :--भारतीय सेना प्रकावमी भी प्रशिक्षण के समय विवाह पर प्रतिबन्ध :--भारतीय सेना प्रकावमी भी पाठ्यक्रमों के उम्मीववारों को इस बात का बचन देना है कि जब तक उनका सारा प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा, तब तक वे सादी नहीं करेगे । जो उम्मीववार प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा, तब तक वे सादी नहीं करेगे । जो उम्मीववार प्रशिक्षण के लिए बुना नहीं जाएगा चाहे बहु इस परीक्षा में या प्रगक्ती किसी परीक्षा में भने ही सफल हो । जो उम्मीववार प्रशिक्षण काल में साबी कर लेगा उसे वापस भजा जाएगा भीर उस पर सरकार ने जो पैसा खर्च किया है, वह सल उससे बसूल किया जाएगा । श्रम्पालिक सेवा कमीसन (एन व्ही) के पाठ्यक्रम का कोई उम्मीववार :

- (क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति के साथ शादी की हो या शादी के लिए संविदा कर जी हो जिसकी पहले से कीई जीवित पति है या था
- (ख) जिसने, पहले से जीवित पति-पन्नी होते द्वुए भी, किसी व्यक्ति से सादी की हो या भावी के लिए संविदा करली हो।

ग्रिकारी प्रशिक्षणशाला में प्रवेश/ग्रल्पकालिक सेवा कमीशन की प्रवृक्ति का पाल महीं होगा ।

परन्तु, यवि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि इस तर्ज्य की शाधी ऐसे व्यक्तियों के लिए धौर शादी की तूसरी तरफ के व्यक्तियों के लिए लागू व्यक्तियत कानून के धनुसार धनुमोवनीय है धौर ऐसा करने के धन्य ठोस कारण हैं तो किसी व्यक्ति को वह इस नियम के धनुपालन म छुट दे सकती है।

- 21. भारतीय सेना प्रकादमी या नी सेना प्रकादमी या बायु सेना प्रकादमी में प्रशिक्षण के समय पत्त प्रतिबन्ध :- भारतीय सेना प्रकादमी, नी सेना प्रकादमी, या बायु सेना प्रकादमी में प्रवेश प्राप्त करने से बाद उम्मीदबार किसी दूसरे कमीशन के लिए विचार योग्य नहीं होंगे। भारतीय सेना प्रकादमी या नौ सेना प्रकादमी या बायु सेना प्रकादमी में प्रशिक्षण के लिए प्रन्तिम रूप से उसका चयन हो जाने के बाद उनको धौर किसी भी सामारकार या परीका में उपस्थित होने की प्रमुमति नहीं दी जाएगी।
- 22. बौद्धिक परीक्षण सम्बन्धी सूचना, रक्षा मंत्रालय (मनोविज्ञानिक अनुसंवान निवेशालय) ने "सेवा चयन बोर्डों में उम्मीववारों की बौद्धिक परीक्षण उपलब्धियों का ध्रध्ययन" (ए स्टडी प्राफ इंटेलिजेंस टेस्ट कोर्स प्राफ कैण्डीबेट्स एट सर्विसेल सेलेक्शन बोर्ड्स) शीर्षक पुस्तक प्रकाशित की है। इस पुस्तक को प्रकाशित करने का उद्देश्य यह है कि उम्मीववार सेवा चयन बोर्ड के बौद्धिक परीक्षणों के स्वरूप धौर स्वमाव से परिचित हो जाएं।

यह समूख्य पुस्तक प्रकाणन है और बिकी के लिए प्रकाणन नियंत्रण, सिबिल लाइन्स, विल्ली-110054 के यहां मिल सकती है। डाक द्वारा आदेश वेकर या नकव भुगतान के द्वारा उनसे यह सीधे प्राप्त की जा सकती है। केवल नकव भुगतान के द्वारा यह (i) किताब महल, रिबोली सिभेमा के सामने, एम्पोरियम बिल्डिंग, सी० ब्लाक, बाबा छड़ग सिंह माग, नई विल्ली-110001, (ii) उद्योग भवन की प्रकाणन बाखा, उद्योग भवन, भई विल्ली-110001 के बिकी केन्द्र पर तथा (iii) भारस सरकार पुस्तकालय, 8 के० एस० राय रोड, कलकत्ता-700001 पर भी मिल सकती है।

विनय क्षा, संयुक्त सचिव

# परिशिष्ट 🛚

# (परीक्ता की ग्रोजना, स्तर भीर पार्यविवरण)

# क परीक्षा की योजना

- 1. प्रतियोगिता परीक्षा में निम्नलिखित सम्मिलित होगा --
- (क) नीचे के पैरा 2 में निविध्ट रीति से लिखित परीका,
- (खा) जन अम्मीवकारो का बृद्धि भीर ब्यक्तिगत परीक्राण (इस परिशिष्ट के भाग खा के धनुसार) के लिए साक्षारकार जिन्हें किसी भी एक सर्विसेज सलेक्शन सेंटर में साक्षारकार के लिए बुलाया जाए।
- 2 लिखित परीक्षा के विश्य, उनके लिए विया जाने वाला समय भीर प्रत्येक विषय के लिए नियत अधिकतम अंक निम्मलिखित होंगा ----

# (क) भारतीय सेना प्रकादमी में प्रवेश के लिए

विषय	धवधि	श्रधिकत्म श्रंक	
1. पंग्रेजी	2 चण्टे	100	
2. सामान्य शान	2 <b>घण्टे</b>	100	
<ol> <li>प्रारम्भिक गणित</li> </ol>	2 <b>षण्टे</b>	100	

#### (स्रा) भी सेना सकादमी में प्रवेश के लिए

` '				
विषय	नियत्त समय	ग्रविकत <i>म</i> र्भक		
द्यनिवार्ये		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		
1. ग्रंगेजी	2 घण्टे	100		
<ul> <li>2. सामान्य गान</li> </ul>	2 घण्टे	100		
<b>बैकल्पिक</b>				
*3. प्रारम्भिक गणित या प्रारम्भिक				
भौतिकी	2 <b>पण्टे</b>	100		
4. गणित या भौतिकी	2 षण्टे	150		

जो उम्मीदवार प्रारम्भिक गणित लैंगे उन्हें बौये प्रश्न पत्न में भौतिकी विषय लेना होगा तथा जो उम्मीदवार प्रारम्भिक भौतिकी लेंगे उन्हें खौचे प्रश्न-पक्ष में गणित विषय लेना होगा।

(ग) प्रधिकारी प्रशिक्षण शाला में प्रवेश के लिये

विषय	नियत समय	मधिकतम श्रंक	
1. भंगेजी	2 षंदे	100	
2. सामाध्य ज्ञान	2 पंटे	100	

1	<b>4</b> )	गाय	सेना	प्रकादमी	में	प्रवेश	के	लिये	
1	. " /	717		A1 451 4511	٠,	-1 -1 (1		1 1 1 2	

विषय	घवधि	द्यधिकतम संक	
<ol> <li>मंग्रेभी</li> </ol>		100	
2. सामान्य शान	2 षंटे	100	
3. प्रारम्भिक गणित	2 षंटे	100	
4. गणिल या भौतिकी	2 षंटे	150	

लिखित परीक्षा भीर साकारकार के लिये जो धिकतम झंक नियस किये गये हैं वे प्रत्येक विषय के लिये समान होंगे झर्थात् भारतीय सेना झकावमी, नौ सेना झकावमी, झफसर ट्रेनिंग स्कृत भीर वायु सेना झकावमी में भर्ती के लिये लिखित पीक्षा भीर साझातकार के लिये नियस झिकतम भंक कमना: 300, 450 भीर 200 और 450 होंगे।

- 3. समस्त विषयों के प्रश्न-पक्षों में केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जार्येंगे। नमूने के प्रश्नों सहित विस्तृत विवरण क्रुप्या परिशिष्ट V पर उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका में वेखिए।
- 4. प्रश्न पत्नों में जहां भी शावस्थक होगा केवल तोल झौर साप की मीटरी पद्धति से संबंधित प्रश्नों को ही पूछा जाएगा।
- 5. उम्मीदवारों को प्रश्त-पत्नों के उत्तर ध्रपने हाथ से लिखने चाहिए। किसी भी वशा में उन्हें प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिये लिखने बाले की सहायता सुलभ नहीं की जाएगी।
- 6. परीक्षा के एक या सभी विषयों के धाईक संको का निर्धारण सामीग की विवक्षा पर है।
- 7. उम्मीवनारों को बस्तुपरक प्रथम परों (परीक्षण-पुस्तिकाक्षो) के उत्तर देने के लिये कैलकुनेटर का प्रयोग करने की धनुमति मही है। ब्रतः वे उसे परीक्षा-भवन में न लायें।

#### व्यः परीक्षा का स्तर भीर पाट्य विकरण

#### स्तरः

प्रारम्भिक गणित के प्रश्न पक्षों का स्तर मैद्रिकुलेशन परीक्षा का होगा, प्रारम्भिक भौतिकी के प्रथम पक्षों का स्तर उच्चतर माध्यमिक परीक्षा जैसा शिया।

 ग्रन्थ विषयों में प्रश्न-पत्नों का स्तर लगभग वही होगा जिसकी किसी भारतीय विश्वविद्यालय के स्नातक से ग्रपेक्षा की जा सकती है।

इनमें से किसी भी विषय में प्रायोगिक परीक्षा नहीं होगी।

# पाठ्य विवरण

# कांग्रेजी (कीड सं० 01)

प्रश्न पक्ष इस प्रकार होगा जिससे उम्मीदबार की अंग्रेजी और अंग्रेजी के शब्दों के बोध की परीक्षा की जा सके।

# सामान्य ज्ञान (कोड सं० 02)

सामान्य ज्ञान तथा साथ में समसामयिक घटनाओं और दिन प्रतिदिन देखे भीर धनुभव किये जाने वाले इसी तरह के मामलों के बैज्ञानिक पक्ष भी जानकारी, जिसकी किसी ऐसे शिक्षित व्यक्ति से प्रयेका की जा सकती है, जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष श्रष्ट्ययम न किया हो। प्रथन पन में भारत के इतिहास और भूगोल से संबंधित ऐसे प्रथन भी होंगे जिनका उत्तर उम्मीदिवारों को, उन विषयों का विशेष श्रष्ट्ययन किये विना वेना चाहिए।

# शार्षिकक विवित (कींड सं० 03)

# धंक गणित

संख्या पद्धतियाः -- चनपूर्ण संख्यामें, पूर्णांक, परिमेय झीर वास्तिनिक संख्यामें, मूल संक्रियायें -- कोड़, चठाना, गुचन, झीर विभाजन, वर्ग मुजबक्षमज्ञव मिक्र।

एकिक विश्वः -- समय तथा तूरी, समय तथा कार्ये प्रतिवतता, साझारण तथा थक वृद्धिः व्याज में अनुप्रयोग, लाभ तथा हानि, अनुपात वीर समायुगत विवरण।

प्रारम्भिक चंच्या सिक्षांत:--विभाजन की कलन विधि, यभाज्य धीर श्राच्य संस्थायें, 2, 3, 4, 5, 9 मीर 11 हारा विभाज्यता के वरीक्षण यपवस्य धीर गुणन चन्च/गणन चन्चन प्रमेय/मञ्जूसम सभापवर्षक द्वा समुत्तम समापवर्षक, युविज्ञ की कलन विधि।

क्षाकार 10 तक समृतुमक, लचु गुणक के नियम, समु-गणकीय सारमियों का प्रयोग।

# नीय गणित

प्रावारमृत संक्षिमायै: सावारण गुणन व्यक्त 1 क्षेत्र कल प्रमेम, बहु-पर्वो का महत्तम समापवर्तक धीर लचुत्तम समापवर्षे सिखात। दिव समीकरणों का हल इसके भूगों धीर गुणांकों के बीच सम्बंध (केवल वास्तव विक मूल पर विचार किया जाये)। वो प्रकात राशियों में गुगपत रैजिक समीकरण—-विक्लेषण चीर प्राक्त सम्बन्धी हल। वो चरों में गुगपत रैजिक प्रसामकावें और उनके हल प्रायोगिक प्रका जिनसे दो चरों में दो बुवपत रैजिक समीकरण या प्रसामकार्ये बनती है या एक चर में विचात, बसीकरण तथा उनके हल, समुख्यम काका तथा समुख्यम प्रकार प्रकार, परिमेम स्थापक तथा सप्रतिवास तस्तमक चारांक नियम।

### विकीचमिति :

eat X, whilever X, eats two X or  $90^{\circ} < X < 90$  eat X, whilever X, eats two X or the salish  $X \leftarrow 0^{\circ}$ ,  $30^{\circ}$ ,

46°, 60° घीर 90° सरक किकीमितिय तरसमक। किकोभित्तिय सारभियों का प्रयोग। डंबाइयों घीर दूरियों के सरस कोण्।

#### •बोमिति :

रेखा धौर कोच, समतल धौर समतल प्राकृति: निश्नलिचित पर
प्रवेय:--(i) किसी बिच्चु पर कोचों के गुण धर्म, (ii) समायांतर
रेखाएं, (iii) किसी बिच्चु की चुचाएं धौर कोच ,(iv) बिच्चुचों की
सर्वावसमता, (v) समक्य क्रिच्च, (vi) मान्यकार्यों धौर बीर्ष, सन्वों
का बंगमन, (vii) समायांतर चतुर्जुओं, दायात धौर वर्ष के कोचों, चुजायों
के विक्यों के गुण धर्म, (viii) वृत्त धौर स्वके मुण कर्म विसर्में, स्पर्ध
रेखा तथा धनिकम्ब भी सामिख है, (ix) स्वामिक संपक।

#### विक्तार कसन:

करों, आयरों, समानांतर चतुर्भुयों, क्षिणुओं और दृशों के खेककल। कन आकृतियों के खेककस की इन आकृतियों में विभाजित की जा सकती हैं। (खेक वही) चनाभी का पृष्टीय खेककल तथा आयतन/लम्ब कृतीय कंकुओं और वेसनों का पार्श्व-पुठाय तथा सायतन/मोक्षकों का पृष्ठीय केकफल तथा सायतन।

# सांक्ष्यकी :

सांक्रियकीय तथ्यों का चंप्रहुण तथा सार्यायन्। प्राणेश्वी निरुपय-बारम्बारता बहुभुष प्रायत विश्व संख्यका शार्ट पाई वार्ट पार्व केन्द्रीय इष्ट्रिक के माप रेखाओं के शोच कींथ।

# प्रारम्भिक मीतिनी (कोड सं॰ 05)

- (क) विस्तार कलन:--मापन के मालक, सी० औ० एस० धौर एम० के० एस० मालक। सावेश और संविशा। बल धौर वेश का संयोजन तथा नियोजन। एक समानत्वरण। एक समानत्वरण में अक्षीन ऋजूरेखीय गति। ध्यष्टन का गति नियम। बल की संकल्पन बल के मालक। माला भौर भार।
- (क) पिश्व का बल विकास :-- पुष्टक के स्थीन/समानान्तरण वस।
  गुक्टब केग्र साम्यवस्था/साधारण मशीन/विग सभुपात सामत समतल/देख सौर गियर सहित विभिन्न साधारण मशीन/वर्षण, पर्यक्रकोण, वर्षण, गुणीक कार्य, सक्ति सौर ऊजी/स्थितिज और गितिज ऊजी।
- (ग) तरल भुमाध्ये:--वाब धीर प्रशोव/पास्कल का नियम। धार्क-मिबीज का नियम। वनस्व धीर विशिष्ट गुक्त्व पिडों घीर इन्धों के बिशिष्ठ गुरुखों को निर्धारित करने के लिये धार्कमिडीज के नियम का ब्रम्मधीग। प्लबन का नियम के गीस कारा प्रयोग में लाये गये वाब का मापन। कोसी नियम/बागु पत्था।
- (भ) ताप :-- पिडों का रेखिक विस्तार सौर द्रव्यों का वशाकार विस्तार। द्रव्यों का वास्तविक तथा सामासी विस्तार। ट्रवार्स्स नियम परमञ्जूप वायल सौर वार्स्स नियम, पिडों सौर द्रव्यों का विजिष्ट ताप, कलो-रीमित/ताप का संवरण, धातुसों की ताप संवासकता। स्थिति परि-वर्तन। संवयम सौर वाष्यन की गुप्त कष्मा। एस० पी० ची० पी० नसी (क्षाव्रंता सोसाक भीर सापेखिक साव्रंता)।
- (अ) प्रकास :-- ऋजुरेखीय संवरण। परावर्तम के नियम। गोकीय वर्षण, अपवर्तन, अपवर्तन के नियम, जैन्स, प्रकाशित यंत्र कैमरा, प्रक्षेपित, पारापार विकासी दूरकीम, सुक्यमवर्ती, वाक्ष्मीनयूक्षर तथा परिवर्गी। प्रिक्म, प्रकीयं के माक्यम से अपवर्तन।
- (थ) ध्वमि: -- स्वित संवरण, स्वति परावर्तन, धनुनाव/स्वित वासी-फोच का धमिनेश्वतः।
- (७) पुम्बक्तर तथा विद्यूत्:--पुम्बक्तर के नियम, पुम्बकीय खेंक पुम्बकीय बंस रेखार्य, पाविक पुम्बक्तर । थालक धीर रोकी। भोमनियम, पी० की॰, प्रतिरोधक विद्युत् पुम्बकीय बंस, श्रेणी पार्श्व म प्रतिरोधक विद्युत् पुम्बकीय बंस श्रेणी पार्श्व म प्रतिरोधक विद्युत् प्रायकीय बंस की पुलना। विद्युत् धारा का पुम्बकीय प्रभाव, पुम्बकीय केक में संवाहकता। फलमिम का बाम इस्तिनियम। मापक शंक--धारामाभी एमीटर, बोल्ड/मीटर, बाटमीटर, विद्युत् धारा का रासायनिक प्रभाव, विद्युत्, लपन, विद्युत् पुम्बकीय प्रेरण, पराव वियम, हेसिक ए० सी० तथा ही० सी० जनिक।

# मीविकी (कोड सं० 66)

# पदार्थ के सामाध्य गुण और गौबिकी

मृतिर्दे धौर विभाएं, स्केलर धौर वेक्टर, माझामं, जक्रम, धाछकं, खादं ऊर्जा धौर स्वेग। यांक्रिको के मूल नियम, घणौ गति; गुरुरवाकरंण। सरल धावतं गति, सरल धौर घसरल लोलक, प्रत्यास्वता; प्रव्य तनाव, वव की खयानता, शोटरी पस्य।

#### 2. स्वति

अवसंदित, प्रगोदित भीर मुक्त कम्पन, तरग-गति, बाप्तर प्रमाय, क्वित सरंग वेग, किटी गैस में क्वित के वेग पर वाव, तापमान भीर/भाक्षता का प्रभाव, बोरियों, क्षिटितयों भीर गैस स्तम्मों का कम्पन, धानुनाव विस्पंद, स्थिर तरमें। क्वित का आवृति वेग तथा तीवता। पराभक्षम मूल तथ्व। ग्रामीफीस, ठाकीच भीर खालब स्पीकरों के प्रारम्भिक सिक्रांत।

# 3. कथ्मा धीर कथ्या गतिविशास

तापमान धौर उपका भाषन; नारीय प्रमार, गैर्नो में समनापी तथा रवोष्म परिवर्णन। विशिष्ट ऊष्मा भीर ऊष्मा बालकता; द्रष्य के अनुगति सिद्धांत के तरब; बोल्टममन के वितृरण नियम का भौतिक बोध, श्रीडरवाल का धवस्था समीकरण, अन धाम्यसन प्रभाव, कर्मों का द्रवण; उपमार्थन प्रभाव, कर्मों कर तरका स्वरूप समीकरण।

#### 4 मकाश

ण्यामितीय प्रकाणिकी। प्रकाश का वेग, समतल भीर गोलीय पृष्ठीं पर काश का परावर्तन भीर प्रथवर्तन। प्रकाशीय प्रतिविम्बों में गोलीय भीर विजित दोप भीर उनका तिवारण। तेल भीर प्रथ्य प्रकाशिक यंक्ष। प्रकाश का तरंग सिक्षति, व्यतिकरण।

# **5 विश्वंत् भीर नुम्ब**करव

विश्रुत् सेन भे कारण ऊभी, इब्य के वैद्युत् भीर चुम्बकीय एण कर्म, हिस्टेरिसम चुम्बकशीलता और चुम्बकीय प्रकृति; विद्युत धारा से उत्पन्न चुम्बकीय सेक; मूर्विंग मेग्नेट एण्ड मूर्विंग क्वायल गलबेसोमीटर; हारा भीर प्रतिरोध का मापन; रिएक्टिव स्किट एलिमेंट्स के गुण और क्यां और उनका निर्धारण; नाप विश्वुत् प्रभाव, विद्युत् चुम्बकीय प्रेरण, ब्रात्यावर्ती धाराधी का उत्पादन। द्रोसकार्मर और मोटर; क्षेत्रद्रानिक बास्य और उनका सरल धनुप्रयोग।

# **८ प्राधृतिक भौतिकी**

बोर के परमाणु सिश्चांत के तत्व, ध्लेक्ट्रीस, धर्मों द्वारा विश्युत् का विसर्जन, क्ष्योबर। रेडियोऐक्टिवता, क्षात्रिम रेडियो एक्टिवता, ग्राध्सोगेप विश्वक भ्रोर संलयन की प्रारम्भिक भ्रारणा।

# गणित (कोड स॰ 04)

# 1. बीजनणित:

समुख्यमें का बीजगणित, सम्बन्ध भीर फलन, फलन का प्रतिलोध, पृक्त फलन, तुल्यता सम्बन्ध; परिमेयसूचकांक के लिये व-मीयवर काप्रमेय शीर उसका सरल भन्द्रणेग।

# 2. मैद्दिसंस ।

मद्रिसेस की क्षेत्रित्या, सारणिक सारणिकों के सरल गुण, सारणिकों के गुणनण्ता, सहक्षक्षकामध्यव्यः, मद्रिसेसों का प्रतिक्रोधन, मद्रिक्स की व्यक्ति। रैकिक समीकरण के हुल निकालने के लियं मद्रिसेसों का सनु-प्रशीय (ठीव प्रवात संक्याओं में):

# 3. विक्लेबिक व्यामिति :

हिविस की विक्षिकिक ज्यामिति: सरल रेखायें, सरल रेखाकों की जोड़ी, कृत, कृत निकाय, परक्लय वीर्वकृत झतिपरिकलय (मूब्य झंशों के सम्बर्ग में) किनीय झंश सभीकरण का मानक कप से लघुकरण। स्थर्ष-रेखायें धीर झविलम्ब।

#### किथिय को विक्लेपिक ज्यामिति:

समतज, शोधी रैकाय धीर गोलक (केवल कार्तीय निवेशांक)

#### 4 कलन (केलकुलस) भीर विभिन्न समीकरण:

धक्कल गणित: सीमांत की संकल्पता, वास्तिकिक चर फलन का सांतत्र्य हीर प्रवक्तलनियता, मानक पलन का प्रवक्तलन, उत्तरीतर धक्कलन गेल का प्रमेय। मध्याचान प्रमेय; मक्लादिन हीर टेलर निरीज (प्रमाण धावश्यक नहीं है) भीर उनका प्रमुप्रयोग परिमेय। मुचकांको के लिए द्विपद्मसरण चरपातांकी प्रमरण, लधुगणकीय विक्रोण-वित्तीय और प्रति परिकायक फलन। धनिव्यद्वित क्या। एकल चर फलन का उच्चित्रह हीर धिक्षण्ट, स्पर्शरेखा, प्रक्रिलम्ब, प्रवास्पर्शी स्ववैत्वन्द स्वास्पर्श स्वक्ता (केवल कार्तीय निर्मेशांक) जैसे ज्यामितीय धक्मयोग। एनक्लेप प्राणिक धक्कतन। समीपी फलनी के शंकीहन प्रायसर प्रमेय।

नमाकलन-गणित: — समाकलन की मानक प्रणासी। सतत फलन के निश्चित् समाकलन की रीमान-परिभाषा। समाकलन गणित के क्स सिद्धात। परिशोरन, क्षेत्रकलन, सायतन सीर परिश्रमण बनाकृति का पृष्टीय क्षेत्रकल। स्वपारमक समाकलन के बारे में सिम्स्समन का नियम।

यंदकल समीकरण. प्रथम कोटि के मानक प्रवक्त समीकरण का हल निकालना। नियम गुणांक के साथ द्वितीय घीर उच्चतर होटि के विकास समीकरण का हल निकालना। वृद्धि धीर क्षय की समस्याधों का सरल धन्प्रधीग, सरल हारमीनिक क्यांग्तरण। साहारण पेखलम धीर सभीविश।

# योकिक (वेक्टर पश्चित का अपयोग किया आ सकता है)

स्थिति विश्वान: समतलीय तथा सगामी वलों को साम्यवस्था की भियति। गाद्दारण तस्त्रों के गुरुख केन्द्र। स्थितिक वर्षण, साम्यवर्षण धौर भीमांत वर्षणाधर्षण कोण। कक्ष ब्रानत समतल पर के कण की माम्या-वर्षण कल्पिन कार्य (टी प्रायामी में)।

गति विज्ञान: श्रुंक गरि विज्ञान-कण का स्वरंक, वेग, बाल धीर विस्थापन, धापेक्षित बेग। निरस्तर स्वरंण की मवस्था में सीक्षी रेखा की गति। न्यटम गति संबंधी सिखात। केन्द्र कक्षा। सरल प्रसबदा गति; (निवति में) गुरुवाबस्था में गति। झाकंग कार्य भीर ऊर्जा रैंबिक संवेग धीर ऊर्जी का संरक्षण। समान बर्तुल गति।

6. सांवियकी-प्राधिकता:---प्राधिकता की शास्त्रीय धौर सांवियकीय परिभाषा, संबयात्मक प्रणाली की प्राधिकता का परिकलम, योग एवं गणन प्रमेय, सप्रतिबंध प्राधिकता। याद्षिष्ठक चर (विविश्त धौर घविरत) चनत्व, फलन, गणितीय प्रत्याज्ञा।

भागक वितरण: द्विपद वितरण, परिभाषा, माध्य भीर प्रसरण वेषस्य सीमांत रूप सरल धनुप्रयोग। त्वासों वितरण परिमाणामध्य पीर प्रसरण योज्यता, उपलब्ध धांकहों में प्वासों बटल का समंजन। सामान्य वितरण, सरल समानुपात और सरल धनुप्रयोग, उपलब्ध धांकहों में सामान्य में प्रसामान्य बहुन का समंजन।

डिप्पर वितरण: यह संबंध यो चरों का रैखिक समाध्यवण, सीबी रेखा का समंजन, परवलयिक धीर चलधातीकी, बक, सतृ संबंधित गणक , के गुण।

सरस प्रतिवंश वितरण धौर परिकल्पनाओं का सरस परीक्षण, यावु-विक्रम प्रतिवर्ण (सांक्षिमकी, प्रतिवर्णी बंटन धौर मानक बृटि) मध्य परों के सन्तर की धर्मवला के परीक्षण में प्रसामान्य टी०, सी० एव० माई, (CHI2) धौर एफ० का सरस वितरण।

डिप्पणी: जम्मीववारों को दो विवयों --सं० 5 यांक्रिकी और सं० 6 सांक्रिपकी---में से किसी एक विषय पर प्रश्नों के उत्तर लिखने का विकल्प क्रोगा ।

## बुद्धि तथा व्यक्तित्व परीक्षण

उम्मीववारों की बुनियादी बुद्धि की जांच करने के लिय साझारकार के वाितरिक्त मौकिक तथा लिखित बुद्धि परीक्षा की जाएगी। उनके पुप परिकण भी किये जायेंगे जैसे पूप परिकण, प्रथ योजना, बहिरंग पूप कार्यकलाप सथा उन्हें निविष्ट विषयों पर संक्षिप्त व्याख्यान देने के लिए कहा जाएगा। ये सभी परीक्षा उम्मीववारों की मेजागनित की जांच के लिये हैं। मोटे तौर पर यह परीक्षण वास्तव में न केवल उसके बौकिक पृणों की जांच के लिये हैं विषयु इससे उनकी सामाजिक विशवताओं तथा सामाजिक वदसकों के प्रति विश्वचरनी का भी पता चनेगा।

# परिकिष्ट II

सम्मिलित रक्षा मेत्रा परीक्षा के लिये उम्मीदवारों के नारीरिक

#### मानक

हिप्पणी:--जम्मीववारों को निर्धारित शारीरिक मानकों के धनुसार शारीरिक रूप से स्वस्थ होना धावश्यक है। स्वस्थता संबंधी मानक मीचे विये जाते हैं।

बहुत से अहंताप्रात उम्मीवनार बाद में स्वास्थ्य के आधार पर धास्थीकृत कर बिये जाते हैं। ग्रतः उम्मीदनारों को उनके ग्रापने हित में सकाह दी जाती है कि ने अन्तिम श्रवस्था पर निराक्षा से बचने के लिये धाबेदन-पक्ष भेजने से पहले श्रपने स्वास्थ्य की जांच करा हों।

- 1 सेवा चयम बोर्ड द्वारा अनुशंभित उम्मीदवार को सेना के चिकित्सा ग्राह्मिकारियों के बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा करामी होगी। अकावमी या प्रशिक्षणालय में केवल उन्हीं उम्मीदवारों को प्रवेश विया जाएगा जो कि चिकित्सा बोर्ड द्वारा स्वस्थ योधित कर विये जाते हैं। चिकित्सा बोर्ड की कार्यवाही गोपनीय होती है जिसे किसी को नहीं विवाया जाएगा। किन्तु ग्रयोग्य/अस्थाई रूप से अयोग्य योधित उम्मीदवारों को उनके परिणाम की जानकारी विकित्सा बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा वे वी जाएगी तथा उम्मीदवारों को चिकित्सा बोर्ड से अपील का अनुरोध करने की प्रक्रिया भी बता वी जाएगी। उम्मीदवारों के लिये नीचे संक्षिण्त रूप में विये गए निर्धारित शारीरिक मानकों के प्रनुसार स्वस्थ होना ग्रावश्यक है:-
  - (क) उम्मीववार का गारीरिक तथा मामसिक स्थास्थ्य ठीक होना चाहिए तथा उन्हें ऐसी श्रीमारी /ग्रशक्तता से मुक्त होना चाहिए जिससे उनके कुझलतापुर्वक कार्य करने में बाधा पड़ सकती हो।
  - (च) क्ष्ममें कमकोर मारीरिक गठन/दैहिक दोध या स्मूलता नहीं होनी वाहिए।
  - (ग) कद कम से कम 157.5 सें० मी० का हो (नीसेना के लिये 157 सें० मी० तथा नामु तना के लिये 162.5 सें० मी०)। गोरबा और भारत के उत्तर-पूर्व केल के पर्वतीय प्रवेजों, गढ़वाल तथा कुमायूं के व्यक्तियों का 6 सें० मी० कम कद स्वीकार्य होगा। लक्षत्रीप के उम्मीदवारों के मामले में स्थानतम कद में 2 सें० मी० की कमी भी स्वीकार की वा सकती है। कद भीर बजन के मानक तीचे विये जाते हैं।

क्य और युवन के मातक

सेंटीमीडरी में क्य (बिना जुता)	किनोधाम में बजन				
	18 वर्ष	20 वर्ष	22 <b>प</b> र्व		
152	44	46	47		
155	46	48	49		
157	47	49	50		
160	48	50	51		
162	50	52	53		
165	52	53	55		
168	53	55	57		
170	5.5	57	58		
173	57	59	60		
175	59	61	62		
178	61	62	6.3		
180	63	64	65		
183 .	65	67	67		
185	67	69	70		
188	70	71	72		
190	72	73	74		
193	74	76	77		
195	77	78	78		

उपर्युक्त सारणी में दिये गये भीसत बजन से 10 कम-ज्यादा (नीसेना के लिये 6 कि ० ग्रा० कम-ज्यादा) वजन सामान्य सीमा के भग्तर भाना जाएगा, किन्तु भारी हिद्वियों वाले लम्बे चौड़े व्यक्तियों तथा पतले पर ग्रन्थपा स्वस्थ व्यक्तियों के मामले म गुणवत्ता के माधार पर इसमें कुछ छूट दी जा सकती है।

- (ग) छाती भली प्रकार विकसित होनी चाहिए तथा पूरा सांस मेने के बाद इसका न्यूनतम फैलाव 5 सें० मी० होना चाहिए। माप इस तरह फीता लगाकर की जाएगी कि इसका निचला किनारा सामने सुंचक से लगा रहे ग्रीर फीते का ऊपरी भाग पीछे रकत्य फलक (बोल्बर क्लेड) के निम्ल कोण (लोझर एन्गिल) को खूते रहना चाहिए। छाती का एक्सरे करना जरूरी है। इसे यह जानने के लिये किया जाएगा कि छाती का कोई रोग तो नहीं है।
- (¥) गरीर म हहियों और जोड़ों का कोई रोग नहीं होना चाहिए।
- (च) उम्मीववार के सम्बन्ध में मानसिक विकृति या दौरा पढ़ने का पूर्वभूत नहीं होना भाहिए।
- (छ) उम्मीववार सामान्य रूप से सुन सकें। उम्मीववार को इस योग्य होना चाहिए कि वह मांत कमरे म प्रश्यक कान केंक्रू 610 सें० मी० की दूरी से ओर की कानाफ्सी सुन सकें। कर्ण नासिका-कंठ की पिछली या भवकी विमारी का कोई प्रमाण न हो।
- (ज) हुवय या रक्त वाहिकाओं के संबंध में कोई त्रियारमक या श्रांगिक रोग नहीं होना चाहिए। रक्त वाब सामाप्य हो।
- (झ) उवस्पेकियां सुविकसित हों तथा जिगर या तिल्ली बढ़ी हुई न हो। उदर के प्रांतरिक ग्रंग की कोई बीमारी होने पर उम्मीदवार प्रस्वीकृत कर दिया जाएगा।
- (अ) यदि किसी उम्मीववार को हिनया है और उसकी झस्य चिकित्सा न की गई हो तो वह उम्मीववार अनुपयुक्त होगा। यदि हिनया की शस्य चिकित्सा हो गई हो तो वह बतमान परीक्षा से कम से कम एक वर्ष पहले हुई हो जिसका जवाम भी पूरी सरह ठीक हो चुका हो।
- (ठ) हाध्रद्रोसील वेरिकोमील या पाइल्स का शेग नहीं होना चाहिए।
- (ठ) मुझ की परीक्षा की जाएगी भीर यदि इसम कोई श्रंसामार्थता मिकती है तो इससे उम्मीदवार सस्वीकृत हो जाएगा।
- (■) अम्मीववार को दूर वृष्टि जार्ट में प्रत्यक्ष मांख से एनक सिहत मा ऐनक बिना (नीसेना तथा बायु सेना के लिय केवल एनक बिना) 6/6 पढ़ने में समर्थ होना आहिए। मायोपिया 2.8 की तथा क्षाइपरमेट्रोपिया 3 5 की (एस्टिंगमेटिजम सिहत) से अधिक नहीं होना चाहिए। यह जानने के लिये कि भोक में कोई रोग तो नहीं है भांक की प्रांतरिक परीक्षा घोषधलमी-स्कोप से की जाएगी। उम्मीववार के वोनों नेकों की वृष्टि भक्छी होनी चाहिए। वग वृष्टि का मानक सी० पी०-३ होना। उम्मीववार में लाल व ह रे रंगों पहचानने की अमता होनी चाहिए। नौसेना के उम्मीववारों को राजि दिष्ट तीऽजता सामान्य होती वाहिए तथा उनको इन भाक्य का प्रमाण्यक देना होगा कि उसे या उसके परिवार के किसी सदस्य की अन्मजात रतौंधी ग्राने का रोग नहीं दुमा है।
- (क) उम्मीवबार के पर्याप्त संक्या में कुबरती व मजबूत बात होनें चाहिए। कम से कम 14 बात बिम्सु वाला उम्मीवबार स्थीकार्य है। जब 32 बात होते हैं तब कुल 22 बात बिन्दु होते हैं। उम्मीववार की तीम पायरिया का रोग नहीं होना वाहिए।

- (ग) छाती की एक्स-रे परीक्षा मं ग्रेड पङ्गुका की उपस्थित हेतु ग्रेड मेरुडण्ड के निचले भाग की परीक्षा भी शामिल होगी। सेना चिकित्सा बोर्ड द्वारा जरूरी समझने पर मेरुडण्ड के भन्य भागों की एक्स-रे परीक्षा की जाएगी।
- फेबल बागु सेमा के अध्भीववारों के लिये उपर्युक्त के साथ-साथ फिक्निलिक्त विकित्सा मानक भी लागू होंगे — -
  - (क) नायुसेना के लिये स्वीकार्य मानव देह सम्बन्धी भाष निम्म प्रकार है:--

क्ष : 162.5 सें० भी०

डॉग की लम्बाई कम से कम 99 सं० भी० झौर

प्रिषक से प्रिषक 120 सें० मी०

प्रद की लम्बाई प्रिषक से प्रिषक 64 सें० मी०

कैठकर कंबाई कम से कम 81.5 सें० मी०

झौर प्रिषक से प्रिषक 96 सें०

(च) निम्निसिचित अपसामान्यताओं का पता लगाने के लिये सभी उम्मीदवारों के मेध्यच्य का एक्स-रे करना अकरी है:---

- (i) काव की पदाति द्वारा 7 से प्रक्रिक का स्कालियोंसिस।
- (ii) एस० बी० को छोड़ कर स्पाइमा बाइफिडा।
- (iii) एल० बी०-5 का एक पावर्ष का सेकेलाइजेशन ।
- (iv) व्यैरमेन रोग: क्वेरमैन वोक्स, स्पोंकिसीसिस या स्पीं-विजीसिसवियोसिस।
- (v) मेरवण्ड का कोई झन्य प्रमुख्य रोग।
- (ग) छाती का एक्स-रे अरूरी हैं।
- (व) दृष्टि

पूर की पृष्टिः 6/6, 6/6 तक सुधार योग्य 6/9

पास की कृष्टि: प्रत्येक श्रांचा की एन-5 क्य कृष्टि: सी० पी०-Х (एस० ग्राई० एक०)

मेनीफ्रेस्ट हाइपरमेट्रोपिया--2.00 डी • से प्रधिक न हो। नैस वेशी सम्तुलन

मेडोक्स रोड़ टैस्क के साथ हैटरीफोरिया निम्नलिखित से धक्तिक व हो:-

(i) 6 मीडर पर एक्सोफीरिया 6 प्रिक्म कायोप्ट्रेस

ऐसोफोरिया 6 प्रिष्म बायोप्ट्रेस
(ii) 33 सेंटीमीटर पर एक्सोफोरिया 16 प्रिष्म बायोप्ट्रेस
ऐसोफोरिया 6 प्रिष्म बायोप्ट्रेस
हाइपरफोरिया 1 प्रिष्म बायोप्ट्रेस
मायोपिया , कुछ नहीं एस्टियसेंटिष्म स 0.75 की० सिर्फ

हिनेती पृष्टि--प्रक्छी हिनेती पृष्टि का हीना प्रनिवार्ये है (प्रमूजन तथा स्टरवीप्सस तथा साथ में प्रका प्रायाम व गहनता)

#### (इ) मानक

(i) बाक्ष्यरीकाणः प्रत्येक काम से 610 सें० मी० से कामाफुसी सुनाई वे।

(ii) अव्यतामितिक 250 एच एक्स तथा 4000 परीक्षण: एच जैंड के बीच की धार्वातयों में अध्यतामितिक कमी 10 डी॰ बी॰ से धक्ति न हो।

(च) रुटीम ६० सी० जी० तचा ६०६० जी० सामान्य सीमा में हो।

 शीसैनिक विमानन शाका के उम्मीववार हेतु स्वास्थ्य मानक वही होंचे को वायुसेना के छड़ान व्यूटी हेतु उम्मीववारों के हैं।

#### परिशिष्ट III

सेवा ग्रादि के संकिप्त विवरण नीचे दिये गये हैं:-
मारतीय सेना भक्तावमी देहरादून में प्रवेश लेने वाले उम्मीदवारों:
के लिये:--

- 1. भारतीय सेना धकावमी में भर्ती करने से पूर्व :--
- (क) उसे इस धालय का प्रमाण पक्ष वेना होगा कि वह यह समझता है कि किसी प्रशिक्षण के दौरान या उसके परिणामस्यकप यदि उसे कोई बोट लग जाये या ऊपर निर्धिष्ट किसी कारण से या भ्रम्यचा धावस्यक किसी सर्जिकल धापरेणन या संवेदना हरण दवाओं के परिणामस्वकप उसमें कोई शारीरिक भ्रम्यसता धा जाने या उसकी मृत्यू हो जाने पर वह या उसके वैश्व उत्तराधिकारी को सरकार के विरुद्ध किसी मुधावजे या भ्रम्य भ्रकार की राहत का दावा करने का हक न होगा।
- (वा) उसके माता-पिना या संरक्षक को इस घाषय के बन्ध-पक्ष पर हुस्ताक्षर करने होंगे कि यदि किसी ऐसे कारण से को उसके नियक्षण में समझे आते हैं, उम्भीदबार पाट्यकम पूरा होने से पहले वापस धाना जाहता है या कमीकान घरणीकार कर देता है तो उस पर शिक्षा शुरुक, भोजन, वस्ल पर किये गए व्यय तथा दिये गये देतन और भले की कुल राशि या उतनी राशि को सरकार निश्चित करें उसे वापस करनी होंगी।
- 2. श्रांतिम कप से शुने गये उस्मीदवारों को लगभग 18 महीनों का प्रक्रिकण दिया जाएगा। इन्हीं उस्मीदवारों के नाम सेना प्रक्रिनियम के श्राधीन "जैटेलमैन कैडेट" के रूप में दर्ज किये आर्थेंगे। "जेंटलमैन कैडेट" पर साधारण श्रानुशासनात्मक प्रयोजनों के लिये भारतीय सेना श्रकादमी के नियम श्रीर विनियम नागु होंग।
- 3 यथिए, झावास, पुस्तकें, वर्दी, बोकिंग धौर विकिश्सा सहित, प्रिप्तिलय से वर्ष का पार सरकार वहन करेगी लेकिन यह धामा की खाती है कि उम्मीववार प्रपना वर्ष खुव वर्षस्त करेंगे। धारतीय सेना ध्रक्षावमी में (अम्मीववार का म्यूनतम मामिक व्यय 55.00 द० है प्रधिक होने की संमावना नहीं है)। यवि किसी कैकेट के माता-पिता या संरक्षक इस वर्ष को भी पूरा या घोषिक क्य में वर्षायत करेंगे ससमर्थ हों तो सरकार द्वारा उन्हें वित्तीय सहायता की खा सकती है। लेकिन जिन उम्मीववारों के माता-पिता या संरक्षक की मासिक भाय 500.00 द० या इससे प्रविक हो, वे इस वित्तीय सहायता के पाल नहीं होंगे वित्तीय सहायता की पालता निर्धारित करने के लिये अचल सम्मतियों भीर सभी साधनों से होने वाकी ध्राय का भी अचल सम्मतियों भीर सभी साधनों से होने वाकी ध्राय का भी अचल सम्मतियों भीर सभी साधनों से होने वाकी ध्राय का भी अचल सम्मतियों भीर सभी साधनों से होने वाकी

सबि उद्मीबवार के माता-पिता/संरक्षक कियी प्रकार की विसीय सहामता भारत करने के इक्कूक हों तो उन्हें धपने पुत्र/सरसित के पारतीय सेना धकावमी में प्रतिक्षण के लिये घंतिम रूप से चुने जाने के तुरन्त बाव धपने जिला के जिला मैजिस्ट्रेट के माध्यम से एक धावेयन-पक्ष वेना चाहिए जिसे जिला मैजिस्ट्रेट अपनी धनुष्ठन्या सहित पारतीय सेना धकावमी वेहराष्ट्रन के कमाण्येण्ट की धरीयत कर देगा।

4. भारतीय सेना प्रकारमी में प्रशिकाण के लिये शंतिम रूप से चूने गए उम्मीदवारों को भ्राने पर, कमार्थेंट के पास निम्नलिखित राशि जमा करानी होगी:--

(कः) प्रतिमास २० 55.00 के हिसाब से पांच महीने का जेव वर्ष

275.00

(बा) वस्त्र तदा उपस्कर की मदों के लिये

योग

800.00 -----1075.00

16-296GI/81

कम्मीदवारों को विलीय महायता मंजूर हो जाने पर उपर्युक्त राशि है मीचे लिखी राणि वापिम कर वी जाएगी:--

55.00 र॰ प्रतिमास के हिसाब से पांच महीने का वेश वर्ष 275.00 र॰

- भारतीय सेना धकावमी में निम्नलिखित छात्रवितयो उपलब्ध हैं:—
- (1) परजराम भाक पट्टबर्में कालवित्तः ---यह लालवित्तः महाराष्ट्र तबा कर्नाटक के कैन्टों को दी आंती हैं। इस लालवित्त की राजि पछिक से प्रियत 500,00 के प्रति वर्ष हैं जो कि कैन्टों को भारतीय सेना चकादमी में रहने की प्रविध के बीरान की जानी है बाग्तें कि लसकी प्रगति मंत्रोवजनक हो। जिन जम्मीन्वारों को यह लालवित्त मिलती है वे किसी चन्य सरकारी वित्तीय महायता के हकदार न होंगे।
  - (2) कमैल केंश्रल फेंक मैमोरियल छात्रवित्त :--इस छात्रवित्त की राणि 360/- भ्यम धृति वर्ष है घोर यह किसी हैंसे पाल सराहा कैंग्रेट को दी जाती है को किसी धतपूर्व मैनिक का पूल हो। यह छात्रवित्त सरकार में प्राप्त होने वाले किसी वित्तीय महायता के घतिरिक्त हीती हैं।
- 6. भारतीय मेना प्रकादमी के प्रायेक कैडेट के लिये सामाच्या प्रती के अन्तर्गत समय-समय पर लाग होने वाली वर्गों के अनुसार परिधाल मला प्रकादमी के कमांबेंट को सौंप दिया जाएगा। इस भले की को रकम वर्ष होगी वह:
  - (क) कैंदेट को कमीणन ने दिये जाने पर दे दी जाएगी।
  - (ख) यदि कैडेट को कमीणन नहीं दिया गया हो क्लो की यह एकम राज्य को बापस कर दी जाग्मी।

कमीजन प्रदान किये जाने पर इस मले से खरीटे गये बस्क तथा सम्य मावश्यक चीजें कैवंट की स्थाननगत सम्यान बस जाएगी। किन्तु यवि प्रशिक्षणाधीन कैवंट त्यागपंत्र दे वे या कमीजन से पर्व उसे तिकाल विया जाए या वापस क्षमा लिया जाए तो उपर्यक्त बस्तांचीं को उससे बापस के लिया जाएगा। इन कस्तांचीं का सरकार के सर्वोत्तम हित का बुटिशत रखते हुए निपटान कर विया जाएगा।

7. सामाध्यत: किसी उस्मीववार को प्रशिक्षण के वौरान त्यागपल देने की ग्रनमित नहीं थी जाएगी। लेकिन प्रशिक्षण के वौरान त्यागपल देने काले जेंटिलमैन कैंडेट को चल सेना मख्यालय द्वारा उनका त्यागपल स्वीकार होने तक घर जाने की ग्राजा दे दी जानी चाहिए। उनके प्रस्थान से पूर्व उनके प्रशिक्षण, घोजन तथा भम्बद्ध सेवाघों पर हीने वाले खर्च उनसे वसल किया जागगा। भारतीय सेना ग्रकावमी में उस्मीदवारों को घली किये जाने से पूर्व उनके माना-पिता/ग्रिभिष्मावकों को इस ग्राणय के एक बांब पर हस्ताकार करने होंगे। जिस जेंटलमैन कैंडेट को प्रशिक्षण का मम्पूर्ण पाह्यकम पूरा करने के योग्य नहीं समझा जाएगा उसे सेना मुख्यालय की ग्रनमित से प्रशिक्षण से हटाया जा सकता है। धन परिस्थितयों में सैनिक उम्मीदवार को ग्रपनी रेजिमेंट था कोर में वापिस पेज दिया जाएगा।

8 यह कमीणन प्रणिक्षण को सफलनाप्रवैक करने पर ही विया जायेगा। कमीणन देने की नारीश्व प्रणिक्षण की सफलनापूर्वक पूरा करने की तारीख से ग्रगले दिन से शुरू होगी। यह कमीशन स्थायी होगा।

9. इस्मीशन देने के बाद उन्हें सेना के नियमित श्रफसरों के समान वेतन और भले, पैंशन भीर छट्टी दी आयेगी तथा सेवा की श्रम्थ शर्ते भी वहीं होंगी जो सेना के नियमित श्रफसरों पर समय-समय पर लागृ होंगि।

#### चित्रकाण :---

10. घारमीय मेना प्रकादमी में ग्रामी कैंटेट को "जैंटलमैन कैंबेट" का शाम दिया जाता है तथा उन्हें 18 मास के लिये कड़ा सैनिक प्रशिक्षण विया जाता है ताकि वे इम्पैन्ट्री के उप यूनिटों का नेतृस्व करने के योग्य बन सकें। प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने के उपरांत जेंटलसैन कैडटों को सेक्षित्व नेपिटनेन्ट के कप में कमीशन प्रवान किया जाता है बन्नों कि एस० एक० ए० की० ई० एम० शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।

## सेवा की सर्ते --:

# (i) वेतन

<b>Cus</b>	वैतनमान
सेकिया नेपिटनेस्ट	750-790
<b>पे</b> फ्टिनेश्ड	830-950
<b>ई</b> प्तत	1100-1550
मेजर	1450-1800
सेपिटनेन्ट-कर्नेल (चयन <b>धारा)</b>	1750-1950
लेफ्टिनेन्ट कर्मल (समय वेतनमान)	1900 नियत
क्रमेल	1950-2175
क्रिमेडियर	2200-2400
मेजर जनरल	2500-125/2-2750
खेपिटनेस्ट जनरल	3000 प्रतिमास
लेपिटनेष्ट जनरल (बार्मी कर्मांबर)	3250 प्रतिमास

#### (ii) योग्यता, वेतन भौर मनुवान

क्षेपिटनेग्ट कर्मल धौर उससे नीचे के रैंक के कुछ निर्धारित योग्यता रखने वाले धिक्षारी धपकी योग्यताओं के प्राधार पर 1800 दंग, 2400 दंग, 4500 दंग धक्षा 6000 दंग के एक मुक्त धक्षान के हक्षवार हैं। उज्ञान प्रणिक्षक (वर्ग 'ख') दंग 70 की दर पर योग्यता वेतन के धिकारी होंगे।

#### III. पत्ते :---

- (iii) वेतन के अतिस्थित धफसरों को इस समय निम्नलिखित मसे मिलते हैं:--
  - (क) सिविलियन राजपिकत ध्रफसरों पर समय-समय पर लागू वरों धौर शतों के ध्रमुसार क्ष्मों भी नगर प्रतिकर तथा मंहनाई धले विग्रं जाते हैं।
  - (च) 50 २० प्रति मास की दर से किट प्रमुख्यण पत्ता।
  - (ग) भारत के बाहर सेवा करने पर ही प्रवास भक्ता मिलेगा। यह विदेश धन्ते की तदनुक्षी एकल दर का 25 प्रतिशत से 40 प्रतिशत तक होगा।
  - (ष) नियुक्ति भक्ता जब विवाहित प्रकारों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाता है जहां परिवार सहित नहीं रखा जा सकता है, तब वे प्रकार 70/- रु० प्रतिमास की वर से नियुक्ति भक्ता प्राप्त करने के हकवार होते हैं।
  - (ट) सज्जा भत्ता:--प्रारंभिक सज्जा भत्ता म० 1400 है। प्रथम कमीशन की तारीख से प्रत्येक सात वर्ष के बाद एक मये सज्जे मत्ते का बाबा किया जा सकता है।
  - (iv) तैनाती

थल सेना श्रफसर भारत में या विवेश में कहीं भी तैनात किये जा सकते हैं।

- (v) पदोक्षतिः
- (क) स्थाई पदोन्नतिः

उच्चतर रैंकों पर स्थाई पदोन्नति के लिये निम्नलिखित सेवासीमार्ये

# हैं :--

समय

नेपिटनेम्ड **६**प्टन

2 वर्षे कमीशन प्राप्त सेवा 6 वर्षे कमीशन प्राप्त सेवा

मेजर	13	पर्व	कभीसम	মাণ্ব	सेवा
मैजर से लेपिटनेग्ट कर्वल पवि					
चयन द्वारा परोक्षति न हुई हो	25	वर्ष	समीजन	माप्स	सेपा
थन ≛ारा					
नेपिटनेश्ट कर्वत	16	वर्ष	कमीशन	माप्त	धेवा
कर्तल	20	पर्व	कमीशन	प्राप्त	सेवा
विदेशियर	23	पर्व	कमीकन	प्राप्त	सेवा
मेजर जनरल	25	वर्ष	कमीशन	प्राप्त	सेवा
लेपिटमेन्ड जनरल	28	वर्ष	कमीशन	प्राप्त	सेवा
वनरस	<b>4</b> )	≠ ति	एक नहीं	1	

(था) कार्यकारी पदोक्रतिः

निम्निक्षित स्थानतम सेवा सीमाएं पूरी करने पर अपसर उच्चतर रैकों पर कार्यकारी पदोक्षति के लिये पाठ होंगे बगर्फ कि रिक्तियाँ उपलब्ध हों:--

€ंप्रम	3 वर्ष
मेजर	ठ वर्ष
नेपिटनेन्ड कर्नल	6- 1/2 <b>वर्ष</b>
कर्म स	8-1/2 वर्षे
<b>क्रिगेडियर</b>	12 वर्ष
मेजर जनरल	20 वर्षे
लेफ्टिनेन्ट जनरक्ष	25 वर्ष

(ख) भौसेना प्रकादमी को बीन में मर्नी होने वाले उम्मीदवारों के लिये:--

- 1. (क) को उम्मीयवार प्रकावमी में प्रशिक्षण के लिये धितम रूप से चन लिये जाएंने, उन्हें नौसेना की कार्यकारी शाष्टा में कंडेटों के रूप में नियुक्त किया जाएगा। उन उम्मीदवारों को भौसेना प्रकावमी कोषीन के प्रभारी ग्रफसर के पास निम्नलिखित राशि जमा करानी होगी।
- (1) जिन उम्मीदवारों ने सरकारी विर्तीय सहायता के लिये मावेबन-पक्ष नहीं विया हो:--
  - (i) 45,00 ध्यो प्रतिमास
     की दर से पांच मास के
     लिये जेश सार्च 225.00 द०
  - (ii) कपड़ों भीर सज्जा-सामग्री के

লিট্ 460.00 ত**্** জীক 685.00 ত**্** 

- (2) जिन उम्मीववारों ने सरकाशे विक्तीय सहायता के लिय प्रावेवन-प्रक विया हो
  - (i) 45.00 '० प्रति मास की वर से वो मास के जिटे जेंब वर्ष

90.00

(ii) चपक्षीं कीर सज्जा-सामदी के लिए जोक 460.00 550.00

- (क) (i) कृते हुए उम्मीवकारों को कैबंटों के रूप में नियक्त किया जाएगा तथा उन्हें नौसेना जहाओं होर प्रतिष्ठानों म सीचे दिया गया प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा:--
  - (क) दैवेट प्रशिवाण तथा 6 मास का शौकार्य प्रशिवाण-~1 वर्ष
  - (ख) मिक्रिपर्मैन नौकार्ये प्रशिक्षण 6 मास
  - (ग) कार्यकारी सब-नेपिटनेन्ट तकनीकी पात्यकम 12 मास
  - (६) मब-लेपिटनेन्ट:

उपयंक्त प्रशिक्षण पूरा होते के बाव, अधिकारियों को नीबहत निग-राती अंग्रेडी पूण प्रमाण पक्ष लेते के लियं भारतीय बौधनिक खहाओं पर नियुक्त किया जाएगा, जिसके लियं कम से कम 6 मास की ध्रविधि स्रावेभ्यक है।

- (ii) मौ-सेना प्रकारमी में कैडटों के लिये शिक्षण, प्रावास सीर संबद्ध सेवाफ्रों, पुस्तकों, वर्दी, मोजन समा क्षाक्टरी क्लाज का स्वर्ष सदकार वहन करेगी। किन्तू कैंडेटों के माता-पिता प्रमिभावकों को उनका जेब खर्च धीर निजी खर्च बहुन करना होगा। यदि कैबेट के माता-पिता/प्रभिभावकों की मासिक धाय 500 रु० से कम हो भीर वह कैडेट का जैस रार्थ पूर्णतया ग्रथवा श्रीमिक रूप से पूरा न कर सकते हों तो सरकार कैंडेट के लिये 55 ६० प्रति मास वित्तीय सहायता स्वीकार कर सकती है। वित्तीय महायता नेने का इण्छुक **अम्मीदबार धपने पूने जाने के बाद शीध्र ही धपने जिला** मजिस्द्रेट के माध्यम से ग्रावेदन-पन्न वे सकता है। जिला मजिस्ट्रेट उस प्रावेदन-पन्न को धपनी प्रनृष्टा के साथ मिवेशक, कार्मिक सेवा, नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली के पाम मेज देगा। यवि किसी माला-पिता /प्रभिभावक के दो भयवा उससे भ्रश्निक पुत्र या भ्राश्विस नौसेना जहाजों/प्रतिष्ठानों में साथ-साथ प्रापा-क्षण प्राप्त कर रहे हों तो उन सभी को साथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने की अवधि के लिये उपर्यक्त वित्तीय सहायता दी जा सकती है वशलें कि माता-पिता/ग्राभिभावक की मासिक ब्राय 600/- ४० से ब्रिकिस म हो।
- (iii) बाद का प्रशिक्षण भारतीय नौसेना के जहाजों भीर स्थापनाभी

  में भी उन्हें सरकारी खर्च पर विया जाता है। अकावमी छोड़ने
  के बाव उनके पहले छह मास के प्रशिक्षण के बौरान उन्हें
  उपयुक्त पैरा (ii) के अनुसार अकावमी में प्रशिक्षण प्राप्त
  करने वालों को मिलने वाली विनीय सहायता के समान
  सहायता दी जाएगी। भारतीय नौसेना के जहाजों और उनके
  प्रतिष्ठानों में छह मास का प्रशिक्षण प्राप्त कर लेने के बाव
  जिन कैडेटों की मिडशिपमैन के रैक में परोन्नित कर वी
  जाएगी भीर वे वेतन प्राप्त करने लगेंगे, तब उनके माता-
- (iv) कैबेटों को सरकार से निःशुल्क वर्दी मिलेगी किन्तु उग्हें इसके अलावा कुछ और कपड़े भी लेने होंगे। इन कपड़ों के सही नमने उनकी एक रूपता को सुनिश्चित करने के लिये, ये कपड़े मौसेना अकादमी में तैयार किये जायंगे तथा उनका खर्च कैबेटों के माता-पिता अधिभावकों को वहन करना होगा। वित्तीय सहायता के लिये आवेषन-पक्ष देने वाले कैबेटों को कुछ कपड़े निःशुल्क या उधार दिये जा सकते हैं। उग्हें कुछ विशेष कपड़े ही खरीबने होंगे।
- (v) प्रशिक्षण के दौरान सर्विस कैंडेटों को प्रपने मूल रैंक के वही वेतन घौर वही भत्ते मिलेंगे जो कैंडेटों के चूने जाने के समय नाविक या सेवक या प्रप्रेंटिस के पव पर काम करते हुए प्राप्त कर रहे होंगे। यदि उन्हें उस रैक में वेतन वृद्धि दी जानी हो तो वे उस वेतन वृद्धि को पाने के भी हकवार होंगे यदि उनके मूल रैंक का वेतन घौर मत्ते सीधे भर्ती होने वाले कैंडेटों को मिलने वाली वित्तीय सहायता से कम हों तथा वे उस सहायता को प्राप्त करने के पात हों तो उन्हें उपर्युक्त दोनों राशियों के झन्तर की राशि भी मिलेगी।
- (vi) सामान्यतः किसी कीडेट को प्रशिक्षण के दौरान त्याग-पत्त देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। जिस कैडेट को भारतीय वौसेना जहाजों और प्रतिक्टानों में कीसं पूरा करने के योग्य नहीं नमक्षा जाएगा उसे सरकार के अनुमोदन से प्रशिक्षण से वापस ब्लामा जा सकता है तथा उसे प्रशिक्षण से हटाया की जा सकता है। इन परिस्थितियों में किसी सर्विस कैडे

को उसकी मृल सर्विस पर वापस मेज विया जाएगा। जिस कैंडेट को इस प्रकार भिक्कण से हटाया जाएगा या मूल सर्विस पर वापस मेजा जाएगा, वह परवर्ती कोस में बुबारा दाखिल होने का पाल नहीं रहेगा। किन्तु जिल कैंडेटों को कुछ करणा-जन्म कारणों के झाधार पर त्यागपत्र देने की झनुमति दी जाती है उनके मामलों पर गुणावगुण के झाधार पर विचार किया जाता है।

- किसी उम्मीववार के मारतीय भौसेना में कैडेट चुने जाने से पूर्व माता-पिता/श्रमिभावक को:
- (क) इस झाशय के प्रमाण-पक्ष पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह भली भांति समझता है कि यदि उसके पुरु को या झाश्रित को प्रशिक्षण के दौरान या उसके कारण कोई चोट लग जाये या शारीरिक दुर्बलता हो जाए या उपपृंक्त कारणों या झन्य कारणों से चोट लगने पर किये गये झापरेशन से या झापरेशन के दौरान भूष्टित करने की कौषड़ि के प्रयोग के फलस्वरूप मृत्यु हो जाए हो उसे या उसके पुत्र या झाश्रित को सरकार से मुझावजा मांगने के वावे का या सरकार से झन्य सहायता मांगने का कोई हक नहीं होगा।
- (क) इस प्राध्यय के बांच पर हस्ताकार करने होंगे कि किसी ऐसे कारण से जो उनके नियंत्रण के प्रधीन हो, यदि उम्मीवबार पूरा होने से पहले बापस जाना थाड़े या यदि कमीशन दिये जाने पर स्थीकार न करे हो शिक्षा, शुरूक, मोजन, वस्त्र, बेतन तथा भर्ते, जो कैशेटों ने प्राप्त किये है, उनका मृख्य या उनका वह शंश जो सरकार निर्णय करे, शुकाने की जिम्मेवारी वह लेता है।

# 3. वेतन भीर मत्ते

(क) वेतन

•	वैतममान
रेक	सामाग्य सेवा
1	2
सि <b>ड</b> शिप <b>सै</b> न	560.00 रुपए
एक्टिंग सब-ने फिटनेन्ट	750.00 रुपए
सब-लेपिटनेस्ट	830-870 वेपए
ले <b>फ्टि</b> नेन्ट	1100-1450 रपए
लेपिटनेन्ट-कमोश्रोर	1450-1800 रुपए
कमाप्टर (चयन मान द्वारा)	1750-1950 ኣዋር
क्रमांकर (समय वेतनमान द्वारा)	1909.00 हैपए
	(नियतः)
<b>कैप्टन</b> ुं	1950-2400 ইপ্য
	(कसीबोर वह वैतन अप्त
	करता है जिसके लियं
	वह भैप्टन के रूप में
	वरिष्टता के प्राधार पर
	हकदार होता है।)
रियर ण्डमिरल	2500-125/2
	2750 रपए
बाध्स एडमिरल	3000 स्पर

# (ब) मतं

नेतन के प्रतिरिक्त प्रकसरीं को निम्नलिखित मत्तं मिलते 🗗:--

(i) सिर्वितियन राजपित ध्रभसरों पर समय-समय पर लागू वरों और मलों के अभूसार उन्हें भी नगर प्रतिकर तथा मंहगाई मला मिलता है।

- (ii) 50/- २० प्रतिमास की दर से फिट प्रभुरकाण मत्ता (कमोडोर रैंक के तथा उनसे भीचे के रैंक के प्रकारों को)।
- (iii) जब प्रकार भारत के बाहर सेवा कर रहा हो, तब शारित रैंक के भनुसार 50/- रुपए से 250/- रुपए तक प्रतिमास भवास भता।
- (iv) 70/- २० भित मास के हिसाब से इन प्रफसरों को नियमित इस्ता मिनेगा:--
  - (i) जिन विवाहित अफसरों को ऐसे स्थाकों पर दैनात किया जाएगा अहाँ वे परिवार सहित नदीं रह सकते।
  - (ii) जिन निवाहित प्रथमरों को प्राई० एन० जहाजों पर सैनात किया जाएगा प्रयंग जितनी प्रविष्ठ के लिए ने बेस पत्तनों से दूर जहाजों पर रहें।
  - (iii) जितनी प्रविध के सिये बंस पत्तकों से दूर अहाओं पर रहेंगे, उतनी प्रविध के सिथे उन्हें मुक्त राशन मिलेगा।
- टिप्पणी I:--उपर्यस्त के मलावा संकट के समय काम करने की राशि पनबुक्षी भत्ता, पनबुक्षी वेतन सर्वेक्षण, मातुतोदिक/अर्थता वेतन/अनुवान तथा गोताकोरी वेतन जैसी कुछ विशेष रियायत भी अकसरी को टी जा सकती है।

दिप्पणी II: -- धफसर पनड्डमी तथा विमानन सेवाओं के लिए इपभी सेवार्थे झर्पित कर सकते हैं। इन सेवाओं में तेवा के लिये चुने गये झफसर चड़े हुए वेतन तथा मर्सी को पाने के हकक्षार होते हैं।

#### 4 गदोन्नति

(क) समय देतनमान द्वारा मिडशिपमैन से एक्टिंग सब लेफ्टिनेस्ट तक 1/2 वर्ष ऐक्टिंग सब-नेपिटनेन्ट से सब लेफ्टिनेस्ट तक 1 वर्ष सब-नेपिटनेग्ड से नेपिट-ऐक्टिंग धीर स्वाई सब-नेपिटनेन्ट नेन्ट तक (वरिष्ठता के शाम/समपहरण के मधीन) रूप में 3 वर्ष नेपिटनेन्ट से नेपिटनेन्ट नेपिटनेन्ट के रूप में 8 वर्ष की कमोडोर तक वरिष्ठता लेफ्टिनेस्ट कमोडोर से 24 वर्ष की संगणीय कमीकोर तक (यदि चयन द्वारा पदोसति न हुई हो) कमीशन प्राप्त सेवा

(क) घयन द्वारा नेपिटनेस्ट कमीडीर छ कमोडीर तक

नेक्टिनेस्ट कमोडोर के रूप में 2-8 वर्ष की वरिष्ठता।

कमोडोर से कैप्यन तक कमोडोर के रूप में 4 वष वरिष्ठता।

कैप्टम से रियर एडमिरस और उससे अपर तड़

कोई सेवा प्रतिबन्ध नहीं।

5 तैमाती

बकसर भारत और विदेश में 🖟 भी तैनात किये

निदेशक कार्मिक सेवा नौसेना मुक्यालय, 110011 से प्राप्त की जा सकती है।

- (ग) प्रकसर ट्रेनिंग स्कूल में मर्ली होने वाले उम्मीदवारों के लिये :-
- इससे पूर्व कि उम्मीववार झफसर ट्रेनिंग स्कूल मद्रास, मद्रास में मर्टी हों:----
  - (क) उसे इस प्राथम से प्रमाण-पन पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह मली मांति समझता है कि उसे या उसके वैद्य बारिसों को सरकार से मुद्यावजे या अन्य किसी सहायता के धावे का कोई हक नहीं होगा, यदि उसे प्रशिक्षण के दौरान कीई बोट या शारीरिक वुवेंकता हो जाए या मृत्यु हो जाए या उपर्युक्त कारणों से बोट लगने पर किए गए प्रापरेशन या प्रापरेशन के धौरान मृष्टित करने की घौषित्र के प्रयोग के फलस्वक्रप ऐसा हो जाए।
  - (ख) उसके माता-पिता या धिममावक को एक बाज्य पर हस्ताक्तर करने होंगे कि किसी कारण से जो उसके नियंत्रण के ध्रधीन मात लिया जाए यदि उम्मीदवार कोर्स पूरा करने से पूर्व वापिस जाना बाहे या यदि दिये जाने पर कमीशन स्वीकार न करे या प्रफसर ट्रेनिंग स्कूल में प्रधिकाण प्राप्त करते हुए शादी कर ले तो उसे शिका, खाना, वस्त्र धीर वेतन तथा मत्ते जो उसने प्राप्त किये हैं, उनको लागत या उनका वह संत्र जो सरकार निर्णय करें, चुकाने के जिम्मेदार होंगे।
- 2. जो उम्मीवबार पंतिम उप से चुने जाएंगे उन्तु प्रकार द्रेनिंग स्कूल में सगमग 9 महीने का प्रशिक्षण कोर्स पूरा करना होगा। इन उम्मीववारों को "सना प्रधिनियम के प्रंतर्गत अन्दलमन कडेट" के उप में मामीकिल किया जाएगा। सामान्य प्रनुवासन की दृष्टि से ये जैन्छलमैन कैडेट धनसर द्रैनिंग स्कूल के नियमों तथा विनियमों के प्रस्तर्गत रहेंगे।
- 3. प्रशिक्षण की लागत जिसमें प्रावास पुस्तकें वर्दी व मोजम तथा चिकित्सा सुविधा शामिल है सरकार वहन करेगी भीर उम्मीववारों को अपना जेव चर्च स्वयं वहन करना होगा। कमीशन पूर्व प्रशिक्षण के दौरान स्मृततम 55 रु प्रतिमास से अधिक खर्च की संभावना नहीं है। किन्सु अपि उम्मीववार कोई कोटोप्राफी शिकार खेलना सैरसपाटा इत्यावि का कीक रखता हो तब उसे प्रतिरिक्त धन की प्रावश्यकता होगी। यदि कोई कैंबेट यह न्यूनतम व्यय भी पूर्ण या प्राशिक्ष कप में वहन नहीं कर सके तो उसे समय-समय पर परिवर्तनीय वरों पर इस हेतु वित्तीय सहायता वी आ सकती है बगर्त कि कैंबेट और उसके माता-पिता/अधिभावक की आय 500 दे प्रति मास से कम हो। वर्तमान धावेशों के प्रनुसार वित्तीय सहायता की दर 55 रुपए प्रतिमास है। जो उम्मीववार वित्तीय सहायता की दर 55 रुपए प्रतिमास है। जो उम्मीववार वित्तीय सहायता की दर 55 रुपए प्रतिमास है। जो उम्मीववार वित्तीय सहायता की कर 55 रुपए प्रतिमास है। जो उम्मीववार वित्तीय सहायता की दर 55 रुपए प्रतिमास है। जो उम्मीववार वित्तीय सहायता की वर 55 रुपए प्रतिमास है। जो उम्मीववार वित्तीय सहायता की कर 55 रुपए प्रतिमास है। जो उम्मीववार वित्तीय सहायता की कर 55 रुपए प्रतिमास है। जो उम्मीववार वित्तीय सहायता की कर 55 रुपए प्रतिमास है। जो उम्मीववार वित्तीय सहायता की कर 55 रुपए प्रतिमास है। जो उम्मीववार वित्तीय सहायता की कर 55 रुपए प्रतिमास है। जो उम्मीववार वित्तीय सहायता की कर 55 रुपए प्रतिमास है। जो उम्मीववार वित्तीय सहायता की कर 55 रुपए प्रतिमास है। जो उम्मीववार वित्तीय सहायता की कर 55 रुपए प्रतिमास है। जो उम्मीववार वित्तीय सहायता की कर 55 रुपए प्रतिमास हो। स्वत्तीय सहायता की वर्ष कर 55 रुपए प्रतिमास हो। स्वत्तीय सहायता की कर 55 रुपए प्रतिमास हो। स्वत्तीय सहायता की कर 55 रुपए प्रतिमास कर 55 रुपए प्रतिमास की के प्रतिमास की कर 55 रुपए प्रतिमास हो। स्वत्तीय सहायता की कर 55 रुपए प्रतिमास हो। स्वत्तीय सहायता की कर 55 रुपए प्रतिमास की कर 55 रुपए प्रतिमास हो। स्वत्तीय सहायता की स्वत्तीय सहायता की स्वत्तीय सहायता की

4. धफसर ट्रेनिंग स्कूल में अंतिम क्प से प्रशिक्षण के लिये कने गए उम्मीववारों को वहां पहुंचने पर कमॉबेंट के पास निम्नलिखित धन राशि कमा करनी होगी: ---

(क) 55.00 रु० प्रति मास की दर से वस महीने के लिये जेव आर्च

550.00 TO

(भ) वस्त्र तथा उपकरण के लिये

500.00 स्पक्ष

----

1050 .00

कड़ेटों की जिलीय सहायता स्वीकृत हो जाती है तो राणि में से (का) के सामने दी गई राणि वापस कर दी जाएगी।

 इ. समय-समय आरी किये गये ब्राइकों के ब्रम्तर्गत परिधान मला मिलेगा।

कमीशन मिल जाने पर इस मल से खरीवे गये बस्त तथा अध्य आवश्यक भीजें कैडेट की व्यक्तिगत सम्पत्ति बन जायेंगे। यदि कैडेट प्रशि-क्षणात्रीन अविध में त्याग-पल वे दे या उसे निकाल दिया जाए या कमीशन से पूर्वे वापस बुला लिया जाए तो इन वस्तुओं को उससे वापस ने लिया आएगा। इन वस्तुओं का सरकार के सथौत्तम हित को दृष्टिंगल रखते हुए निपटान कर दिया आएगा।

- 6. सामान्यतः किसी उम्मीदबार को प्रक्षिक्षण के टीरान त्याग-पत्न देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। नेकिन प्रक्षिक्षण प्रारम्भ हीने के बाद त्याग-पत्न देने वाले जिल्लिमैन कैबेटों की बल सेना मुख्यालय द्वारा उमका त्याग-पत्न स्वीकृत होने तक घर जाने की धाजा दी जा सकती है। प्रस्थान से पूर्व उनसे प्रशिक्षण भोजन तथा सम्बद्ध सेवाओं पर होने वाला खर्व बभूल किया जाएगा। अफसर प्रशिक्षण स्कूल में उम्मीदबारों को धर्ती किये आने से पूर्व उन्हें तथा उनके माता पिता/अधिकावकों को इस धानय का एक बांब भरना होगा।
- 7. जिस/जेंटलमैन कैंडेट को प्रशिक्षण का सम्पूर्ण कोर्स करने के योग्य नहीं समझा जाएंगा जसे सरकार की अनुमति से प्रशिक्षण से हटाया जा सकता है। इन परिस्थितियों में सैनिक उम्मीववार को उसकी रेजिमेंट कोर में वापस मेज दिया जाएंगा।
- 8. कमीशन प्रवान कर विये जाने भि बाद वेतन तथा भले पेंशन छुट्टी तथा भ्राप्य शेरवा शर्ते निम्न प्रकार होंगी।
  - 9. प्रशिक्षण
- 1. चुने बने चन्यीववारी को सेवा बधितियम के सन्तर्गत जैन्दलसैन कहेडी के क्य में चामोजित किया चाएगा तना ने अफसर ट्रेनिंग श्कृत में बगवग 9 नास तक प्रशिक्षण कोर्स पूरा करेंगे। प्रतिकाण सफलता पूर्वक करने के चन्दीत जैन्सलमैन केवेड को प्रतिकाथ के सफलतापूर्वक पूरा करने की तारीख से सेवेंड नेपिबनेन्त के बन पर मल्पकालिक सेवा कमीजन प्रवान किया जाता है।
  - 10 सेवा की नर्त
  - (क) परिजीका की मर्वाध

कमीक्षण प्राप्त करने की तारीख से प्रक्रमर 6 मास की भ्रवधि तक परिवीक्षाधीन रहेगा। यदि उसे परिवीक्षा की धविध के दौरान क्षमीक्षन धारण करने के भनुष्युक्त बताया गया तब उनकी परिवीक्षा धविध के समाप्त होने से पूर्व या उसके बाव किसी की समय उसका कमीक्षन समाप्त किया जा सकता है।

## (ख) तैनाती

भ्रत्यकालिक सेवा कभीशन प्राप्त करने पर उन्हें भारत या विदेश में कहीं भी गौकरी पर तैनात किया जा सकता है।

#### (ग) नियुक्ति की झवस्ति तथा पदोक्तति

नियमित यल सेना में अस्पकालिक सेवा कमीशन पांच वर्ष की अविधि के लिये प्रवान किया जाएगा को अफसर सेना में पांच वर्ष के अस्पकालिक सेवा कमीशन को अविधि के बाद सेनाम सेवा करने के अस्पकालिक सेवा कमीशन को अविधि के बाद सेनाम सेवा करने के इच्छुक होंगे यिव हर प्रकार से पान्न तथा उपयुक्ष पाए गए तो संबंधित नियमों के अनुसार उनके अल्पकालि सेवा कमीशन के अंतिम वर्ष में उनको स्वायी कमीशन प्रवान किए जाने पर विचार किया जाएगा। जो पाँच वर्ष की अविधि के दौरान स्वायी कमीशन प्रवान किए जाने की अर्थात महीं कर पाएंगे उन्हें पांच वर्ष की अविधि पूरी होने पर निमुक्त कर विया जाएगा।

# (न) नेतन और मसे

मरूपकालिक सेवा कमीशन प्राप्त धकसर वही वेतन भीर भर्ते प्राप्त चरेंगे को खेवा के नियमित धकसरों को प्राप्त होता है। सैकेण्ड लेपिटनेन्ट भीर लेपिटनेन्ट के वेलन की वर इस प्रकार है.---सैकेण्ड लेपिटनेन्ट---750-790 द० प्रति भास। चैपिटनेन्ट---830-950 द० प्रति मास। तथा मन्य मने जो नियमित मफनगरों को मिलते हैं।

# (छ) छुट्टी

घुट्टी के संबंध में ये प्रफासर प्रस्पकालिक सेवा कमीक्षन धफसरों के लिये, कागू नियमों से भासित होगे जो सेना प्रवकाश नियमावली कण्ड-1 यस सेना, के प्रभाय पांच में उल्लिखिस है। वे धफसर ट्रेनिंग स्कूल के पासिंग प्राउट करने पर तथा डयूटी ग्रहण करने से पूर्व उक्त नियम 91 में दी गई व्यवस्थायों के धनुसार भी छुट्टी के हकवार होंगे।

# (च) कमीशन की समाप्ति

ग्रस्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त ग्रफ्तर को पांच वर्ष सेवा क्षरती होगी किन्तु भारत सरकार निम्नतिखित कारणों से किसी भी समय उसका कभीशन समाप्त कर सकती है --

- (i) ग्रमभार करने या ग्रसंतोषजनक रूप से या सेवा करने पर; या
- (ii) स्वास्प्य की दृष्टि से अयोग्य होने पर;
- (iii) उसकी सेवाओं की ओर अधिक भावश्यकता न होते पर या
- (iv) उसके किसी निर्धारित परीक्षण या कोर्स में अहुंसा प्राप्त करने में धसफल रहने पर।

तीन महीने का नोटिस देने पर किसी प्रकार की करणाजस्य कारणों के बाधार पर कमीकन से त्याग-पन्न देने की प्रनुमति दी जा सकती है। किन्तु इसकी पूर्णन निर्णायक भारत सरकार ही होगी। करणाजस्य कारणों के बाधार पर कमीकन से त्यागपन्न देने की सनुमति प्राप्त कर कीने पर कीई प्रकार सेवांत उपदान पाने का पान नहीं होगा।

# (छ) वेंशन साध

- (i) ये धनी विचाराधीन है।
- (ii) ग्रस्पकालिक सेवा कमीशन ग्रफसर 5 वर्ष की सेवा पूरी करमें पर 5000.00 का सेवांत उपवान पाने के हककार होंगे।
- (ज) रिजवं में रहने का दायित्व

5 वर्ष की घल्पकालिक सेवा कमीशन सेवा या बढ़ाई गई कमीशन सेवा पूर्ण करने के बाद से 5 वर्ष की घवधि के लिय या 40 वर्ष की बायुतक, जो भी पहले हो, रिअर्व में रहेंगे।

# (क्ष) विविधि:----

सेवा संबंधी अन्य सभी मार्ते जब तक उनका उपयुक्त उपबंधों के साथ भेव नहीं होता है वही होंगी जो नियमित अफसरों के लिये लागू हैं।

(च) बायु सेना भकादमी में प्रवेश लेने वाने उम्मीदवाशें के लिये

# 1. अयम :--

सारतीय नायु सेना की उड़ान शाखा (पाडलड) में वो प्रकार से वर्षीं की जाती है। प्रथीत् संघ लोक सेना धायोग के माड्यम से बायरेक्ड एम्ट्री बीर नायु स्कंब वरिष्ट प्रभाग के माड्यम से एन० सी० सी०।

(क) डायरेक्ट एस्ट्री--धायोग लिखित परीका के ब्राह्मर पर चयन करता है, ये परीक्षाएं एक वर्ष में सामान्यतः वर्ष में दो बार ब्रीर मई ब्रीर नवस्वर में भी जाती हैं। सफल उम्मी-ववारों को वायु छेना थयन कोई के सामने परीकाण ब्रीर साखारकार के लिये भेजा जाता है।

- (क) एम० सी० सी० के माध्यम से प्रवेश '--- राष्ट्रीम कैंडेट कोर महानिवेशक द्वारा विभिन्न एन० सी० सी० यूनिटों के माध्यम से एम० सी० सी० सी० सी० सी० सामितित करके उन्हें वायु सेना मुख्यालय को ध्रप्रसारित कर विधा जाता है। पाछ उम्मीदवारों को परीक्षण धीर साक्षात्कार के लिये वायु सेना वयम बोर्ड के सामने प्रस्तुत होने का निवेश विधा जाता है।
- 2. प्रिषिक्षण पर मेजना बायु सेना चयन बोर्ड द्वारा अनुसंक्षित भीर उपयुक्त चिकिस्सा प्राप्तिकरण द्वारा गारीरिक रूप में स्वस्थ्य पाये जाने वाले उभ्मीववारों को वरीयता तथा उपलब्ध रिक्तियों की संख्या के माधार पर प्रशिक्षण के लिये मेजा जाता है। डाइरेक्ट एल्ट्री उम्मीववारों की वरीयता सूची संख लोक नेवा प्रायोग द्वारा तैयार की जाती है धौर एन० सी० सी० उम्मीववारों की वरीयता सूची प्रलग से तैयार की जाती है। डायरेक्ट एल्ट्री उद्धान (पाइलट) उम्मीववारों की वरीयता सूची सं० ली० से० प्रा० द्वारा लिखत परीक्षण में उम्मीववारों के प्राप्ताकों सं० ली० से० प्रा० द्वारा लिखत परीक्षण में उम्मीववारों के प्राप्ताकों स्वा वायु सेना चयन बोर्ड में प्राप्त धंकों को जोड़कर तैयार की जाती है। राष्ट्रीय कैंडेट कोर के उम्मीववारों की वरीयता सूची उनके द्वारा बायु सेना चयन बोर्ड में प्राप्त धंकों के प्राधार पर तैयार की जाती है।
- 3. प्रशिक्षण: वायु सेना अकावनी में उड़ान साखा (पाडलट) के लिये प्रशिक्षण की अवधि व लगभग 75 सप्ताह होगी।
- 4 भविष्य में प्रवेशित की संभावनायें -- प्रशिक्षण की सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद उम्मीदवारों की पाध्लट प्रफसर का रैंक दिया जाता है भीर वे उसी रैंक के वेतन तथा मसे प्राप्त करने के हकदार ही जाते हैं। वर्तमान दरों के प्राधार पर, उड़ान शाखा के प्रधिकारियों की लगमग ए० 1575/- प्रिन माह मिलते हैं जिसमें उड़ान वेतन २० 375/- प्रिन माह भी सम्मिलित है। बायु सेना का भविष्य बहुत उज्जवल होता है यद्यपि विभिन्न शाखाओं में इस प्रकार की सभावनामें ग्रलग-प्रलग होती हैं।

भारतीय वायु मेना में दो प्रकार से पदोलति होती है अर्चात् कार्य-कारी रैंक प्रवान करके और स्थाई रैंक प्रदान करके प्रत्येक उज्ज्व रेंक के लिये भतिरिक्त परिलक्षियां निर्धारित हैं। रिक्तियों की मंख्या पर भाषारित हर एक को उच्च कार्यकारी रैंक में पदोल्लित प्राप्त करने के भज्छे भवसर मिलते हैं। स्वयेकृन लीकर और विंग कमांकर के रैंक में समय वेतनमान पदोल्लित उकान (पाइलट) माखा में कमशाः 11 वर्ष की तथा 14 वर्ष की सफल सेवा पूरी करने के बाद की जाती है। विंग कमांकर और उससे ऊपर के उज्वतर पदों में पदोल्लित विधिवस् गठित पदोल्लित बोर्कों द्वारा चयन के आधार पर की जाती है। उदीयमान श्रांधकारियों के लिये पदोल्लित के भज्छे भवसर होते हैं।

वेतन तथा मत्ते:---

मूल रैक	उड़ान शासा
	<b>T</b> o
पा <b>ध्सट भ्रक</b> सर	825-865
पलाइट प्रकसर	910-1030
पक्षाचुंग स्नेपिटनेन्ट	1150-1550
स्कोडून जीवर	1450-1800
विंग कमांबर	1550-1950
ग्रुप छैप्टन	1950-2175
एझर कमोडोर	2200-2400
एमर वाइस मार्थल	2500-2750
एमर मार्थल	300-

मंहगाई तथा प्रतिकर भर्ते :-- अधिकारियों को ये भर्ते भारत सरकार के सिविलियन कर्मचारियों को लागू होने वाली शर्तों के अंतर्गत की गई दरो पर मिलते हैं। किट अनुरक्षण भक्ता:--६० 50/- ;प्रति साह; उड़ान वेतन; उड़ान शाखा के अधिकारी निम्नलिखित वरीं पर उड़ान वेतन प्राप्त करने के हकवार होते हैं।

विंग कमोडर और उससे नीचे रु 375.00 प्रति माह ग्रुप नैस्टन भीर एमर कमोडोर रु 333.33 प्रति माह एमर वाइस मार्गल भीर उससे

कपर रु० 300.00 प्रति माह

बीग्यता वेतन .--कमीशन सेवा के दो या दो से स्रिधक वर्ष पूरा करने वाले विग कमांवर धीर उससे नीचे के रैंक के अधिकारियों को विश्विकट बीग्यताओं के लिए निर्धारित वरों पर योग्यता वेतन/अनुदान प्रवान किया जाता है। योग्यता वेतन की दर २० ७०/- और २० १००/- है और अनुदान २० ६०००/- २०, 450०/- २०, 240०/- और २० १६००/- है।

प्रवास भत्ता :— अहा वासु सेना अधिकारियों को दुकड़ियों के रूप में रखा जाना अपिकात होता है। उस देशों में नियुक्त एक तृतीय सचिव. दिसीय सचिव, प्रथम सचिव कन्सूलर को विए जाने वाले विदेश भर्ते का 25 प्रतिशत से 40 प्रतिशत तक (पारित रैंक के अनुसार) प्रवास भत्ता देव होता है।

नियुक्ति भत्ता :--ऐसे विवाहित अधिकारी जिनकी नियुक्ति युनिट में होती है। गर परिवार स्टेमन स्थित/सरकार आरा अधिस्थित ऐसे स्थान जहां अधिकारियों को परिवार को साथ रखने की अनुमति नहीं होती है छन्हें २० 70/- प्रतिमास की दर से नियुक्ति भत्ता दिया आएगा।

परिधान मत्ता :--पर्वी/उपस्कर को कि प्रत्येक श्रविकारी को ग्रवश्य रखनी पड़ती है उसके मृत्य के बदले में दिया जाने वाला प्रारम्भिक परिज्ञान मत्ता क 1400/- है (समय-समय पर इसमें मंशोधन किया जाता है) नवीकरण के लिए हर साल साल के बाव ठ० 1200/- विए जाएंगे। कैम्पकिट कमीशन प्रदान करते समय मुक्त दी जाती है।

# 6. छुट्टी भीर भवकाश याका रियायत भत्ता

वार्षिक सबकाश : वर्ष में ६० दिन

ग्राकृत्मिक ग्रवकाश : वर्थ में 20 विन : एक बार में 10 विन से मधिक नहीं।

कसीशन प्राप्त करने के एक वर्ष के बाद जब भी भविकारी वार्षिक बाकस्मिक बवकाश लेंगे वे तथा उनके परिवार के सदस्य मुफ्त सवारी के हकदार होंगे चाहे भवकाश की भविध कुछ भी क्यों न हो । जनवरी 1971 से प्रारम्भ होने वाले दो वर्षों के ब्लाक में एक बार अधिकारी भपने बयूटी स्थान (यूनिट) से घर तक माने के लिए नि शुल्क सवारी वाहन के हकदार होंगे। जिस वर्ष इस रिमायत का उपयोग नहीं किया जायगा तो उस वर्ष उमे पश्नी सहित 965 कि ० मी० के रास्ते के लिए धारी भीर जाने वोनों तरफ की स्विधा पाने के हकदार होंग।

इसके धातिरिकत जड़ान भाषा के धाधकारियों को, जो प्राधिकृत स्थापना में रिक्तियों को भरने के लिए नियमित उड़ान इयूटी पर तनात होते हैं, धावकाश लेने पर वर्ष में एक बार वार्ट पर 1600 कि० मी० की दूरी को तय करने के लिए रेख द्वारा उपयुक्त क्लास में मुक्त याजा करने की सुविधा होगी इसमें धाने धौर जाने की याजा सम्मिलत होगी।

जो ग्राधिकारी छुट्टी लेकर ग्रंपने खर्च से याक्षा करने के इच्छुक हैं के कलेल्थर वर्ष में तीन बार परनी तथा बच्चों के रेल द्वारा प्रथम श्रेणी के किराए का 60 प्रतिशत भृगतान करके यात्रा करने के हक्ष्यार होंगे। इसमें एक बार पूरे परिवार के साथ यात्रा की मुक्किश दी जाएगी। परिवार में परनी तथा बच्चों के ग्रलावा ग्राधिकारी पर पूर्णत्या ग्राधित याता-पिता, बहुनें ग्रीर नाजालिक भाई शामिल होंगे।

सेवा तिवृत्ति के समय	श्रहीक :	सेधा	निक् <b>लि</b>	रेंशन की मा	नक
रॅंक (स्थायी)	की श्य घ	(नतम विधि		दर	
			 	रु० प्रति	माह
पाइलट अफसर फ्ला	्गं स्रप्रस	₹.	20 वर्ष	525	"
पाइलट में फिटनेंट			20 वर्ष	750	"
स्क्षेक्षन लीडर			22 वर्ष	875	"
विग कमोडर (समय ह	तिनमान	)	26 वर्ष	925	"
विग कमांबर सलैक्टि		•	24 धर्ष	950	"
प्रव क <sup>रे</sup> प्टन .			26 वर्ष	1100	"
एयर कमोबोर			28 वर्ष	1175	)1
एयर बाह्स मार्गल			30 वष	1275	"
एयर मार्शल			30 वर्ष	1375	"
एयर चीफ मार्गल			30 वर्ष	1700	*1

# 8. सेवा निवृत्ति उपवान

राष्ट्रपति की विविधा पर सेवा निवृत्ति उपवान निम्नलिखित है :--

- (क) 10 वर्ष की सेवा के लिए ---रु० 12,000/- जिसमें से कृषिळले रैंक के केंद्र महीने का वेतन घटाकर ।
- (ख) प्रत्यक धतिरिक्त वय के लिए---६० ३ 200/- जिसमें से पिछले रैंक के 1/4 महीने का बेतन धटाकर ।

पेंक्सन या उपवान के प्रतिरिक्त प्रत्येक छः महीने की प्रविध की प्रहेक सेवा के लिए कुल परिलब्धियों के बीधाई के बराबर मृश्यु धौर सेवा निवृक्ति उपवान देय है जो कि परिलब्धियों का 16 1/2 गुणा होगा धौर २० 30,000 से प्रधिक नहीं होगा।

सेवा में रहते १ए मृत्यु हो जाने पर मृत्यु और सेवा निवृत्ति उपदान निम्नलिखित रूप से होंगे।:---

- (क) सेवा के पहले वर्ष यवि मृत्यु हो जाए तो दो महीने का वेतन;
- (का) यि एक वर्ष की सेवा के बाद तथा पांच वर्ष की सेवा से पहले यदि मृत्यु हो जाय तो छः महीने का वेतन; श्रीर
- (ग) पांच वर्ष की सेवा के बाद मृत्यू हो जाय तो जाम से कम12 महीने का बेतन।

विकलायता पेंशन और बन्नों और भाश्रितों (माता-पिना, बहिन तथा भाई) को विशय परिवार पेंशन पुरस्कार मी निर्धारित नियमों के अनुसार वेस हैं।

#### 9. ग्रन्य सुविधाएँ

प्रधिकारी तथा उनके परिवार नि शृत्क विकित्सा सहायता, रियायती वर पर भावास, श्रुप बीमा योजना सुप झानास योजना, परिवार सहायता योजना, कटीन सुविधामी मादि के हकदार हैं।

#### परिधिष्ट-IV

संविधान (धनुसूचित जातियां) भादेश 1950\* संविधान (धनुसूचित जनजातियां) भादेश 1950\* संविधान (धनुसूथित जातियां) (संध राज्य क्षेत्र) धावेश 1951 संविधान (धनुसूथित जनजातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) धावेश 1951 (धनुसूथित जनजातियां ध्रीय धनुसूथित जनजातियां सूथियां (संशोधन) धावेश 1956 वश्वदे पुनर्गठन धावित्रयम 1960 पंजाव पुनर्गठन-धावित्रयम 1966 हिमाचल प्रवेश राज्य धावित्रयम 1970 धोर जलर-पूर्वी लोश (पुनर्गठम) धावित्रयम 1971 धौर धनुसूथित जातियां तथा धनुसूथित जन जातियां धावेश (संशोधन) धावित्यम 1976 द्वारा यथा संशोधित)

संविधान (जम्मू और काश्मीर) प्रमुस्थित आतियां प्रावेश 1956। संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) प्रमुस्थित जनजातियां भावेश 1959 प्रमुस्थित जातियां तथा प्रमुस्थित जनजातियां प्रावेश (संशोधन) प्रधिनियम 1976 द्वारा यथा संगोधित।

संविधान (दावरा धौर नागर हवेसी) धनुसूचित जातिया धादेश 1962।

संविधान (वावरा धीर नागर हवेजी) धनुसूचित जनजातियां धावेश 1962 \*।

संविधान (पांडिकेरी) अनुसूचित जातियां आयेश 1964।\*
संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (छत्तर प्रवेश) आयेश 1967।\*
संविधान (गोधा वमन और धीव) अनुसूचित जातियां आयेश

संविधान (गोम्रा वसन भीर दीव) अनुसूचित जनजातियां आवेश 1968।\*

संविधान (नागालेण्ड) धनुसूचित जन जातियां घावेश 1970।\* संविधान (सिनिकम) धनुसूचित जाति घावेश 1978।\* संविधान (सिनिकम) अनुसूचित जन जाति घावेश 1978।\*

राज्य/संघ<sup>क</sup> राज्य क्षेत्र ......में रहता है।

(कार्यालय की मोहर के साथ राज्य/संज<sup>‡</sup> राज्य के को

तारीच ...... \*ओ शभ्य सागृत हों उन्हें क्रपया काट दें।

स्पान

नोट.--यहां "झाम तौर से रहता है" का मच वही होगा जो "रिप्रोजेंटियान भाष्त वि पीपुल एक्ट 1950" की भारा 20 में है।

\*\*जाति/जनजाति प्रमाण-पन्न जारी करने के लिमे सक्रम मिक्रकारी

- (i) जिला मजिस्ट्रेट/मिसिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट/कलकटर/बिस्टी कमिश्तर/एडिक्सल बिस्टी कमिश्तर/बिस्टी कलक्टर/प्रथम खेजी का स्टाइपेंडरी मजिस्ट्रेट/सिटी मजिस्ट्रेट<sup>®</sup> सब डिबीजनल मजिस्ट्रेट/शांश्लुक मजिस्ट्रेट/एकजीक्यूटिब मजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा ससिस्टेंत कमिश्तर।
- (प्रथम श्लेणी के स्टाइपेंडरी मिजिस्ट्रेट से कम ब्रोहदे का नहीं)।
- (ii) श्रीफ प्रेसीबेंसी मजिस्ट्रेट/एडिशनल श्रीफ प्रेसीबेंसी मजिस्ट्रेट/ प्रेसीबेंसी मजिस्ट्रेट।
- (iii) देवेच्यू प्रफसर जिनका क्रोह्या तहसीलवार से कम न हो।
- (iv) उस इलाफे का सब-डिवीजनल अफसर जहां उम्मीववार भौर/ या उसका परिवार भामतीर से खुता हो।
- (v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेबलपर्येट धफसर (सक्षद्वीप)।

परिशिष्ट-V

#### ६४ लोक सेवा घायोग

# उम्मीववारों को सूचनार्थं विवरणिका

# (क) वस्तुपरक परीक्षण---

ग्राप जिस परीका में बैठने वाले हैं वह "बस्तुपरक परीकाण" होगा। इस प्रकार की परीका (परीकाण) में ग्रापको उत्तर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रका (जिसको ग्रामे प्रकाश कहा जाएगा) के लिये कई सुझाए गए उत्तर (जिसको ग्रामे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) विये जाते हैं। उनमें से प्रत्येक प्रकाश के लिये ग्रापको एक उत्तर चून लेना है।

इस जिवरणिका का उद्देश्य भापको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित्त न होने के कारण भापको कोई हानि न हो।

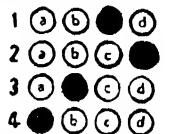
# (ब) परीकाण का स्वकप

प्रथन पत्न परीक्षण 'पुस्तिका के कथ में होंगे। इस पुस्तिका में क्रम संक्ष्मा 1 2 3~ - क्षांवि के कम से प्रकाश होंगे। हर प्रथनांश के शीक्षे ए, बी, सी, बी, बिह्न के साथ सुझाए गए प्रत्युत्तर लिखे होंगे। झापका काम एक सही या यदि झापको एक से झिक प्रत्युत्तर सही लगे तो उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का खुनाव करना होगा। (झन्स में विये गये नमूने के प्रथनांश देख लें)। किसी भी स्थिति में प्रत्येक प्रथनांश के लिये भापको यही प्रत्युत्तर का खुनाव करना होगा। यदि झाप एक से झिक खुन लेते हैं तो झापका प्रत्युत्तर गलत माना जाएगा।

# (ग) उत्तर देने की विधि

परीक्षा भवन म सायको सलग एक उत्तर पत्रक दिया जाएगा। सायको अपने प्रत्युत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्रक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गये उत्तर नहीं जीवे जाएंगे।

उत्तर पत्रक (जिसकी एक तमुना प्रति धापको प्रवेश प्रमाण-पत्न के साथ भेजी जाएगी) में प्रश्नीकों की संख्याएं 1 से 160 तक बाद खंडों में छापी गई है। प्रश्मेक प्रश्नीक के सामने ए०, बी०, सी, बी० चिह्न बाने भूताकार स्थान छये होते हैं। परीक्षण पुस्तिका के प्रयोक प्रश्नीक को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन साप्रस्पुत्तर सही या सर्वोत्तम है आपको उस प्रस्पुत्तर के ध्वार वाले बृत्त को वेंसिल से पूरी तरह ध्वाय बना कर उसे धिकत कर देना है बैसा कि (धापका उत्तर रहनि के जिय) नीचे विवाया गया है। उत्तर पत्रक के बृत्त को काला बनावे के लिये स्थाही का ध्योग नहीं करना चाहिए।



यह जकरी है कि --

- प्रश्नांकों के उत्तरों के किये केवल घच्छी किस्म की एच० बी० पिसल (पेंसिकों) ही लाएं भीर उन्हीं का प्रयोग करें।
- 2. गजत निकान को बवजने के लिये उसे मिटाकर फिर से सही उत्तर पर निजान लगा थ। इसके लिये ग्राप धपने साथ एक रवड़ भी लाए।
- उत्तर पक्षक का उपयोग करते समय कोई ऐसी घसावधानी नहीं हो जिससे वह कट जाए या उसमें मुद्द व सिजवट घादि पढ़ आए या खराब हो आए।

# (घ) कुछ महस्वपूर्ण विनियम

- भ्रापको परीक्षा भारंम करने के लिये निर्धारित समय से बीस मिनद पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा भीर पहुंचते ही श्रपना स्थान भ्रहण करना होगा।
- परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी की परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
- परीक्षा गुरू होने के बाव 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की ग्रनुमिन नहीं मिलेगी।
- 4. परीक्षा समाप्त होने के बाद परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पक्ष निरीक्षक/पर्यवेकक को सौंप वें। आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ने जाने की अनुमति नहीं है। इस नियम का उल्लंघन करने पर कड़ा वंड दिया जाएगा।
- 5. श्रापको उत्तरपत्नक पर कुछ विवरण परीक्षा भवन में भरता होगा धापको कुछ विवरण उत्तर-पत्नक पर कृटबद्ध भी करना होगा। इसके बारे में श्रापके पास ग्रमुदेश प्रवेश प्रमाण पत्न के साथ भेजे आएंगे।
- 6. परीक्षण-पुस्तिका में दिए गए सभी अनुदेश आपको सावझानी से पढ़ने हैं। इन अनुदेशों का सावआगी से पालन न करने से आपके गंबर कम हो सकते हैं। अगर उत्तर पळक पर कीफ प्रविध्धि संदिग्ध है तो उस प्रकांक के प्रत्युत्तर के लिये आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी लाग को आरम्भ या समाप्त करने को कों तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।
- 7. आप प्रपत्ता प्रवेश प्रमाण-पत्त साथ लाएं आपको अपने साथ एक एक वी० पेंसिल, एक रबक, एक पेंसिल शार्षनर और नीली या काफी स्याही वाली कलम भी लानी होगी। आपको सलाह थी जाती है कि आप अपने साथ एक-एक किलप बोर्ब या हार्ब बोर्ब या कार्ब बोर्ब भी लाएं जिस पर कुछ लिखा न हो। आपको परीक्षा भवन में कोई खाली कागज या कागज का दुकड़ा या पैमाना या आरेखण उपकरण महीं लाने हैं क्योंकि उनकी अकरत नहीं होगी। मांगने पर कच्चे काम के लिये आपको एक अलग कागज दिया जाएगा। आप कच्चा काम या शुरू करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम प्रपत्ता रील नम्बर और परीक्षण की तारीखा लिखें और परीक्षण समान्त होने के बाव उसे अपने उत्तर प्रकृष के साथ परीक्षक को वापस कर हैं।

# **छ. विशेष ध**र्वेश

परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाने के बाव निरीक्षक आपको उत्तर पत्नक वेंगे। उत्तर पत्नक पर अपेक्षित सूचना धर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका हैंगे। परीक्षण पुस्तिका मिलने पर आप यह अवश्य देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है अन्यया, उसे बदलवा लें। आपको परीक्षण पुस्तिका तब तक खोजने की अनुमति नहीं हैं जब तक पर्यवेक्षक ऐसा करने के लिये न कहें।

# (च) कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य प्रापकी गांत की अपेका शुक्कता की जांचता है फिर भी यह जरूरी है कि आप प्रपत्ने समय का यथासंभव दक्षता से उपयोग करें। संसुलन के साथ प्राप जितनी जल्दी काम कर सकते हैं, करें पर आपरवाही न हों। आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाने हों तो चिंता न करें। प्रापकों को प्रश्न अर्थन कठिन माल्म पड़े उन पर समय अपर्थं न करें। तूसरे प्रश्नों की भ्रोर बर्वे भीर उन कटिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्तांशों के अंक समान होंगे। उन सभी के उत्तर दें। आपके द्वारा अकिन नहीं प्रत्युत्तरों की संख्या के आधार पर ही आपको अंक दिए आएंगे। गलन उत्तरों के लिये अंक नहीं कार्ट आएंगे।

17-296GI/81

# (छ) परीक्षण का समापनः

जैसे ही पर्यवेक्षक प्रापको लिखाना बंद करने को कहें, प्राप लिखाना बंद कर वें। प्राप ग्रपने स्थान पर तब तक दैने रहें जब तक निरीक्षक प्रापके पास प्राकर ग्रापसे सभी भावश्यक वस्तुएं ने जाएं भीर प्रापको हाल छोड़ने की ग्रनुमित वें। ग्रापको परीक्षण-पुस्तिका भीर उत्तर पक्षक तथा कक्ने कार्य का कांगज परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की ग्रमुमित नहीं है।

# नमूने के प्रक्रनांश (प्रक्रन)

(नोट--\*सही/सर्थोत्तम उत्तर-विकल्प को निर्विष्ट करता है)

#### 1. सामान्य प्रध्ययन

बहुत अंचाई पर पर्वतारोहियों के नाफ तथा भान से निम्नलिखित में से किस भारण से रक्त स्नाव होता है?

- (a) रक्त का दाव वायुमंत्रल के दाव से कम होता है।
- \*(b) रक्त का दाव वाशुभवल के दाव से ग्रधिक होता है।
- (c) रक्त वाहिकाओं की अन्वस्ती तथा बाहरी शिराओं पर दाब समान होता है।
- (d) रक्त का दास वायुमंडल के वास के अभुक्प घटता सक्रता है।

# 2. (東陣)

ग्ररहर में फुलों का अवना निम्नलिखित में से किस एक उपाय से कम किया जा सकता है?

- \*(a) वृद्धिः नियंत्रक द्वारा सिङ्काव
  - (b) दूर दूर पीधे लगाना
- (c) सभी ऋतु में पौधे लगाना
- (वै) योदे थोडे फासले पर धौधे लगाना

# 3. (रसायन विज्ञान)

H<sub>3</sub>VO<sub>4</sub> का एनड्राइड निम्नलिखित में से क्या होता है?

- (a) VO<sub>3</sub>
- (b) VO<sub>4</sub>
- (c)  $V_2O_3$
- \*(d) V<sub>2</sub> O<sub>5</sub>

# 4. (प्रचेतास्त्र)

श्रम का एकाधिकारी शोधण निम्मिलिखित में से किस स्थिति में होता है?

- \*(a) सीमांत राजस्व उत्पाद से मजदूरी कम हो?।
- (b) मजदूरी तथा सीमांस राजस्व उत्पाद ध दोनों बराधर हों।
- (c) मजदूरी सीमांत राजस्व उत्पाद से धिक हो।
- (d) मजबूरी सीमीत भौतिक उत्पाद के बराबर हो।

# (वैद्युत् इंश्रीनियगी)

एक समाक्ष रेखा को प्रयोक्षिक परावैद्युतीक 9 के पैरावैद्युत से सम्पूरित किया गया है। यवि C मुक्त धन्तराल में संचरण वेग दर्शाता है तो लाइन में संचरण का देग क्या होगा?

- (a) 3C
- (b) C
- \*(c) C/3
  - (d) C/9

#### 6. (भू-विज्ञान)

बेसाल्ट में प्लेजियोक्लेस क्या होता है?

- (a) प्राक्षिगोक्लेज
- \*(b) जैबटेडोराइट
- (c) एल्बाइट
- (d) एनायाँ**इ**ठ

# 7. (गणित)

मूल बिन्तु से गुजरने वाला भीर  $\frac{d^2y}{d\times^2} = \frac{dy}{d\times} = 0$  समीकरण को संगत रखने वाला बक-परिवार निम्निजित में से किस से निजिन्छ है?

- (a) y = ax + b
- (b) y=ax
- (c)  $y=ae^x+be^{-x}$
- \*(d) y=ae\* --a

# 8। (भौतिकी)

एक धार्य अध्या इंजन 400 K. धोर 300 K. तापक्रम के मध्य कार्य करता है। इसको अमता निम्नलिखित में से क्या होणी ॄी

- (a) 3/4
- \*(b) (4-3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

# o. (संक्यिकी)

यि द्विपक विचारका माध्य ठ है तो इसका प्रसरण विम्निणियित में से स्या होगा?

- (a) 4ª
- \*(b) 3
- (c) oo
- (d) -5

# 10: (धूगोल)

बर्भा के विकामी बाग की अत्याधिक समृद्धिका कारण विक्लेकित में से क्या है?

- (a) यहां पर ऋषिज शांधरीं का विपृत्त अच्छार है।
- \*(b) बर्मा की प्रक्षिकांश दिवमों का बेल्टाई माथ है।
- (c) यहां सेव्ह वन संपदः है।
- (d) वेश के श्रांधकांग तेल क्षेत्र इसी माग में 🖁 ।

# 11. भारतीय इतिहास

बाह्यमणबाद के संबंध में निम्निशिखत में से क्या शस्य तहीं है?

- (a) बीडाधर्म के उत्कष काल में भी बाह्यमणबाव के प्रमुचतियां की संख्या बहुत भी।
- (b) शाक्षानणवस्य बहुत प्रश्चिक कर्षकांच धीर धार्थवर से पूर्ण धर्म का ।

- (c) ब्राह्मध्यात के ध्रम्यूदय के लाय, वृष्टि सम्बन्धी यक्ष स्रमें का महत्व कम हो गया।
- (d) व्यक्ति के बीवन-विकास की विभिन्न क्याची की प्रकट करने के लिए धार्मिक संस्कार निर्शरित थे।

# 12. (वर्षेव)

विम्नलिकत में से निरीक्बरवादी दर्शन समृह कीव सा है?

- (a) **श्रीदा**, न्याय, श्राश्रीक, श्रीमीसा
- (b) स्याय, वैशेषिक, वर और बौड, वार्थाक
- (८) शंहैत, वैदात, सांक्य, बार्याक योग
- (d) बीब, सांक्य, मीमांसा, बार्बाक

# 19. (राजनीति विज्ञान)

'बृचियत प्रतिनिधान' का धर्म निरमनिश्चित में से क्या है ?

- (a) व्यवसाय के धावार पर विधानमंत्रल में प्रतिनिधियों का निर्धाचन
- (b) किसी समृह या किसी व्यावसायिक समुदाय के पक्क का समयेव।
- (C) किसी रोजनार बंबंधी संगठन में प्रतिनिधियों का चूनाव।
- (d) थमिक संबों हारा समत्यक श्रीविभित्य।

# १4. (मधीविकाष)

सक्य की जारित जिल्लाशिक्षत में से किसी की विवेशित करबी है?

- (a) अस्य संबंधी सामस्यक्ता में ५कि
- (b) धाबारनक धबरवा में श्वनता
- (c) व्याक्तारिक क्षत्रिमम
- (d) रकपात पूर्व समिनय

# 18. (समाचकास्य)

मारत में पंचावती शाज संस्थाधरें की निम्य में से औ-सी 🤚?

- (2) शान घरकार में निवृत्ताओं तथा क्रमभोर वर्षों की कीमचारिक वरिनिवित्य प्रान्त हुवा है।
- (b) क्याकात कम श्री है।
- (c) रॉक्टि वर्षी के बीगों की कृत्यामित्व का साथ मिला है।
- (d) बन सामारक में किया का प्रसार हवा है।

विष्यची :--- उम्मीववारों को यह स्थाव रखवा चाहिए कि उपर्युक्त वस्ने के बन्नोस (प्रश्न) केवस बदाहरण के लिए विष्य थए हैं और बहु बकरी नहीं है कि ये इस परीक्षा की प्रक्ष्यच्यों के अनुसार हाँ\_।

#### SUPREME COURT OF INDIA

#### New Delhi, the 1st October 1981

No. F. 6/81-SCA(I).—Shri A Appa Rao, Officiating Assistant Registrar has retired from the service of the Registry of the Supreme Court of India with effect from the afternoon of September 30, 1981.

No. I. 6/81-SCA(1).—The Hou'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Shri G. G. Awasthi, Section Officer to the post of offig Assistant Registrar in the Registry of the Supreme Court of India with effect from October 1, 1981, until further orders.

H. S. MUNJRAL Deputy Registrar (Adma. J.)

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 23rd September 1981

No. P/1782-Admn.II.—In continuation of this office notification of even number dated 18th December 1980, the Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Shri L. R. Sarin, Accounts Officer of the office of the Accountant General Haryana, Chandigarh, as Finance & Budget Officer in the office of Union Public Service Commission for the further period from 1st June 1981 to 30th November 1981, or until further orders, whichever is earlier. Shri Sarin will not be entitled to draw any deputation (duty) allowance during the period covered by this notification.

- 2. This issues with the approval of the Department of Personnel and A. R. vide their letter No. 39017/2/81-Estt. (B) dated 10th June 1981 and also with the concurrence of the Accountant General Haryana vide their letter No. Admn. I/G.O./P.F./I.R.S./2839 dated 4th September 1981.
- This office notification of even number dated 23rd June 1981 stands superseded.

P. S. RANA
Section Officer
for Chairman,
Union Public Service Commission

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

#### (DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRA-TIVE REFORMS)

# LAL BAHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY OF ADMINISTRATION

#### Mussoorie, the 1st October 1981

No. 2/6/81-EST.—Shri R. S. Bahti, Superintendent, is appointed as Asstt. Administrative Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 with effect from 1st October 1981 (FN) on purely temporary and adhoc basis for a period of six months or till a regular appointment to the post is made, whichever is earlier.

S. S. RIZVI Deputy Director (Senior)

#### (CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION)

New Delhi, the 29th September 1981

No. A-19021/7/81-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri Gurbachan Jagat, I.P.S. (PB-1966) as Superintendent of Police on deputation in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 21st September 1981.

#### The 30th September 1981

No. A-19621/6/81-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri P. K. B. Chakravorthy IPS (MH-1971) as Superintendent of Police on deputation in the Central Bureau

of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 19th September, 1981.

Q. L. GROVER Administrative Officer (E) C.B.L

#### DIRECTORATE GENERAL

#### CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi, the 28th September 1981

No. O-Il-1445/79-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs) Jyotsna Trivedi as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 4th September 1981 (FN) for a period of three months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

#### The 30th September 1981

No. O-II-1578/81-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. Surendra Singh as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from forenoon of 17th August 1981 to 1st September 1981.

A. K. SURL Assistant Director (Estt.)

## OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 28th September 1981

No. 11/36/79-Ad.J.—In continuation of this office Notification of even number dated 6th October 1980, the President is pleased to appoint Shri M. L. Guiati, Office Superintendent in the Central Bureau of Investigation, Delhi Branch, New Delhi as Deputy Director in the office of the Registrar General, India, at New Delhi, on ad-hoc bsais, by transfer on deputation, for a further period from the 1st March, 1981 to the 31st December, 1981 or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Gulati will be at New Delhi.

P. PADMANABHA Registrar General, India

# OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT POSTS & TELEGRAPHS

New Delhi-110054, the 26th September 1981

No. Admn.III-330/23(A)(2)Notifications.—The Director of Audit, Posts & Telegraphs has been pleased to promote and appoint Shri Vissapragada Veerabhadra Narsimha Rao Section Officer of P&T Branch Audit Office, Hyderabad as officiating Audit Officer and to post him in the P&T Branch Audit Office Ahmedabad with effect frmo 14th July 1981 for noon until further orders. His promotion is on ad hoc basis and is subject to revision.

#### The 28th September 1981

No. Admn.HI-312/23(A)(2)Notification.—Shri S. R. Chakrobarty an officiating Audit Officer in the Posts & Telegraphs Audit Office, Calcutta has retired from service with elfect from 31st July 1981 (AN). on superannuation.

K. K. THAPAR
Asstt. Director of Audit (H. QRS.)

#### MINISTRY OF DEFENCE

#### ORDNANCE FACTORY BOARD NOTIFICATION

Calcutta, the 26th September, 1981

No. 8/81/A/M.—The President is pleased to accept the resignation to terminate services of the undermentioned Assistant Medical Officers/Junior Medical Officers (Ad-hoc). Ac-

cordingly, their names are struck off strength from the Ordnance Factories Organisation from the date mentioned against each:—

Sl. No.	Name and Designation	Name of the Factory where posted	Date	Remarks
	. K Rama- rthy, A.M.O.	Gun Carriage Fy. Jabalpur	7-2-81 (A.N.)	Resigned
	. Saroj Kant noo, A.M.O.	Metal & Steel Fy. Ishapore	1-5-81 (A.N.)	Do
	. Veerendra igh, A.M.O.	Clothing Fy. Shahjahanpur	22-6-81 (A.N.)	Termina- ted.
Se	. (Mrs.) Mæra n, J.M.O. d-hoc)	Gun Carriage Fy. Jabalpur	20-8-80 (A.N.)	Do.
5. Dr	. T.S. Chadha, M.O. (Ad-hoc)	Gun Carriage Fy. Jabalput	26-8-80 (A.N.)	Do.

No. 9/81/A/M.—The President is pleased to appoint the following Assistant Medical Officers in Ordnance Factories with effect from the dates indicated against each until further orders:—

Posted at	Date
Heavy Vehicles Fy. Avadi.	27-5-81 (F.N.)
Ordnance Fy.	28-5-81
Muradnagar	(F.N.)
Ordnance Fy.	1-6-81
Khamaria.	(F.N.)
Ordnance Fy.	02-6-81
Khamaria.	(F.N).
Clothing Fy.	02-6-81
Shahjahanpur	(F.N).
Clothing Fy.	03-6 <b>-</b> 8
Shahjahanpur	(F.N.)
Ordnance Fy.	06-6-81
Bhusawal.	(F.N.)
Rifle Factory,	09-6-81
Ishapore	(F.N.)
Clothing Fy.	11-6-81
Shahjahanpur	(F.N.)
Ordnance Equip-	1-7-81
ment Fy. Kanpur	(A.N.)
Vehicle Fy.	19-7-81
Jabalpur.	(F.N.)
Small Arms Fy.	23-7-81
Kanpur.	(F.N.)
Gun & Shell Fy. Cossipore	30-7-81 F.N.
Gun & Shell	27-7-81
Fy. Cossipore	(F.N.)
R. G. DEOLAL	IKAR Addl
	Heavy Vehicles Fy. Avadi. Ordnance Fy. Muradnagar Ordnance Fy. Khamaria. Ordnance Fy. Khamaria. Clothing Fy. Shahjahanpur Clothing Fy. Shabjahanpur Ordnance Fy. Bhusawal. Rifle Factory, Ishapore Clothing Fy. Shahjahanpur Ordnance Equipment Fy. Kanpur Vehicle Fy. Jabalpur. Small Arms Fy. Kanpur. Gun & Shell Fy. Cossipore Gun & Shell Fy. Cossipore

#### Calcutta, the 22nd September, 1981

No. 34/G/81. The President is pleased to appoint the under-mentioned Officers as Offg. GM (SG)/DDGOF (Level-II) with effect from the date shown against them:

(1) Shri K. Dwarakanath, Offg. Dy. P.O.

1st August, 1981

(2) Shri Y.S. Trivedi, Offg. Sr. Dy. Director	1st August, 198
(3) Shri S. Thiagarajan, Offg. GM/Gr. I	1st August, 1981
(4) Shri M. P. Ramamurthy, Offg. GM/Gr. I.	1st August, 1981
(5) Shri B. K. Ghai, Offg. GM/Gr. I.	1st August, 1981
(6) Shri R. K. Mojumdar, Offg. GM/Gr. I.	1st August, 1981

No. 35/G/81.—The President is pleased to appoint the under-mentioned Officers as Offg. DM/DADGOF with effect from the date shown against them:

(1)	Shri Prabal Singh, Offg. A.M.	31st July, 1981
(2)	Shri C.P. Sethi, Offg. A.M.	31st July, 1981
(3)	Shri A. Balagopal, Offg. A.M.	31st July, 1981
(4)	Shri V. L. Isreal, Offg. A.M.	1st July, 1981
(5)	Shri S. Nagabhusanam, Offg. A.M.	31st July, 1981
(6)	Shri N. V. Nambissan, Offg. A.M.	31st July, 1981.
(7)	Shri C.E. Jaganathan, Offg. A.M.	31st July, 1981.
(8)		31st July, 1981.
(9)	Shri N.K. De, Tv. A.M.	31st July, 1981.
(10)	Shri K. K. Taneja, Offg, A.M.	31st July, 1981.
(11)	Shri K. J. J. Ratnam, A.M. (Prob.)	31st July, 1981.
(12)	Shri V. N. Awati, (A.M. (Prob.)	31st July, 1981.
	•	

No. 36/G/81.— The President is pleased to appoint the under mentioned Officers as Offg. S.O. with effect from the date shown against them:—

(1)	Shri Bibhuti Bhusan Choudhury, Offg. A.S.O.	1st August, 1981.
(2)	Shri Kalika Prasad Sukul, Offg. A.S.O.	1st August, 1981.
(3)	Shri Nirmalaya Bhusan Offg. A.S.O.	1st August, 1981.
(4)	Shri Sabitangsu Prakash Goswami, Offg. A.S.O.	1st August, 1981.
(5)	Shri Benoy Bhusan Choudhury, Offg. A.S.O.	1st August, 1981.
(6)	Shri Dhirendra Nath Saha, Offg. A.S.O.	1st August, 1981.
(7)	Shri Dilip Kumar Mitra (II), Offg. A.S.O.	1st August, 1981,
(8)	Shri Barindra Nath Ghosh,	1st August, 1981.

Offg. A.S.O.

No. 37/G/81.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. A.M./T.S.O. with effect from the date shown against them:—

(1)	Shri S. N. Sarkar, Offg. Foreman	1st June, 1981.
(2)	Shri H. K. Kapur, Offg. Foreman.	10th July, 1981.
(3)	Shri B. L. Malhotra, Offg. Foreman.	10th July, 1981.
(4)	Shri P. Padmanabhan, Permt. Foreman.	30th June, 1981.
(5)	Shri Pyara Singh Padan, Offg. Foreman	1st June, 1981. (on ad-hoc basis).
(6)	Shri V. P. Seth, Offg. Foreman	1st June, 1981. (on ad-hoc basis)
(7)	Shri Debo Prasad Mukherjee, Offg. Foreman	1st June, 1981. (on ad-hoc basis).
(8)	Shri Sati Prasanna Das, Offg. S.A.	1st June, 1981. (ad ad-hoc basis).
(9)	Shri K. K. Bhatia, Offg. Foreman	1st June, 1981. (on ad-hoc basis).
(10)	Shri A. K. Majumdar, Offg. Foreman.	1st June, 1981. (on ad-hoc basis
(11)	Shri Baleswar Singh, permt. foreman	1st June, 1981.
(12)	Shri Joginder Singh Permt. Foreman.	17th July, 1981

V. K. MEHTA Asstt. Director General Ordnance Fys.

#### MINISTRY OF LABOUR

# (DIRECTORATE GENERAL FACTORY ADVICE SERVICE & LABOUR INSTITUTES)

Bombay, the 26th September 1981

No. 3/1/81-Estt.—The Director General, Factory Advice Service and Labour Institutes, Bombay is pleased to appoint Shii T. V. RAMACHANDRAN as Additional Inspector (Dock Safety) with effect from 25th May, 1981 (forenoon) in the Directorate General Factory Advice Service and Labour Iustitutes, Bombay in an officiating capacity on regular basis until further orders.

A. K. CHAKRABARTY Director General

#### MINISTRY OF COMMERCE

# OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 23rd September 1981 IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/1026/74-Admn(G)/5624.—On attaining the age of superannuation, Shri S. P. Kapoor, a permanent Grade IV officer of the CSS and officiating in the Section Officer's grade of that service relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of the 31st August, 1981.

A. N. KAUL:

Dy. Chief Controller of Imports and Exports For Chief Controller of Imports and Exports

#### (DEPARTMENT OF TEXTILES)

#### OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 25th September 1981

No. 10(2)/77-81/CLB.II.—In exercise of the powers conferred on me by clause 5(1) of the Cotton Control Order, 1955, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 10(1)/73-74/CLB.II dated the 19th December, 1974, namely:—

In the said Notification for Explanation (IV), the following shall be substituted, namely:—

"(IV) for the purpose of this Notification, Indian Cotton shall include all varieties of Indian Cotton. However, for the cotton season September, 1981 to August, 1982. Suvin Cotton shall be outside the purview of this Notification."

SURESH KUMAR Additional Textile Commissioner

#### DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(Administration Section A-1)

New Delhi-1, the 30th September 1981

No. A-1/1(884).—Shri D. D. Bhardwaj, permanent Junior Progress Officer and officiating Assistant Director (Grade II) in this Directorate General has retired on 30th September 1981 (AN) on attaining the age of superanuation.

S. L. KAPOOR

Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

#### (ADMN. SECTION A-6)

New Delhi-110001, the 22nd September 1981

No. A-6/247(369).—Shri A. R. Halder, substantive Deputy Director of Inspection (Textiles) (Grade II of Indian Inspection Service Group 'A' Textiles Branch) in the office of Director of Inspection, Calcutta expired on 6th August 1981. His name has accordingly been struck off the rolls with effect from 6th August 1981 (F.N.).

P. D. SETH Deputy Director (Administration)

# MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING AND VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 24th September 1981

No. A.12025/2/80-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri Dilip Bhattacharya as Senior Artist in a temporary capacity with effect from the forenoon of 17th September, 1981, until further orders.

J. R. LIKHI
Deputy Director (Admn.)
for Director of Advertising and Visual Publicity

# DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICE New Delbi, the 24th September 1981

No. A. 12025/22/80-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri M. Hari to the post of Veterinarian at B.C.G. Vaccine Laboratory, Guindy, Madras with effect from the forenoon of 24th August, 1981 in a temporary capacity and until further orders.

S. L. KUTHIALA
Deputy Director Administration (O&M)

#### New Delfii, the 30th September 1981

No. A.19012/7/81-Si.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri P. A. Sawant to the post of Assistant Depot Manager, Government Medical Store Depot, Bombay, with effect from the forenoon of 4th September, 1981, on an ad hoc basis, and until further orders.

SHIV DAYAL

Deputy Director Administration (Stores)

#### MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION

#### DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 30th September 1981

No. A-19023/12/81-A.III.—On the recommendations of the U.P.S.C., Shri A. S. Srivastava is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Guntur w.e.f. 7-9-1981 (F.N.), until further orders.

B. L. MANIHAR
Director to Administration
for Agricultural Marketing Adviser
to the Government of India

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Plant Site, PO. NAPP Township, the 30th September 1981

No. NAPP/Adm/26(1)/81/S/11-119.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project, Narora appoints Shri Govind Singh, a Quasi Permanent Upper Division Clerk and Officiating Assistant Accounts Officer in the Rajasthan Atomic Power Project to officiate as Assistant Accounts Officer in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of September 10, 1981 until further orders.

A. D. BHATIA
Administrative Officer
for Chief Project Engineer

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 29th September 1981

No: A.32014/4/81-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint S/Shri K. G. Bhalla and Kedar Nath, Stores Assistants, as Stores Officers (Group B post) on regular basis, in the office of the Controller, Central Radio Stores Depot, New Delhi and Regional Director, Madras Region, Madras Airport, respectively with effect from the forenoon of the 19th September, 1981, until further orders.

J. C. GARG Assistant Director of Administration

#### New Delhi, the 1st October 1981

No. A. 32013/4/80-E.C.—The President is pleased to appoint the following two Senior Technical Officers to the grade of Assistant Director of Communication on ad-hoc basis for a period of six months w.e.f. the date indicated against each or till the vacancies in the grade are available and to post them in the office of the Director General of Civil Aviation.

Si. Name No.	Present Station of posting	Date of taking oevr charge
1. Shri S. K. Saraswati	Radio Const. & Dev. Units,	31-8-81 (A.N.)
2. Shri Sushii Kumar	New Delhi. D.G.C.A. (HQ)	16-9-81 (F.N.)

PREM CHAND Assistant Director of Admn.

#### CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110022, the 16th September 1981

No. 22/1/81-Adm I(B).—The Chairman, Central Electricity Authority, hereby appoints Shri Vikramjit Singh, Supervisor, to the giade of Exna Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in the CEA in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 3rd September, 1981, until further orders.

S. BISWAS Under Secretary

# MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Kamani Industrial Corporation Limited, Jaspur

Jaipun, the 28th September 1981

No. STAT/1128.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the mane of Mrs. kamani Industrial Corporation Limited, Jaipur has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1936 and of M/s. Biko Match Company Private Limited

Jaipur, the 28th September 1981

No. STAT/1372.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 500 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. biko Match Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Nam Metals and Chemicals Private Limited,

Jaipur, the 28th September 1981

No. STAT/1376.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 500 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Nam Metals and Chemicals Private Limited, Jaipur has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Mahendra Savings and General Finance Private Limited

Jaipur, the 28th September 1981

No. STAT/1599.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Mahendra Savings and General Finance Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Abu Road Railway Co-operative Association Limited (In Lign.)

Jaipur, the 28th September 1981

No. STAT/Liqn/22/6762.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Abu Road Railway Cooperative Association Limited (In Liqn.) has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. P. DIXIT Registrar of Companies, Rajasthan, Jaipur In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Sri Vinayaka Mills Ltd.

Bangalore, the 29th September 1981

No. 630 560/81-82—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Sri Vinayaka Mills Itd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s, Shri Shivarudreshwar Chemical Industries
Private Limited

Bangalore, the 29th September 1981

No. 1972/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Shri Shivarudreshwat Chemical Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI Registrar of Companies Karnataka, Bangalore

#### OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Allahabad, the 2nd September 1981

Jurisdiction—Income Tax Act, 1961—Section 125—Inspecting Assit. Commissioner of Income Tax Assessment Range, Varanasi

No. 77.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 125 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) and in modification of existing order No. 3 vide notification dated 13-12-1979 on the subject, I, the Commissioner of Income Tax, Allahabad hereby direct that the Income Tax Officer, A-Ward, Special Investigation Circle Varanasi shall have jurisdiction over the case M/s. Raj Kumar Shah and Sons, Pishachmochan, Varanasi (P.A. No. 19-012-FV-5834) (mentioned at serial No. 32 of the scheduled annexed to the notification No. 3 dated 13-12-1979 (effected to above) instead of Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax Assessment Varanasi (the then Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Range-II, Varanasi).

This order shall take effect from 7-9-1981.

HIRA SINGH
Commissioner of Income-Tax,
Allahabad

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Madras-600018 GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II MADRAS Madras, the 17th September, 1981

Ref. No. 16352-Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot 2, RS 4274/21, situated at Greenways Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Mylapore (Doc. 681/81) on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) S. V. Mani, 4, Sommerset Place, 61D, Bhula Bhai Desai Road, Breach Candy, Bombay-26

(Transferor)

(2) Mrs. N.B.S. Geetha, 116, 4th St., Ahhiramapuram,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at Rs. 4274/21, Plot 2, Greenways Road, Madras-28 (Doc. 681/81)

> RADHA BALAKRISHNAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 17th September, 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE 1NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 17th September, 1981

Ref. No. 11299-Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 465, 473, Seerapalayam, situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 44/81) on January 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration tol such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) factitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
18—296GI/81

A. Somasundaram,
 N. S. Ramaswamy Iyengar St.,
 Saibaba Colony,
 Coimbatore, 25

(Transferor)

(2) Bharath Black Smith Co. 14, N. S. Ramaswamy Iyengar St., Saibaba Colony, Coimbatore-25.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at S. No. 465, 473, Seerapalayam (Doe. 44/81)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras 600006

ate: 17th September 1981

Seal .

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madias the 17th September, 1981

Ref No 11300 Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS 12/71/2, 12/74/1, situated at Alagesan Road, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 73/81) on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dr R. Bellie,
 Cowly Brown Road, RS puram,
 Combatore

(Transferor)

(2) Lalit Kiishan Khanna, Veenakhanna Ramaiagam, Raghupathi Layout, Sai Baba Colony, Coimbatore

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the of the publication of this notice in the Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Land at TS 1/2/71/2 and 12/74/1 Alagesan Road, Combatore (Doc. 73/81)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date 17th September 1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 17th September 1981

Ref. No. 11321—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Chikkadasmpalayam, situated at Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 277/81) on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D on the said Act, to the following persons, namely:—

R. Vasuki,
 45, Anna Nagar V. Block,
 Madras.

(Transferor)

(2) M. K. Sathar, S/o. M. Khader Basha Sudandhirapuram, Karamadai Road, Mettupalayam, Coimbatore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte.

FYPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Chikkadasampalayam (Doc. 277/81)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 17th September 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 17th September 1981

Ref. No. 11332—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. 25,000/- and bearing

No. Samakulam, situated at Perianaickenpalayam and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Perianaickenpalayam (Doc. 138/81) on January 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Ranganayaki Ammal W/o. Krishnaswamy Naidu, Ramnarayanan, Vinayaraghavan, Vasudevan, M. Raman Jayalakshmi, Chikkapudur, Pappanaickenpalayam, Coimbatore

(Transferor)

(2) Gunasekaran,S/o Ramanuja Naidu,Manjur Village, Ooty TK

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Samakulam, Coimbatore Tk (Doc. 138/81)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex,
Acquisition Range-II, Madias-600006

Date: 17th September 1981

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 17th September 1981

Ref. No. 16171—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing

No. 156 and 157, Nungambakkam, situated at High Road, Madras-34

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras North (Doc. 26/81) on January 1581

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as eagreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the cancealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Miss Mahalakshmi Miss Priya by Father and Guardian V. M. Thampy, Perunthanni, Trivandrum

(Transferor)

(2) M/s P. Obul Reddy, P. Vij yakumar Reddy P. Dwaraknath Reddy, Mrs. P. Suneetha Reddy, Mrs. P. Proetha Reddy, Mrs. K. Meenakshi Reddy 5, Subba Rao Avenue II St., Madr s-600006

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of, 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building at No. 156 and 157, Nungambakkam High Road, Madras-34 (Doc. 26/81)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 17th September 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### Krishnammal, Samrasakumari Chandraleka, Padappai

(Transferor)

(2) Indra, W/o Mukkundan, 12, Barbari St., Madras-10

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 16th September 1981

Ref. No. 9309 -Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,/000- and bearing No. S. No. 402/2A, 583, situated at Tambaram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tambaram (Doc. 244/81 on January 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land S. No. 402/2A, 583, Tambaram (Doc. 244/81)

RADHA BALAKRISHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rnge-II, Madras-600006

Date: 16th Soptember 1981

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 17th September 1981

Rcf. No. 9289—Wheresas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

52, situated at Koradacheri,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at

Koothanallur (Doc. 2/81) on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons: namely;—

G. Vi dyanatha Iyer,
 G. Sumivasa Iyer, N. Subiamania Iyer,
 Gandhinagar, Kumbakonam

(Transferor)

(2) Sherbuddin, Usman Beer Mohammed Sithisulaika Bibi Railway feeder Road, Ramanathapuram

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at 52, Koradacheri (Doc. 2/81)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras

Date: 17th September 1981

FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 17th September, 1981

Ref. No. 9289— Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a foir market value exceeding Rs 25,000/ and bearing No 50A, situated at Koradacheri,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

at Koothanallui (Doc. 1/81) on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the bject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hareby instant proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) N. Gapala lyer
  - G. Vaidynatha Iyer
  - G. Srinivasa Iyer
  - N. Subramania Iyer,
  - 14, Gandhinagar, Kumbakonam

(Transferor)

(2) Sherbuildin Usman Beer Mohammed Sithisulaika Bibi Railway feeder Road, Ramanathapuram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesoid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at 50A, Koradachen (Doc. 1/81)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madia-600006

Date: 17th September 1981 Seal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS Madras, the 17th September, 1981

Ref. No. 9302—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

76, 76A, M. G. Road situated at Pondy

(and more fully described in the Scheduled annued hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondy (Doc. 155/81) on January 1981

for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fan market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

19-296GI/81

(1) John M. Kumaresan 34, Laforte; St., Pondy

(Transferor)

(2) Sandammalle, 31, Nidarajappaier St., Pondy

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said hmmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building 76, 76A, M. G. Road, Pondy (Doc. 155/81)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-60006

Date: 17th September 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras the 15th September 1981

Ref. No. 11335—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 17, 18, 19, Thali Road, situated at Udumalpet (and mere fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering officer at Udumalpet (Doc. 259/81) on February 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sethu Rathinam,
 Court Commissioner for Ganapathi Gr.
 Nehru St., Udumalpet

U. T. Appavu
 S/o Thirumurthi Chettiar
 Devangar Lane,
 Udumalpet

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at S. No. 17, 18, 19, Thali Road, Udumalpet (Doc. 259/81)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras

Date: 15th September 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-11, MADRAS

Madras, the 17th September 1981

Ref. No. 9302—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 76, 76A, situated at M. G. Road, Pondy, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondy (Doc. 154/81) on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said ipstrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Savarimuthurajan 34, Laforte St., Pondy.

(Transferor)

(2) Sandammalle,31, Nidarajappaier St.,Pondicherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building 76, 76A, M. G. Road, Pondicherry. (Doc. 154/81)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 17th September 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS Madras, the 17th September 1981

Ref. No. 9306—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. TS 36/3 (part) Dindigul, situated at Road, Trichy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy (Doc. 238/81) on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Padmanabha Iyer,
 Pandhadimal Lane,
 Andal St., Trichy.

(Transferor)

(2) Winpharma, 4E, Dindigal Road, Trichy.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at TS 35/3 (part) Dindigul Road, Trichy. (Doc. 238/81)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras

Date: 17th September 1981

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 7th September 1981

Ref. No. 11/Jan./81 - Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. Nos. 1032 and 1033, situated at Ilain village, Tenkasi Tk. Tirunelyeli Dt.

(and more fully described, in the Schedule attnexed hereto), that been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at J.S.R. I, Tenkasi (Document No. 16/81) on 15-1-1981 for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Annamma Markose, W/o Sri Kuruvilla Markose, Paruvaparambil House, Velayanadu village, Velyanadu Kara, Kuttanad Taluk, Alleppey District, (KERALA).

(Transferor)

(2) Lizzy Joseph, D/o Sri N. J. Joseph, Neroth House, Power House Ward, Ambalapuzha Taluk, Alleppey Dt. (KERALA).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Punjathope in S. Nos. 1032 and 1033, Ilanji village—4 acres 20 cents and 30 Mangoes and 15 cocoanut trees—Document No. 16/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Madras

Date: 7th September 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 17th September 1981

\*Ref. No. 64/Jan./81—Whereas, I R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. S. No. 42/2 and 42/3 Parts, situated at Periakudal village

Anna Nagar, Madras-40

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Periamet, Madras (Document No. 48/1981) on 21-1-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri K. P. S. Menon, Plot No. 4671, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferor)

(2) Shri A. Marutha Pillai and Shri M. Kandaswamy Plot No. 3859, 'B' Block, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION; -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land and Building in S. No. 42/2 and 42/3 Parts Periakudal village, Anna Nagar, Madras-40-2 grounds and 800 Sq. ft. (Plot No. 4671)—Document No. 48/1981).

> R. RAVICHANDRAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras

Date: 17th September 1981

\_\_\_

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 17th September 1981

Ref. No. 65/Jan./81—Whereas, I R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A.6, Plot No. 90, Anna Nagar, situated at Madras-40 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet, Madras. (Document No. 87/1981 on 31-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri P. Maruthai Pillai, No. 144, Sterling Road, Madras-34

Madras-40

(2) Shri V.T.V. Sharma, Smt. Hemalatha Sharma, A-6, Anna Nagar,

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land and Building at No. A.6, Plot No. 90, Anna Nagar, Madras-40. Document No. 87/1981)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras

Date: 17th September 1981

#### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 14th September 1981

Ref. No. 16219—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 77, RS. No. 626, situated at Nungambakkam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at T. Nagar (Doc. 111/81) on January 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Krishna Iyer & Co. 14, Errabalu Chetty St., Madras-1

(Transferor)

(2) M. Mahalakshmi Amma 101, Kodambakkam High Road, Madras-34.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Plot No. 77, No. 626, Nungambakkam Madras (Doc. 111/81)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras

Date: 14th September 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 14th September 1981

Ref. No. 73/Jan./81—Whereas, I R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 3410, Arinagnar Anna, situated at Nagar, Madras-40

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of \$7908) in the Office of the Registering Officer

at Sembiam, Madras (Document No. 174/81 on 31-1-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian. Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

20-296GI/81

 Smt. V. Saraswathi Bai, W/o Sri P. G. Venugopal, Block-F-24, J Main Road, A. A. Nagar, Madras-40

(Transferor)

(2) (1) Mr. Marie Antoine Joseph,
S/o Late A. Lourdusamy and
(2) Mrs. Dawn Philomena Joseph,
W/o Mr. Marie Antoine Joseph,
No. 2 , David Pillai Street,
Karaikal

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Vacant site in Batch IV Scheme, Plot No. 3410, Arinagnar Anna Nagar, Madras-40-2 grounds and 200 sq. ft. Document No. 174/1981).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I Madras

Date: 14th September 1981

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS

Madsas, the 14th September 1981

Ref. No. 62/Jan./81—Whereas, 1 R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 55, Armenian Street, situated at Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. II, Madras North (Document No. 269/81) on 31-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Mr. M. Hasan Khaleelian
- (2) Mr. Robae Kompany and
  (3) Hussain Khaleehan,
  No. 52-A, The Avenue Buckimham,
  Kent, U. K. by Power Agent Kaseem Kaleeli.
  (Transferor)
- M/s. Johar Estate & Partners, No. 152, Linghi Chetty Street, Madras-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Land and building at 55, Armenian Street, Madras-1. Document No. 269/81)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras

Date: 14th September 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th September 1981

Ref. No. A.P. No. 2714—Whereas, I R. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25.000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jaitu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaitu on Jan., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Ranjit Kaur widow and Pritmohinder Singh Ritmohinder Singh S3/0 S'h. Karnail Singh R/O V. Jaitu Distt. Faridkot.

(Transferor)

(2) Shri Tota Singh,
 Sukhdev Singh
 Ss/o Sh. Santa Singh,
 R/O V. Jaitu Distt. Faridkot.

(Transferee)

(3) as s. no. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be intrested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

f XPIANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act-shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale Deed No. 1341 of dated January, 1981 of the Registering Authority, Jaitu.

R. GIRIDHAR
Competent Authroity
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Jullundur

Date: 8-9-1981

#### FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR Jullundur, the 14th Setember, 1981

Ref. No. A. P. No. 2771--Whereas, I R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing

No. as per schedule situated at V. Khurla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur on Jan, 1981

from apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Kartar Saudhu W/o Sh. Kundan Singh, R/O 265 R, Model Town, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Karnail Singh S/o Sh. Sadhu Siagh, R/o V. Kot Kalan, Teh, & Distt. Jullundur.

(Transferee)

(3) as S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property,

(Person whom the under signed knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 6358 of dated January, 81 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundus

Dated: 14-9-1981

#### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th Soptember 1981

Ref. No. A. P. No. 2772—Whereas, I R. GIRDHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at V. Khurla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundum on Jan. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shrimati Kartar Sandhu W/o Sh. Kundan Singh, R/o 265-R, Model Town, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Jaswinder Singh, S/o Shri Karnail Singh, R/o V. Kot Kalan, Teh & Distt. Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 6410 of dated January, 81 of the Registering Authority, Juliundum.

R. GIRDHAR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 14-9-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th September 1981

Ref. No. 2773—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Maqsoodpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jullundur on Jan., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have rea on to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shrimati Baldev Kaur,
 W/o Sh. Harbhajan Singh Mukhtiar-Ai-Am
 Harbhajan Singh alias Bhajan Singh Son of Sh. Sohel
 Singh,

R/o V. Haler,

Teh. & Distt Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Gurpal Singh,Sh. Saggar Singh,R/o V. Mohem Tehsil Nakodar,

Distt. Jullundur.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above Co-operative Marketing Society C/o Saggar Oil Mills,

G. T. Road, Maksoodpui (Jullundur). M/s Chaman Lal Janak Raj C/o -do-.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other Person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 6237 of dated January, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 14-9-1981

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th September 1981

Ref. No. A.P. No. 2774—Whereas, I, R GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Maqsood Pur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on Jan., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shrimati Baldev Kaur,
 W/o Sh. Harbhajan Singh Mukhtiar-Ai-Am
 Sh. Bikkar Singh s/o Sh. Sohel Singh,
 R/o V. Haler Teh & Distt. Jullundur.

(Tsnsferor)

(2) Shri Khushpal Singh alias Khushal Singh, S/o Sh. Saggar Singh, R/o Vill. Mohem Teh. Nakodar, Distt. Jullundur.

(Transferee)

(3) As s. no. above Co-operative Marketing Society C/o Saggar Oil Mills, GT Road, Maqsoodpur (Jullundur). M/s Chaman Lal Janak Raj C/o As above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 6239 of dated January, 81 of the Registering Authority Juliundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Juliundur

Date: 14-9-1981

(Transferor)

#### FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JULI UNDUR

Jullundur, the 14th September 1981

Ref. No. A. P. No. 2775—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Maqsood Pur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Jan. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shrimati Baldev Kaur,
 W/o Sh. Harbhajan Singh Mukhttar-At-Am
 Sh. Ajit Singh alias Jit Singh,
 S/o Sh. Sohel Singh,
 R/o V. Haler,
 Teh & Distt. Jullundur.

(2) Shri Gurpal Singh, S/o Sh. Saggar Singh, R/o V. Mohem Teh. Nakodar Distt. Jullundur.

(Transferee)

(3) As s. no. 2 above Co-operative Marketing Society, C/o Saggar Oil Mills, GT Road, Maqsood Pur, (Jullundur) M/s Chaman Lul Janak Raj, C/o As above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the roperty.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any- of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 6240 of dated January, 81 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Juliundur

Date: 14-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th September 1981

Ref. No. A. P. No. 2776—Whereas, J, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at V. Maqsood Pur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur on Jan. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

21—296GI[81

- Shrimati Baldev Kaur,
   W/o Sh. Harbhajan Singh Mukhtiar-Ai-Am
   Sh. Charan Singh,
   S/o Sh. Sohel Singh,
   R/o V. Haler Teh. & Distt. Jullundur.

  (Transferor)
- (2) Shi Gurpal Singh, S/o Sh. Saggar Singh, R/o V. Mohem Teh. Nakodar, Distt. Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above Co-operative Marketing Society Care of Saggar Oil Mills, GT Road, Magsood Pur, Jullundur. M/s Chaman Lal Janak Raj, C/o As above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 6241 of dated January, 81 of the Registering Authority, Juliundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 14-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th September 1981

Ref. No. A.P. No. 2777—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at V. Maqsood Pur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur on Jan. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shrimati Baldev Kaur,
   W/o Sh. Harbhajan Singh Mukhtiar-Ai-Am,
   Sh. Karam Singh,
   S/o Sh. Sohel Singh
   R/o V. Haler Teh & Distt.
   Jullundur.
   (Transferor)
- (2) Shri Khushpal Singh alias Khushal Singh, S/o Sh. Saggar Singh, r/o V. Mohema Teh. Nakodar, Distt. Jullundur.

(Transferce)

(3) As s. no. above and Co-operative Marketing Society,
 C/o Saggar Oil Mills,
 G. T. Road, near Maqsood Pur, Jullundur.
 M/s Chaman Lal Jank Raj,
 c/o as above.

(Person in occupation of the property

(4) An other person interestey in the property.

(Person whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said proper may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this noti in the Official Gazette or a period of 30 da from the service of notice on the respective perso whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immer able property within 45 days from the date of t publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the a Act, shall have the same meaning as gi in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sa deed No. 6242 of dated January, 81 of the Registering Authori Juliundur.

R. GIRDA
Competent Authori
Inspecting Assistant Commissioner of Income-1:
Acquisition Range, Jullund

Date: 14-9-1981

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Julundur, the 14th September 1981

Ref. No. A.P. No. 2778—Whereas I R. GIRDHAR sing the Competent Authority under section 269B of the recome-tox Act 1961 (13 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the impossible property, having a fair market value exceeding 25,000/- and bearing

of as per Schedule nu ted at Maqsoodpur

nd more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 108) in the office of the Registering Office Juliundur on June 81

r an apparent consideration which is less than the fair arket value of the aforesaid property and I have reason to lieve that the fair market value of the property as afored exceeds the apparent consideration therefor by more in fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the resaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following sons, namely:—

Shrimati Baldev Kaur,
 W/o Sh. Harbhajan Singh Mukhtiar-Ai-Am
 Shri Surinder Singh,
 S/o Sh. Sohel Singh,
 R/o V. Haler Teh & Distt, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Khushal Singh alias Khush Pal Singh S/o Sh. Saggar Singh, R/o V. Mohem Teh. Nakodar Distt. Jullundur.

(Transferee)

(3) as s. no.2 above Co-operative Marketing Society, C/o Saggar Oil Mills , G.T. Road, Maksood Pur (Jullundur) and M/s Chaman Lal Janak Raj, C/o as above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the c. '. ' ub' a too of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expines later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'aid Act Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 6243 of dated January, 81 of the Registering Authority Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Jullundur.

Date: 14-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur the 16th September 1981

Ref. No. A. P. No. 2779—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

as per schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur on Jan. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Subash son and Smt. Daya Wanti
 W/o Sh. Brahma Nand, NN-443, Gopai Nagar, Juliundur.

(Transferor)

(2) Shrimati Desh Goel, W/o Sh. Amarjeet Goel, NK-221, Charanjit Pura, Jullundur.

(Transferee)

(3) as S. No· 2 above. and Dr. Amar Jeet Singh, Baldev Raj, Moti Lal and Malik Singh, r/o N. K. 246, Charanjit Pura, Jullundur.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 6429 of dated January, 1981 of the Registering Authority, Juliundur.

R. GIRDAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Julundun

Date: 16-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th September 1981

Ref. No. A. P. No. 2780—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Jan., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesnid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Daya Nand,
 S/o Shri Jassa Ram Urf Jaswant Rai,
 R/o H. No. 368,
 Mohalla Gopal Nagar,
 Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Baldev Raj, S/o Sh. Paras Ram, R/o 114, Gopal Nagar, Juliundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above and Dr. Amar Jeet Goel, Sant Lal, Baldev Raj & Malik Singh, R/o NK-246, Charanjit Pura, Jullundur.

(Person in occupation of the property)

(4) An other person interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 6430 of dated January, 1981 of the Registering Authority Juliundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 16-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th September 1981

Ref. No. A. P. No. 2781—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinar'er referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Buri Kahan Singh Wala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nathana on Jan,. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fan market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Chenan Singh, S/o Sh. Bhola Singh, r/o V. Burj Kahan Singh Wala, Teh. Nathana. Distt. Bhatinda.

(Transferor

(2) Shri Amar Nath' S/o Ronag Ram, C/o M/s Ronaq Ram Om Parkash, Commisson Agents, Bucho Mandi Distt. Bhadinda & Hardev Singh S/o Lal Singh, Nazar Singh S/o Sunder Singh & Parm Jit Singh S/o Jallaur Singh, R/o V. Burj Kahan Singh Wala, Teh. Nathan Distt. Bhatinda.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) hy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the resisteration sale deed No. 1225 of dated January, 81 of the Registering Authority, Nathana.

> R. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Jullundur

Date: 16-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th September 1981

Ref. No. A. P. No. 2782—Whereas, I R. GIRDHAR being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on Jan, 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Hari Pal Singh, S/o Dr. Bhim Sen, R/o Khulwara Gate, Phagwara.

(Transferor)

(2) Shrimati Veena Rani, W/o Sh. Manohar Lal, R/o Khulwara Gate, Phagwara.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2552 of Jan. 1981 of the Registering Authority, Phagwara.

R, GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 16-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th September 1981

Ref. No. A.P. No.2783—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Phagwara

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

at Phagwara on Jan. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following bersons, namely:—

Shri Hari Pal Singh,
 S/o Dr. Bhim Sen,
 R/o Khulwara Gate, Phagwara.

(Transferor)

(2) Shrimati Sneh Lata,
W/o Sh, Narinder Pal.
2. Vinod Kumari,
W/o Harbans Lal,
R/o Khulwara Gate, Phagwara.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration Sale deed No. 2553 of the Registering Autority. Phagwara.

R. GIRDHAR

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 16-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, 16th September 1981

Ref. No. A. P. No. 2784—Whereas, I. R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Jullundur

tand more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Jan, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the puties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer nad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

22-296GI[81

 Shrimati Sudershan Dhir, W/o Shri M. K. Dhir, 71-Laipat Jullundur

(Transferor)

Shri Pawan Kumar,
 S/o Sh. Gandhi Ram,
 R/o Ajit Nagar, Patiala.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property),

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 6527 of dated January, 81 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 16-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th September 1981

Ref. No. A. P. No. 2785—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. as per schedule situated at Chek Hussaina, Lama Pin (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Jullundur on 1981 Jan.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and con
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following in isons, namely:—

Shri Sham Singh,
 S/o Sh. Miya Singh,
 R/o V. Chak Hussaina.
 Lama Pind Teh & Distt.
 Jullundur.

(Transferor).

(2) Shrimati Sarla Devi wife and Satish Kumar, Anil Kumar, Ss/o Brahma Nand, R/o Hoshiarpur Road, Jullundur City.

(3) As S. No. 2 above

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows
to be in rested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 5967 of January, 81 of the Registering Authority, Juliundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

€°€: 17-9-1981

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th September 1981

Ref. No. A. P. No. 2786—Whereas, I R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 13 the 'said Act'), have reason to believe that the

emovable property, having a fair market value exceeding 25,000/- and bearing

). As per Schedule, situated at Chak Hussaina Lama Pind and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Jan. 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Sham Singh,
 S/o Sh. Miya Singh,
 R/o V. Chak Hussaina, Lama Pind,
 Teh & Distt. Jullundur

(Transferor)

(2) Shrimati Sarla Devi wife and Satish Kumar, Anil Kumar, Ss/o Sh. Brahma Nand, R/o Hoshiarpur Road, Jullundur City.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of property)

(4) Any other person interested in the

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 5990 of dated January, 81 of the Registering Authority Juliundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 17-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 21st September 1981 Ref. No. A.P. No. 2787---Whoreas, I R. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have meason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Kotkapura (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on Jan., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sant instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Shri Roor Chand
 S/o Sh. Sibbu Ram
 R/o Kot Kupura, Distt. Faridkot.

(Transferor)

(2) Shri Kewal Krishan & Hira Lal, Ss/o Shri Ganga Ram, R/o Kotkapura Distt. Faridkot.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 Above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 3586 of dated January, 1981 of the Registering Authority, Farldkot.

R. GIRDHAR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 21-9-1981

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur the 8th September 1981

Ref No A P No 2745—Whereas, J R GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable preperty having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

No As per Schedule situated at Model Town, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Jan, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Shri Gurnam Singh,
 S/o Sh Paisa Singh Self and attorney of Shri Sarbjit Singh,
 Balraj Singh Jagjit Singh
 S /o Sh Paisa Singh resident of V Kalra Tehsil & Digit Jullundur.

(Transferor)

(2) Shrimati Sushila Sudaan, Wd/o Shri Prem Parkash, 239-Model Town, Jullundur

(Transferee)

(3) As S. No 2 above (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property

. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No 6456 of dated January 81 of the Registering Authority, Influedur

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Juliundur

Date · 8-9-1981 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th September 1981

Ref. No. A.P. No. 2746—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per Schedule situated at V. Teona

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at Bhatinda

on Jan. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bewteen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bhagwant Dass Chela Shri Puran Dass,
 R/o Village Teona Tehsil & Distt. Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Balwinder Singh, Mohinder Singh Ss/o Sh. Gurdev Singh and Labh Singh, Bohar Singh, Gurtej Singh, Ss/o Sh. Sukhdev Singh, V. & P.O. Chugga Kalan Teh. & Distt. Bhatinda.

(Transferees)

(3) As S.No. 2 above

(Person in occupation of the propetry)

(4) Any other person interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetté.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 4986 of January, 81 of the Regstering Authority, Bhatinda.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range Jullundur

Date: 8-9-81 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th September 1981

Ref. No. A. P. No. 2747—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated V. Teona and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Jan. 1981

#### for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Bhagwant Dass Chela Shri Puran Dass,
 r/o Vill. Teona Teh, & Distt. Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Balwinder Singh, Mohinder Singh Ss/o Sh. Gurdev Singh and Labh Singh, Bohar Singh, Gurtej Singh, Ss/o Sh. Sukhdev Singh V & P.O. Chugga Kalan, Teh. & Distt. Bhatinda.

(Trausferce)

(3) As S. No. 2 above (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be intrested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 5002 of January, 1981 of the Registering Authority, Bhatinda.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 8-9-1981

object of :-

and/or

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th September 1981 .

Ref. No. A.P. No. 2748—Whereas, I R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R: 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Y. Teona (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Bhatinda in Feb. 1981
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Act. 1957 (27 of 1957):

- Shri Bhagwant Dass Chela Shri Puran Dass,
   r/o Village Teona Teh. & Distt. Bhatinda.
   (Transferor)
- (2) Shri Blawinder Singh, Mohinder Singh, Ss/o Gurdev Singh and Labh Singh, Bohar Singh, Gurtej Singh, Ss/o Sh. Sukhdev Singh, R/o V. & P. O. Chugga Kalan, Teh. & Distt. Bhatinda.

Transferoe)

(3) As S. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property

(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persona within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of this publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 5077 of dated February, 81 of the Registering Authority Bhatinda.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 8-9-81

Seal;

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR Jullundur, the 8th September 1981

Ref. No. A. P. No. 2749—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Avt, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Village Teona (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda Feb. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
23—296GI/81

(1) Shri Bhagwant Dass Chela, Shri Puran Dass resident of Village Teona Teh. & Distt. Bhatinda.

(Transferor)

- (2) Shri Belwinder Singh, Mohinder Singh Ss/o Sh. Gurdev Singh and Labh Singh, Bohar Singh, Gurtej Singh Ss/o Sh. Sukhdev Singh V & P. O. Chugga Kalan Teh. & Distt. Bhatinda.
  (Transferee)
  - (3) As S. No. 2 above (Person in occupation of the property)
  - (4) Any other person interested in the property.

    (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 5146 of dated February, 81 of the Registering Authority, Bhatinda.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquistion Range Jullundur

Date: 8-9-81

#### FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th September 1981

Ref. No. A.P. No. 2750-Whereas, I, R. GIRDHAR

the flow the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the impossible property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Basti Sheikh, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Jan. 1981

less on apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (1b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shrimati Mail Kaur,
   W/o Sh. Bakhshish Singh and Kehar Singh,
   Kabal Singh
   Ss/o Makhan Singh,
   R/o Basti Sheikh, Jullundur.
- (2) Shrimati Gurbachan Kaur W/o Sh. Roshan Singh, R/o W. S. 352, Basti Sheikh, Jullundur

(Transferee)

(Transferor)

(3) As S. No. 2 above

---

- (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice; in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 6052 of January, 1981 of the Registering Authority, Juliundur.

R. GIRDHRAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 8-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th September 1981

Ref. No. A.P. No. 2751—Whereas, 1, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at V. Lidhran

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Jan., 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be : First bransferee for the purposes of the It. in It one in Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

'Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shrimati Harunder Kaur, Resham Kaur, Ds/o Sh. Kesar Singh through Mukhtiar Smt. Ratten Kaur, Wd/o Sh. Kesar Singh, R/o V. Lidhran, Teh & Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Dr. T. R. JosPeh, S/o Sh. Tulsi Ram and Mrs. Rosey Jospeh. W/o Sh. T. R. Jospeh, r/o Sura Nussi, Teh & Distt. Jullundur.

(3) As S. No. 2 above.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale Jeef No 6553 of lated January, 81 of the Registering Authority, Jullundur.

> R. GIRDHAR Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Jullundur

Date: 8-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

### ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Juliundur, the 8th September 1981

Ref. No. A. P. No. 1752—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the mimovable property having a tair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Maqsood Pur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 or 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur on Jany., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have rea on to belt we that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act., 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act., 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Garib Dass, S/o Sh. Haku Ram, R/o Ravidass Nagar, Jullundur,

(Transferor)

(2) Shri Shiv Darshin Lal Anand, S/o Sh. Girdhari Lal, C/o M/s Everwear Mfg. Co., Anand Nagar, G.T. Road, Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 5958 of dated January, 81 of the Registering Authority, Juliundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 8-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME TAX.

### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th September 1981

Ref. No. A.P. No. 2753—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at V. Magsood Pur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Jullundur on Jany., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Inc. Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) off section 269D of the said Act to the following

Shri Garib Dass,
 S/o Sh. Haku Ram,
 R/o Ravidass Nagar,
 Jullundur

(Fransferor)

(2) Shri Prem Lal Anan S/o Sh. Girdhari Lal, C/o M/s Everwear Mfg. Co, Anand Nagar, G.T. Road, Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 5959 of dated January, 1981 of the Registering Authorety Jullundur.

R. GIRDHRAR

Competent Authority ssioner of Income-Tax

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Jullundur

Date: 8-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th September 1981

Ref. No. A. P. No. 2754—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule' situated at V. Jamsher

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jullundur on Jany., 1981

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '-

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the for i'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

 Shri Kuldip Singh General Attorney of Smt. Surjeet Kaur, Wd/o Sh. Nazar Singh and Smt. Kırpal Kaur, D/o Sh. Nazar Singh and S/Shri Santokh Singh Swarn Singh, Ss/o Sh. Nazar Singh, R/o Vıllage Jamsher, Teh. & Distt. Jullundur.

- (2) Shri Mohinder Singh, Santokh Singh, Piara Singh, Daljit Singh and Devinder Singh, Ss/o Sh. Parkash Singh, R/o V. Jamsher Khera Teh. & Distt. Jullundur.
- (3) as s. no. 2 above.

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice; in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 6119 of dated January, 81 of the 'Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 8-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 14th September 1981

Ref. No. A. P. No. 2767—Whereas I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. as per schedule, situated at Juliundur

tran for with the object of :--

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Juliundur on Jan., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exerceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the paties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jagdish Mitter,
S/o Shri Saran Das,
Smt. Pushpa Devi W/o Sh. Kulbhushan and
Smt. Devki Devi Wd/o Sh. Nand Lal
through Mukhtiar-Ai-Am Shri Kulbhushan, S/o
Sh. Nand Lal and Sh. Dharm Vir
S/o Sh. Saran Dass
r/o Mohalla Luxmi Pura, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Singh, S/o Sh. Sat Pal Singh and Sh. Sat Pal Singh S/o Sh. Jiwan Singh, r/o Nila Mehal, Jullundur. C/o Premior Rubber, Industrial Alea, Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHFDULE

Property & Persons as mentioned in the regist ration sale deed No. 6384 of January, 1981 of the Registering Authority, Juliundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Juliundur

Date: 14-9-1981

NOTICE UNDFR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 14th September 1981

Ref. No. A. P. No. 2768—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Nawanshehr (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawan Shehr on Jan, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shrimati Harijnder Kaur,
 W/o Sh. Jagjit Singh,
 r/o V. Mussa Pur Tehsil Nawanshehr,
 Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Tarlok Chand and Nirmal Kumar, Ss/o Sh. Hans Raj and Smt. Amriat Rani, W/o Sh. Tarlok Chand & Smt. Vijay Kumari W/o Sh. Nirmal Kumar, R/o V. Rahon, Tehsil Nawanshehr, Distt. Jullundur.

(Transferee)

(3) as s. no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 3537 of dated January, 1981 of the Registering Nawanshehr.

R, GIRDHAR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Jullundur.

Date 14-9-1981

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX. ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th September 1981

Ref. No. A.P. No. 2769-Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Nawan Shehr has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Nawan Shehr on Jan, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties ha, not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

· Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subection (1) of Section 269D of the said Act to the followng persons namely :---

4-296GI/81

(1) Shrimati Harlinder Kaur w/o Sh. Jagjit Singh r/o V. Mussapur, Tchsil Nawanshehr Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Tarlok Chand & Nirmal Kumar. Ss/o Sh. Hans Raj and Smt. Amirat Rani W/o Sh. Tarlok Chand & Smt. Vijay Kumari W/o Sh Nirmal Kumar R/o V. Rahon, Teh, Nawanshehr, Distt. Jullundur.

(Transferee)

(3) as s. no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No 3559 of dated January, 1981 of the Registering Authority, Nawanshehr.

> R. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur

Date: 14-9-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th September 1981

Ref. No. A.P. No. 2770—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immoveble property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Nawanshehr (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nawanshehr on February 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shrimati Harjinder Kaur
   W/o Sh. Jagjit Singh,
   R/o V. Mussa Pur Tehsil Nawanshehr,
   Distt. Jullundur.
  - (Transferor) Kumar
- (2) Shri Tarlok Chand & Nirmal Kumar Ss/o Sh. Hans Raj and Smt. Amriat Rani W/o Sh. Tarlok Chand & Smt. Vijay Kumari W/o Sh. Nirmal Kumar, R/o V. Rahon Fehsil Nawanshehr, Distt, Jullundur.

(Transferce)

(3) as s, no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquilistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 3702 of dated February, 1981 of the Registering Authority, Nawanshehr.

R. GIRDHAR
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 14-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 10th September 1981

Ref. No. A.P. No. 2755—Whereas, I R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Ramidi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Dhilwan on Feb. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Nirmal Singh Bal S/o Sh. Ram Singh R/o Vill. Ramidi Teh. Dhilwan Mukhtiar-a-am Sh. Harnak Singh alias Gurmail Singh, S/o Sh. Dara Singh R/o Vill Ramidi. Teh. Dhilwan.

(Transferor)

(2) Shri Jasbir Singh, Surjit Singh Ss/o Sh. Santokh Singh Vill, Ramidi Sub. Teh. Dhilwan Distt. Kapurthala.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazettee.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1170 of Feb. 1981 of the Registering Authority, Dhilwan,

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Jullundur

Date: 10-9-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME TAX,

### ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Juliundur, the 10th September 1981

Ref. No. A. P. No. 2756—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Ramidi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhilwan on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Gurmail Singh Urf Harnak Singh R/o Vill. Ramidi Teh. Dhilwan Distt. Kapurthala.

(Transferor)

(2) Shri Jasbir Singh, Surjit Singh Ss/o Santokh Singh, R/o Vill. Ramidi Teh. Dhilwan Distt, Kapurthala

(Transferce),

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1201 of March, 1981 of the Registering Authority, Dhilwan.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Juliundur,

Date: 10-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 10th September 1981

Ref. No. A. P. 2757—Whereas, I R. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at Ferozepur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Ferozepur on Jan 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '—

Shrimati Raj Kumarı,
 Wd/o Kishan Lal,
 R/o Bagdadi Gate, Ferozepur.

(Transferor)

(2) Shri Gurdev Singh, Sukhdev Singh and Smt. Rajınder Kaur W/o Sh. Jaswant Singh R/o Inside Delhi Gate, Ferozepur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the under singed knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 5699 of Jan 1981 of the Registering Authority, Ferozepur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 10-9-1981

Scal:

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961(43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 10th September 1981

Ref. No. A.P. No. 2758—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Vir Colony (Sunder Nagar) Abohar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Abohar on Jan. 1981

for an apparent consideration which is lessthan the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atmosaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Krishan Lal Sagar S/o Sh. Tulsi Dass R/o H. No. 5838/2, Vir Colony, (Sunder Nagar), Abohar.

(Transferor)

(2) Shri Prem Kumar Sachdeva S/o Sh. Sohan Lal R/o Village Dharangwala Teh. Fazilka, Distt. Ferozepur.

(Trnsferee)

(3) As per Sr. No. 2 above:

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoveble property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 3304 of Jan. 1981 of the Registering Authority, Abohar.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Jullundur.

Date: 10-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR Juliundur, the 10th September 1981

Ref. No. A. P. No. 2759-Whereas, I R. GIRDHA

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Vir Colony (Sunder Nagar) Abohar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on Feb. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Krishan Lal Saggar S/o Sh. Tulsi Dass R/o H. No. 5838/2, Vir Colony (Sundr Nagar), Abohar.

(Transferor)

(2) Shri Prem Kumar Sachdeva S/o Sh. Sohan Lal R/o Vill. Dharangwala Teh. Fazilka Distt, Ferozepur.

(Transferce)

(3) As per Sr. No 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person intersted in the property
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 3635 of Feb. 1981 of the Registering Authority Abohar.

R. GIRDHAR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building,
Acquisition Range Juilundur

Date: 10-9-1981

#### FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 10th September 1981

Ref. No. A. P. No. 2760—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under the Section 269 of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Abohar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Abohar on Jan. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shrimati Manjit Kaur,
 D/o Sh. Rattan Singh,
 W/o Sh. Hardial Singh,
 R/o Village Gurheh, Teh. Jagraon,
 Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Singh, Kuljit Singh Ss/o Sh. Gurbachan Singh R/o Vill. Hoze Khas, Teh. Fazilka Distt. Ferozepur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2920 of Jan. 1981 of the Registering Authority, Abohar.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 23-9-1981

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGF, JULI UNDUR

Jullandar, the 10th September 1981

Ref. No AP. No. 2761.—Whereas, I. R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

As per schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
25—296GI/81

 Smt. Kaushalia Devi Wd/o Shri Lajpat Rai R/o Gali No. 8, Mandi Abohar.

(Transferor)

(2) Shri Ved Plakash S/o Tilak Chand R/o Gali No. 10, Mandi Abohar.

(Transferec)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3254 of January 1981 of the Registering Authority, Abohar.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 10-9-1981.

### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 10th September 1981

Ref. No. A. P. No. 2762-Whereas, I R. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. As per Schedule situated at Mandi Abohar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at Abohar on Jan. 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Sat Pal,
 S/o Shri Brij Lal,
 R/o Vill. Dutaran Wali
 Teh. Fazilka.

(Transferor)

(2) Shri Jai Kishan, S/o Chanan Lal, R/o Gali No. 14-15, Mandi Abohar.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforssaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 3131 of Jan. 1981 of the Registering Authority, Abohar.

R, GIRDHAR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range Jullundur

Date: 10-9-1981

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JULIUNDUR

Jullundur, the 10th September, 1981

Ref. No. A. P. No. 2763—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding Rs. 25,000% and bearing No. No. As per Schedule situated at Kapinthala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Kapurthala on Jan. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execds the apparent consideration therefor by more than, fifty per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Brijindra Singh,
 S/o Raja Harmindra Singh,
 R/o Kapurthala Mukhtlar-a-am of Smt. Dan Singh alias Devika
 W/o Brijindra Singh,
 R/o Kapurthala.

(Transferor)

(2) Shrimati Paramjit Kaur, W/o Manjit Singh R/o Kapurthala., Pritam Dai Wd/o Sh. Gian Chand, Rani Bazar, Moh. Sharifpura, Amritsar, Smt. Leela Wanti W/o Amar Nath and Varsha Rani W/o Sh. Joginder Pal, R/o Moh. Jauki Dass, Kapurthala.

(Transferee)

(3) As per Sr No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in t e property)

)Person whom the undersigned knows to e interested in the property)

THE SCHEDULE

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 3135 of Jan. 1981 of the Registering Authority, Kapurthala.

R. GIRDHAR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range Jullundur

Date: 10-9-10S1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur the 10th September 1981

Ref. No. A. P. No. 2764—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 'Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Kapurthala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kapurthala on Jan. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aofresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Brijindra Singh,
 S/o Raja Harmindra Singh
 R/o Kapurthala
 Mukhtiar-a-am of Smt. Dan Singh alias Devika
 W/o Sh. Brijindra Singh

(Transferor)

(2) Shri Kailash Kumar S/o Sharat Chand, R/o J. J. Club, Kapurthala, Smt. Shakuntla Guleria W/o G. S. Guleria R/o Moh. Satnam Pura, Phagwara, Harbans Lal S/o Shiv Ram, R/o Moh. Kasaban, KPT. Jagiri Lal, S/o Maluk Singh R/o Near J. J. Club, Kapurthala, Kewal Ram Madan, S/o Manohar Lal, Mandir Soodan Distt. KPT. Smt, Tripta Manchanda W/o Sat Pal R/o Lohari Gate, Kushana Gali, Kapurthala, Prem Dutt S/o Mohinder Dutt, R/o Kapurthala.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person who the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 3192 of Jan. 1981 of the Registering Authority, Kapurthala,

R. GIRDHAR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range Jullundur

Date: 10-9-1981

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULIJUNDUR

Jullundur, the 10th September 1981

Ref No A P No 2765—Whereas, I, R GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No As per Schedule situated at Kapurthala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on Jan 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Shrimati Usha Devi W/o Raja Harmindra Singh R/o Kapurthala through Brijindra Singh S/o Raja Harmindra Singh, Mukhtiar-a-am R/o Kapurthala

(Transferor)

(2) Shri Bakhshish Singh
S/o Sh Sital Singh
Vill & P.O urkhpui Distt Kapurthala

(Transferee)

(3) As per Sr No 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property

(Person whom the undersigned kno
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULF

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No 3198 of Jan. 1981 of the Registering Authority, Kapurthala

R GIRDHAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Jullundur

Date 10-9-1981

Seal

12188

### FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 10th September 1981

Ref. No. A. P. No. 2766.—Whereas, I. R. GIRDHAR

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ps. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Kapurthala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Kapurthala on Jan. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any-income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shrimati Dan Singh alias Devika
 W/o Shri Brijindra Singh through
 Sh. Brijindra Singh
 S/o Raja Harmindra Singh,
 r/o Kapurthala Mukhtiar-Ai-am

(Transferor)

(2) Shri Judge Kumar Anand, Prem Pal Anand, Yash Pal Anand Ss/o Sh. Naval Kishore Anand, R/o Sheihupura Distt. Kapurthala.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 3210 of dated January, 81 of the Registering Authority, Kapurthala.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 10-9-1981

### FORM ITNS—— (1 Shri

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OI THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 27th August 1981

Notice No. 354/81-82.—Whereas, I, Dr. V. N LALITH-KUMAR RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Chalta No. 15, situated at Vasco-da-Gama, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marmugao under document number 8/81 on 7-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid prope to and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) if Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jose Maria Geraldo Sauches, Near Gitanjali Building, Vasco-da-Gama, Goa.

(Transferor)

(2) Saple & Associates, No. 7, Lotus Apartments, F.L. Gomes Road, Vasco-da-Gama, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 8/81 dated 7-1-81)

Vacant land known as "Terreno Meimuncundalem" bearing Chalta No. 15 situated at Vasco-da-Gama, Goa.

Dr.V. N.LALITHKUMAR RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 27-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE Pune-1, the 8th September 1981

Ref. No. I. A. C./C. A.-5/S.R./Kalyan/Jan./530/81-82.—Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 264, Hissa No. 6 situated at Village Thakurli, Vishnungar, Gokhale Path, Dombivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Kalyan on 30-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely —

Ravji Lalji & Co.,
 Umiya Nivas,
 Maneklal Estate, Agra Road,
 Ghatkopar, Bombay-400086.

(Transferor)

[PART III—SEC, 1

(2) Shri R. Y. Bhalodkar, Secretary of Shiv Sadan Co-operative Housing Society, Gokhale Path, Vishnu Nagar, Dombivli-421202.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 264, Hissa No. 6 situated at Village Thakurli, Tal. Kalyan within Dombivli municipal limits, Vishnunagar, Gokhale Path, Dombivli (W).

(Property as described in the sale deed registered under document No. 228 in the office of the sub registrar, Kalyan on 30-1-1981).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Pune

Date: 8-9-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR PATNA Patna, the 17th September 1981

Ref. No. III 516/Acq./81-82.—Whereas, I, H. NARAIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 186, 185, Khata No. 176, 181, Survey Thana No. 7, Phulwari Touzi No. 391, situated at Dhakanpura now called Boaring Road, Patna.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 13-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market alue of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
26—296GI/81

- (1) 1. Shri Prabhat Kumar Sinha
  - 2. Shri Pankaj Kumar Sinha
  - 3. Shri Binod Kumar Sinha
  - 4. Shri Prem Kumar Sinha.

All sons of Shri Ganesh Lall of Boaring Road, P. S. Kotwall, District Patna.

(Transferet)

(2) Shri Jai Narain Tiwary S/o Shri Kishori Tiwary and Shri Jamuna Pathak S/o Late Sukhram Pathak both resident of Boaring Road, Patna-1.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said.immovaable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Homestead land situated at Dhakanpura now called Boaring Road, Patna morefully described in deed No. 164 dated 13-1-81 registered with D.S.R., Patna.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 17-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 5th May, 1981

C. R. No. 62/29450/80-81/Acq./B.—Whereas, I Dr. V. N. LALITHKUMAR RAO.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. 40/7, situated at Miller's Road, Civil Station, Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Shivajinagar, Bangalore, Document No. 3621/80-81 on 8-1-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Vasantha Venkateshulu
  - 2. Mrs. Varalakshmi Vijayakumar
  - 3. Mrs. Vanaja Ravichandra
  - 4. Mrs. V. Balaji Rao No. 47/4, Miller's Road, Bangalore.

(Transferor)

 M/s. S. & V. Properties Private Limited, Atlanta Building, Nariman Point, Bombay.

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3621/80-81 dated 8-1-1981)
Property bearing No. 40/7, situated at Miller's Road, Civil'
Station, Bangalore.

Boundaries:

On North by Private property

On South by do.

On Last by do.

On West by Approach Road.

Dr. V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 5-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 19th September, 1981

Ref. No. Chandigarh/313/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 3073, Sector 35-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in January, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent, consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Captain Joginder Singh s/o Late Shri Dr. Sawan Singh, r/o Miltary Farm Kanpur U.P. through Shri Dina Nath Khanna, s/o Shri Nand Lal Khanna r/o S.C.F. No. 89, Sector 24, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mrs. Aruna Datti w/o Shri Hari Singh r/o H. No. 3211, Sector 35-D, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 3073, situated in Sector 35-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered deed No. 1792 of January, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh.).

### SUKHDEV CHAND

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Ludhiana

Date: 19-9-1981

 Maj. Jarnall Singh Antal, s/o Shri S. S. Antal r/o H. No. 3828, Sector 19-D, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Jagdish Bhambari w/o Shri Sat Pal Bhambari and Shri Satpal Bhambarl s/o Shri Kirpa Ram r/o 3087, Sector 23-D, Chandigarh.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 19th September, 1981

Ref. No. Chandigarh/308/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. Plot No. 1373, Sector 34-C, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in January, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

may be made in writing to the undersigned:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1373, situated in Sector 34-C, Chandigarh. (The property mentioned in the Registered deed No. 1765 of January, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhlana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 19th September 1981

Ref. No. Kharar/40/80-81.—Whereas J, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 76-C, situated at Phase-III-B-I, Mohali, Distt. Ropar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in January, 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (t) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Tlkam Chander Bali & Amrita Bali R/o 2866, Sector 22, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Hardeep Singh Dhillon S/o Shri Teja Singh R/o V. Balogi, Tehsil Kharar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 76-C, Phase-III-B-I, Mohali, District Ropar. (The property as mentioned in the sale deed No. 4983 of January, 1981 of the Registering Authority, Kharar.).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhian<sup>a</sup>

Date: 19-9-1981

### FORM NO. LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA New Delhi, the 19th September 1981

Ref. No. Chandigarh/314/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 3015, situated at Sector 35-D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in January, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Mangha Singh C/o Rai Singh, R/o House No. 1191, Sector 8-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Joginder Singh S/o Shri Dasondha Singh, R/o House No. 242, Sector 22-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 3015, Sector 35-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1793 of January, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-9-1981

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 19th September 1981

Ref. No. Chandigarh/310/80-81.—Whereas I, SUKHDEV.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. (25,000]- and bearing No.

Plot No. 3330-P situated at Sector 32-D, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in January, 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jai Ram Dasuar, House No. 898/10, Block No. 23, Shivaji Nagar. Samrala Road, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Amarjit Kaur W/o Shri Puran Singh, No. 182/23, Indi. Area, Chandigarh

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this police in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 3330-P, Sector 35-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1778 of January, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh.).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 19-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 19th September 1981

Ref. No. Ludhiana/412/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 38-L, situated at Bhai Randhir Singh Nagar, Ferozpur Road, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shti Naib Singh s/o Shri Bhan Singh r/o Bhurj Hamera,
 Teh. Moga, District Faridkot.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Singh Cheema s/o Shri Raghu Nath Cheema r/o Talwara, District Hoshiarpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 38-L, situated in Bhal Randhir Singh Nagar, Ferozpur Road, Ludhlana.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 5622, of the January, 1981 of the Registering Authority, Ludhiana.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 19-9-1981

### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 19th September, 1981

Ref. No. Chandigarh/320/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Plot No. 655, Sector 33-B, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in at Chandigarh in January, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the faoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Karam Paul Singh s/o Shri Kartar Singh Sidhu r/o Chaksheranwala, Teh. Muktsar, District Ferozepur now r/o 62 Cawalry c/o 56APO, through Shri Gajinder Singh s/o Shri Kishan Singh r/o H. No. 216, Sector 9-C, Chandigarh.

(Transferror)

(2) Shri Daljit Singh Oberoi s/o Shri Arjun Singh and Mrs. Sushma Oberoi w/o Shri Daljit Singh Oberoi r/o 53, Napler Road, Ambala Cantt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 655, situated in Sector 33-B, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered deed No. 1842 of January, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Leome-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
27—296GI/81

Dated: 19-9-1981

### FORM FINS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 19th September, 1981

Ref. No. Patiala/113/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House No. 2132 situated at Mohalla Kothi Julam Garh Old Thana Sadar, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in January, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bestween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sheelinder Kumar Singh, 26, Bhupindra Nagar, Patiala.

(Transferor)

(2) S/Shri Sudhir Kumar, Pushpinder Kumar and Sushil Kumar ss/o Shfi Harbans Lal and Shri Harbans Lal S/o Shri Kashmiri Lal, R/o House No. 2313/1, Sath Ghara Street, Patials.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 2132, Mohalla Kothi Julam Garh, Old Thana Sadar, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 7069 of January, 1981 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana,

Date: 19-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 19th September, 1981

Ref. No. Chandigarh/317/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No.

Plot No. 1155, Sector 34-C, Chandigarh.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Rgistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in January, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Charanjit. Kaur w/o Shri Mukhban Singh through Shri Manjit Singh s/o Shri Madan Singh r/o 55, Sector 15-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mrs. Sunena Rani Anand w/o Shri B. D. Anand, r/o 1030, Sector 27-B, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 1155, situated in Sector 34-C, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered deed No. 1822 of January, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 19-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ĻUDHIANA

Ludhiana, the 19th September, 1981

Ref. No. Chandigarh/319/80-81.—Whereas 1, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 1120, situated at Sector 33-C, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in January, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sqd. Ldr. Gurcharan Singh S/o Shri Hazur Singh,
 Sector 15-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Dr. Sushil Chandra Gupta, B-38, Soami Nagar, New Delhi-110007.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 1120, Sec. 33-C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1839 of January, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 19-9-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 19th September, 1981

Ref. No. Chandigarh/305/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 1348, situated at Sector 33-C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the offict of the Registering Officer at Chandigarh in January, 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Amar Singh S/o Shri Kishan Singh, Shri Devinder Singh, S/o Shri Amar Singh & Smt. Harinder Pal Kaur W/o Shri Amar Singh, all residents of E-37, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

Shri Gulzar Singh
 S/o Shri Rullia Singh Gill,
 R/o 4, Transport Area, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respetive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 1348, Sec. 33-C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1750 of January, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 19-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 19th September, 1981

Ref. No. Chandigarh/315/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. Plot No. 411 situated at Sector 34-A, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in January, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jaspal Singh Matharoo S/o Shri Sarwan Singh Matharoo R/o 189-B, Industrial Area, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mrs. Harminder Matharoo W/o Shri Satpal Singh R/o 13, M. W. Industrial Area, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 411, Sector 30-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1809 of Jan. 1981 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 19-9-1981

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

# ACQUISITION RANGE, LUDHIANA Ludhiana, the 19th September 1981

Ref. No. Chandigarh/304/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House No. 2243, situated at Sector 21-C, Chandigarh.

Khan, Ward No. XI, Darya Gani, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in January, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the asid Act, to the following persons, namely:—

Smt. Swaran Kaur
 W/o Shri Balwant Singh,
 R/o 6827, Topaz QSW Taxoma (Wash)-98498,
 U.S.A.

(Transferor)

(2) Smt. Balbir Kaur Lidder Wd/o Late Lt. Col. Baldev Singh Lidder, May Villa, Summer, Hill Simla.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

House No. 2243, Sector 21-C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No.1477 of January, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 19-9-1981

Soal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 19th September, 1981

Ref. No. Kharar/44/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHANID

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding No. Plot No. 1764, squated at Phase-III-B-2, Mohali, District Ropar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kharar in January, 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any inome arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Ranjit Singh and Gurmeet Singh ss/o Shri Baldev Singh, R/o 329, Sector 35-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Lt. Col. Dalip SinghS/o Shri Kishan Singh,R/o 1607-III-B2, Mohali,District Ropar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 1764, Phase-III-B-2, Mohali, District Ropar. (The property as mentioned in the sale deed No. 5085 of January, 1981 of the Registering Authority, Kharar.).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 19-9-1981

#### FORM ITNS...

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 19th September 1981

Ref. No. Khatar/43/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 10-C, situated at Phase-III-A, S. A. S. Nagar (Mohali) District Ropar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in January, 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—28—296GI/81

 Shri K. L. Nayyar through Shri Ramesh Chander, R/o 627, Phase-I, Mohali.

(Transferor)

(2) Smt. Sneh Prabha
 W/o Shri M. K. Verma,
 R/o 627, Phase-I, Mohali, District Ropar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 10-C, Phase III-A, S. A. S. Nagar, (Mohali) Distt. Ropar.

(The property as mentioned in the sale deed No. 5055 of of January, 1981 of the Registering Authority, Kharar).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax;
Acquisition Range, Ludhiana,

Date: 19-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITT. COMMISSIONER, OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 19th September, 1981

Ref. No. Chandigarh/318/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot No. 1676, situated at Sector 35-D, Chandigarh.

puram (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in January, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act; in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri N. K. Pramtma Singh S/o Shri Roop Singh, M. T. Company (U.R.O.) Infantory School, Mhow (M.P.).

(Transferor)

(2) Shri Sucha Singh S/o Shri Babu Singh & Smt. Charanjit Kaur W/o Shri Sucha Singh, R/o 3397/Sec. 35-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the afores and persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCEDULE

Plot No. f676, Sector 35-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1829 of January, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).,

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 19-9-1981

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# **GOVERNMENT OF INDIA**

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACOUISITION RANGE AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 10th September 1981

Ref. No. P. R. No. 1406 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Inconie-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 1, Plan No. 2, Plot No. 17, Sheet No. 4 "G" situated at Palace Road, Jamnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trasferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jamnagar on 15-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the asforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Chhota Lki Natha Lai Shah & another through; P.A. Holder Shri Mafat Lai Magan Lai New Super Market, Jamnagar.

Transferor)

 Shri Shantilal Kachrabhai Mehta; & others, "Krishna Kunj" Near Town Hall, Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 1, Plan No. 2, Plot No. 17, Sheet No. 4, "G"—admeasuring 14750 sq. ft. situated at Palace Road, Jamnagar, duly registered by Registering Officer, Jamnagar, vide sale deed No. 126/15-1-1981 i.e. property as fully described therein.

G.C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 10-9-1981

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th September 1981

Ref. No. P.R. No. 1407 Acq. 23-1/81-85—Whereas, I G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing S. No. 1021-Land situated at Vejalpur, Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 27-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent. of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Shri Priyakant Thakorlal Mansha; New Sharda Mandir Road, Ellisbridge, Ahmedabad-7.

(Transferor)

(2) Shri Ramanlal Mansukhlal Parikh; "Arhirwad", Bungalow No. 16, Inklab Society, Gulbai's Tekra, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land adm. 1 A. 34 G. bearing S. No. 1021, situated at Vejalpur, Dist. Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 1019/27-1-81 i.e. property as fully described therein.

G.C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 10th September, 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th Sptember, 1981

Ref. No. P.R. No 1409 Acq. 23-1/81-82--Whereas, I G. C-GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'); have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. TPS. 3, S. P. 605 No. 1/A/2 and 1/A/3 and 1/A/1 situated at Kocharab, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 27-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Welath-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (4) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Kanaiyalal Jeshinghbhai Chinai & others;
 Chinai Baug, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Jatin Jayantilal Shah;
 Main Promoter f thitralaya Coop. Housing Society
 Ltd., Ahmedabad.
 H. K. House, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of, the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land admeasuring 1070, sq. mts. 1507·63· sq. mts. & 618·37 sq. mts. bearing I'. P. No. 605, T.P.S. 3 (Varied) Sub-Plot Nos. 1/A/1, 2 & 3 situated at Kochrab, Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 1136/27-1-1981 i.e. property as fully described therein.

G.C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 11th September, 1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### COVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 11th September, 1981

Ref. No. P.R. No 1408 Acq. 23-I/81-82—Whereas, 1 G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 14-1 paiki situated at Junagadh, Distt. Rajkot.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Junagadh on 6-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Jadeja Sugansinhji Govindsinnhji himself and Karta of HUF. Viilage; Ganol Tal. Upieta, Dist, Rajkot.
  - Jadeja Balbhadresinhji Govindsinhji himself and karta of HUF.

Village: Ganod, Tal. Upleta, Dist. Rajkot.

(Transferor)

- Ba Shri Devkunverba Hematsinhji Gohil of Vejaika.
  - Shri Sureshchandra Mandal Sanghvi, Viilage Vadal, both S/o. C.N. Daftary, Chhaya Bazar, Junagadh.

(Transferce)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land adm. 7 Acre + 7 Acre, bearing S. No. 14-1 parki situated at Junagadh sim, Junagadh, duly registered vide sale-deed No. 57 & 58/6-1-81 by Registering Officer., Junagadh i.e. property as fully described therein.

G.C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Date: 11th September, 1981

# FORM ITNS----

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 16th September, 1981

Ref. No. AMB/131/80-81—Whereas, I G.S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. House No. C-7, New No. 625-B-9, Situated at Model Town, Ambala City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in Jan, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trp--feree for the purposes of the Indian Income-tax Acx, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Tripta Sharma W/o Shri Anil Kumar,
 H. No. 6-7, Kallash Nagar,
 Model Town, Ambala City.

(Transferor)

- (2) (i) Shri Ranbir Singh Kohli S/o Shri Karam Singh
  - (ii) Smt. Joginder Kaur W/o Sh. Randhir Singh of R/o 430-A, Model Town, Ambala City

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property heweing House No. C-7 New No. 625-B-9, situated in Kailash Nagar, Model Town, Ambala, City and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4611 dated 13-1-918

G.S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 16-9-1981

#### FORM I.T.N.S.-

S/Sh. Radha Ram Padam Kumar,
 Pushap Kumar, Sohan Lalm Mool Chand
 Ss/o Sh. Parkash Chand,
 R/o Tatia Distt. Hissar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s Modern Paper Board Mills, Ratia Distt. Hissar.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 16th September 1981

Ref. No. RTI/1/80-81—Whereas, I, G.S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here-inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 12 kanal 8 marla situated at Ratia

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Ratia in January, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Secion 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 12 kanal 8 marla at Ratia and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2063 dated 7-1-1981 with the Sub Registrar, Ratia.

G.S. G OPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 16-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 16th September, 1981

Ref. No. GRG/137/80-81—Whereas I, G.S. GOPALA being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. property consists of three storyed residential building with land measuring 5680 sq. yards situated at Civil Lines, Gurgaon.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gurgaon in February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
29-296GI/81

- Smt. Sushila Rani W/o Raja Rati Ram,
   C/o Sh. Devinder Kumar Bajaj, 2E-45,
   Gopinath Building, Connaught Place, New Delhi.
   (Transferor)
- (1) Smt. Anundi Devi W/o Sh. Chelu Ram R/o Nand Garm, Distt Bundi,
  - (2) Sh. Chelu Ram S/o Tota Ram, Bakhen Distt. Bundi (Rajasthan),
  - (3) Sh. Mahabir Singh S/o Chetu Ram R/o Nikras Distt. Bundi.
  - (4- Lt. Col. Krishan Lal S/o Ram Singh R/o Ishapur Distt, Bulland.
  - Sh. Balwan Singh S/o Sh. Teela Ram R/o Hakji Distt. Bulland.
  - (6) Smt. Bimla Yadav W/o Balbir Singh, R/o 117/IN, Blank, Kanpur (UP)
  - (7) Sh. Bhajan Pal S/o Sh. Ram Singh R/o Isha Pur Distt. Bulland.
  - (8) Sh. Daya Ram S/o Girdhari Yadav R/o Harath Distt. Saharanpur (U. P.)
  - (9- Sh. Madan Lal S/o Col. Ram Singh R/o Isha Pur Distt. Bulland.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being three storeyed residential building alongwith land measuring 5680 sq. yards situated at Civil Lines, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5172 dated 26-2-1981 with the Sub Registrar, Gurgaon.

G.S. GOPALA
Competent 'Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Daté: 16-9-1981

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Anıl Pahwa & Sanjay Pahwa, Ss/O Sh. Mohan Lal Pahwa,

(1) Shri Zila Singh S/o Aman Singh, Vıllage Kundali

(Transferor)

R/o 61/3m Ramjas Road, Karol Bagh, New Deihi

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE ROHTAK

- Rohtak, the 16th September, 1981

Ref. No. SPT/91/80-81—Whereas I, G.S. GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

land measuring 4300 sq. yds (7 K. 2 M.) situated at Kundlı

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat in - January, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under aubsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 4300 sq yds (7 K-2M) situated at Kundli and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3647 dated Jan., 1981 with the Sub Registrar Sonepat.

> G. S. GOPAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

Date: 16-9-1981 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Shri Aman Singh /o Kishan Chand, Viilage Kundli.

(Transferor)

(2) Shri Prithvi Raj S/o Sh. Meia Ram, R/o 3/C, New Rohtak Road, Delhi.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 16th September 1981

Ref. No. SPY/90-80-81—Whereas, I, G.S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

and bearing No. Land measuring 4390 sq. yards (7 K 5 M) situated at Kundii

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat ih January, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 4390 sq. yards (7 K 5 Marla) situated at Kundii and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3646 dated January 1981 with the Sub Registrar, Sonepat.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 16-9 1981

Scal:

#### FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 16th September 1981

Ref. No. SPT/91/80-81- Whereas I, G.S. GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land measuring 4300 sq. yards (7 K 2 M) situated at Kundli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat in Jan. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dharamvir S/o Shri Aman Singh, R/o Vill. Kundli.

(Transferor)

(2) Smt. Rubi Pahwa r/o Shri Mukesh Pahwa, R/o 61/8, Ramjash Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 4300 sq. yds (7K. 2 M) situated at Kundli and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3648 dated Jan., 1981 with the Sub Registrar, Sonepat.

G. S. GOPALA,

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 16-9-1981

### FORM ITNS----

 Shri Om Parkash S/o Shri Hushankiram, R/o House No. 317/R, Model Town, Panipat.

(Transferor)

(2) Shri Sushil Kumar & Ravinder Kumar, sons of Shri Laxmi Narain, R/o House No. 317/R, Model Town, Panipat.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK Rohtak, the 16th September 1981

Ref. No. PNP/91/80-81—Whereas, I G.S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No.317/R, M.T. Situated at Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Office at Panipat in January, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being house No. 317/R-Model Town, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4669 dated 20-1-81 with the Sub Registrar, Panipat.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: -16-9-1981

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMB-TAX

# ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 16th September, 1981

Ref. No. BGR/223 80-81—Whereas, I G.S.GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tnx Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. H. No. 63/15, Situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ballabgarh in January, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Banarsi Devi W/o Sh. S.K. Sachdeva, R/o 63/15, Faridabad.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Lal Gupta S/o Shri Har Ram Gupta R/o House No. 63, Sector 15, Faridabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being house No. 63/15 measuring 350 sq. yards situated at Faridabad and as more mentined in the sale deed registered at No. 1001 dated 8-1-1981 with the sub Registrar Ballabgarh.

G.5. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 16-9-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

JFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANE, ROHTAK

Rohtak, the 16th September, 1981

Ref No. RTK/57/80-81—Whereas I G.S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Shops Nos. 34 & 35 Delhi Road, situated at Rohtak

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Offic er at Rohtak in March, 1981

for an apparent consideration which is iess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Shri Ram Kishan Sharma S/o Shri Rati Ram, R/o Kothi No. 227-A, Model Town Rohtak.

(Transferor)

(2) Sh. Des Raj S/o Sh. Bodh Raj, S/o Sh. Sohna Ram, R/o 759/20, Shakti Nagar, Green Road, Rohtak.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being shops No 34 & 35 situated in Ward No. 28 Delhi Road, Model Town, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5179 dated 3-3-1981 with the Sub Registrar, Rohtak.

G.S. GOPALA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 16-9-1981

# FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

# ACQUISITION RANGE. ROHTAK

Rohtak, the 16th September, 1981

Ref. No. AMB/132/80-81—Whereas, I G.S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. House No. 4 Kailash Nagar, Situated at Ambala Cantt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in January, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the εaid Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inlitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Rajinder Kaur Wd/o Sh. Jaimal Singh, Ambala City.

(Transferor)

(2) Sh. Amas Kultas Singh S/o Sh. Kuldip Singh C/o Punjab & Sind Bank, Sector 17, Chandigarh.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being house No. 4 Kailash Nagar, Ambala Cantt Ambala and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4562 dated 9-1-1981 with the Sub Registrar, Ambala.

G.S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 16-9-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 16th September 1981

Ref. No. PNP/116/80-81—Whereas, I, G.S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shop No. 320-322 Ward No. 5, Main Bazar, Panipat.

Situated at Panipat.

(and more fully described in the Schedule annaxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in January, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Westth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to following persons namely:—

30-296GI/\$1

 Sh. Mangat Ram S/o Gobind Ram, H. No. 2 Ward No. 3, Panipat.

(Transferor)

(2) Smt Lala Wati W/o Sh. Om Parkash R/o H. No. 264 Ward No. 1, Panipat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being shop No. 320 to 322 Ward No. 5, Main Bazar, Panipat and as mentioned in the sale deed registered at No. 4638 dated 20-1-1981 with the Sub-Registrar, Panipat.

G.S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 109-1981

 Shri Mathura Lal S/o Sh. Roop Ram Shri Rang Lal S/o Savlia, Model Town, Faridabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Gulshan Lal Vohra S/o Shri Bal Mukand & Smt. Meena Vohra W/o Shri Gulshan Lal Vohra, R/o 1848 Sector 22-B, Chandigarh.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 16th September, 1981

Ref. No. BGR/238/80-81—Whereas I, G.S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Plot No.10 Block-A sector-11, situated at Faridabad

(and more fully described in the Schedule anuexed hereto) has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in Jan, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being plot No. 10 Block-A, Sector 11, Faridabad measuring 1000 sq. yards and as more mentioned in the sale deed registered at No. 10288 dated 15-1-1981 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 16-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 16th September, 1981

Ref. No. BGR/233/80-81—Whereas, I G.S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. Industrial Plot No. 92 area 1741 sq. yards, DLF Industrial Estate No. 1, Faridabad situated at Faridabad.

r (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ballabgarh in Jan. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shiv Lal Adhlakha S/o Sh. Ganga Ram, Prop. M/s Textile House Ajamalkha Road, Karol Bagh, New-Delhi.

(Transferor)

(2) M/s, Mahajan & Co. through Sh. N. K. Mahajan, R/o 181, Sector 15, Farldabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being Industrial plot No. 92 area 1741 sq. yards situated in Industrial Estate No. 1, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 10176 dated 14-1-918 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Rohtak,

Date | 16-9-1981 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 16th September 1981

Ref. No. BGR/20/81-82 Whereas, I G.S. GOPALA being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop at Main Bazar, situated at Faridabad.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ballabgarh April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the tansferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfeed for the 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Raj Kumar Gupta S/o Shri Rama Nand, R/o Old Faridabad.

(Transferor)

(2) Shri Datta Ram S/o Sh. Bdhu Ram Hans, R/o H. No. 104, Sector 18-A, Old Faridabad (Naryana)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being shop at Main Bazar Old, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1292 dated 28-4-1981 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

O.S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 16-9-1981

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQISITION RANGE-II MADRAS

Madras, the 17th September, 1981

Ref. No. 11324—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. TS 12/186/1, Sanganu, situated at Sanganur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 90/81) on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

R. Sundararaman,
 Raja Annamalai Chettiar Road,
 Bharathi Park, Road, Coimbatore

(Transferor)

(2) C. R. Krishnaswamy, K. Balachandran, K. Samboth, K. Murahdharan 16/34, Krishnaswamy Mudaliar Road, Coimbatore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the sac meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building at TS 12/186/1, Sanganur Coimbatore, (15, Bharathi Park Road) (Doc. 90/81)

RADHA BALKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range -II, Madras-600009

Date: 17th September 1981

# UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

#### NOTICE

# COMBINED DEFENCE SERVICES EXAMINATION MAY, 1982

New Delhi, the 24th October 1981

No. F8/4/81-EI(B).—A combined Defence Services Examination will be held by the Union Public Service Commission commencing from 9th May, 1982 for admission to the undermentioned courses:—

Name of the Course and Approximate No. of Vacanties

- Indian Military Academy, Dehra Dun (74th Course commencing in January, 1983)
   Includes 32 vacancies reserved for NCC
   'C' Certificate (Army Wing) holders].
- (3) Air Force Academy AFAC, Coimbatore
  [Pre-Flying Training Course for 133rd
  F(P) Course commencing January, 1983]
  [Includes 15 reserved for NCC 'C'
  Certificate (Air Wing) holders].
- (4) Officers' Training School Madras (37th course commencing in May, 1983) 268
- N.B. (i)—A candidate is required to specify clearly in Col. 8(b) of the Application Form the Services for which he wishes to be considered in the order of his preference. He is also advised to indicate as many preferences as he wishes to, so that having regard to his rank in the order of merit, due consideration can be given to his preferences when making appointments.
- N.B. (ii).—The left-over candidates of the IMA Course for grant of Permanent Commission of this examination will be considered for grant of SSC(NT) on the basis of this examination even if they have not indicated their choice for this course in their applications, if they are subsequently willing to be considered for this Course, subject to the following conditions:—
  - (i) There is a shortfall after detailing all the candidates who completed for the SSC(NT) Course; and

- (ii) The candidates who are detailed for training even though they have not expressed their preference for SSC (NT) may be placed in the order of Merit List after the last candidate who had opted for this Course, as these candidates will be getting admission to the Course to which they are not entitled according to the preferences expressed by them.
- Note I: NCC 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing) holders may also complete for the vacancles in the Naval Academy and Short Service Commission (Non-Technical) Courses, but since there is no reservation of vacancies for them in these courses, they will be treated as general candidates for the purpose of filling up vacancies in these Courses. Candidates who have yet to pass NCC 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing) examination, but are otherwise eligible to compete for the reserved vacancies, may also apply but they will be required to submit the proof of passing the NCC 'C' Certificate (Army Wing/(Senior Division Air Wing) examination to reach the Army HQ/ Rtg 6 (SP)(c), New Delhi-110022 in case of IMA/ SSC(NT) first choice candidates and Naval HQ/ R&R, Sena Bhawan, New Delhi-110011 in case of Navy first choice candidates and Air HQ/PO-3, Vayu Bhawan, New Delhi-110011 in case of Air Force first choice candidates by 31st December, 1982.

To be eligible to compete for reserved vacancies the candidate should have served for not less than 2 academic years in the Senior Division Army Wing/3 academic years in the Senior Division Air Wing of National Cadet Corps and should not have been discharged from the NCC for more than 12 months on the last date for receipt of application in the Commission's Office.

- Note II: In the event of sufficient number of qualified NCC
  'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air
  Wing) holders not becoming available on the results
  of the examination to fill all the vacancies reserved
  for them in the Indian Military Academy Course/
  Air Force Academy Course the unfilled reserved
  vacancies shall be treated as unreserved and filled by
  general candidates.
- Admission to the above courses will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board, of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme, standard and syllabus of the examination, (b) physical standards for admission to the Academy/School, and (c) brief particulars of service etc. for candidate joining the Indian Military Academy, Naval Academy, Air Force Academy and Officers' Training School are given in Appendices I, II and III respectively.

NOTE:—THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS OF THE EXAMINATION WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

2. CENTRES OF EXAMINATION.—Agartala, Ahmedabad, Aizewl, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Imphal, Itanagar, Jaipur, Jammu, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patna, Port Blair, Shillong, Simla, Srinagar and Trivandrum.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See para 11 below).

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary. Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 1st April, 1982 will not be entertained under any circumstances.

# 3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY

(a) Nationality

A condidate must either be-

- (i) a citize of India, or
- (ii) a subject of Bhutan,
- (iii) a subject of Nepal, or
- (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India or
- (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lank and East African countries of Kenva, Uganda, United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will, not however, be necessary, in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also be provisionally admitted to the Academy or School, as the case may be, subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

- (b) Age limits, sex and marital status:-
  - (i) For I.M.A., Naval and Air Force Academy—Unmarried male candidates born not earlier than 2nd January, 1961 and not later than 1st January, 1964 are only eligible.
  - (ii) For Officers's Training School—Male candidates (married or unmarried) born not earlier than 2nd January, 1960 and not later than 1st January, 1964 are only eligible.
- Note: —Date of birth as recorded in Matriculation/Higher Secondary or equivalent examination certificate will only be accepted.

Candidates with first choice of IMA/Navy and Air Force are to submit proof of age (original) while reporting for SSB interview for the purposes of verification by the Selection Staff.

# (c) Educational qualifications:-

- (i) For I.M.A. Naval Academy and Officers' Training School:—Degree of a recognised University or equivalent.
- (ii) For Air Force Academy:—Degree of a recognised University or equivalent with Physics and/or Mathematics, as subject(s).

Graduates with first choice as Navy/Air Force are to submit proof of graduation provisional certificates within two weeks of completion of SSB interview, to Army HQ [Rtg. 6 SP (e)]NHQ(R&R Section)/Air HQ-PO3A respectively.

Candidates who have yet to pass the degree examination can also apply but they will be required to submit proof of passing the degree examination to reach the Army HQ/Rtg 6(SP) (e), New Delhi-110022 in case of IMA/SSC(NT) first choice candidates and Naval HQ/R&R, Sena Bhawan, New Delhi-110011 in case of Navy fist choice candidates and Air HQ/PO-3, Vayu Bhawan, New Delhi-110011 in case of Air Force first choice candidates by the following date falling which their candidature will stand cancelled:—

- (i) For admission to IMA, Naval and Air Force Academy on or before 31st December, 1982. Those candidates whose Degree results are not declared by this date will be permitted, as a special case, to submit their certificates to reach respective HQrs, by 10th January, 1983.
- (ii) For admission to Officers Training School Madras on or before 30th April, 1983. Those candidates whose Degree results are not declared by this date will be permitted, as a special case, to submit their certificates to reach Army HQrs. latest by 15th May, 1983.

Candidates possessing professional and technical qualifications which are recognised by Government as equivatent to professional and technical degrees would also be eligible for admission to the examination.

In exceptional cases the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which, in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

- Note I: Those candidates who have yet to qualify in he Degree Examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this is only a special concession given to them. They are required to submit proof of passing the Degree examination by the prescribed date and no request for extending this date will be entertained on the grounds of late conduct of basic qualifying University Examination, delay in declaration of results or any other ground whatsoever.
- NOTE II: Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of Commission in the Defence Services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted, their candidature will be cancelled.
- Note III: Naval Sailors (including boys and artificer apprentices) except Special Service Sailors having less than 6 months to complete their engagements are not eligible to take this examination. Applications from Special Service Sailors having less than six months to complete their engagements will be entertained only if these have been duly recommended by their Commanding Officers.
- 4. FEE TO BE PAID WITH THE APPLICATION.—
  Rs. 28/- (Rupees Twenty-eight) [Rs. 7/- (Rupees Seven) for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates]. Applications not accompanied by the prescribed fee will be summarily rejected.
- 5. REMISSION OF FEE.—The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erat-while East Pakistan (now Bangla Deah) and has migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971 or is a bona fide reparlate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1st June, 1963 or is a bona fide repariate of Indian origin from Sri Lanka who migrated to India on or after 1st November, 1964 or is a prospective repatrlate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.
- 6. HOW TO APPLY.—Only printed application on the form prescribed for the Combined Defence Services Examination May, 1982 appended to the Notice will be entertained. Completed applications should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dhoipur House, New Delhi-110011. Application forms and full particulars of the examination can be had from the following sources:—
  - (i) By post from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by remitting Rs. 2/- (Rupees Two) by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary, U.P.S.C. at New Delhi G.P.O.
  - (ii) On cash payment of Rs. 2/- (Rupees Two) at the counter in the Commission's office.
  - (iii) Free of charge from nearest Recruiting Office, Military Area/Sub-Area Headquarters, N.C.C. Directorates, Naval and Air Force Establishments.

The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball point pen. All entries/answers should be in words

and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in will be rejected.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application form correctly.

All candidates whether already in Government service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as work charged employees other than casual or daily rated employees or those serving under the Public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

A candidate serving in the Armed Forces must submit his application through his Commanding Officer who will complete the endorsement (vide Section 'B' of the application form) and forward it to the Commission.

7. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 21st December, 1981 (4th January, 1982 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 21st December, 1981, and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 21st December, 1981.

Note (i) Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the

particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

(i) Fee of Rs 28/- (Rupees Twenty-eight) [Rs 7/tions by hand at the UPSC counter or send it by
Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any
other functionary of the Commission.

8. DOCUMENTS TO BE SUBMITTED WITH THE APPLICATION.

# (A) By all candidates: -

(i) Fee of Rs. 28/- (Rupees Twenty-eight) [Rs. 7/- (Rupees Seven) for Scheduled Castes/ Tribes candidates] through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any braneh of the State Bank of India payable to the Secretary Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Note:—Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidates on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad as the case may be for credit to the account Head "051 Public Service Commission—examination fee' and the receipt attached with the application.

# (ii) Certificate of age-

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Insti-31—296GI/81

tution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

Note 1:—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLETED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTESTED/CFRTIFIED COPY OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.

Note 2:—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATION, CERTIFICATE OR AN FOUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION, AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.

Note 3:—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEFN CLAIMFD BY THEM AND ENTERFD IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN FXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED'S SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) Attested/certified copy of certificate of educational qualification.

A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in para 3(c) or is likely to acquire it so as to be able to submit proof of passing it by the date prescribed in para 3(c). The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the attested/certified copy of the University Certificate of passing the degree or equivalent examination submitted by a candidate competing for the Air Force Academy in support of his educational qualifications does not indicate the subjects of the examination, an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Head of Department showing that he has passed the qualifying examination with one or more of the subjects specified in para 3(c)(ii) must be submitted in addition to the attested/certified copy of University Certificate.

- (iv) Attendance sheet (attached with the application form) duly filled.
- (v) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx) photograph of the candidate duly signed on the front side.

One Copy of the photograph should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.

- (vi) Two self-addressed unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms. × 27.5 cms.
- (B) By Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates:-

Attested/certified copy of certificate in the form given in Appendix IV from any of the competent authorities (mentioned under the certificate) of the District in which he or his parents (or surviving parent) ordinarily reside, in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe.

- (C) By candidates claiming remission of fee:-
  - (i) An attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer or a Member of Parliament or State Legislature certifying that he is not in a position to pay the prescribed fee.
  - (ii) An attested/certified copy of a certificate from the following authorities in support of the claim to be a bona fide displayed person/repatriate:—
- (A) Displaced person from erstwhile East Pakistan:
  - (i) Cuma Commandant of the Transit Centres of the Dandaka: anva Project or of Relief Camps in various States

#### OR

(ii) District Magistrate of the area in which he may for the time being, he resident.

#### OR

(iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district.

#### OR

(iv) Sub-Divisional Officer within the sub-division in his charge.

#### OR

- (v) Deputy Refueee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.
- (b) Repatriates from Sri Lanka:

High Commission for India in Sri Lanka.

(c) Repatriate from Burma:

Embassy of India. Rangoon or District Magistrate of the area in which he may be resident.

(D) By NCC 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing) holders competing for the vacancies reserved for them in the I.M.A. and Air Force Academy Course.

An attested 'certified copy of a certificate to show that he is a NCC 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing) holder or a certificate to the effect that he is appearing or has appeared in the N.C.C. 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing) examination.

NOTE — CANDIDATES ARE REQUIRED TO SIGN THE ATTESTED/CERTIFIED COPIES OF ALL THE CERTIFICATES SENT ALONG WITH THE APPLICA-TION FORM AND ALSO TO PUT THE DATE.

9. RFFUND OF FEE.—No refund of fee paid to the Commission with the application will be made except in the following cases nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection:—

- (i) A refund of Rs. 15/- (Rupees fifteen) [Rs. 4/- (Rupees four) in case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes] will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, an application is rejected on receipt of information that the candidate has failed in the degree examination or will not be able to submit the proof of passing the degree examination by the prescribed date, on refund of fee will be made to that candidate.
- (ii) A refund of Rs. 28/- (Rupees Twenty-eight) [Rs. 7/- (Rupees seven) in the case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes] will be made in the case of a candidate who took the Combined Defence Services Examination November, 1981, and is recommended for admission to any of the courses on the results of that Examination provided his request for cancellation of candidature for the Combined Defence Services Examination May, 1982, and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 15th October, 1982.
- 10. ACKNOWLEDGEMENT OF APPLICATIONS—Every application including late ones, received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration No. is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration No. has been issued to the candidate does not, *ipso-facto*, mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

- 11. RESULT OF APPLICATION.—If a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12. ADMISSION TO THE EXAMINATION.—The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.
- 13. ACTION AGAINST CANDIDATES FOUND GUILTY OF MISCONDUCT.—Candidates are warned that they should not furn... "at are false or suppress any material in the application form. Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its attested/certified copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discremence octween two or more much documents or their attested/certified copies, an explanation regarding the discrepancy should be submitted

A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tempered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations: or
- (xi) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregong clauses may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable:—
  - (a) to be disqualified by the Commission from the Examination for which he is a candidate; or
  - (b) to be debarred either permanently or for a specified period— '
    - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them; and
    - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
  - (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate .rules.

Provided that no penalty under this paragraph shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed, to him, into consideration.
- 14. ORIGINAL CERTIFICATES—SUBMISSION OF—Only those candidates who qualify in the SSB interview are required to submit their original certificates in support of their age and educational qualifications etc. to Army HQ/Rtg. 6(SP) (e), New Delhi-110022 in case of 1MA/SSC (NT) first choice candidates and Naval HQ/R&R, Sena Bhawan New Dedhi-110011 in case of Navy first choice candidates and Air HQ/PO-3, Vayu Bhavan, New Delhi-110001, in case of Air Force first choice candidates within two weeks of completion of SSB interview and not later than 31st December, 1982. Certified true copies or photostat copies of the certificates will not be accepted in any case.
- 15. COMMUNICATION REGARDING APPLICATIONS.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD

INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTI-CULARS:--

- (1) NAME OF EXAMINATION
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION
- (3) APPLICATION REGISTRATION NUMBER/ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OR CANDI-DATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS)
- (5) FOSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLI-CATION.
- N.B. (i)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULIARS MAY NOT BE ATTENDED TO.
- N.B. (ii)—IF A LEITER COMMUNICATION IS RE-CEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DUES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.
- 16. CHANGE OF ADDRESS.—A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are redirected, if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earnest opportunity giving the particulars mentioned in paragraph 15 above.

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE CUMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATION SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE KESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARTERS, A.G.'S BRANCH RTG. 6(SP) (c)(ii), "WEST BLOCK 3, WING I, RAMARKISHNAPURAM, NEW DELHI-110011, FAILURE TO COMYLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTERS FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Although the authorities make every effort to take account of such changes they cannot accept any responsibility in the matter.

17. ENQUIRIES ABOUT INTERVIEW OF CANDIDATES QUALIFYING IN THE WRITTEN EXAMINATION.—Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board, should address enquiries or requests, if any, relating to their interview direct to the Army Headquarters. AG's Branch, RTG o(SP)(e)(ii), West Block 3, Wing 1, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022 and Air Headquarters (PO3) Vayu Bhavan, New Delhi-110011 in the case of Air Force candidates.

Candidates are required to report for SSB interview on the date intimated to them in the call up letter for interview. Request for postponing interview will only be considered in very genuine circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army HQ Air Headquarters will be the sole deciding authority.

The candidates called for SSB interview at different Services Selection Centres will bring with them the following articles:

- (a) Passport size photographs in white shirt-6 Nos.
- (b) Bedding and blankets (according to season).
- (c) Two pairs of white shirts and shorts.

- (α) A pan of white P1 shoes and two pairs of white socks.
- (e) Two pairs of trousers and shirts.
- (f) Fountain Pen, ink and pencils.
- (g) Boot polish and white blanco.
- (h) One mosquito net.

18. ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION, INTERVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES, ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINALLY QUALIFIED CANDIDATES.—The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Services Selection Board for Intelligence and Personality fests simultaneously for all the entries for which they have qualified.

Candidates who qualify in the Written examination for IMA (D.E.) Course and/or Navy (S.E.) Course and/or Att Force Academy Course inrespective of whether they have also qualified for SSC (NI) Course or not, will be detailed for SSB. tests in September/October, 1982 and candidates who quality for SSC (NI) Course only will be detailed for SSB tests in December, 1982/January, 1983.

Candidates will appear before the Services Selection Board and undergo the tests thereat at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief from Government in respect of any multy which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Candidates will be required to sign a certificate to this effect on the form appended to the application.

To be acceptable, candidates should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination and (ii) S.S.B. tests as fixed by the Commission in their discretion. The candidates will be placed in the order of ment on the basis of the total marks secured by them in the written examination and in the S.S.B. tests. The form and manner of communication of the results of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success at the examination confers no right of admission to the Indian Military Academy, the Naval Academy, Air Force Academy or the Officers Training School as the case may be. The final selection will be made in order of merit subject to medical fitness and suitability in all other respects and number of vacancies available.

19. DISQUALIFICATIONS FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE.—Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy, Indian Military Academy, Air Force Flying College, Naval Academy, Cochin Officers' Training School, Madras but were removed therefrom on disciplinary grounds will not be considered for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy, Air Force Academy or for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the Indian Miniary Academy for lack of Officer-like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

\_\_\_\_\_\_

Candidates who were previously selected as Special Entry Naval Cadets but were withdrawn from the National Defence Academy or from Naval Training Establishments for Jack of Oincer-like qualities will not be eligible for admission to the Indian Navy.

Candidates who were withdrawn from Indian Military Academy, Officers' Training School, N.C.C. and Graduate Course for lack of Officer-like qualities will not be considered for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the N.C.C. and Granuales Course for lack of Olincer-like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

20. RESTRICTIONS ON MARRIAGE DURING TRAINING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN THE NAVAL ACADEMY OR IN THE AIR FORCE ACADEMY.—Candidates for the Indian Military Academy Course or Naval Academy Course, or Air Force Academy Course must undertake not to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of his application, though successful at this or any subsequent examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him by the Government.

No candidate for the Short Service Commission (N.T.)

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for admission to the Officers' Training School/grant of Short Service Commission.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

- 21. OTHER RESTRICTIONS DURING TRAINING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN THE NAVAL ACADEMY OR IN IHE AIR FORCE ACADEMY.—After admission to the Indian Military Academy or the Naval Academy or the Air Force Academy candidates will not be considered for any other Commission. They will also not be permitted to appear for any interview or examination after they have been linally selected for training in the Indian Military Academy, or the Naval Academy or the Air Force Academy.
- 22. INTELLIGENCE TEST—INFORMATION ABOUT.—The Ministry of Defence (Directorate of Psychological Research) have published a book with the title "A study of Intelligence Test scores of candidates at Services Selection Boards'. The purpose of publishing this book is that the candidates should familiarise themselves with the type of Intelligence Tests they are given at the Services Selection Boards.

The book is priced publication and is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) Kitab Mabal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Bulding, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publication Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110001, and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001.

VINAY JHA, Joint Secretary

# APPENDIX I

(The scheme, standard and syllabus of the examination)

# A. SCHEME OF THE EXAMINATION

- 1. The Competitive examination comprises:—
  - (a) Written examination as shown in para 2 below:
  - (b) Interview for intelligence and personality test (vide Part B' of this Appendix) of such candidates as may be called for interview at one of the Services Selection Centres.
- 2. The subjects of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows:—
- (a) For admission to Indian Military Academy i

Subject		Duration	Maximum Marks
1. English		2 Hours	100
<ol><li>General Knowledge .</li></ol>		2 Hours	100
3. Elementary Mathematics		2 Hours	100

# (b) For Admission to Naval Academy

Subject				Time allowed	Maximum Marks
COMPULSORY				<del></del>	
1. English				2 Hrs.	100
2. General Knowledge .	•			2 Hrs.	10~
OPTIOANL					
*3. Elementary Mathematics	or	Ele	_		
mentary Physics .				2 Hrs.	100
•4. Mathematics or Physics				2 Hts.	150
				Mathe take their and offerin tary	Elementary matics will Physics as 4th paper Cacdidates g Elemen-

# (c) For Admission to Officers' Training School :

Subject	 	<b>_</b>	Time allowed	Maximum Marks
1. Engush			2 Hours	100
2. General Knowledge			2 Hours	100

(d) For Admission to Air Force Academy .

Subject		Duration	Maximum Marks
1. English		2 Hours	100
2. General Knowledge .		2 Hours	100
3. Elementary Mathematics		2 Hours	100
4. Mathematics or Physics		2 Hours	150

The maximum marks allotted to the written examination and to the Interviews will be equal for each course i.e. the maximum marks allotted to the written examination and to the interviews will be 300, 450, 200 and 450 each for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy, Officers' Training School and Air Force Academy.

- 3. 1HE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CON-SIST OF OBJECTIVE FYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.
- 4. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of Weights and Measures only will be set.
- 5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.
- 6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.
- 7. The candidates are not permitted to use calculators, for answering objective type papers (Test Booklets). They should not therefore, bring the same inside the examination hall.

# B. STANDARD AND SYLLABUS OF THE EXAMINATION

# STANDARD

The standard of the paper in Elementary Mathematics will be of Matriculation Examination and that of Elementary Physics will be of Higher Secondary Examination

The standard of papers in other subjects will approximately be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

There will be no practical examination in any of the subjects.

# SYLLABUS

# ENGLISH (Code No. 01)

The question paper will be designed to test the candidate's understanding of English and workmanlike use of words.

### GENERAL KNOWLEDGE (Code No. 02)

General Knowledge including knowledge of current events and of such matters of every day observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

# ELEMENTARY MATHEMATICS (Code No. 03)

#### Arithmetic

Number System—Natural numbers, Integers, Rational and Real numbers. Fundamental operations addition subtraction, multiplication, division, Square 1001s, Oct. Main fractions.

Unitary method-time and distance, time and work, percentages-applications to simple and compound interest, profit and loss. Ratio and proportion, variation.

Elementary Number Theory—Division algorithm, Prime and composite numbers. Tests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9 and 11 Multiples and factors. Factorisation Theorem, H.C.F. and L.C.M. Euclidean algorithm.

Logarithms to base 10, laws of logarithms, use of logarithmic tables.

#### Algebra

Basic Operations: simple factors, Remainder Theorem, H.C.F., L.C.M. Theory of polynomials, Solutions of quadratic equations relation between its roots and coefficients. (Only real roots to be considered). Simultaneous linear equations in two unknowns—analytical and graphical solutions. Simultaneous linear inequations in two variables and their solutions. Practical problems leading to two simultaneous linear equations or inequations in two variables or quadratic equations in one variable and their solutions. Set language and set notation. Rational expressions and con-umonal identities. Laws of Indices.

# Trigonometry

Sine X, Cosine X, Tangent X when  $0^{\circ} \leq 90^{\circ}$ .

Values of sin x,  $\cos$  x and  $\tan$  x, for x=0°, 30°, 45°, 60° and 90°,

Simple trigonometric identities.

Use of trigonometric tables.

Simple cases of heights and distances.

# Geometry

Lines and angles, Plane and plane figures. Theorems on (i) Properties of angles at a point, (ii) Parallel lines, (iii) Sides and angles of a triangle, (iv) Congruency of triangles, (v) Similar triangles, (vi) Concurrence of medians and altitudes, (vii) Properties of angles, sides and diagonals of a parallelogram, rectangle and square, (viii) Circle and its properties including tangents and normals, (ix) Loci.

#### Mensuration

Areas of squares, rectangles, parallelograms, triangle and circle. Areas of figures which can be split up into these figures (Field Book) Surface area and volume of cuboids, lateral surface and volume of right circular cones and cylinders. Surface area and volume of spheres.

Collection and tabulation of statistical data. Graphical representation—frequency polygons, histograms, bar charts, pie charts etc.

Measures of central tendency.

LILLMENTARY PHYSICS (Code No. 05)

(a) Mensuration.—Units of measurement; CGS and MKS units. Scalers and vectors. Composition and resolution of forces and velocities. Uniform acceleration. Rectilinear motion under uniform acceleration. Newtons Laws of Motion, concept of Force. Units of Force. Mass and weight.

(b) Mechanics of Solids.—Motion under gravity. Parallel

forces. Centre of Gravity. States of equilibrium. Simple Mochanes Velocity Ratio. Various simple machines including inclined plane. Screw and Gears. Friction angle of frictions, coedicient of friction. Work, Power and energy, Polep-.... and kinetic energy.

- (c) Properties of fluids.—Pressure and Thrust. Pascal's Law. Archimedes principle. Density and Specific gravity. Application of the Archimedes principle for the determination of specific gravities of solids and liquids. Laws of flotation. Measurement of pressure exerted by a gas. Boyle's Law. AIT pumps.
- (d) Heat.—Linear expansion of solids and cubical expansion of liquids. Real and apparent expansion of liquids. heat of solids and liquids: calorimetry. Transmission of heat; Conductivity of metals. Change of State. Latent heat uson and vaporization. SVP humidity, dew point and relative humidity.
- (e) Light.—Rectilinear propagation. Laws of reflection, spherical mirrors; Refraction, laws of refraction, Lenses, Optical instruments, camera, projector, epidiascope, telescope, binocular & periscope. Refraction through a of ism. dispersion.
- (f) Sound.—Transmission of sound; Reflection of sound, resonance. Recording of sound-gramophone.
- (g) Magnetism & Electricity.—Laws of Magnetism. Magnetis neid. Magnetic lines of force, Terrestrial Magnetism, Conductors and insulators. Ohm's Law. P. D. Resistances EMF (Resistances in series and parallel). Potentiometer, Comparison of EMF's Magnetic effect of an electric current; A conductor in a magnetic field. Fleming's left hand rule. Measuring instruments—Galvanometer, Ammeter, Voltmeter, Wattmeter, chemical effect of an electric current, electroplating; Electromagnetic induction. Faraday's Laws; Basic & DC-generator.

# PHYSICS (Code No. 06)

# 1. General properties of matter and mechanics

Units and dimensions, scalar and vector quantities; Moment of Inertia, Work, energy and momentum. Fundamental laws a mechanics; rotational motion gravitation. Simple, harmonic motions, simple and compound pendulum. Elasticity, Surface tension; Viscosity of liquids. Rotary pump.

#### 2. Sound

Damped, forced and free virations. Wave motion. Doppler effect, velocity of sound waves; effects of pressure tem-perature and humidity on velocity of sound in a gas. Vibra-tion of strings, membranes and gas columns. Resonance. beats; Stationary waves. Measurement of frequency, velocity and intensity of sound. Elements of ultra sonics. Elements tary principles of gramophone, talkies and loudspeakers.

#### 3. Heat and Thermodynamics

Temperature and its measurement; thermal expansion; Isothermal and adiabatic changes in gases Specific heat and thermal conductivity; Elements of the kinetic theory of matter; Physical ideas of Boltzmann's distribution law; vander wall's equation of state; Joule Thompson effect; liquefaction of gases; Heat engines; Carnot's theorem; Laws of thermodynamics and simple applications. Black body radiation.

# 4. Light

Geometrial optics. Velocity of light. Reflection and refraction of light at plane and spherical surfaces. Spherical and chromatic defects in optical images and their correction. Eye and ohter optical instruments. Wave theory of light, interference.

#### Electricity and Magnetism

Energy due to a field: Electrical and magnetic properties of matter: Hysteresis permeability and susceptibility: Magnetic field due to electrical curent; Moving magnet and moving coil galvanometers Measurement of current and resistance; Properties of reactive circuit elements and their determination, thermoelectric effect; Electromagnetic induction; Production of alternating currents. Transformers and motors; Electronic valves and their simple applications.

# 6. Modern Physics

Elements of Bohr's theory of atom Electrons Discharge of Electricity through gases; Cathode Rays and X-rays Radio-activity Artificial radioactivity, Isotopes. Elementary ideas of fission and fusion.

# MATHEMATICS (Code No. 04)

# 1. Algebra

Algebra of Sets, relations and functions: inverse of functions; composite function; equivalence relation; De Movire's theorem for rational index and its simple applications.

#### 2. Matrices

Algebra of Matrices, determinants, simple properties of determinants. product of determinants: adjoint of a matrix: inversion of matrices, rank of a matrix. Application of matrices to the solution of linear equvations (in three dimensions).

# & Analytical Geometry

# Analytical Geometry of two dimensions

Straight lines, pair of straight lines, circles, systems of circles, ellipse, parabola, hyperbola (referred to principal axis). Reduction of a second degree equation to standard form. Tangents and normals.

# Analytical Geometry of three dimensions

Planes, straight lines and spheres (Cartesian co-ordinate only).

# 4. Calculus and Differential Equation

Differential calculus—Concept of limit, continuity and differentiability of a function of one real variable, derivative of standard functions, successive differentiation Rolle's theorem. Mean value theorem; Maclaurin and Taylor series (proof not needed) and their applications; Binomial expansion for rational index, expansion of exponential, logarithmic trigonometrical and hyperbolic functions. Indeterminate forms Maxima and Minima of a function of a single variable, geometrical applications such as tangent, normal, subtangent, subnormal, asympotic curvature (cartesian co-ordinates only). Envelope: Partial differentiation. Euler's theorem for homogeneous functions.

Integral calculus—Standard methods of integration. Reimann definition of definite integral of continuous functions, Fundamental theorem of integral calculus. Rectification, quadrature, volumes and surface area of solids of revolution. Suppons rule for numerical integration.

Differential equations—Solution of standard first order differential equations. Solution of second and higher order linear differential equations with constant coefficients, Simple application of problems on growth and decay, simple harmonic motion. Simple pendulum and the like,

#### 5. Mechanics (Vector methods may be used)

Statics.—Conditions of equilibrium or coplanar and concurrent forces. Moments. Couples. Centre of gravity of simple bodies. Friction, Static and limiting friction, angle of friction, equilibrium of a particle on a rough inclined plane. Virtual work (two dimensions).

Dynamics.—Kinematics Displacement, speed velocity and accleration of a particle; relative velocity. Motion in a straight line under constant acceleration Newtons laws of motion. Central Orbits. Simple harmonic motion. Motion under gravity (in vacuum). Impulse work and energy. Conservation of energy and linear momentum. Uniform circular Motion.

6. Statistics.—Probability—Classical and statistical definition of probability, calculation of probability of combinatorial methods, addition and multiplication theorems, conditional probability. Random variables (discrete and continuous). density function. Mathematical expectation.

Standard distribution—Binomial distribution, definition, mean and variance, skewness, limiting from simple application; Poisson distribution—definition, mean and variance additive property fitting of Poisson distribution to given data. Normal distribution, simple properties and simple applications, fitting a normal distribution to given data.

Bivariate distribution—Correlation, linear regression involving two variables, fitting of straight line, parabolic, and exponential curves, properties of correlation coefficient.

Simple sampling distribution and simple tests of hypothesis; Random sample. Statistics. Sampling distribution and standard error Simple application of the normal't, chi<sup>2</sup> and F distributions to testing of significance of difference of means.

Note:—Out of the two topics No. 5 Mechanics and No. 6 Statistics, the candidates will be allowed the option of answer, ing questions on any of the two topics.

# INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition to the interview the candidates will be put to Intelligence Tests both verbal and non-verbal, designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Tests such as group discussions, group planning outdoor group tasks, and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms, this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interests in current affairs.

#### APPENDIX II

Physical Standards for Candidates for Combined Defence Services Examination

NOTE,—CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARD. THE STANDARDS OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW.

A NUMBSR OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS. CANDIDATES ARE THEREFORE ADVISED IN THEIR OWN INTERFST TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE

- 1. A candidate recommended by the Services Selection Board will undergo a medical examination by a Board of Service Medical Officers. Only those candidates will be admitted to the academy or school who are declared fit by the Medical Board. The proceedings of the Medical Board are confidential and will not be divulged to anyone. However, the candidates declared unfit/temporarily unfit will be intimated by the President of the Medical Board and the procedure for request for an Appeal Medical Board will also be intimated to the candidate. The candidate must be physically fit according to the prescribed physical standards which are summarised below:—
  - (a) The candidate must be in good physical and mental health and free from any disease/disability which is likely to interfere with the efficient performance of duties
  - (b) There should be no evidence of weak constitution, bodily defects or over-weight.
  - (c) The minimum acceptable height is 157.5 cms (157 cms for Nuvy and 162.5 cms for Air Force). For Gorkhas and individuals belonging to hills of North Eastern regions of India, Garhwal and Kumaon the minimum acceptable height will be 5 cms less In case of candidates from Laccadives the minimum acceptable height can be reduced by 2 cms. Height and weight standards are given below:—

Height & Weight Standards

TT-I-L		41	 	Weight in Kgs.					
	t in Co thout		_	18 years	20 years	22 years			
152				44	46	47			
155				46	48	49			
157				47	49	50			
16↑				48	50	51			
162				50	52	53			
165				52	53	55			
168				53	55	57			
170				55	57	58			
173				<b>5</b> 7	59	60			
175		,	,	59	61	62			
<b>17</b> 8				61	62	63			
180				63	64	65			
183				65	67	67			
185				67	69	70			
183				70	<b>7</b> 1	72			
190			-	72	73	74			
193 195				74 77	76 78	7′ 78			

A+10% (± 6 Kg for Navy) departure from the average weight given in the Table above is to be considered within normal limits. However, in individuals with heavy bones and broadbuilt as well as individuals with thin but otherwise healthy this may be relaxed to some extent on merit.

- (d) Chest should be well developed. The minimum range of expansion after full inspiration should be 5 cms. The measurement will be taken with a tape so adjusted that its lower edge should touch the nipple in front and the upper part of the tape should touch the lower angle of the shoulder blades behind. X-Ray of the chest is compulsory and will be taken to rule out any disease of the chest.
- (e) There should be no disease of bones and joints of the body.
- (f) A candidate should have no past history of mental breakdown or fits.
- (g) The hearing should be normal. A candidate should be able to hear a forced whisper with each ear at a distance of 610 cms in a quiet room. There should be no evidence of present or past disease of the ear. nose and throat.
- (h) There should be no signs of functional or organic disease of the heart and blood vessels. Blood pressure should be normal.
- (j) The muscles of abdomen should be well developed and there should be no enlargement of liver or spleen. Any evidence of disease of internal organs of the abdomen will be a cause for rejection.
- (k) Un-operated hernias will make a candidate unfit. If operated, this should have been done at least a year prior to the present examination and healing is complete.
- (1) There should be no hdrocele, varicocele or piles.
- (m) Urine examination will be done and any abnormality if detected will be a cause for rejection.
- (n) Any disease of the skin which is likely to cause disability or disfigurement will also be a cause for rejection.
- (o) A candidate should be able to read 6/6 in a distant vision chart with each eye with or without glasses (For Navy and Air Force without glasses only). Myopia should not be more than 2.5 D and hypermetropia not more than 3.5 D including Astigmatism. Internal examination of the eye will be done by means of ophthalmoscope to rule out any disease of the eye. A candidate must have good binocular vision. The colour vision standard will be CP-3. A candidate should be able to recognise red and green colours. The candidates for the Navy should have normal night vision acuity and will be required to give a certificate that neither he nor any member of his family had suffered from congenial night blindness.
- (p) The candidate should have sufficient number of natural and sound teeth. A minimum of 14 dental points will be acceptable. When 32 teeth are present, the total dental points are 22. A candidate should not be suffering from severe nyorrheea.

(q) X-Ray examination of the chest will include the lower part of cervical spine for presence of cervical ribs. X-Ray examination of other parts of spine will be taken if the SMB considers it necessary.

- 2. In addition to the above, the following medical standards will be applicable in respect of Air Force candidates only:--
  - (a) Antropmetric measurements acceptable Force are as follows: for Alr

. 162 5 cms. Height

Leg length: Min. 99 cms. & Max 120 cms.

Thigh Length: . Max 64 cms.

Sitting

Height: . Min. 81 .5 cms. & Max. 96 cms.

- (b) X-Ray Spine of all candidates is to be taken to exclude the following abnormalities:—
  - (1) Scoliosis of more than 7 by Cobb's method.
  - (ii) Spina bifida except at SV-1.
  - (iii) Unilateral Sacralisation of LV-5.
  - (iv) Scheuermann's disease: Scheuermann's nodes, spondylosis or Spondylolistheosis.
  - (v) Any other significant spinal disease.
- (3) X-Ray Chest is compulsory.

(d) Vision

Distance Vision 1 . 6/6 6/9 Correctable ĊΟ 6/6.

Near Vision : . N-5 each eye Colour Vision 1 CP-I (MTL)

Manifest Hypermetropia....must not exceed 2:00 D

# Ocular Muscle Balance

Hetrophoria with the Maddox Rod test must not exceed:

(i) at 6 metres Exophoria 6 prism dioptres. Esophoria 6 prism dioptres Hyperphoria I prism dioptres

(ii) at 33 cms Exophoria 16 prism dioptres Esophoria prism dioptres Hyperphoria 1 prism dioptres Myopia Nil +0 ·75 D only Astigmatism

Binocular Vision—Must possess good binocular vision (fusion and sterwopsis with good amplitude and depth)

(c) Hearing Standards

(i) Speech test : Whispered hearing 610 cms each ear

: Audiometric loss should not exceed + 10 db in frequencies between 250 Hz and 4000 Hz (ii) Audiometric test

(f) Routine ECG and EEG should be within normal limits,

3. The medical standards for candidates of Naval Aviation Banch will be the same as for flying duties of Air Force. 32-296GI/81

#### APPENDIX III

(Brief Particulars of service etc.)

- (A) FOR CANDIDATES JOINING THE INDIAN MILITARY ACADEMY, DEHRA DUN
- Before the Candidate joins the Indian Military academy-
  - (a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of 8 surgical opperation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise;
  - (b) his parent or guardlan will be required to sign a bond to the effect that if for any reason considered within his control, the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or falls to accept a commission if offered he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Government.
- 2. Candidates finally selected will undergo a course of training for about 18 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as 'gentlemen cadets' Gentlemen cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Indian Military Academy, Dehra Dun.
- 3. While the cost of training including accommodations, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses their pocket expenses themselves. The minimum expenses at the Indian Military Academy are not likely to exceed Rs. 55.00 per mensem. If a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance may be granted by the Government No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 500.00 per mensem or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance. for determining the eligibility for financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirous of having any financial assistance, should immediately after his son/ward has been finally selected for training at the Indian Mulitary Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will, with his recommendation, forward the application to the Commandant, Indian Military Academy, Dehra Dun.

- 4. Candidates finally selected for training at the Indian Military Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival:—
  - (a) Pocket allowance for five months at Rs. 55.00 per month-Rs. 275.00.
  - (b) For items of clothing and equipment-Rs. 800.00

Total : Rs. 1075.00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial assistance being sanctioned to them:—

being sanctioned to them:—
Pocket allowance for five months at Rs. 55.00 per month Rs 275.00.

- 5. The following scholarships are tenable at the Indian Military Academy:—
- (1) PARSHURAM BHAU PATWARDHAN Scholarship—This scholarship is awarded to cadets from MAHARASHTRA AND KARNATAKA The value of one scholarship is up to the maximum of Rs 500 00 per annum for the duration of a cadet's stay at the Indian Military Academy subject to the cadet making satisfactory progress. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.
- (2) COLONFL KENDAL FRANK MFMORIAL Scholarship—This Scholarship is of the value of Rs. 36000 per annum and is awarded to an eligible Maratha cadet who should be a son of ex-serviceman The Scholarship is an addition, to any financial assistance from the Government.
- 6 An outfit allowance at the rates and under the general conditions applicable at the time for each cadet belonging to the Indian Military Academy will be placed at the disposal of the Commandant of the Academy The unexpended portion of this allowance will be—
  - (a) handed over to the cadet on his being granted a Commission; or
  - (b) if he is not granted a commission, refunded to the state.

On being granted a commission, article of clothing and necessaries purchased from this allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles will, however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The article withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

- 7. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training However. Gentlemen Cadets resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army HQ. Cost of training messing and allied services will be recovered from them before their departure. They and their parents/guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Indian Military Academy. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may, with permission of the Government, be discharged. An Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.
- 8. Commission will be granted only on successful completion of training. The date of commission will be that following the date of successful completion of training, Commission will be permanent.
- 9. Pay and allowances, pensions, leave and other conditions of service after the grant of commission will be identical with those applicable from time to time to regular officers of the army.

#### Training:

10. At the Indian Military Academy, Army Cadets are known as Gentlemen Cadets and are given strenuous military training for a period of 18 months aimed at turning out officers capable of leading infantry sub-units. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Permament Commission in the rank of 2nd Lt. subject to being medically fit in S.H.A.P.E.

# 11. Terms and Conditions of Service

#### (i) PAY

Rank	]	Pay Scale	Rank	Pay Scale		
**************************************		Rs.		Rs.		
2nd Lieut	•	750 790	Lt. Colonel (Time scale)	1900 fixed		
Leiut ,		830950	Colonel	1950-2175		
Captain .		11001550	Brigadier	22002400		
Major	•	1450—1800	Maj. General	2500—125/2 2750		
Lt. Colonel (By Selection)			Lt. General Lt. General (Army Comma	3000 p.m. 3250 p.m.		

# (ii) QUALIFICATION PAY AND GRANT

Officers of the rank of Lt Col and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to a lump sum grant of Rs. 1600/-, 2400/- 4500/- or 6000/- based on the qualifications held by them Flying Instructors (Cat. 'B') are authorised qualification pay @ Rs. 70/- p.m.

# (iii) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer at present receives the following allowances---

- (a) Compensatory (city) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the civilian Gazetted Officers from time to time.
- (b) A kit maintenance allowance of Rs. 50 p.m
- (c) Expatriation Allowance is admissible when serving outside India This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of foreign allowance.
- (d) Separation allowance: Married officers posted to non-family stations are entitled to receive separation allowance of Rs. 70 p.m.
- (e) Outfit Allowance:—Initial outfit allowance in Rs. 1400/-.

A fresh outfit allowance @ Rs 1200/- is to be claimed after every seven years of the effective service commencing from the date of first commission.

# (iv) POSTING

Army officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

#### (v) PROMOTION

# (a) Substantive promotion

The following are the service limits for the grant of snbstantive promotion to higher ranks:—

by time scale

Lt. . . . . 2 years of Commissioned Service
Capt. . . . 6 years of Commissioned Service

Major 13 Years of Commissioned Service Lt. Col. from Major 25 years of Commissioned Service (if not promoted by selection) by selection Lt. Col. 16 years of Commissioned Service Col. 20 years of Commissioned Service Brigadier 23 years of Commissioned Service Major Gen. 25 years of Commissioned Service Lt. Gen. 28 years of Commissioned Service Gen. Not restriction (b) Acting promotion Officers are eligible for acting promotion to higher ranks on completion of the following minimum Service limits subject to availability of vacancies: Captain . 3 years Major 5 years Lt. Colonel 6-1/2 years Colonel 8-1/2 years Brigadier 12 years Major General 20 years Lt. General 25 years (B) FOR CANDIDATES JOINING THE NAVAL ACA-DEMY, COCHIN. 1. (a) Candidates finally selected for training at the Academy will be appointed as cadets in the Executive Branch of the Navy. They will be required to deposit the following amount with the Officer-in-Charge, Naval Academy, Cochin. (i) Candidates not applying for government financial aid: (i) Pocket allowance for five months @Rs 45 00 per month Rs. 225 ·00 (ii) For items of clothing and equipment. Rs. 460 00 Total Rs. 685 '00 (2) Candidates applying for Governmental financial aid: (i) Pocket allowance for two months @45 00 per month Rs. 90 00 . (ii) For items of clothing and equipment Rs. 460 · 00 Total Rs. 550 ·00 (b) (i) Selected Candidates will be appointed as cadets and undergo training in Naval Ships and Establishments as under :-(a) Cadets Training including affoat training for 6 months . l year (b) Midshipmen afloat Training . 6 months

(d) Sub-lieutenants

(c) Acting Sub-Lieutenant Technical Courses 12 months

On completion of the above training, the officers will be appointed on board Indian Naval Ships for obtaining full Naval

Watch-keeping certificate for which a minimum period of SIX months is essential.

(ii) The cost of training including accommodation and allied services, books, uniform, messing and medical treatment of the cadets at the Naval Academy will be borne by the Government. Parents or guardians of cadets will however, be required to meet their pocket and other private expense while they are cadets. When a cadet's perent on guardian has an income less than Rs. 500 per mensem and is unable to meet wholly or partly the pocket expenses of the cadet, financial assistance up to Rs. 55 per mensem may be granted by the Government. A candidate desirous of securing financial assistance may immediately after his selection submit an application through the District Magistrate of his District, who will with his recommendations, forward the application to the Director of Personnel Service, Naval Headquarters, New Delhi:

Provided that in a case where two or more sons or wards of a parent or guardian are simulaneously undergoing training at Naval ships/establishments, financial assistance as aforesaid may be granted to all of them for the period they simultaneously undergo training, if the income of the parent or guardian does not exceed Rs. 600 p.m.

- (iii) Susequent training in ships and establishments of the Indian Navy is also at the expense of the Government. During the first six months of their training after leaving the Academy financial concession similar to those admissible at the Academy vide sub-para (ii) above will be extended to them. After six months of training in ships and establishments of the Indian Navy, when Cadets are promoted to the rank of Midshipman they begin to receive pay and parents are not expected to pay for any of their expenses.
- (iv) In addition to the uniform provided free by the Government cadets should be in possession of some other items of clothing. In order to ensure correct pattern and uniformity these items will be made at Naval Academy and cost will be met by the parents or guardians of the cadets. Cadets applying for financial assistance may be issued with some of these items of clothing free or on loan. They may only be required to purchase certain items.
- (v) During the period of training Service Cadets may receive pay and allowances of the substantive rank held by them as a sailor or as a boy or as an apprentice at the time of selection as cadets. They will also be entitled to receive increments of pay. If any, admissible in that rank. If the pay and allowances of their substantive rank be less than the financial assistance admissible to direct cadets and provided they are eligible for such assistance they will also receive the difference between the two amounts.
- (vi) No cadet will normally be permitted to resign while under training. A cadet who is not considered suitable to complete the full course at the Indian Naval Ships and establishment may, with the approval of the Government be withdrawn from training and discharged. A service cadet

under these circumstances may be reverted to his original appointment. A cadet thus discharge or reverted will not be eligible for re-admission to a subsequent course. Cases of cadets who are allowed to resign on compassionate grounds may, however, be cosidered on merits.

- 2. Before a candidate is selected as a cadet in the Indian Navy, his parent or guardian will be required to sign—
  - (a) A certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or whose bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.
  - (b) A bond to the effect that if for any reason considered within the control of the candidate, he wishes to withdraw from training or fails to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of the tuition, food clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Government.

# 3. PAY AND ALLOWANCES

# (4) PAY

- 1						Pay Scale
Rank						General Service
(1)				<b></b>		(2)
Midshipman			•		•	. Rs. 560
Ag. Sub Lieut.						. Rs. 750
Sub. Lieut,						. Rs. 830—870
Liout						. Rs. 1100—1450
Lieut Cdr.						. Rs. 1450—1800
Commander (E	y Se	lectio	n)			. Rs. 17501950
Commander (B	ly tin	ne Scr	alo)			. Rs. 1900 fixed
Captain	•			•	•	. Rs. 1950—2400 (Commodore receives pay to which entitled according to seniority as Captain).
Rear Admiral						Rs. 2500—125/2—2750
Vice Admiral						Rs. 3000

# (b) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer receives the following allow-

(i) Compensatory (City) and dearness allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted Officers from time to time.

- (ii) A kit maintenance allowance of Rs. 50 p.m.
- (iii) When officers are serving outside India expatriation allowance ranging from Rs. 50 to Rs. 250 p.m. depending on rank held; is admissible.
- (iv) A separation allowance of Rs. 70 p.m. is admissible
  - (i) married officers serving in non-family station;
  - (ii) married officers serving on board 1.N. Ships for the period during which they remain in ships away from the base ports.
- (v) Free ration for the periods they remain in the ships away from the base ports.
- NOTE I:—In addition certain special concessions like hardlying money, sub-marine allowance, sub-marine pay, survey bounty, qualification pay/grant and diving pay are admissible to officers.

NOTE II:—Officers can volunteer for Service in Sub-marine or Aviation Arms. Officers slected for Service in these arms are entitled to enhanced pay and special allowances.

# 4. PROMOTION

# (a) By time scale

Lieut Cdr. to Cdr.

Cdr. to Capt. .

(a) Dy nine some		
Midshipmen to Ag. Sn b. Lieut.	•	. 1/2 year
Ag. Sub. Lieut, to Sub Lieut .		. l your
Sub. Lieut to Lieut		. 3 years as Ag. and con- firmed Sub. Lt. (Sub- ject to gain/forfeiture of seniority)
Lieut to Lieut Cdr		. 8 years seniority as Lieut,
Lieut. Cdr. to Cdr. (if not promoted by selection)		. 24 years (reckonable commissioned service)
(b) By selection		

Capt. to Rear Admiral and above No service restriction.

. 2-8 years seniority as

. 4 years seniority as Cd,

# 5. POSTING

Officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

- Note.—Further information, if desired, may be obtained from the Director of Personnel Service Naval Headquarters, New Delhi-110011.
  - (C) FOR CANDIDATES JOINING THE OFFICERS' TRAINING SCHOOL, MADRAS.
- 1. Before the candidate joins the Officers Training School, Madras—
  - (a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entited to claim any compensation of other reilef from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training, or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.
  - (b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that, if for any reason considered within his control the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission if offered or marries while under training at the Officers' Training School, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tultion, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by the Government.
- 2. Candidates finally selected will undergo a course of training at the Officers' Training School, for an approximate period of 9 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as gentlemen cadets. Gentlemen cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Officers' Training School.
- 3. While the cost of training, including accommodation books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses during pre-Commission training are not likely to exceed Rs. 55 per month but if the cadets pursue any hobbies such as photography, Shikar, hiking etc. they may require additional money. In case, however, the cadet is unable to meet wholly or partly even the minimum expenditure, financial assistance at rates which are subject to change from time to time, may be given provided the cadet and his parent/guardian have an income below Rs. 500 per month. The rate of assistance under the existing orders is Rs. 55 per month. A candidate desirous of having financial assistance should immediately after being finally selected for training submit an application on the prescribed form through the District Magistrate of his district who will forward the application to the Commandant Officers Training School, MADRAS slong with his verification report.
- 4. Candidates finally selected for training at the Officers Training Schoool will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival:—
  - (a) Pocket allowance for ten months at

Rs. 55 00 per month.
(b) For Items of clothing and equipment.

Rs. 550 00 Rs. 500 00

Total . . .

Rs. 1050 00

- Out of the amount mentioned above, the amount mentioned in (b) above is refundable to the Cadets in the event of financial assistance being sanctioned to them.
- 5. Outfit allowance will be admissible under orders as may be issued from time to time.

On being granted a commission articles of clothing and necessaries purchased from this allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles, will however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The articles withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

- 6. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However Gentlemen Cadets resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army HQ cost of training, messing and allied services will be recovered from them before their departure. They and their parents/guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Officers' Training School.
- 7. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may with permission of Government be discharged. An Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.
- 8. Pay and allowances, pension, leave and other conditions of service, after the grant of commission, are given below.

#### 9. Training

- 1. Selected candidates will be enrolled under the Army Act as Gentlemen Cadets and will undergo a course of training at the Officers Training School for an approximate period of nine months. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Short Service Commission in the rank of 2/Lt. from the date of successful completion of training.
  - 10. Terms and conditions of Service
  - (a) Period of probation

An officer will be on probation for a period of 6 months from the date he receives his Commission. If he is reported on within the probationary period as unsuitable to retain his commission, it may be terminated at any time, whether before or after the expiry of the probationary period.

# (b) Posting

Personnel granted Short Service Commissions are liable to serve anywhere in India and abroad.

# (c) Tenure of Appointment and Promotion

Short Service Commission in the Regular Army will be granted for a period of five years. Such officers who are willing to continue to serve in the Army after the period of five years' Short Service Commission may if eligible and suitable in all respects, be considered for the grant of Permanent Commission in the last year of their Short Service Commission in accordance with the relevant rules. Those who fail to qualify for the grant of Permanent Commission during the tenure of five years, would be released on completion of the tenure of five years.

# (d) Pay and Allowances

Officers granted Short Service Commission will receive pay and allowances as applicable to the regular officers of the Army. Rates of pay 2/Lt. and Lieut. are:-

Rs. 750—790 p.m. Rs. 830—950 p.m. Plus other allowances as laid down for regular officers

- (e) Leave . For leave, these officers will be governed by rules applicable to Short Service Commission Officers as given in Chapter V of the Leave Rules for the Service Vol. I-Army. They will also be entitled to leave on passing out of the Officers Training School and before assumption of duties under the provisions of Rule 91 ibid.
- (f) Fermination of Commission: An officer granted Short Service Commission will be liable to serve for five years but his Commission may be terminated at any time by the Government of India—
  - (1) for misconduct or if services are found to be ansatisfactory; or
  - (li) on account of medical unlfitness; or
  - (lii) If his services are no longer required; or
  - (iv) if he falls to qualify in any prescribed test or course.

An officer may on giving three months notice be permitted to resign his Commission on compassionate grounds of which the Government of India will be the sole judge. An officer who is permitted to resign his Commission on compassionate grounds will not be eligible for terminal gratuity.

- (g) Pensionary benefits
  - (i) These are under consideration,
  - (ii) SSC officers on expiry of their five years term are eligible for terminal gratuity of Rs. 5,000.00
- (h) Reserve Liability

On being released on the expiry of five years Short Service Commission or extension thereof they will carry a reserve liability for a period of five years or up to the age of 40 years whichever is earlier.

- (i) Miscellaneous: All other terms and conditions of Service where not at variance with the above provisions will be the same as for regular officers.
- (D) FOR CANDIDATES JOINING THE AIR FORCE ACADEMY
- 1. Selection.—Recruitment to the Flying Branch (Pilots) of the IAF is carried out through two sources i.e. Direct entry through UPSC and NCC (Senior Division Air Wing).
  - (a) Direct Entry.—Selection is made through a written examination conducted by the commission twice a year normally in May and November. Successful candidates are then sent to the Air Force Selection Boards for tests and interview.

- (b) NCC Entry.—Applications from NCC candidates are invited by Director General NCC through respective NCC units and forwarded to Alr HQ. Eligible candidates are directed to report to AFSBs for tests and interview.
- 2. Detailing for Training.—Candidates recommended by the AFSBs and found medically fit by appropriate medical establishment are detailed for training strictly on the basis of merit and availability of vacancies. Separate merit lists are prepared for Direct Entry candidates through UPSC and for NCC candidates. The merit list for Direct Entry Plying (Pilot) candidates is based on the combined marks secured by the candidates in the tests conducted by the UPSC and at the AF Selection Boards. The merit list for NCC candidates is prepared on the basis of marks secured by them at AFSBs
- 3. Iraining.—The approximate duration of training for Flying branch (Pilots) at the Air Force Academy will be 75 weeks.

#### 4. Career Prospects

After successful completion of training, the candidates pass out in the rank of Pilot Officer and become entitled to the pay and allowances of the rank. At the existing rates, Officers of the Flying Branch get approximately Rs. 1575/p.m. which includes flying pay of Rs. 375/- p.m. Air Force officers good career prospects through it varies from branch to branch.

There are two types of promotions in the IAF i.e. grant of higher Acting rank and Substantive rank. Each higher rank carries with it extra emoluments. Depending on the number of vacancies, one has a good number of chances to get promotion to the higher Acting rank. Time-scale promotion to the rank of Squadron Leader and Wing Commander is granted after successful completion of 11 years for Flying (Pilot) branch and 24 years of service respectively. Grant of higher rank from Wing Commander and above is by selection, carried out by duly constituted promotion Boards. Promising Officers have good chances of higher promotions.

# 5. PAY AND ALLOWANCES

Substantiv	e Ra	nk	 		F	ying	Branch
			 				Rs.
Pit Offr.		•					. 825—865
Flg. Offr.							910—1030
Flt. Lt							11501550
Sqn. Ldr.,							J 450 J 800
Wg. Cdr.				,			1 <b>550</b> —1950
Gp. Capt.							19502175
Air comde.							22002400
Air Vice Mar	shal		•				2500 <b>—2750</b>
Air Marshal							3000/-

Dearness and Compensatory Allowance.—Officers are entitled to these allowances at the rates under condition applicable to civilian employees of Government of India.

Kit Maintenance Allowance. -Rs 50/- p.m Flying Pay; Officers of the Flying Branch are entitled to get Flying Pay at the following rates:

Wg. Cdr. and below .	. Rs. 375 ·00 P.M.
Gp. Capt. and Air Comde .	. Rs. 333 ·33 P.M.
Air Vice Marshal and above	. Rs. 300 00 P.M

Qualification Pay .-- Officers of the rank of Wing Commander and below who have completed two or more years of commissioned service are eligible for qualification grant at prescribed rates in respect of certain specified qualifications. Rates of qualification pay are Rs. 70/- and 100/- and grants are Rs. 6,000/-, Rs. 4,500/-, Rs. 2,400/- and Rs. 1,600/-.

Expatriation Allowance.—Ranging from 25% to 40% (depending upon the rank held) of the Foreign Allowance admissible to a single Third Secretary/Second Secretary/First Secretary/Counsellor, serving in the country where IAF Officers are required to move as body of troop.

Separation Allowance.—Married Officers posted to Units/ Formations located at non-family stations/areas notified as such by Government for this purpose, where families are not permitted to accompany them will receive separation allowance of Rs. 70/- p.m.

Outfit Allowance.-Rs. 1400/- initially (as modified from time to time) towards cost of uniform/equipment which an officer has to possess: Rs. 1,200/- for renewal after every seven years.

Camp Kit.—Free issue at the time of commissioning.

# 6 . Leave and Leave Travel Concession

Annual Leave .- 60 days a year.

Casual Leave.-20 days a year, not more than 10 days at a time.

Officers and their families are entitled to free conveyance when proceeding on annual/casual leave irrespective of its duration one year after commissioning. Once in a block of two years, commencing from January, 1971 the conveyance is admissible from place of duty (unit) to home. The year in which this concession is not availed of, free conveying for a distance of 965 kms each way is admissible for self and wife.

In addition officers of Flying Branch employed on regular flying duties in vacancies in authorised establishment are allowed, while proceeding on leave, once every year, on warrant, a free rail journey in the appropriate class upto a total distance of 1600 kms, for the forward and return journeys both inclusive

Officers when travelling on leave at their own expense are entitled to first class travel on payment of 60% of the fare for self, wife and children from unit to any place within India thrice in a calendar year. One of these may be availed of for the entire family. In addition to wife and children family includes parents, sisters and minor brothers residing with and wholly dependent upon the officers.

#### 7. PENSIONARY BENEFITS

Retiring Rank (Substantive)		Minimum ler of qualifying service	ngth Standard rate of Retiring Pension		
,		 	Rs.		
Plt offr/Fg offr		. 20 years	525 Pm		
Flt Lt		20 ,	750 "		
Sqn Ldr		. 22 ,,	875 ,		
Wg. Cdr (Time Sca	le)	. 26 ,,	925		
Wg Cdr (Sclective)		. 24 ,,	950 .,		
Gp Capt		. 26 "	1100 ,,		
Air Comde .		. 28 ,,	1175		
Air Vice Marshal		. 30 ,,	1275		
Air Marshal .		. 30 "	1375 ,		
Air Chief Marshal		. 30	1700		

#### 8. Retiring Gratuity

Retiring gratutiy at the discretion of the President as under :-

- (a) For 10 years service—Rs. 12,000/- less 11 month's pay of rank last held.
- (b) for every additional year—Rs. 1200/- less ‡ month's pay of rank last held.

In addition to pension or gratuity a death-cum-retirement gratuity, equal to 4th of emoluments for each completed six monthly period of qualifying service subject to a maximum of 164 times of the emoluments not exceeding Rs. 30,000/15 admissible. In case of death while in service the amount of death-cum-retirement gratuity will be as follows:

- (a) Two months pay, if death occurs in the first year of service;
- (b) Six months pay, if death occurs after the first year, but before completion of five years;
- (c) Minimum of 12 months pay, if death occurs after five years.

Disability pension and Special Family Pensionary award, including awards to children and dependents (parents, brothers and sisters), are also payable in accordance with the prescribed rules.

# 9. Other privileges

The Officers and their families are entitled to free medical aid, accommodation on concessional rent, group insurance cheme, group housing scheme, family assistance scheme, canteen facilities etc.

# APPENDIX IV

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to crtify that Shri

Shri — of village/town\* —

in District/Division\* b of Shri -State/Union Territory\*

— Caste/Tribe\* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe\* under:—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950\*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950\*

the Consti	tution 51*	(Schedu		Castes	s) (t	Jnion	Terri	tories)
the Cons		(Sched	luled ——	Tribe	es) (I	Jnion	Ter	ritorles
[as amend lists (Mod Act 1960 of Himac (Reorganis Scheduled	tification	1) Order	- 19ና	6 the	Bomb	av Re	orgar	usation
the Const Order, 19	itution 56*	(Jammu	and	Kashr	nir) \$	chedul	ed	Castes
the Consti Tribes Ord Scheduled	ler. 195	9 as am	ended	by th	ie Scho	duled	Cast	eduled es and
the Constit Order, 196	^-	Dadra a		_		Sched	uled 	Castes
the Constit Order, 196	-	Dadra a		gar H	[aveli)	Sched	uled	Tribes
the Consti 1964*	tution	(Pondich	erry),	, Scl	heduled	i Cast	es	Order.
the Consti 1967*	tution (		d Tr		(Uttar	Prade	sh)	Order
the Consti Order, 196	tution (	Goa, D	aman	and	Diu)	Schodu	iled	Castes
the Constl Order 196	tution (	Goa, D	aman	and	Diu)	Schedu	ıled	Trībes
the Consti	tution (	Nagalan	d) Sc	hedule	d Tril	bes Or	der,	1970*
the Consti	tution_(	(Sikkim)	Sche	duled	Cast	les On	der,	1978*
the Consti	tution	(Sikkim	) Sch	edule	1 Trib	es On	der,	1978*
2. Shri					an	d/or*	hie i	family
ordinarily	reside (n	) in vill	lage/to	own*		— of	! -0	
District/Div	VISIOD*	or the S	state/			ory• (		
			<b>0</b> #1	-				
		Otata #						
		State /T	<b>ם</b> סנם ר	1 crri	югу∙.		• • • •	

Place.....

\*Please delete the words which are not applicable.

Note.—The term 'ordinarily reside(s)' used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

(with seal of office)

- \*\*Officers competent to issue Caste/Tribe Certificates:
  - (1) District Magistrate/Additional District Magistrate Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/Clty Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate)

- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer. Lakshadweep.

# APPENDIX V

#### CANDIDATES INFORMATION MANUAL

#### A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

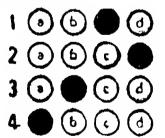
# B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOK-LET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3...... etc. Under each item will be given suggsted answers marked a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one answer: if you select more than one, your response will be considered wrong.

# C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you along with the Admission Certificate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklet or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of the items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item, circular spaces marked, a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the circle containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the circles on the Answer Sheet.



# IT IS IMPORTANT THAT-

- 1. You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
- 2. To change a wrong marking, erase it completely and remark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
- 3. Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

# D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

- 1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
- 2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- 3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
- 4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
- 5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on the Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may loose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
- 7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the test.

# E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor, to do so.

# F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your tline as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them, Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

#### G. CONCLUSION OF TEST

Stope writing as soon as the Supervisor asks you to stop Remain in your seat and wait till the invigilator collects al the necessary material from you and permits you to leave th Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the examination Hall.

# SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

(Note:--\*denotes the correct/best answer-option)

#### 1. (General Studies)

Bleeding of the nose and the ears is experienced at high altitudes by mountain climbers because

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure
- (b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressures on the inner and outer walls
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure

#### 2. (English)

(Vocabulary-Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- \*(d) largest so far

# 3. (Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below

- •(a) spraying with growth regulators
- (b) planting wider apart
- (c) planting in the correct season
- (d) planting with close spacing

# 4. (Chemistry)

The anhydride of H<sub>3</sub>VO<sub>4</sub> is

- (a) VO<sub>3</sub>
- (b) YO<sub>4</sub>
- (c) VO<sub>2</sub>O<sub>3</sub>
- \*(d) V<sub>2</sub>O<sub>5</sub>

# 5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when

- \*(a) wage is less than marginal revenue product
- (b) both wage and marginal revenue product are equal
- (c) wage is more than the marginal revenue product
- (d) wage is equal to marginal physical product

# 6. (Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dielectric of relative permittivity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space, the velocity of propagation in the line will be

- (a) 3C
- (b) C
- \*(c) C/3
- (d) C/9

# 7. (Geology)

Piagiociase in a basalt is

- (a) Oligoclase
- \*(b) Labradorite
- (c) Albite
- (d) Anorthite

#### 8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation

$$\frac{d^2y}{dx^2} - \frac{dy}{dx}$$
 r is given by

- (a) y=ax+b
- (b) y-ax
- (c) y=acx+bc-x
- \*(d) y=ao=-a

#### 9. (Physics)

An ideal heat engine works between temperatures 400° K and 300° K. Its efficiency is

- (a) 3/4
- \*(b) (4--3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

# 10. (Statistics)

The mean of a binomial variate is 5. The variance is

- (a) 42
- \*(b) 3
- (o) 🖚
- (d) -5

# 11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- \*(b) it is the deltaic part of most of the rivers of Burma
- (c) it has excellent forest resources
- (d) most of the oil resources are found in this part of the country

# 12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism
- (b) Brahmanism was a highly formalised and pretentious religion

- •(c) With the rise of Brahmanism the Vedic sacrificial fire was relegated to the back ground
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual

# 13. (Philosophy)

Identify the atheistic group of philosophical system in the following :

- (a) Buddhism, Nyaya, Carvaka, Mimans i
- (b) Nyāya, Vaisesika, Jainism and Buddhims Cārvāka
- (c) Advaita, Vedānta, Sāmkhya, Cārvāka Yoga
- \*(d) Buddhism, Samkhya, Mimansa, Carvaka

# 14. (Political Science)

- 'Punctional representation' means

- (a) election of representatives to the legislature on the basis of vocation
- (b) pleading the cause of a group or a professional association
- (c) election of representatives in vocational organization
- (d) indirect representation through Trade Unions

# 15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal
- \*(b) reduction of the drive state
- (c) instrumental learning
- (d) discrimination learning

# 16. (Sociology)

Panchayati Raj Institutions in India have brought about one of the following:

- (a) formal representation of women and weaker sections in village government
- (b) untouchability has decreased
- (c) land-ownership has spread to deprived classes
- (d) education has apread to the masses

Note:—Candidates should note that the above sample items (questions) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the syllabus for this examination.